

हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

12 मार्च, 2007

खण्ड-1, अंक-2

अधिकृत विवरण



विषय सूची

बीडवार; 12 मार्च, 2007

	पृष्ठ संख्या
सारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(2) 1
निबन्ध 45(1) के अधीन तदन की सेवा पर रखे गए सार्वजनिक प्रश्नों के लिखित उत्तर	(2) 25
असारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(2) 32
ध्वान्ताकर्षण प्रस्ताव—	(2) 54
राज्य में भारी वर्षा तथा ओलावृष्टि के कारण कृषकों की क्षति सम्बन्धी	(2) 54
वक्तव्य—	(2) 54
कृषि मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्वान्ताकर्षण प्रस्ताव सम्बन्धी	(2) 54
वाक्य आकृत	(2) 60
अनुपस्थिति संबंधी सूचनाएं	(2) 61
राज्यपाल के अभिभाषण पर वर्षा	(2) 62
अति विशिष्ट व्यक्ति का अभिषेक	(2) 62

मूल्य :

74

(ii)

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरावलोकन)	(2) 62
अन्वेषण प्रस्ताव पर संशोधन की सूचना	(2) 97
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरावलोकन)	(2) 97
बैठक का समय बढ़ाना	(2) 109
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरावलोकन)	(2) 109
बैठक का समय बढ़ाना	(2) 118
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरावलोकन)	(2) 118

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 12 मार्च, 2007

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सेक्टर-1, चण्डीगढ़ में 2.00 बजे (अपराह्न) हुई। अध्यक्ष (डा० रघुवीर सिंह कादियान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now question hour.

Setting up of Clusters

*576. Shri Dharampal Singh Malik : Will the Minister for Industries be pleased to state—

- (a) whether there is any proposal under consideration of the Government to set up clusters in the State for manufacturing of different items, togetherwith the criteria adopted for selecting the places for the purpose; and
- (b) whether there is any proposal under consideration of Govt. to set up clusters for manufacturing of Niwar at Gohana being the biggest Niwar manufacturer of the Northern India ?

Industries Minister (Sh. Lachhman Dass Arora) : Sir, the reply is placed on the Table of the House.

- (a) The Government of India, Ministry of Commerce & Industry has approved following two clusters for upgradation of physical infrastructure:

Name of the Cluster	Project cost (Rs. in Crores)
Textile Industrial Cluster, Panipat	54.53
Light Engineering Industrial Cluster, Faridabad	79.56

In addition to above, a proposal of Auto Component Industrial Cluster, Gurgaon of Rs. 66.67 crore is under consideration of Ministry of Commerce & Industry, Government of India. State Government would also take up with the Government of India for upgradation of following clusters under the above scheme:

- (i) Scientific Instruments Cluster, Ambala
- (ii) Metal Industries Cluster, Jagadhri.
- (iii) Agricultural Implements Cluster, Karnal.

(iv) Pharmaceutical Cluster, Sonipat.

(v) Agro Chemical and Industrial Chemical Cluster, Bahadurgarh.

Government of India identifies clusters under this scheme based on geographical location, concentration of industry and growth potential.

State Government is planning to set up Foot Wear Park at Bahadurgarh for development of footwear industrial cluster.

Further, under National Programme on Rural Industrialization, Ministry of Agro and Rural Industries, Government of India has approved following four rural clusters in the State of Haryana:—

Name of Cluster	Amount (Rs. in lakhs)
Jutti Manufacturing Cluster, Ismailabad, district Kurukshetra	2.35
Jute/Cane Furniture Manufacturing Cluster, village Farukhnagar, district Gurgaon	2.50
Leather Footwear Manufacturing Cluster, village Odhi, district Rewari	2.50
Embroidery Frame Manufacturing Rural Cluster, village Tallot, district Mahendergarh	2.50

In this scheme, State Government sends proposals to Ministry of Agro & Rural Industries, Government of India for seeking assistance under the scheme on the recommendations of District Level Implementation Committee constituted under the Chairmanship of concerned Deputy Commissioner.

(b) Presently, there is no proposal under consideration with the State Government to provide assistance for Niwar manufacturing industrial cluster at Gohana.

चौ० धर्मपाल सिंह मलिक : माननीय अध्यक्ष जी, मेरे प्रश्न का जवाब माननीय मन्त्री जी ने जो दिया है वह जो मेरा सवाल था उसके मुताबिक नहीं है। मेरा सवाल यह था कि सरकार जो कलस्टर स्थापित करती है उसके लिए क्राईटेरिया क्या है, किस चीज़ के आधार पर उस जगह का सिलेक्शन किया जाता है ? जो नाम माननीय मन्त्री जी ने लिये हैं उनमें से दो तो भारत सरकार की तरफ से अनुमोदित हैं, पांच कलस्टरों के बारे में आप मान रहे हैं कि राज्य सरकार भारत सरकार से बात करेगी और ग्रामीण कलस्टरों के आपने नाम बताए हैं कि वे मन्जूर हो चुके हैं। मैंने यह पूछा था कि कलस्टर स्थापित करने का क्राईटेरिया क्या है। एक जगह आपने बताया कि चमड़े की जुती बनाने के लिए रिवाड़ी में कलस्टर बनाया है जब कि वहां पर चमड़े की कोई वस्तु नहीं बनती है। इसी तरह से चमड़े की जुती इस्माईलाबाद जिला कुरुक्षेत्र में बनती ही नहीं है। मेरा सवाल पर्टिकुलरली यह था कि इनके लिए जो जगह का सिलेक्शन किया जाता है उसका क्या कारण है और किस तरह से चीज़ें स्थापित की जाएं इसके लिए मैंने सवाल किया था लेकिन मन्त्री जी ने जो जवाब दिया है उसमें उन्होंने इस बारे में कोई डिटेल नहीं दी है। अध्यक्ष महोदय, मैं यह

कहना चाहता हूँ कि मैंने गोहाना के बारे में स्पैसिफिक सवाल पूछा है लेकिन इन्होंने इसके बारे में कुछ नहीं बताया है। गोहाना में निवार बहुत ज्यादा बनती है। मैं फ्लोर ऑफ दि हाउस यह कहना चाहता हूँ कि यह रिकार्ड की बात है कि सारे हरियाणा में सबसे ज्यादा निवार का उत्पादन गोहाना में होता है।

श्री अध्यक्ष : मलिक साहब, आप स्पैसिफिक सवाल पूछें।

श्री धर्मपाल सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, मेरा यह कहना है कि मिलिट्री और पैरामिलिट्री फोर्सिज के लिए जो निवार की सप्लाई की जाती है वह गोहाना से की जाती है। मेरा सवाल यह है कि वहाँ पर निवार बनाने की कोई इण्डस्ट्री नहीं है क्या प्रॉयोरेटी बेसिज पर वहाँ पर ऐसा कलस्टर बनाया जाएगा जिससे वहाँ पर उद्योग डिवैल्प कर सकें ? क्या माननीय मन्त्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या सरकार वहाँ पर निवार का कलस्टर स्थापित करने के लिए विचार करेगी ?

श्री लछमन दास अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, गोहाना में एक टाईम था जब वहाँ पर निवार बनाने का काम किया जाता था। आजकल निवार का इस्तेमाल कम हो गया है। निवार का इस्तेमाल पलंग बनाने के लिए होता है और मिलिट्री में भी इस वक्त बहुत थोड़ी निवार की सप्लाई होती है। अध्यक्ष महोदय, हमने इस बारे में सारा सर्वे करवा लिया है और उस सर्वे के मुताबिक निवार की डिमांड आजकल बहुत ही घट गई है इसलिए वहाँ पर निवार का कलस्टर बनाने का सरकार का कोई विचार नहीं है।

श्री धर्मपाल सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मन्त्री महोदय के नोटिस में यह बात खाना चाहता हूँ कि वहाँ पर आज भी निवार काफी बड़ी मात्रा में बनती है। वहाँ पर रहने वाले लोग आज भी इस से होने वाली आनदनी पर निर्भर हैं और वहाँ से 65 करोड़ रुपये की निवार आज भी बाहर जाती है और मिलिट्री तथा पैरा मिलिट्री फोर्सिज में उसकी सप्लाई होती है। अध्यक्ष महोदय, मन्त्री जी यदि चाहें तो इसको एगजामिन करवा लें। मन्त्री जी ने जो बात कही है वह गलत है। गोहाना में आज भी निवार बनाने के 25 यूनिट चल रहे हैं जिनमें कम से कम पांच हजार वर्कर्स काम करते हैं इसलिए वहाँ पर कलस्टर बनाया जाना जरूरी है ताकि वहाँ पर सही मार्केट बन सके। जिस प्रकार से एस०ई०जेड के लिए जगह सिलैक्ट की गई है माननीय मन्त्री महोदय यह बताने की कृपा करें कि उसी प्रकार से वहाँ पर निवार उद्योग के लिए क्या क्या सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकती हैं ताकि वहाँ पर निवार का उद्योग डिवैल्प हो सके ?

श्री लछमन दास अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, जहाँ तक माननीय साथी का सवाल है, मैं उनको बताना चाहूँगा कि जो भी इन्फ्रास्ट्रक्चर होता है या जिस भी चीज की नसैस्टी होती है वह हम प्रोवाइड करते हैं। इन्होंने एस०ई०जेड का जिक्र किया है। कलस्टर बनाने के लिए यह देखा जाता है कि कितने छोटे यूनिट्स लगाने हैं और उस उद्योग का सर्वे करवा कर सुविधाएं देने बारे निर्णय लिया जाता है। कलस्टर बनाने का मतलब यह होता है कि छोटे-बड़े और दरम्यान उद्योग लग सकें वहाँ पर वे उद्योग डिवैल्प हो सकें।

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मंत्री जी ने मलिक साहब के सवाल का जवाब दिया और मैं भी माननीय साथी को बताना चाहूँगा कि गोहाना

में 50-60 करोड़ रुपए से ज्यादा की निवार बनती है और वहां पर 19 इण्डस्ट्रियल यूनिट्स निवार बनाने के इस समय हैं जिनमें कुल इन्वेस्टमेंट 351 लाख है और 445 लाख रुपए का प्रोडक्शन वहां पर होता है। वहां पर 5000 नहीं कुल 176 लोग ही काम करते हैं। अध्यक्ष महोदय, यह इण्डस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर अपग्रेडेशन की स्कीम है। यह हरियाणा सरकार की स्कीम नहीं है यह भारत सरकार की स्कीम है। अध्यक्ष महोदय, जहां कहीं भी कोई इण्डस्ट्री डवैल्प हुई हो वहां पर अतिरिक्त सुविधा देने का इस स्कीम के तहत प्रावधान है। इसमें एक स्पेशल परप्पज व्हीकल इण्डस्ट्रियलिस्ट के साथ मिलकर बनाया गया है और भारत सरकार से उसमें पैसा आता है। हमारा ऐसा मानना नहीं है कि 19 यूनिट्स में कोई क्लस्टर नहीं बनाया जा सकता है।

श्री लक्ष्मण दास अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन में बताना चाहूंगा कि हमने भिवानी के बारे में पता किया है कि वहां पर 38 इण्डस्ट्रीज हैं लेकिन वे लोग क्लस्टर बनाने में इण्डस्ट्रियलिस्ट नहीं हैं। अब ये 19 यूनिट्स पर क्लस्टर बनाने की बात कर रहे हैं।

श्री के०एल० शर्मा : अध्यक्ष महोदय, 3 करोड़ 51 लाख की जहां पर प्रोडक्शन करने के लिए इन्वेस्टमेंट होती है वहां पर क्लस्टर वायबल नहीं है। मेरे ख्याल से ये अपने जवाब में क्लस्टर की बात को समझ नहीं पाए हैं कि क्लस्टर एक छोटी सी इण्डस्ट्री नहीं है। इस्माइलाबाद में 2 लाख 35 हजार रुपए की लागत से क्लस्टर खोलना है। स्पीकर सर, 2 लाख 35 हजार रुपए से कोई छोटी सी दुकान भी नहीं खुल सकती है। Cluster is a unit, where different types of products are produced. क्या ये एक छोटी दुकान कर रहे हैं। जहां तक भारत सरकार से मांगने की बात है, तो 2 लाख 35 हजार रुपए एक एक कांस्टीचुएंसी के लिए मांगे हैं यह मेरी समझ में नहीं आया है।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, यह जो क्लस्टर की बात कही है तो मैं इस बारे में यह बताना चाहूंगा कि यह सेंटर गवर्नमेंट की स्कीम है इन्फ्रास्ट्रक्चर अपग्रेडेशन की स्कीम है और इसमें 75 प्रतिशत पैसा भारत सरकार से आता है, 15 प्रतिशत पैसा स्टेट गवर्नमेंट देती है और 10 प्रतिशत पैसा जहां क्लस्टर बनना होता है वहां के लोग देते हैं। इसकी मैक्सिमम लिमिटेड 50 करोड़ रुपए है। अध्यक्ष महोदय, जहां तक गोहाना की बात है, तो मैं इस बारे में इनको यह कहना चाहता हूँ कि हम वहां पर एग्जामिन करवाएंगे ताकि वहां पर क्लस्टर की बजाए इण्डस्ट्रियल स्टेट बनाई जाए।

Opening of University Technical Institution in District Mahendergarh

*584. **Sh. Naresh Yadav :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govt. to open any University or any Technical Institution in District Mahendergarh; if so, the details thereof ?

Transport Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala) : No, Sir.

श्री नरेश यादव : अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल है कि जब भी नई सरकार बनती है और जहां के मुख्यमंत्री बनते हैं वहां पर एक यूनिवर्सिटी बनती है। भजन लाल जी दूसरी बार मुख्यमंत्री बन कर आए तो उन्होंने हिसार में गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी बनाई। चौटाला जी मुख्यमंत्री बने तो

सिरसा में यूनिवर्सिटी बनी और अब की बार तो 3 यूनिवर्सिटीज बनी हैं। बावल के अन्दर हमारा एक विश्वविद्यालय चल रहा था, वह भी बन्द हो गया है, क्या अब वहां पर एक टैक्नीकल यूनिवर्सिटी बनाई जा सकती है ?

श्री नरेश जी : आप यूनिवर्सिटी में रहे हैं, क्या आप कन्वैरिजन कर सकते हैं कि whether it is a Regional University, State University or National University. What type of University it is ? Do you think, it is a Regional University ?

श्री नरेश यादव : अध्यक्ष महोदय, रीजनल यूनिवर्सिटी की बात नहीं है। अगर गवर्नमेंट चाहे तो हमारे इलाके में एक टैक्नीकली यूनिवर्सिटी बना सकती है। जिला महेन्द्रगढ़ में इसकी सख्त जरूरत है। हम 200 एकड़ भूमि भादसों में देने को तैयार हैं।

श्री अध्यक्ष : यादव जी, प्रदेश की सभी यूनिवर्सिटीज भी आपकी ही हैं।

श्री नरेश यादव : अध्यक्ष महोदय, रिवाड़ी से महेन्द्रगढ़ तक और मेवात के एरिया में कहीं पर भी एक भी टैक्नीकल इन्स्टीच्यूट हो, कोई मेडिकल कालेज हो। अगर कोई हो तो मंत्री जी सदन में बता दें। मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि वहां पर एक टैक्नीकल यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी बनाने के लिए बजट में क्या यह सरकार प्रावधान करने का कष्ट करेगी ताकि महेन्द्रगढ़ जिले और रिवाड़ी के बीच में एक टैक्नीकल यूनिवर्सिटी हो ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, माननीय सदस्य ने अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं। मैं आपकी अनुमति से सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि महेन्द्रगढ़ जिले में इस समय दो टैक्नीकल इन्स्टीच्यूट्स हैं एक तो प्राइवेट इंजीनियरिंग कालेज है इसका नाम डी०ए०वी० इन्स्टीच्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी कालेज, कनीना है और दूसरा सरकारी पोलिटेक्निक कालेज है यह बी०के० गवर्नमेंट पोलिटेक्निक कालेज, नारनाल के नाम से है। माननीय सदस्य को यह जानकर खुशी होगी कि वहां पर इस समय 260 सीट्स हैं लेकिन जब से इतना ज्यादा जोर दे रहे हैं तो माननीय मुख्यमंत्री जी ने यह निर्णय लिया है कि जुलाई, 2007 से ये सीट्स बढ़ाकर 800 कर दी जाएंगी। इसके साथ साथ माननीय सदस्य ने यह भी कहा कि महेन्द्रगढ़ में, रिवाड़ी में या नारनाल में कोई टैक्नीकल इन्स्टीच्यूट नहीं है लेकिन मैं इनको यह भी कहना चाहूंगा कि मुख्यमंत्री जी ने यह भी निर्णय लिया है कि लिसाना, रिवाड़ी में जोकि इनके पड़ोस में ही पड़ता है, वहां पर नया गवर्नमेंट पोलिटेक्निक कालेज सरकार खोलेगी। पिछले साल से हमने क्लासिज भी शुरू कर दी हैं और कंस्ट्रक्शन भी वहां पर शुरू कर दी गयी है। दक्षिणी हरियाणा में और एक नया पोलिटेक्निक कालेज हमारी सरकार बनाने जा रही है और इस पर 15 करोड़ रुपये खर्च होंगे। स्पीकर सर, मैं आपकी अनुमति से माननीय सदस्य को यह भी बताना चाहूंगा कि इनकी यह बात सच है कि टैक्नीकल एजुकेशन में यह प्रान्त पिछड़ा हुआ है। 2001 से लेकर 2005 तक केवल दो गवर्नमेंट पोलिटेक्निक कालेज ही खोले गए और वह भी विशेष क्षेत्र के अन्दर। उस समय गवर्नमेंट पोलिटेक्निक कालेज नाथूसरी चोपटा में और दूसरा पन्नीवाला मोटा में ही खोले गए थे। इनके अलावा तो एजुकेशन से पूरे हरियाणा को उस समय महरूम कर दिया गया था। लेकिन सर, अब आपकी सरकार ने तीन पोलिटेक्निक कालेज तो दो सालों में ही बनाने शुरू कर दिए हैं इन पर 45 करोड़ रुपये की लागत आएगी। ये हैं एक तो लसीना, रिवाड़ी जिले में और दूसरा सांगी, रोहतक जिले में तथा तीसरा चीका, कैथल जिले के अंदर। इसके अलावा दो और नये पोलिटेक्निक

कालेज 15-15 करोड़ रुपये की लागत से खोलने के लिए सरकार ने एपूव किए हैं। ये हैं एक तो नरदाना, जींद जिले में और दूसरा सांभला, रोहताक जिले में है। इसके अलावा सोनीपत जिले में यूनिवर्सिटी ऑफ साईंस एंड टेक्नोलॉजी भी हमने खोली है। स्पीकर सर, मैं आपकी अनुमति से सदन को यह भी बताना चाहूंगा कि 2004-05 में जब यह सरकार आयी तो उस समय टेक्नीकल एजुकेशन का बजट मात्र 29 करोड़ रुपये ही था। लेकिन वर्ष 2006-07 में यह बजट 90 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इस तरह से टेक्नीकल एजुकेशन के बजट में काफी इजाफा किया गया है। अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार से माननीय सदस्य और सदन इस बात को जानकर खुश होगा कि सरकार विशेष जोर टेक्नीकल एजुकेशन पर दे रही है।

श्री नरेश यादव : अध्यक्ष महोदय, जहाँ तक पैसा लगाने की बात है, सरकार ने खूब पैसा कालेजिज की बिल्डिंग पर लगाया है। मैं इसके लिए मना नहीं करता लेकिन मेरा कहना यह है कि जब भी कोई सरकार बनती है तो हर योजना में एक यूनिवर्सिटी बनती है। क्या इस सरकार के दिमाग में भी ऐसी कोई बात है और यदि हाँ तो जिला महेन्द्रगढ़ में कोई टेक्नीकल यूनिवर्सिटी खोली जाएगी ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, इसका जबाव शिक्षा मंत्री जी देंगे।

शिक्षा मंत्री (श्री फूलचन्द मुलाना) : माननीय अध्यक्ष जी, मैं माननीय सदस्य को आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि वे यह बात जानबूझकर छिपा रहे हैं क्योंकि चौधरी मूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सरकार रीजनलिज्म में विश्वास नहीं करती। मुख्यमंत्री जी का मन सारे प्रान्त के समग्र विकास में रहता है। स्पीकर सर, ये बताएं कि यूनिवर्सिटी क्या होती है ? यूनिवर्सिटी वह होती है जहाँ पर पोस्ट ग्रेज्युएट कोर्सिज की पढ़ाई की जाती है। रिवाड़ी में रीजनल सेंटर महर्षि दयानन्द यूनिवर्सिटी का चल रहा है। इस पर दस करोड़ रुपये तो अभी खर्च होने जा रहे हैं और बिल्डिंग अंडर कंस्ट्रक्शन है लेकिन वहाँ पर एम०ए० की क्लासिज चल रही हैं जिस एम०ए० की क्लासिज में ये दाखिला लेना चाहें तो ले लें। National University of law is under proposal. 25 acres of land has been given by the Government of Haryana and National institute of law is going to be started at Manasar.

डॉ सुशील इन्दौरा : धन्यवाद, अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों सरकार ने प्राइवेट यूनिवर्सिटी बिल को पास किया था। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि सरकार के पास ऐसी कितनी प्रपोजल्ज उसके बाद आई हैं जिनसे हरियाणा में शिक्षा का स्तर बढ़ सके ?

Shri Phool Chand Mulana : Speaker Sir, this is pre-mature, अभी तो रूल बन रहे हैं।

Opening of Sanskrit Schools in the State

*645. **Sh. Balwant Singh :** Will the Minister for Education be pleased to state the details of the number of Sanskrit Schools opened in the state during the period from 1st April, 2005 to till date, alongwith the details of their functioning and posting of required regular staff ?

Education Minister (Sh. Phool Chand Mullana) : Sir, during the period since 1-4-2005 the Government has decided to open 20 Govt. Model Sanskrit Schools, one in each District. They will start functioning w.e.f. 1-4-2007. Posting of the required staff will also be completed before 1-4-2007.

श्री बलवंत सिंह : अध्यक्ष महोदय, जो ये 2 साल से घोषणाएं हो रही हैं कि राज्य में संस्कृति स्कूल सरकार खोलने जा रही है। मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूँ कि इन स्कूलों का कहां-कहां पर कितना-कितना काम हुआ है, कितनी बिल्डिंग बननी हैं और कितनी पूरी तरह से कंप्लीट हो गई हैं ?

श्री फूल चंद मुलाना : अध्यक्ष महोदय, वह तो पहला कदम है जो हरियाणा सरकार ने लिया है। इससे पहले तो यह पता ही नहीं होता था कि संस्कृति मॉडल स्कूल क्या होता है ? 20 नये स्कूल खोलने हैं और हर जिले में एक स्कूल खोलने का सरकार ने निर्णय लिया है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को यह भी बताना चाहता हूँ कि स्कूल किस किस जिले में कहां कहां पर खोले जाएंगे। भिवानी में तोशाम में गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, फरीदाबाद में धतीर, झज्जर में लाडेन में, हिसार में सिसाय में, जींद में बेलरखा में, कैथल में थरौंडक में, करनाल में तरावड़ी में, कुरुक्षेत्र में इस्माइलाबाद में, मेवात में सरोली में, महेंद्रगढ़ में प्रोपर महेंद्रगढ़ में और पानीपत में जी०टी० रोड़ पर जो स्कूल है उसमें खोला जाएगा व रिवाड़ी में ततारपुर इस्त मुरार में और सिरसा में गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल सिरसा में व सोनीपत में गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गन्नौर तथा यमुनानगर में जहां का माननीय सदस्य श्री बलवंत सिंह जानना चाहते हैं वहां गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल बिलासपुर में खोला जाएगा। अम्बाला में बराडा में, रोहतक में सांघी में फतेहाबाद में इन्दाधुई में, पंचकुला में सेक्टर 20 में व गुडगांव में सुशांत लोक सेक्टर-43 में स्कूल खोला जाएगा। माननीय सदस्य ने यह भी जानना चाहा है कि बिल्डिंग बननी शुरू हो गई हैं तो मैं बताना चाहूंगा कि बिल्डिंग तो पहले से हैं। 50 लाख रुपये प्रति स्कूल के हिसाब से 20 स्कूलों पर खर्च होंगे और इनमें अंग्रेजी पढ़ाई जाएगी।

श्री बलवंत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना नहीं चाहता था कि स्कूल जो प्रमोट किए जा रहे हैं उनमें नयी बिल्डिंग तो नहीं बनेंगी। मैं तो जानना चाहता था कि कहां कहां बिल्डिंग बनी हैं और उनमें क्या क्या सुविधाएं देंगे, क्या क्वालिटी होगी ?

श्री फूल चंद मुलाना : अध्यक्ष महोदय, वैसे तो इनको सारा कुछ हमने रिटन में दे रखा है लेकिन पढ़ना ही न आए तो ये क्या करें। मैं पुनः बताना चाहूंगा कि 50 लाख रुपया प्रति स्कूल के हिसाब से खर्च होंगे उनमें से 5 लाख रुपये अपग्रेडेशन ऑफ फिजिक्स लैबोरेटरी पर खर्च होंगे, 5 लाख रुपये कैमिस्ट्री लैबोरेटरी के अपग्रेडेशन पर खर्च होंगे। मैथ लैब के लिए तीन लाख रुपये, जोग्राफी लैब के लिए तीन लाख रुपये, पर्सनल इंग्लिश के लिए तीन लाख रुपये, कम्प्यूटर लैब के लिए सात लाख रुपये, लायब्रेरी के अपग्रेडेशन के लिए अढ़ाई लाख रुपये, गार्डेंस और काउंसलिंग के लिए 50 हजार रुपये, म्यूजिक लैब के लिए दो लाख रुपये, स्पोर्ट्स एक्टिविटीज के लिए तीन लाख रुपये, एनकार्यनमेंटल टीचिंग और लर्निंग के लिए तीन लाख रुपये, इम्प्रूवमेंट ऑफ एक्सट्रा कूरीकुलर एक्टिविटीज के लिए तीन लाख रुपये, स्टाफ रूम के लिए एक लाख रुपये, आडियो विज्युअल इन्विपमेंट के लिए दो लाख रुपये, सौलर पार्क के लिए दो लाख रुपये, एजूसैट के साईंस विंग के लिए तीन लाख रुपये और आर्ट्स विंग के लिए डेढ़ लाख रुपये, इसमें नये रूम और लैबोरेटरीज भी बनाई जायेंगी।

Construction of Bus stand at Nangal Chaudhary

*591. **Sh. Radhey Shyam Sharma** : Will the Minister for Transport be pleased to state the time limit by which the construction work of the bus stand of Nangal Chaudhary is likely to be started ?

Transport Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala) : Sir, Proposal for bus stand will be considered as and when village panchayat provides suitable land for construction of bus stand. Hence, no time limit can be indicated.

स्पीकर सर, इसके साथ ही साथ मैं यह भी बताना चाहूंगा कि माननीय मुख्यमंत्री जी की भी यही मन्शा है कि नांगल चौधरी में बस अड्डा बनाया जाये। इस जगह पर जमीन की काफी दिक्कत रही है। सरकार की नीति तो यह है कि ऐसी सब जगहों पर ग्राम पंचायत या नगर पालिकाएं जमीन दे दें तो बस अड्डा बनाया जा सकता है। हमने निर्णय किया है कि एक-एक एकड़ जमीन एक्वायर करके ऐसी सब जगहों पर बस अड्डे बनाये जायेंगे।

श्रीमती सुमिता सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहती हूँ कि करनाल में बस अड्डा कब तक बनना शुरू हो जायेगा जोकि बहुत साल पहले बनने के लिए मंजूर हो चुका है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूँ कि सरकार ने प्रदेश में पांच बस अड्डे बी०ओ०टी० बेसिस पर मॉडर्न सुविधाओं के साथ बनाने का निर्णय किया है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने इस बारे में एक विशेष कमेटी का गठन किया है। वह कमेटी इस बारे में जो पैरामीटर्स फाईनल करके अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी तो उसके बाद फौरन इन बस अड्डों को बनाने के बारे में विज्ञापन दे दिया जायेगा।

श्री अर्जन सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि छछरीली का बस अड्डा कब तक बना दिया जायेगा ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूँ कि बस अड्डे बनाने के लिए सरकार का रुख सकारात्मक है और छछरीली का बस अड्डा अवश्य बनाया जायेगा।

Shifting of Old Anaj Mandi

*672. **Shri Devender Kumar Bansal** : Will the Minister for Agriculture be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government for shifting of Old Anaj Mandi from Ambala Cantt. Main Bazar to outside Ambala Cantt; if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be implemented ?

Agriculture Minister (Sardar H.S. Chatha) : Yes, Sir. There is a proposal to establish New Grain & Vegetable Market in Ambala Cantt. For this purpose, the process for acquisition of land has been initiated. The existing mandi will be shifted after the process of acquisition of land is completed and requisite infrastructure is developed.

श्री देवेन्द्र कुमार बंसल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि अनाज मंडी और सब्जी मंडी के लिए लैंड एक्वायर का प्रोसेस शुरू हो चुका है या अभी शुरू करना है। यदि लैंड एक्वायर का प्रोसेस शुरू हो गया है तो क्या मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि मंडी के लिए लैंड कब तक एक्वायर हो जायेगी ?

सरदार एच०एस० चड्ढा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूँगा कि बहुत साल पहले अम्बाला छावनी से बाहर मंडी बनाने के लिए लैंड एक्वायर का प्रोसेस शुरू हुआ था। 1995 में 20 एकड़ लैंड म्यूनिसिपल कमिटी ने मंडी बनाने के लिए अम्बाला छावनी से बाहर दी थी लेकिन वह जमीन बाद में म्यूनिसिपल कमिटी ने वापिस ले ली और मंडी नहीं बन पाई। उसके बाद हरियाणा अर्बन डिवेलपमेंट एथोरिटी ने 1999 में 60 एकड़ जमीन मंडी बनाने के लिए ट्रांसफर की थी लेकिन कुछ दिनों बाद उन्होंने भी 35 एकड़ जमीन वापिस ले ली। अम्बाला छावनी में बाजार में जो अनाज मंडी है वह केवल चार एकड़ में है और सरकार यह महसूस करती है कि यह मंडी बाहर बननी चाहिए। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए हुड्डा साहब की सरकार ने 33 एकड़, 5 कनाल और 7 मरले जमीन एक्वायर करने का प्रोसेस शुरू कर दिया है जिसमें दफा-4 के नोटिस जारी हो चुके हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूँगा कि अम्बाला छावनी से बाहर तीन साल के अंदर-अंदर मंडी बना दी जायेगी।

श्री देवेन्द्र कुमार बंसल : अध्यक्ष महोदय, अम्बाला छावनी में बाजार से पुरानी मंडी को अम्बाला छावनी से बाहर स्थानांतरित करने के लिए पिछले 15 सालों से प्रोसेस चल रहा है। मंडी बाजार के बीच में होने के कारण वहाँ पर किसानों को और आम लोगों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है। पूर्व मुख्यमंत्रियों द्वारा दो बार मंडी बनाने के लिए पत्थर रखे गये लेकिन कोई काम नहीं हुआ। जो पत्थर रखे गये थे वे पत्थर ट्रकों में रखकर वापिस ले गये। इसलिए मैं मंत्री जी से स्पष्ट-स्पष्ट जवाब चाहता हूँ कि किस तारीख तक यह मंडी बनकर तैयार हो जायेगी ताकि हम लोगों को जवाब दे सकें कि फलां तारीख तक अम्बाला छावनी के बाहर मंडी बनकर तैयार हो जायेगी।

सरदार एच०एस० चड्ढा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूँगा कि हमारे मुख्यमंत्री हुड्डा साहब जिस किसी काम के लिए पत्थर रखते हैं वंश काम समय पर पूरा होता है। वहाँ पर मंडी बनाने के लिए जमीन एक्वायर करने के लिए दफा-4 के नोटिस हो चुके हैं और जल्दी ही वहाँ पर मंडी बनवाने के लिए हुड्डा साहब पत्थर रखेंगे।

आई०जी० शेर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि जुलाना में ग्रेन मार्केट बनने जा रही है। क्या उस ग्रेन मार्केट में सरकार वैजिटेबल मार्केट भी बनायेगी ?

सरदार एच०एस० चड्ढा : अध्यक्ष महोदय, आई० जी० साहब का अलग सवाल है इसलिए इस बारे में ये अलग से लिखकर दे दें। इन्हें जवाब भिजवा दिया जायेगा।

Construction of DIET Building

***603. Sh. Mahender Partap Singh:** Will the minister for Education be pleased to state the details of construction of the building of DIET in village Pali of Mewla Maharajpur (Faridabad) alongwith the details of starting of classes in the said building?

Education Minister (Sh. Phool Chand Mullana): Sir, The building of DIET in Village Pali is under construction by the PWD B&R Department. The classes in this DIET building would be started after PWD (B&R) completes and hands over the building to the Education Department.

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह : अध्यक्ष महोदय, शिक्षा मंत्री जी काफी श्याणे और सफाई से जवाब देने वाले मंत्री हैं। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि इस डाइट की बिल्डिंग को बनाने का प्रोसेस कब शुरू हुआ और यहाँ पर बिल्डिंग बननी कब शुरू हुई ?

श्री फूलचंद मुलाना : अध्यक्ष महोदय, शिक्षा विभाग ने पहले ही पी०डब्ल्यू०डी० (बी०एंड आर०) विभाग को 90 लाख 50 हजार रुपये दे दिए हैं और काफी सारा काम इस बिल्डिंग का पूरा हो चुका है। उसके बाद पी०डब्ल्यू०डी० (बी०एंड आर०) विभाग के मांगने पर 47 लाख रुपये उन्हें शिक्षा विभाग ने और दे दिए। अध्यक्ष महोदय, इस बिल्डिंग का काम मई, 2007 तक पूरा हो जायेगा और साथ में मैं मेरे साथी को यह भी आश्वासन देना चाहूंगा कि 15 मई से आने वाले शिक्षा सत्र से इस डाइट में जे०थी०टी० की क्लासिज शुरू हो जायेंगी।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह : अध्यक्ष महोदय, वैसे तो जिस जवाब की जरूरत थी उसके लिए इन्होंने आश्वस्त कर दिया है लेकिन मैं यह कहना चाहता हूँ कि इन्होंने एक प्रश्न का जवाब नहीं दिया कि यह बिल्डिंग शुरू कब हुई। यह जानकारी विभाग ने इनको दी है। यह बिल्डिंग 5 वर्ष पहले कम्पलीट हो चुकी है। बिल्डिंग का कोई काम बाकी नहीं है। बिल्डिंग के शीशे तक टूट गये हैं तो फिर यह अधूरी कहां है यह शुरू होने की बात 5 साल पहले की है। अगर यह बिल्डिंग 5 साल पहले कम्पलीट हो गई थी 5 वर्ष तक यह काम सफर किया है। यह जिम्मेदारी किसकी थी क्या इसकी जांच होगी। जनता का पैसा इसमें लगा है। सरकार की नीयत और विशेषकर मुख्य मंत्री जी और सरकार की नीयत शिक्षा के स्तर में गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए काफी चिन्तनशील चिन्ताशील है इसमें कोई दो राय नहीं है लेकिन पहले 5 साल और 2 साल अब भी इस सरकार को हो गये हैं यह मामला यूँ ही पड़ा हुआ है। अगर इस तरह की जानकारी हमें सरकार दे तो यह सरकार की नीयत और नीति दोनों को ही झूठा बताती है। क्या सरकार इसकी जांच करवायेगी कि अब तक वहाँ पर क्लासिज शुरू क्यों नहीं हुई ? वहाँ पर पैसा बहुत लग चुका है और काम काफी समय पहले पूरा हो चुका। क्या मंत्री जी हमें आश्वस्त करेंगे कि इस सत्र से वहाँ पर एजुकेशन की क्लासिज लगाने का काम शुरू हो जायेगा ?

श्री फूलचंद मुलाना : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूँ कि यदि यह बिल्डिंग कम्पलीट हो चुकी होती तो हम क्लासिज शुरू करवा देते। वहाँ पर शीशे टूटे पड़े हैं खिड़कियां टूटी पड़ी हैं।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह : अध्यक्ष महोदय, जिसके शीशे टूटे पड़े हैं तो वह काम कम से कम 5-7 साल पहले तो शुरू हुआ होगा।

श्री फूलचन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, इस बारे में पिछली सरकार की जांच भी करवानी पड़े तो वह भी हम करवायेंगे। अध्यक्ष महोदय, 2 साल में तो हमने एसेस किया कि वहां पर कितना पैसा लगाया गया है, लगा रहे हैं। अध्यक्ष जी, वहां पर खिड़कियां लगवानी हैं, बाऊंडरी वाल नहीं है, एप्रोच रोड नहीं है, यह सारा काम हम पहली गई तक कम्पलीट करवायेंगे। वहां पर बच्चियों के लिए होस्टल नहीं है। जो बच्चियां दूर से आती हैं वे बिना होस्टल के वहां पर रह नहीं सकती हैं। हमने होस्टल के लिए भी पैसा दे दिया है और मैंने जैसा माननीय सदस्य को बताया कि इस सत्र से हम वहां पर क्लासिज शुरू करवा देंगे।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो यह पूछा है, मैं इस बारे में कहना चाहूंगा कि वहां पर बिल्डिंग काफी बनी हुई थी लेकिन अब तक एजुकेशन डिपार्टमेंट ने उसका पोजेशन नहीं लिया था क्योंकि वहां बिजली का कनेक्शन, सीवरेज थगैरह नहीं था। अप्रैल के आखिर तक एजुकेशन डिपार्टमेंट पोजेशन ले लेगा और वहां पर क्लासिज शुरू करवा देंगे। दूसरे होस्टल का तो अभी टेंडर किया है। होस्टल की तो कोई शुरुआत ही नहीं हुई है। अध्यक्ष महोदय, होस्टल दिसम्बर तक कम्पलीट बन कर तैयार हो जायेगा।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या इनका विभाग जो पिछले वर्ष में जे०बी०टी० सेंटर जिन गांवों में होते थे और गैटी के नाम से ये संस्थाएं जे०बी०टी० की ट्रेनिंग दिया करती थीं और जिस गांव में ये संस्था होती थी उस गांव के 5 बच्चों को जे०बी०टी० के कोर्स में दाखिला देने का प्रावधान था। लेकिन जो पिछली सरकार इस हरियाणा में रही उन्होंने जाते-जाते इस व्यवस्था को समाप्त कर दिया था। मैं आपके माध्यम से जानना चाहूंगा कि क्या इनके विभाग का इस सुविधा को दोबारा से उन गांवों में स्थापित करने का इरादा है ? अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्य मंत्री जी से निवेदन करता हूँ कि जहां पर ये जे०बी०टी० सेंटर हैं उन गांवों के 5-5 बच्चों का दाखिला जरूर करें।

श्री फूल चन्द मुलाना : स्पीकर सर, जहां जहां डाइट की और गेटी की क्लासिज चल रही हैं उसी गांव से पांच बच्चों को हम दाखिला देने का प्रावधान करेंगे। यह दाखिला मेरिट के हिसाब से ही दिया जाएगा। कई बार माननीय सदस्य कहते हैं कि ये बच्चे नहीं आए। इसका अर्थ यह नहीं है कि अगर कोई बच्चा रिक्वायर्ड मार्क्स प्राप्त नहीं करता है तो उसको दाखिला नहीं मिलता। स्पीकर सर, हम ऐसे बच्चों के दाखिले के लिए प्रावधान करेंगे।

श्रीमती अनीता यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय की जानकारी में यह जानना चाहती हूँ कि रिवाड़ी में डाइट सेंटर चल रहा है और वहां पर स्टुडेंट्स भी आ रहे हैं लेकिन वहां पर स्टुडेंट्स के रहने के लिए होस्टल नहीं है और न ही इस बिल्डिंग की बाऊंडरी वाल बनी है। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहती हूँ कि रिवाड़ी में जो डाइट सेंटर चल रहा है क्या वहां पर स्टुडेंट्स के लिए होस्टल बनाने के बारे में विचार करेंगे ?

श्री फूल चन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि वहां पर होस्टल जरूर बनवाएंगे।

श्रीमती रेखा राणा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री महोदय को यह बताना चाहती हूँ कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के बी०ए० फ़स्ट ईयर तथा बी०ए० सैकंड ईयर के प्रमाण-पत्रों में त्रुटियाँ पाई गई हैं। प्रमाण-पत्र पर फोटो किसी की है और मार्क्स किसी और के हैं, किसी सब्जेक्ट में मार्क्स दिए गए हैं और किसी सब्जेक्ट में मार्क्स नहीं दिये गये हैं। क्या माननीय शिक्षा मन्त्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि इसमें उनका क्या विचार है और क्या इन त्रुटियों को दूर किया जाएगा ताकि बच्चों को दाखिला लेने के लिए भटकना न पड़े और वे अपनी शिक्षा प्राप्त करने में असमर्थ न हों ?

श्री फूल चन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्या श्रीमती रेखा राणा ने जो प्रश्न पूछा है उसका इस सवाल से सम्बन्ध नहीं है। ये इस बारे में लिख कर भिजवा दें हम इसकी जांच करवा लेंगे और परीपर प्रबन्ध करवाएंगे।

श्री छतरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, अभी माननीय महेन्द्र प्रताप सिंह जी ने एक सवाल पूछा था उसी से सम्बन्धित सवाल भी है। इन्होंने पार्टिकुलरली डाइट बिल्डिंग के बारे में पूछा है। माननीय मन्त्री महोदय दो साल से इस विभाग को देख रहे हैं। मैं आपके माध्यम से उनसे यह जानना चाहूँगा कि पूरे हरियाणा के अन्दर स्कूलज और कॉलेजिज की ऐसी कितनी पुअर बिल्डिंगज हैं जिनको बनाने में अथवा हैंडओवर करने में निर्धारित समय से ज्यादा विलम्ब हुआ है जिसके कारण सरकार के खजाने पर अतिरिक्त भार पड़ा है, क्या ऐसी बिल्डिंगज को आईडेंटिफाई किया गया है और इसके लिए कौन अधिकारी दोषी हैं, क्या उनको आईडेंटिफाई किया गया है यदि ऐसे लेपसिस हैं तो क्या इनका विभाग इस बारे में कोई कार्यवाही कर रहा है ?

श्री फूल चन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, मैं अपने माननीय साथी को बताना चाहता हूँ कि हरियाणा में 20 जिले हैं और 17 जिलों में डाइट सेंटर मंजूर हैं और काम कर रहे हैं। राज्य में जो तीन सेंटर अभी तक नहीं बने हैं उनमें से दो सेंटर मंजूर हो चुके हैं और उनको भी हम जल्दी ही चालू करवा देंगे। तीसरे जिले मेवात में भी डाइट सेंटर इन्कलूड करवा देंगे। जहाँ तक माननीय सदस्य ने विलम्ब के बारे में पूछा है वे इस बारे में लिख कर भिजवा दें। इसकी पूर्ण जांच करवा देंगे।

**Admission of Student in B.Sc. (Hon's) Agriculture and B.V.Sc.
(Vety. Surgeon) in Haryana Agriculture University**

*613. **Shri Karan Singh Dalal :** Will the Minister for Agriculture be pleased to state—

- (a) the number of students admitted in B.Sc. (Hon's) Agriculture and B.V. Sc. (Vety. Surgeon) in CCS Haryana Agriculture University in the academic years 2005-06 and 2006-07; and
- (b) the number of students in part (a) above who have passed their Senior Secondary Schools certificate from Govt. Senior Secondary School situated in Rural Area of Haryana ?

Agriculture Minister (Sardar H.S. Chatha) :

- (a) The number of students admitted in B.Sc. (Hons.) Agriculture and B.V.Sc. (Vety. Surgeon) in CCS, Haryana Agricultural University in the academic years 2005-06 and 2006-07 is given as under :—

Programme	2005-06	2006-07
B.Sc. (Hons.) Agriculture	83+10*=93	84+13*=97
B.V.Sc & A.H. (Vety. Surgeon)	53+8*=61	51+8*=59

*Admitted through ICAR/VCI on all India basis.

- (b) The number of students in part (a) above who have passed their Senior Secondary Schools certificate from Govt. Senior Secondary Schools situated in Rural Areas of Haryana.

	2005-06		2006-07	
	B.Sc. (Hons) Agriculture	B.V.Sc. & A.H.	B.Sc. (Hons) Agriculture	B.V.Sc. & A.H.
No. of students Passed SSSC from Govt. Senior Secondary Schools situated in Rural Area of Haryana.	5	6	7	4
No. of students Passed SSSC from Non Govt. Senior Secondary Schools situated in Rural Area of Haryana.	18	12	20	10
Total No. of Students passed SSSC from Rural Area of Haryana.	23	18	27	14

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, आपने स्वयं भी इसी विश्व विद्यालय से शिक्षा ग्रहण की है। अध्यक्ष महोदय, यह विश्वविद्यालय प्रदेश में ही नहीं समस्त देश में एक आदरणीय विश्वविद्यालय बना हुआ है। इस यूनिवर्सिटी से हमारे प्रदेश के ही नहीं बल्कि देश और विदेशों से भी बच्चे बी०एस०सी० और वैटनरी की डिग्री प्राप्त करना चाहते हैं। अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय, ने अपने जवाब में एक ही बात कही कि बी०एस०सी० (ऑनर्ज) एग्रीकलचर में सत्र 2005-2006 और 2006-2007 में 93 और 97 बच्चे पास होकर निकले हैं और बी०वी०एसी० और ए०एच० (वैटनरी सर्जन) में सत्र 2005-2006 और 2006-2007 में 61 और 59 बच्चे ही पास होकर

निकले हैं। अध्यक्ष महोदय, यह संख्या बहुत ही कम है। हमारी यह संस्था बहुत ही बड़ी है और बहुत लोकप्रिय है। 50 सीट्स एच०ए०यू० में और 50 सीट्स कौल में जो कि इनका एग्रीकल्चर कॉलेज है वहां पर हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से कृषि मंत्री जी से अनुरोध है कि हमारे प्रदेश के बच्चे और विदेशों से भी बच्चे एडमिशन लेकर डिग्री प्राप्त करना चाहते हैं। क्या मंत्री जी वहां पर सीटों को 50 से ज्यादा बढ़ाने के बारे में कोई विचार करेंगे ?

अध्यक्ष महोदय, इसी के साथ मेरे सवाल के बी पार्ट के बारे में मैं यह कहना चाहूंगा कि हमारे मुख्यमंत्री जी ने शिक्षा के विस्तार के लिए बहुत से साधन जुटाए हैं, नौजवानों को अच्छी शिक्षा मिले ऐसे प्रावधान कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कृषिमंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि क्या मंत्री जी गांवों में रहने वाले जो बच्चे गांवों से साईंस की शिक्षा पास करते हैं उन बच्चों की मात्रा विश्वविद्यालय में बहुत कम मजर आ रही है मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या ये कोई ऐसा प्रावधान करेंगे ताकि वे गांव वाले बच्चे भी यूनिवर्सिटी में एडमिशन ले सकें ?

सरदार एच०एस० चड्ढा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से प्रान्तीय साथी को यह बताना चाहूंगा कि यह जो इन्होंने सीटें बढ़ाने वाली बात कही है इस बारे में विचार कर लिया जाएगा। इसके अलावा इनकी दूसरी सप्लीमेंटरी यह है कि विश्वविद्यालय में गांवों के लड़के कम हैं। इस बारे में अमेंडमेंट पहले की गई थी। एक दफा 10 प्रतिशत और 10 प्रतिशत एक और दफा की थी। ये दोनों अमेंडमेंट्स सुप्रीमकोर्ट से स्ट्रिकडॉउन हो गई थी। यह मनोज कुमार वाला बहुत ही मशहूर केस है जिसकी वजह से हम रिजर्वेशन नहीं कर सकते हैं। जहां तक गांवों के बच्चों की संख्या के बारे में इन्होंने कहा है कि उनकी संख्या कम है। स्पीकर सर, इस बारे में मैं कहना चाहूंगा कि 23 लड़के वे दाखिल हुए थे जो गांव से 10+2 करके आए थे। इसके अलावा 43 लड़के और दाखिल हुए थे जिन्होंने मैट्रिक तो गांव से की हुई थी लेकिन 11वीं और 12वीं दूसरी जगहों से की थी। रिप्रैजेंटेशन के हिसाब से 18 लड़के वैटनरी में थे। इसके अलावा 30 लड़के मैट्रिक करने के बाद प्लस 2 करने बाहर गए थे और वे भी गांवों के ही बच्चे थे। इस तरह से ये टोटल 48 हो गए हैं। स्पीकर सर, 27 लड़के बी०एस०सी० में नेक्स्ट ईयर में गए। वैटनरी में भी 46 लड़के वे थे जिन्होंने मैट्रिक गांव में की और प्लस 2 बाहर से की थी। जहां तक सैप्रेट कानून गांव के बच्चों के लिए बनाने की बात है तो अगर सुप्रीमकोर्ट में इस बारे में कोई प्रावधान हुआ तो हम बिल्कुल कमी नहीं करेंगे।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, जो प्रश्न ए के बारे में मंत्री जी ने जवाब दिया है कि यह सीटें बढ़ाने के बारे में विचार करेंगे उसके लिए मैं इनका धन्यवाद करता हूँ और आपके माध्यम से मंत्री जी से फिर से यह जानना चाहता हूँ कि अगर ये सीट्स बढ़ाएंगे तो कैटगरी वाईज एडमिशन यूनिवर्सिटी में जो होते चले आ रहे हैं और जो रिजर्वेशन की व्यवस्था उसमें की हुई है। क्या इस बात का आश्वासन मंत्री जी सदन में देंगे कि सीटों के बढ़ाने के बाद सभी कैटगरी के बच्चे वहां पर उचित जगह पा सकेंगे ?

सरदार एच०एस० चड्ढा : स्पीकर सर, मैंने यह नहीं कहा है कि हम सीट्स बढ़ाएंगे। मैंने यह कहा है कि इस बारे में विचार करेंगे। जब सीट्स बढ़ानी होंगी तब ही इनकी दूसरी बात के बारे में सोचा जाएगा।

प्रो छत्तरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कृषि मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जो वेटनरी साईंसिज में क्वालीफाईड बच्चे हैं और एग्रीकल्चर स्ट्रीम से बच्चे बी०एस०सी० और एम०एस०सी० करते हैं Being a professional courses उन बच्चों की कितनी इम्प्लायमेंट परसेंटेज है ? अब तक वहां से क्वालीफाईड बच्चों में से कितने बेरोजगार बच्चे हैं ? इस बारे में क्या वे कोई फिगर बता सकते हैं ?

Mr. Speaker : Chhattar Pal ji, please, ask your specific question.

सरदार एच०एस० चट्टा : अध्यक्ष महोदय, ये फिगर अभी मेरे पास नहीं है।

श्री नरेश यादव : स्पीकर साहब, एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी का सवाल चल रहा है। अभी दलाल साहब अपना सवाल पूछ रहे थे लेकिन इनको शायद मालूम नहीं कि बी०एस०सी०, एम०एस०सी०, या पी०एच०डी० किए हुए बच्चे बहुत ज्यादा संख्या में बेरोजगार हैं उनके पास रोजगार का कोई साधन नहीं है इसलिए सीट्स बढ़ाने का कोई फायदा नहीं है। इसका फायदा तब है जब एग्रीकल्चर का कोर्स स्कूल लेवल पर ही कम्पलसरी किया जाए। अगर ऐसा होगा तभी गांवों के बच्चे इन कोर्सिज में ज्यादा एडमिशन ले सकेंगे और इन सीट्स को बढ़ाने का फायदा उनको मिलेगा।

श्री अध्यक्ष : यादव साहब, आप बैठिए।

**Opening of Polytechnic College in Village Pabnawa,
Pundri Constituency**

***609. Sh. Dinesh Kaushik :** Will the Chief Minister be pleased to state—

- (a) whether the sanction for opening of Polytechnic College at Village Pabnawa, Pundri Constituency was accorded in the years, 1995-96-97 and land has also been acquired for this purpose; and
- (b) if so, by what time the above said college is likely to be started functioning ?

Transport Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala) :

- (a) Yes, Sir.
- (b) The polytechnic could not be started by the Government due to paucity of funds. Although it was accorded sanctioned in the year 1995-96. However, it is now proposed to take up the project in public private partnership mode for which expression of interest has already been invited. At this stage, it is not possible to indicate any date for completion .

इसके साथ ही साथ मैं माननीय सदस्य को यह भी बताना चाहूंगा कि दुर्भाग्यपूर्ण एक ऐसी सरकार पहले रही जिसने हायर एजुकेशन और टैक्नीकल एजुकेशन पर कोई ध्यान नहीं दिया। मैं

सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि मुख्यमंत्री जी ने यह निर्णय लिया है कि इसको हम पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मोड पर बनाएंगे। एक्सप्रेसन ऑफ इंट्रस्ट आलरेडी आ चुका है और जैसे ही यह फाईनेलाइज हो जाएगा वैसे ही जल्दी इसका निर्माण हम शुरू कर देंगे। (विघ्न) मैं आपकी अनुमति से सदन की जानकारी के लिए यह भी बताना चाहूंगा कि केवल पबनावा में ही नहीं बल्कि नानकपुर, पंचकुला और उमरी, कुरुक्षेत्र में भी सरकार ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मोड पोलिटैक्निक कालेज बनाने का निर्णय लिया है। ये उनके अलावा हैं जिनकी सूचना मैंने पहले सदन को दी है।

श्री दिनेश कौशिक : स्पीकर सर, मंत्री जी ने पहले जो तीन गवर्नमेंट पोलिटैक्निक कालेज बनाने की घोषणा की थी तो क्या उनमें इस पोलिटैक्निक कालेज को भी शामिल किया जा रहा है या इसको केवल पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मोड पर ही बनाया जाएगा ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, जैसा मैंने पहले बताया कि पिछले दो वर्षों में सरकार द्वारा तीन पोलिटैक्निक कालेज खोलने का निर्णय किया गया है इन हर एक पर 15 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इसके अलावा दो और पोलिटैक्निक कालेज खोले जाएंगे। इस तरह पांच पोलिटैक्निक कालेज बनाए जाएंगे। इसके अलावा तीन पोलिटैक्निक कालेज और पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मोड पर हम बनाएंगे। मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि जब इस सरकार ने कार्यभार संभाला तो उस समय सभी गवर्नमेंट और ऐडिड पोलिटैक्निक कालेज में बच्चों की इनटेक कैपेसिटी केवल 6215 ही थी लेकिन वर्ष 2007 में प्रपोज्ड इनटेक कैपेसिटी 11हजार है तकरीबन डबल कैपेसिटी इस सरकार ने पोलिटैक्निक और टेक्नीकल एजुकेशन के अंदर की है। 11वीं पंचवर्षीय योजना में 1.5 लाख तक ले जाने का हमने इसका टारगेट रखा है।

श्रीमती अनीता यादव : अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार ने कोई भी पोलिटैक्निक कालेज हमारे यहां पर नहीं बनाया जबकि हमने कई बार रेजोल्यूशन भिजवाए थे। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा सरकार से जानना चाहूंगी कि क्या नाहड ब्लॉक के गुगोड गांव में कोई पोलिटैक्निक कालेज खोलने का सरकार का विचार है और यदि विचार है तो इसको कब तक बनवा दिया जाएगा ? वहां की ग्राम पंचायत इसके लिए सारी जमीन देने के लिए तैयार है। मैं इस बारे में एक रेजोल्यूशन भी लेकर आयी हूँ तो कब तक वहां पर एक पोलिटैक्निक कालेज को बनवा दिया जाएगा ? (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : डॉ० साहब, आप सीटिंग कमेंटरी न करें। बहन जी, अपना सवाल पूछ रही हैं आप उनको अपना सवाल पूछने दें। यह महिला सशक्तिकरण की भी बात है। जब एक सदस्य सवाल पूछ रहा है तो आप सीटिंग कमेंटरी न करें। Please you should honor the question.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, इनको थोड़ी सी एक्साइटमेंट आयी हुई है आप इनको माफ कर दें ये ठीक हो जाएंगे। अध्यक्ष महोदय, यदि इसके लिए एक पृथक सवाल माननीय सदस्य लिखकर भिजवा दें तो मैं उसका जवाब उनको जरूर भिजवा दूंगा।

प्रो० छत्तरपाल सिंह : स्पीकर सर, मंत्री जी ने पबनावा, हल्का पुंडरी में एक पोलिटैक्निक कालेज खोलने की बात कही है मैं आपके द्वारा उनसे जानना चाहूंगा कि इसमें कौन-कौन से कोर्सिज चलाए जाएंगे और उनकी इनटेक कैपेसिटी कितनी होगी ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : जो पौलिटिकल में कोर्सिज हैं वे सारे के सारे पबनावा में भी चलाएंगे और जो ये पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉड का फैसला होगा उसके अनुसार ही ये सारे कोर्सिज चलाए जाएंगे।

**Sexual Harassment in Government/ Private Schools/Institutions
in the State**

*630. **Sh. Gain Chand** : Will the Minister for Education be pleased to state the details of cases of sexual harassments in various Government/Private Schools/Institutions in the State during the years 2005-2006 and 2007 alongwith the details of action taken against the guilty persons and also the details of steps taken to stop such recurrence in future ?

Education Minister (Sh. Phool Chand Mullana) : Sir, a statement is placed on the Table of the House.

Statement

School Education

Eight cases of sexual harassment have been reported in High and Senior Secondary Schools during the years 2005, 2006 and 2007. The details of these cases are as follows :—

Sr. No.	Name of School and date/ period of incident	Name of the Employee	Designation	Details of Allegations	Departmental Action
1.	GMS, Sadewala (Sirsa) 5-12-2005	Subhash Chander	Sanskrit Teacher	Committed rape on a girl student. A case was registered at Police station Rania vide FIR No. 50 dated 10-2-06 under section 376 IPC	He was placed under suspension on 9-2-06 and he was dismissed from service on 1-3-06.
2.	GSSS, Durjanpur (Jind)	Sh. Ram Kumar	Math Master	Charge of rape on girl student. FIR No. 21 under section 376 (b) of IPC was registered in Police Station Uchana (Jind) on 8-2-06.	He was placed under suspension on 7-2-06 He was dismissed on 1-3-06 from Government service under Article 311 (2)(b) of the Constitution of India.
		Rameshwar PTI Singh	PTI	Charge of rape on a girl student. Criminal case was registered in Police station Uchana (Jind) under Section 376(b) of IPC vide FIR No. 21 dated 8-2-06.	He was placed under suspension on 8-2-06 and his services were dismissed on 1-3-06 under Article 311(2) (b) of Constitution of India.

During the month Jan., 2006	Sh. Krishan Kumar SS Master	As officiating Head of the School he failed to discharge his duty. Allegedly he was in connivance with the culprits.	He was placed under suspension on 8-2-06 and he was charge sheeted under rule 7 on 24-4-06. Dy. Director HQ has been appointed as enquiry officer and has been asked to complete the enquiry within 30 days.
	Sh. Krishan Chander SS Master	He was in complicity with the two rape culprits.	He was placed under suspension on 8-2-06. and he was charge sheeted under rule 7 on 24-4-06. Dy. Director HQ has been appointed as enquiry officer and has been asked to complete the enquiry within 30 days.
	Sh. Hajuri Dass Bhatia DPE Master	He was also in complicity with the two rape accused.	He was placed under suspension on 8-2-06. He was charge sheeted under rule 7 on 24-4-06. Dy. Director HQ has been appointed as enquiry officer and has been asked to complete the enquiry within 30 days.
	Sh. Khajan Singh Science Master	The two accused committed rape due to his acts of omission and negligence.	He was placed under suspension on 8-2-06. He was charge sheeted under rule 7 on 24-4-06. Dy. Director HQ has been appointed as enquiry officer and has been asked to complete the enquiry within 30 days.
3. GHS, Dharana (Jhajjar) 3-2-2006	Sh. Ramesh Kumar Math Master	He is accused of molesting several girl students on different dates.	He was placed under suspension on 6-2-06. He was charge sheeted under rule 7 and Sh. I.M. Khunger Retd. IAS has been appointed as enquiry officer.

		Sh. Jagat Singh	Science Master	Committed Obscene Acts against a girl student of class VIII during Science Practical. He tried to physically molest her.	He was placed under suspension on 6-2-06. He was charge sheeted under rule 7 and Sh. I.M. Khunger Retd. IAS has been appointed as enquiry officer.
4.	GHS, Chudiala (Ambala) 18-2-2006	Rajesh Kumar	Hindi Teacher	Committed rape on a girl student on 18-2-06. A case was registered at police station Brara vide FIR No. 22 dated 19-2-06 under section 376, 376 (b), 34 & 506 IPC.	He was placed under suspension on 19-2-06 and his services were dismissed on 28-2-06.
5.	Vishwas Sr. Sec. School Hisar 12-9-06	Sh. Rishi Sagar	Director	DC Hissar vide letter dt. 18-9-06 informed that the accused is guilty of sexual harassment and exploitation of girl students.	A criminal case was registered vide FIR No. 463 dated 19-9-06 under sections 147/148/434/427/452 of the IPC. The Director has been removed from his post and the management of the school has been taken over by the department. The City Magistrate Hisar has been appointed as Administrator of the institute.
6.	GSSS, Panipat 13-12-06	Sh. Narinder Singh	SS Master	He tried to molest two girl students of VII class by calling them at his residence when his wife was away. FIR No. 956 under section 354, 506, IPC was registered on 16-12-06.	He was placed under suspension on 16-12-06 and he has been charge sheeted under rule 7 on 20-2-07 Reply not received. Enquiry Officer appointed.
7.	GHS, Chitana (Sonapat) 18-1-07.	Sh. Ranbir Singh	Math Master	Committed Obscene Act against one girl student of class IX on 18-1-07.	He was placed under suspension on 30-1-07 and Charge sheeted under rule 7 has been issued on 7-3-07.
8.	GMS, Anandpur (Rewari) 14-2-07.	Sh. Samaj Singh	SS Master	Committed Obscene Acts against girl students. Case has been registered in police station Bawal (Rewari) under section 294, 506 IPC vide FIR No. 23 dated 14-2-2007.	He was placed under suspension on 22-2-07 and charge sheeted U/R 7 has been issued.

Four cases of sexual harassment have been reported in Govt. Primary Schools during the year 2006 and 2007. The details of these cases are as follows :—

Sr. No.	Name of the District	Name of the teacher and school	Date of incident	Details of allegations	Date of arrest	Date of suspension	Remarks
1.	Yamuna Nagar	Surender Singh, JBT Narender Kumar, J.B.T. Govt. Primary School, Bichpari	14-7-2006	Mole-station of girl student	18-7-2006 FIR No. 70 dated 15-7-2006 from Police station, Khizrabad	15-7-2006	Teachers have been dismissed
2.	Sirsa	Harbans Singh, Govt. Primary School, Kirpal Patti	28-2-2007	Mole-station of girl student	1-3-2007 FIR No. 42 dated 1-3-2007 Police station, Ellanabad	1-3-2007	Teacher has been dismissed from service
3.	Bhiwani	Sanjay, JBT Govt. Primary School, Lalwas	8-3-2006	Mole-station of girl student	8-3-2006 FIR No. 49 dated 8-3-2006 Police, Tosham Reinstated vide Spl. Judicial Magistrate, Bhiwani Court order on 12-9-2006	8-3-2006	Teacher has been dismissed from service.
4.	Rohtak	Raj Singh, Head Teacher Govt. Girls Primary School, Bhaini Matu	27-2-2006	Mole-station of girl student by teacher as reported by Sar-panch of the village	27-2-2006 FIR No. 46 dated 27-2-2006 Police station, Meham	—	Teacher has been dismissed from service.

Higher Education

Details of cases received on the subject during the year 2005, 2006 & 2007 are as under :—

Year 2005 : Four cases of Sexual harassment were reported in Maharshi Dayanand University, Rohtak. One complaint was anonymous. Despite best efforts made by Standing Committee to check the menace of Sexual Harassment and Violence against Women

(SCSHVW) of the University, the complaint could not be traced.

Three cases were decided by the SCSHVW as under :—

1. In the first case, Ms. Sumedha Dhani, Lecturer in the Department of Journalism, Maharshi Dayanand University, Rohtak complained against Mr. Rakesh Kumar, (Haryana Police Employee). The SCSHVW recommended to S.P. Rohtak for taking disciplinary action against the Haryana Police Employee. The S.P. Office suspended the official and chargesheeted him. However, the charges were not substantiated in the inquiry.
2. In the second case, Head Department of Mathematics, Maharshi Dayanand University, Rohtak complained against misbehaviour of Mr. Kulvir Singh, CSIR-SRF, Department of Mathematics, Maharshi Dayanand University, Rohtak with a student. In this case the offender apologized in writing and warning was given to him for strict action in future.
3. In the third case Divya Jyoti, Student, National Law College, Sector-40, Gurgaon complained against Mr. Sandeep Yadav, a student of the College. The Committee (SCSHVW) called the parents of Mr. Sandeep Yadav, Apology was submitted by the student and warning was given to him for the strict action against recurrence of such behaviour.

Year 2006 :

1. Kurukshetra University, Kurukshetra has reported only one case of sexual harassment in the year 2006. The case was enquired into by the Gender Sensitisation Committee Against Sexual Harassment. (GSCASH) of the University. The committee submitted its report on 2-3-07 and the charges have not been substantiated.
2. One case of Sexual harassment was reported in CCS Haryana Agricultural University, Hisar. The complaint was enquired into by the University and was dropped as not proved.
3. Three cases of Sexual harassment were reported in Maharshi Dayanand University, Rohtak.

In the first case, Ms. Meena Dalal, Employee, Non-Teaching, Maharshi Dayanand University, Rohtak complained against Mr. Gyan Singh Dahiya, Employee Maharshi Dayanand University, Rohtak on 28-9-2006 to SCSHVW. The case is under investigation of the committee.

In the second case, Ms. Sudesh Nayyar, Assistant Librarian, Maharshi Dayanand University, Rohtak complained against Mr. K.C. Dabas, Deputy Librarian, Maharshi

Dayanand University, Rohtak on 6-12-2006 to SCSHVW. The case is under investigation of the committee.

In the third case, Ms. Rahita, Student of Journalism Department of Maharshi Dayanand University, Rohtak complained against Mr. Rajesh Rukhi, Student of Physical Education Department of the University. The offender student apologized in writing and a warning for strict disciplinary action was given to him.

Year 2007 : No case of Sexual harassment has been reported in any University in the State.

STEPS TAKEN TO STOP RECURRENCE OF SUCH INCIDENTS IN FUTURE

1. Harsh steps like dismissal from service of the employees involved have already been taken. Enquiry against those who have been charge sheeted will be completed shortly and they will also be suitably punished.
2. Directions have been issued to all the field officers to take such incidents most seriously in future. Departmental committees in the Head Office as well as field offices have been constituted to look into all such complaints with utmost seriousness.
3. The Department has decided not to post male teachers below 50 years in institutions of girl students.
4. The officers of the Department have been sensitized in various departmental meetings regarding this menace. They have been directed to further sensitize the Heads of the individual institutions in the field.
5. The following committees have been constituted in the Universities to stop recurrence of cases of Sexual harassment :—

Sr. No.	Name of the University	Name of the Committee
1.	Kurukshetra University, Kurukshetra	Gender Sensitisation Committee Against Sexual Harassment. (GSCASH)
2.	Maharshi Dayanand University, Rohtak	Standing Committee of Sexual Harassment and Violence against Women (SCSHVW)
3.	Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar	Women Cell/Complaint Committee.

श्री ज्ञान चंद ओढ़ : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूँ कि सरकार का यह फैसला है कि लड़कियों के कॉलेज में या तो लेडी टीचर्स पढ़ाने के लिए लगाई जाएं या पचास साल से अधिक उम्र के अध्यापक लगाए जाएं जिससे बच्चों को पढ़ने में फायदा भी होगा और सहूलियत भी होगी और पिछले दिनों स्कूलों में जो शर्मनाक काम हुए हैं उनसे भी बच्चे बच सकेंगे।

श्री फूल चंद मुलाना : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने बिल्कुल ठीक सवाल किया है। सरकार ने यह निर्णय लिया है कि 50 साल से कम की आयु के अध्यापक स्कूलों में न लगाए जाएं।

यदि कोई लॉजर्ज उपलब्ध होती हैं तो प्रिकरेबली महिलाओं को ही रिहला काय में लागते हैं यदि उपलब्ध नहीं होती तो 50 साल से अधिक उम्र वाले अध्यापकों को ही लड़कियों के स्कूल में लगायेंगे। ऐसे विनोद काय जो हुए हैं उन विनोद कृत्यों को रोकने के लिए चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में यह पहली सरकार है, जिसने 8 लोगों को डिस्मिस किया है।

Kidnapping of Children and Youths in the State

***638. Sh. Ishwar Singh Plaka :** Will the Chief Minister be pleased to state—

- (a) the number of cases of kidnapping of children and youths up to the age of 25 years that has come to notice of the Government during the year 2005, 2006 and 2007 to till date; and
- (b) whether any survey with regard to above has been conducted by the Government in this regard; if so, action taken or proposed to be taken against the guilty ?

Transport Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala):

- (a) & (b) A statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT

- (a) Number of cases registered regarding abduction/kidnapping of persons below the age of 25 during 2005, 2006 and 2007 are as follows .

2005	2006	2007 (upto till date)
214	251	52

- (b) No special survey has been done by the Police Department. However the Police Department maintains data regarding all abductions/ kidnapping cases, since FIRs are registered in all such cases. Regarding missing children who run away from homes entries are made in the Daily Diary of the Police Station and enquiries are made to rule out foulplay. If parents suspect foulplay, FIRs are registered and suspected persons are interrogated.

श्री ईश्वर सिंह पलाका : अध्यक्ष महोदय, वर्ष 2005 से लेकर आज तक ऐसे बहुत से केसिज हुए हैं कि बच्चे घर से गायब हो गए थे। मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूँ कि उन बच्चों के साथ क्या घटना घटी है और ऐसे कितने केसिज सरकार के पास हैं ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, वर्ष 2005 में किडनैपिंग फॉर रैनसम के 8 केसिज सरकार के नोटिस में आए थे और वे सभी केसिज दर्ज करके हल कर दिये गये थे। वर्ष 2006 में 10 केसिज दर्ज हुए और 10 के 10 केसिज में सरकार ने ट्रेस कर लिया। वर्ष 2007 में केवल एक केस दर्ज हुआ है और वह भी हमने ट्रेस कर लिया है इसलिए 100 परसेंट सक्सेस है।

Present Power Position in the State

***588. Dr. Sita Ram :** Will the Chief Minister be pleased to state the present position of power supply being provided in the Rural as well as in the Urban Areas in the State ?

Revenue Minister (Capt. Ajay Singh Yadav) : Sir, at present 20-22 hrs electricity supply is being maintained in the Urban Sector and around 14-15 hrs supply is being maintained in the Rural Sector, which includes 7-8 hrs 3 phase supply to tube-wells.

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, मेरे सवाल के जवाब में मंत्री महोदय ने बताया है कि प्रदेश के अंदर शहरी क्षेत्रों में 20 से 22 घंटे बिजली उपलब्ध है और गांवों के बारे में बताया है कि 7-8 घंटे तक बिजली तीन फेज के ट्यूबवैलज की सप्लाई के लिए उपलब्ध है। एक तरफ तो सरकार और मुख्यमंत्री महोदय पब्लिक में जहां भी जाते हैं वहां कहते हैं कि बिजली की बड़ी भारी दिक्कत है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप इस बारे में स्पेशलफिक क्वेश्चन पूछें।

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय के इस रिप्लाई से मैं संतुष्ट नहीं हूँ। एक तरफ तो ये कहते हैं कि प्रदेश में इस समय 5 हजार मेगावाट बिजली की कमी है और दूसरी तरफ यह बात ऑन दि फ्लोर ऑफ दि हाउस कह रहे हैं कि शहरी क्षेत्रों में 20 से 22 घंटे बिजली उपलब्ध है। जनता के बीच में जाकर के अलग आवाज है और ऑन दि फ्लोर ऑफ दि हाउस अलग आवाज है। यह विरोधामास है। सरकार ऐक्युअल स्थिति से अवगत कराए। मैं गांव में रहता हूँ वहां 3-4 घंटे से ज्यादा बिजली नहीं आती है। सरकार ने जो आंकड़े दिये हैं वे * * * * *

श्री अध्यक्ष : सीता राम जी, जो कुछ कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि माननीय सदस्य ने क्या प्रश्न किया है। इनके प्रश्न के संदर्भ में प्रदेश में इस समय बिजली की जो स्थिति है उसके बारे में मैंने बताया है और इन्होंने यही पूछा है कि "Whether the Chief Minister be pleased to state the present position of power supply?". आज तो बरसात काफी हो गई है पावर की हालत आज ठीक है।

डॉ० सीता राम : सर मैंने जब यह प्रश्न दिया था उस समय की स्थिति माननीय मंत्री जी बता दें।

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी जवाब दे रहे हैं इसलिए माननीय सदस्य पहले उनका जवाब सुन लें उसके बाद यह जितने चाहे सवाल पूछ सकते हैं उनका जवाब भी दे दिया जायेगा।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने दिसम्बर में यह प्रश्न दिया था। उसके संदर्भ में मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि वर्तमान सरकार ने पावर सैक्टर के लिए बड़े कदम उठाये हैं। बिजली की जो आज कमी है उसके लिए जितनी यह सरकार जिम्मेवार है उतनी जिम्मेवार पिछली सरकारें भी रही हैं। इसके बारे में मैं सदस्य में आंकड़े बता देता हूँ। पिछली सरकार ने अपने पांच साल के समय में बिजली के बारे में जो टोटल कैपिटल एक्स्पेंडीचर

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड न किया गया।

किया वह था 4095 करोड़ रुपये और टोटल इक्विटी थी 804 करोड़ रुपये। जबकि वर्तमान सरकार ने दो साल के समय में ही टोटल ऐक्सपेंडीचर किया है वह है 3748 करोड़ रुपये और जो शेयर सरकार का है वह है 1086 करोड़ रुपये। पिछली सरकार के समय में वर्ष 2003-2004 में दूसरे प्रदेशों से शॉर्ट टर्म के लिए बिजली खरीदने के लिए जो पैसा दिया वह था 607.15 करोड़ रुपये और वर्ष 2004-2005 में जो कि इलेक्शन ईयर था उसमें पिछली सरकार ने दूसरे स्टेट से शॉर्ट टर्म के लिए बिजली खरीदने के लिए पैसा दिया वह था 814 करोड़ रुपये। जबकि वर्तमान सरकार ने दो साल के समय में दूसरे स्टेट से शॉर्ट टर्म बिजली खरीदने के लिए 1240.71 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। वर्ष 2005-2006 में प्रदेश में बिजली सप्लाई में 7 प्रतिशत वृद्धि हुई है और वर्ष 2006-07 में इसमें 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस प्रकार दो साल में 16 प्रतिशत पावर सप्लाई में वृद्धि हुई है। दूसरी बात मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूँ कि एग्जीक्यूटिव सैक्टर के लिए पिछली सरकार द्वारा दिसम्बर महीने में वर्ष 2004-2005 में जो बिजली सप्लाई की गई वह थी 278 लाख यूनिट प्रति दिन थी जबकि वर्तमान सरकार के समय में दिसम्बर महीने में बिजली की सप्लाई रही है 300 लाख यूनिट प्रति दिन इसलिए पिछली सरकार से वर्तमान सरकार ने हमेशा ही बिजली की सप्लाई ज्यादा की है। चाहें तो आप आंकड़े देख सकते हैं। मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि वर्तमान सरकार आने के बाद बिजली की सप्लाई को ठीक करने के लिए काफी कदम उठाये हैं जैसे 600 मेगावाट यमुनानगर थर्मल पावर प्लांट का कार्य पूरा करने का काम इस सरकार ने किया है।

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, यमुनानगर थर्मल पावर प्लांट का कार्य हमारी सरकार के समय शुरू किया गया था।

Mr. Speaker : Dr. Sahib, don't interrupt the House. I will provide you full opportunity to speak.

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, प्रश्न काल समाप्त होने वाला है लेकिन कैप्टन साहब बिजली के बारे में जवाब दे रहे हैं जो कि बहुत ही सैसटिव ईशू है। इसलिए इस पर सदन में आगे घण्टे की डिस्कशन होनी चाहिए। (विष्णु)

श्री अध्यक्ष : डाक्टर साहब, आप किस रूल के तहत डिस्कशन चाहते हैं। प्लीज आप बैठें। माननीय सदस्यगण प्रश्न काल समाप्त होता है।

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Distribution System of Ration

*646. **Sh. Harsh Kumar :** Will the Deputy Chief Minister be pleased to state—

- (a) the criteria adopted to distribute the kerosene oil, foodgrain and other food material to the three(green, yellow and pink) ration card holders; and
- (b) whether any ration card holder can get his ration in the next month with regard to ration of previous months for which he was deprived of the ration ?

उप मुख्यमंत्री (श्री चन्द्र मोहन) : श्री मान जी, विवरण सदन के पटल पर रखा है।

विवरण

(क) लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत गेहूँ, चावल, चीनी तथा मिट्टी का तेल वितरित किया जाता है। हरे, पीले तथा गुलाबी राशन कार्डधारकों का इन वस्तुओं का मासिक वितरण पैमाना निम्न प्रकार से है :-

श्रेणी	वस्तु	वितरण पैमाना
1 गरीबी रेखा से ऊपर के कार्डधारक (हरे कार्ड)	(i) गेहूँ	25 किलोग्राम प्रति राशन कार्ड
	(ii) चावल	10 किलोग्राम प्रति राशन कार्ड
गरीबी रेखा से नीचे के कार्ड धारक (पीले कार्ड)	(i) गेहूँ	25 किलोग्राम प्रति राशन कार्ड
	(ii) चावल	10 किलोग्राम प्रति राशन कार्ड
	(iii) चीनी	235 ग्राम प्रति सदस्य
अन्त्योदया राशन कार्ड धारक (गुलाबी कार्ड)	(i) गेहूँ	25 किलोग्राम प्रति राशन कार्ड
	(ii) चीनी	235 ग्राम प्रति सदस्य
2 सभी कार्डधारक जिनके पास गैस कनेक्शन नहीं है।	मिट्टी का तेल	5.5 लीटर प्रति राशन कार्ड

(ख) हाँ श्रीमान जी।

Policy for Advertisement in News Papers/ Electronic Media

*650. **Sh. Ranbir Singh Mahendra** : Will the Chief Minister be pleased to state whether the Government has formulated any policy for releasing Government advertisements to the Newspapers and electronic media; if so, the details thereof ?

मुख्य मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : जी नहीं, श्रीमान ।

Set up 220 KV Sub-station at Nangal Kalan, District Sonapat

*634. **Shri Ramesh Kaushik** : Will the Chief Minister be pleased to state—

- whether there is any proposal under consideration of the Government to set up 220 KV Sub-station at Nangal Kalan, District Sonapat; and
- whether there is also any proposal under consideration of the Government to upgrade the Sub-stations of Rai constituency; if so, the name thereof ?

मुख्य मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) :

(ए) नहीं, श्रीमान् ।

(बी) नहीं श्रीमान् ।

Development Charges in M.C. Bhiwani

***647. Dr. Shiv Shankar Bhardwaj :** Will the Minister of State for Urban Development be pleased to state—

- (a) whether it is a fact that before 28th August, 2006 in the name of change of property, the Municipal Committee, Bhiwani has charged Rs. 463/- per square yard from commercial and Rs. 120/- square yard from residential houses;
- (b) whether the aforesaid charges are not illegal as the development charges are levied only at the time of getting the plan approved; and
- (c) whether the aforesaid charges are contrary to Law; if so, the action taken or proposed to be taken against the officials who realized the said amount ?

शहरी विकास राज्य मंत्री (श्रीमती सावित्री जिन्दल) :

(क) हाँ श्रीमान् जी, सरकारी नीति अनुसार विकास शुल्क लिये गये हैं।

(ख) नहीं श्रीमान् जी,

(ग) नहीं श्रीमान् जी,

Vacant Posts of Teachers in Government Colleges and Schools

***666. S.S. Surjewala**
Sh. Ram Kumar Gautam
Sh. Dharmpat Singh Malik } Will the Minister for Education be pleased to state—

- (a) the details of subject-wise vacant posts of teachers of all categories in Government Colleges and Schools in the State;
- (b) up to what time these posts are likely to be filled up ; and
- (c) whether there is any proposal under consideration to regularize services of guest teachers already working in the State ?

शिक्षा मंत्री (श्री फूल चन्द मुलाना) : श्रीमान् जी, बक्तव्य सदन के पटल पर रखा जाता है।

वक्तव्य

(क) हरियाणा राज्य में जे०बी०टी० अध्यापक का कोई पद रिक्त नहीं है क्योंकि सभी रिक्त पदों पर अतिथि अध्यापकों की नियुक्तियां की जा चुकी हैं।

राज्य उच्च विद्यालयों तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में सभी दर्गों के अध्यापकों के विषयवार रिक्त पद निम्नानुसार हैं :-

क्र० सं०	विषय	कुल रिक्त पद
1.	जीव विज्ञान	0
2.	रसायन शास्त्र	13
3.	वाणिज्य	0
4.	कम्प्यूटर विज्ञान	0
5.	अर्थ शास्त्र	215
6.	अंग्रेजी	607
7.	ललित कला	19
8.	भूगोल	147
9.	हिन्दी	730
10.	इतिहास	520
11.	गृह विज्ञान	35
12.	गणित	3
13.	संगीत	11
14.	शारीरिक शिक्षा	21
15.	भौतिकी	34
16.	राजनीति शास्त्र	534
17.	मनोविज्ञान	15
18.	लोक प्रशासन	5
19.	पंजाबी	30
20.	संस्कृत	157
21.	समाज शास्त्र	26
जोड़		3122

टिप्पणी : अतिथि अध्यापकों की नियुक्तियां करके 2146 पद भर लिये गये हैं तथा कुल 976 पद रिक्त हैं।

मास्टर्स के रिक्त पद

क्र० सं०	विषय	कुल रिक्त पद
1.	डी०पी०ई०	716
2.	गृह विज्ञान	56
3.	गणित	1187
4.	विज्ञान	1585
5.	सामाजिक विज्ञान	1863
6.	कृषि विज्ञान	4
7.	ललित कला	2
8.	संगीत	8
जोड़		5421

टिप्पणी : अतिथि अध्यापकों की नियुक्तियां करके 4034 पद भर लिये गये हैं तथा कुल 1387 पद रिक्त हैं।

सी०एण्ड बी० अध्यापकों के रिक्त पद

क्र० सं०	विषय	कुल रिक्त पद
1.	कटाई एवं सिलाई	10
2.	कला	1016
3.	हिन्दी	708
4.	पी०टी०आई०	2341
5.	पंजाबी	112
6.	संस्कृत	1007
7.	उर्दू	1
जोड़		5195

टिप्पणी : अतिथि अध्यापकों की नियुक्तियां करके 1554 पद भर लिये गये हैं तथा कुल 3641 पद रिक्त हैं।

राजकीय महाविद्यालयों के प्राध्यापकों के पद विषयवार स्वीकृत नहीं किए गए हैं। अतः राजकीय महाविद्यालयों के प्राध्यापकों के रिक्त पदों की विषयवार गणना करना सम्भव नहीं है। तथापि, राज्य के सभी राजकीय महाविद्यालयों के लिए प्राध्यापकों के कुल 2415 पद स्वीकृत हैं। इस समय राजकीय महाविद्यालयों में 2187 प्राध्यापक नियमित आधार पर, 54 प्राध्यापक तदर्थ आधार पर तथा 125 प्राध्यापक अतिथि प्राध्यापकों के रूप में कार्यरत हैं, इस प्रकार प्राध्यापकों के 54 पद रिक्त हैं।

(ख) प्राध्यापकों के 814 पद, मास्टर्स के 2418 पद तथा सी० एण्ड वी० अध्यापकों के 3798 पद भरने के लिए दिनांक 28-6-2006 को हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग, पंचकुला को मांग भेजी गई है। इस मांग में जे०बी०टी० अध्यापकों के 3483 पद सम्मिलित हैं।

सी० एण्ड वी० वर्ग, मास्टर वर्ग तथा प्राध्यापक वर्ग में 50 प्रतिशत क्षितिजीय आरक्षण प्रदान करने के सरकार के निर्णय के विरुद्ध माननीय उच्च न्यायालय में एक सिविल रिट याचिका संख्या 13087/2006 दायर की गई है। माननीय उच्च न्यायालय ने अपने आदेश दिनांक 10-10-2006 के अन्तर्गत निर्देश दिया है कि “चयन प्रक्रिया सम्पन्न की जायेगी परन्तु इन लम्बित याचिकाओं का अन्तिम निर्णय होने तक उसका परिणाम घोषित नहीं किया जायेगा।”

(ग) नहीं, श्रीमान जी।

New Excise Policy

***596. Dr. Sushil Indora :** Will the Chief Minister be pleased to state—

- the revenue realised under the new excise policy during the financial year 2006-2007; and
- whether the revenue realised during the current financial year 2006-07 is more or less in comparison of the revenue of the previous financial year 2005-06 ?

मुख्य मन्त्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) :

- नई आबकारी नीति के तहत वर्ष 2006-07 के दौरान माह फरवरी, 2007 तक 1073.63 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्त हो चुका है।
- वर्ष 2005-06 में सम्बन्धित समय के दौरान 984.97 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्त हुआ था। इस प्रकार चालू वर्ष के दौरान माह फरवरी तक पिछले वर्ष के सम्बन्धित समय की तुलना में 88.66 करोड़ रुपये अधिक राशि प्राप्त हुई जिसकी बढ़ोतरी 9 प्रतिशत है।

Repair of Road from Kaliawas to Badli

*677. **Sh. Naresh Kumar Sharma** : Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to repair the portion of road from Kaliawas to Badli which is in deteriorated condition; if so, the time by which the aforesaid portion of the road is likely to be completed ?

मुख्य मन्त्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : हां, श्रीमान जी । कालियावास से बादली सड़क की मरम्मत को आठ महीने के समय में पूरा होने की संभावना है ।

Untraced Murder Cases

*660. **Sh. Tejendera Pal Singh Mann** : Will the Chief Minister be pleased to state—

- (a) the number of cases of Murder lying untraced in Kaithal district at present ; and
- (b) whether any enquiry has been conducted in this matter; if so, the results thereof ?

मुख्य मन्त्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) :

(क) एवं (ख) वांछित सूचना सदन के पटल में रखी जाती है ।

सूचना

- (क) (1) मुकदमा 47 दिनांक 30-3-2006 धारा 302 भा०द०सा० थाना कलायत जिला कैथल जिसमें दोषी की मृत्यु होने पर दिनांक 10-5-2006 को अदमपता रिपोर्ट लिखी गई ।
- (2) हत्या के मुकदमा नं० 36 दिनांक 14-2-2006 धारा 302/392 भा०द०सा० थाना राजौन्द, जिला कैथल को अदमपता रिपोर्ट लिखकर दिनांक 31-7-2006 को न्यायालय में दिया जा चुका है, परन्तु दिनांक 8-12-2006 को न्यायालय के आदेश से दोबारा अनुसंधान के लिए दिया गया है ।
- (ख) जांच स्थानीय पुलिस से करवाई गई । जिसमें एक मुकदमा क्रमांक (1) जो दिनांक 10-5-2006 अदमपता रिपोर्ट लिखकर न्यायालय में भेज दिया है जो न्यायालय में विचाराधीन है और दूसरा अन्य क्रमांक (2) जिसमें दूसरे मुकदमा की तफतीश दिनांक 8-12-2006 को दोबारा अनुसंधान के लिए न्यायालय के आदेश से प्रबन्धक थाना राजौन्द को दिया गया है ।

Opening of Anganwari Centre at Village Narnaund

*681. **Shri Ram Kumar Gautam** : Will the Minister for Health be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open Anganwari Centre at Village Narnaund in Narnaund Constituency ?

स्वास्थ्य मंत्री (बहिन करतार देवी) : नहीं, श्रीमान् ।

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर**Maintenance of Rest Houses of Market Committees in the State**

61. **Dr. Sushil Indora** : Will the Minister for Agriculture be pleased to state—

- (a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. for the repair /proper maintenance of Rest Houses of the Market Committees in the State ; and
- (b) whether there is also any proposal under consideration of the Government to appoint any Care-Taker in the Rest House of Market Committee, Rania, District Sirsa ?

कृषि मंत्री (सरदार एच०एस० घट्टा) :

(क) हां, श्रीमान् जी ।

(ख) नहीं, श्रीमान् जी ।

Construction of Railway Over Bridge on Palwal-Mohana-Alawalpur Road

51. **Sh. Karan Singh Dalal** : Will the Chief Minister be pleased to state—

- (a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a Railway Over Bridge on Palwal-Mohana-Alawalpur Road in Palwal constituency; and
- (b) if so, the time limit by which the above-said proposal is likely to be materialized ?

मुख्य मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) :

(क) नहीं, श्रीमान् जी ।

(ख) उपर के संदर्भ में, कोई समय सीमा नहीं दी जा सकती ।

Setting up Industries in Industrial Backward Areas

65. Sh. Balwant Singh : Will the Minister for Industries be pleased to state the details of the new Industries set up in the Industrial backward areas togetherwith the details of amount spent thereon in the State during the period from 1st April, 2005 to till date and details of persons employed in the above-said industries ?

उद्योग मंत्री (श्री लक्ष्मण दास अरोड़ा) : श्रीमान्, राज्य के पिछड़े औद्योगिक क्षेत्रों में 1-4-2005 से अब तक की अवधि में 384 नए उद्योग स्थापित किए गए जिन पर 13145.22 लाख रुपये की राशि खर्च की गई है और उपरोक्त उद्योगों में 5250 व्यक्तियों को रोजगार दिया गया है। इसकी जिलावार सूचना अनुबंध 'क' पर उपलब्ध है।

अनुबंध 'क'

राज्य के पिछड़े औद्योगिक क्षेत्रों में 1-4-2005 से अब तक की अवधि में 384 नए उद्योग स्थापित किए गए जिन पर 13145.22 लाख रुपये की राशि खर्च की गई है और उपरोक्त उद्योगों में 5250 व्यक्तियों को रोजगार दिया गया है। इसकी जिलावार सूचना नीचे दी गई है :-

क्र०	जिला का नाम	औद्योगिक दृष्टि से घोषित पिछड़े खण्ड का नाम	इकाइयाँ लघु तथा बड़े एवं मध्यम	उद्योगों द्वारा पूंजी निवेश (रु० लाखों में)	रोजगार
1.	अम्बाला	बराड़ा, नारायणगढ़, शाहजादपुर	11	85.62	112
2.	भिवानी	भादरा, भिवानी खेड़ा, दादरी-II लोहारू दादरी-I तोशाम, सिवानी, कैरू	10	365.00	78
3.	फरीदाबाद	होडल, पलवल, हासनपुर	27	2659.63	1921
4.	फतेहाबाद	भट्टकला, भूना, फतेहाबाद रतिया, टोहाना	7	244.39	173
5.	गुडगांव	पटौदी, फारुख नगर	10	3213.68	521
6.	हिसार	आदमपुर अग्रोहा, नारनींद उफलाना, बरवाला	10	345.00	192
7.	झज्जर	बेरी, झज्जर, मात्तनहेल, साह्याथास	3	2.59	14
8.	जीन्द	अलेवा, जीन्द, जुलाना, नरवाना, पिलूखेड़ा, सफीदों, उचाना	8	129.50	68

(2) 34

हरियाणा विधान सभा

[12 मार्च, 2007]

9. कैथल	कैथल, गुहला, कलायत, पुष्पदरी, राजौद	5	17.10	24
10. करनाल	असंध, इन्दरी, नीसिंग	7	122.48	65
11. कुरुक्षेत्र	लाडवा बावैन	2	9.37	21
12. मेवात	हथीन, तावड़ू, नूह, नगीना, पुन्डाना, फिरोजपुर झिरका	6	3600.6	233
13. महेन्द्रगढ़	नारनौल, नांगल चौधरी, अटेली, महेन्द्रगढ़, कनीना	7	23.45	38
14. पंचकुला	पिंजौर, भोरनी, बरवाला, रायपुररानी	66	628.75	452
15. पानीपत	इसराना, मडलौडा, बपौली, रामालखा	3	193.38	50
16. रिवाड़ी	खोल, जाटूसाना, नाहर	2	38.58	27
17. रोहतक	रोहतक, कलानौर, लाखन माजरा, महम, सांपला	75	649.88	483
18. सिरसा	बारगुडा, डबवाली, ऐलनाबाद, नाथूसारी धौपटा, औघान, रानिया, सिरसा	104	426.17	608
19. सोनीपत	खरखौदा, गोहाना, मुंडलाना, कथूरा	15	98.58	92
20. यमुनानगर	सढौरा, छछरीली, बिलासपुर, मुस्तफाबाद	6	91.43	78
		384	13145.22	5250

Work done in M.C. Bhiwani

72. Dr. Shiv Shankar Bhardwaj : Will the State Minister for Urban Development be pleased to state—

- whether it is a fact that some works were done during the year 2003-04 in Municipal Council, Bhiwani without inviting tenders.
- if so, whether any enquiry has been conducted for the above said works; if so, the result thereof; and
- whether the payment for the said works have been made; if so, the total amount thereof ?

शहरी विकास राज्य मंत्री (श्रीमती सावित्री जिन्दल) :

- (क) नहीं, श्रीमान् जी।
 (ख) नहीं, श्रीमान् जी।
 (ग) नहीं, श्रीमान् जी।

Cases of Malaria and Dengue (Fever) in the State

48. **Dr. Sita Ram :** Will the Minister for Health be pleased to state the details of district-wise cases of Malaria and Dengue (Fever) detected in the State since 2005 till date and deaths occurred due to it; alongwith the steps taken by the Government to control the above said diseases ?

स्वास्थ्य मन्त्री (बहिन करतार देवी) : राज्य में वर्ष 2005 से अब तक जिलावार हुए मलेरिया तथा डेंगू (ब्रुखार) के केसों का ब्यौरा अनुबन्ध-1 व अनुबन्ध-2 अनुसार है तथा इस सरकार द्वारा रोगों के नियन्त्रण हेतु निम्नलिखित पग उदाए गए हैं :--

- (i) जिन क्षेत्रों में मलेरिया केस पाये जाते हैं वहाँ डेल्टामेथरीन या मेलथीन कीटनाशक दवाई का छिड़काव किया गया है ;
- (ii) बीमारी फैलाने वाले मच्छरों के रोकथाम हेतु लारवानाशक कार्य और फौगिंग, किए गए हैं;
- (iii) धातावरण अनुकूल लारवाभक्षक मच्छरियों को प्रयोग में लाया गया है ;
- (iv) जनता को इन रोगों के बारे, इनसे बचाव व इनकी रोकथाम के बारे में शिक्षित किया गया है ;
- (v) ज्वर ग्रस्त रोगियों की रक्त पट्टिकाएं बनाई जाती हैं और जिनमें मलेरिया के कीटाणु पाए जाते हैं, उनका उपचार किया गया है।

अनुबन्ध-1

जिलावार मलेरिया केसिस-2005 से जनवरी 2007 तक का ब्यौरा

जिले का नाम	2005			2006			2007 (जनवरी तक)		
	पी०बी० मलेरिया	पी०एफ० मलेरिया	मृत्यु	पी०बी० मलेरिया	पी०एफ० मलेरिया	मृत्यु	पी०बी० मलेरिया	पी०एफ० मलेरिया	मृत्यु
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
अम्बाला	284	0	0	290	3	0	0	0	0
भिवानी	1613	2	0	1834	10	0	4	0	0
फरीदाबाद	161	24	0	188	97	0	0	0	0
फतेहाबाद	208	19	0	933	6	0	1	0	0
शुद्धगंवा	124	3	0	91	3	0	0	0	0

(2) 35

हरियाणा विधान सभा

[12 मार्च, 2007]

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
हिसार	1731	25	0	3340	15	0	3	2	0
झज्जर	1305	2	0	1710	2	0	1	0	0
जीन्द	763	2	0	6932	12	0	12	0	0
कैथल	1162	1	0	1753	4	0	0	0	0
करनाल	6241	12	0	8617	17	0	13	0	0
कुरुक्षेत्र	145	1	0	106	4	0	0	0	0
मेवात	134	24	0	202	116	0	1	2	0
नारनौल	362	15	0	433	16	0	2	1	0
पंचकूला	108	2	0	411	53	0	0	0	0
पालीपत	7276	29	0	8137	20	0	29	0	0
रिवाड़ी	235	5	0	282	2	0	1	0	0
रोहतक	3374	3	0	4494	2	0	3	0	0
सिरसा	214	12	0	322	6	0	0	0	0
सोनीपत	7439	62	0	7067	115	0	13	1	0
यमुनानगर	125	1	0	228	2	0	0	0	0
कुल :-	33006	244	0	46570	507	0	83	6	0

अनुबन्ध-II

जिलावार डेन्गू केसिस-2005 से जनवरी 2007 तक का ब्यौरा

जिले का नाम	2005		2006		2007 (जनवरी तक)	
	केसिस	मृत्यु	केसिस	मृत्यु	केसिस	मृत्यु
1	2	3	4	5	6	7
अम्बाला	0	0	15	0	0	0
भिवानी	6	0	16	0	0	0
फरीदाबाद	56	0	301	1	0	0
फतेहाबाद	1	0	24	0	0	0
गुरुगंवा	2	0	206	0	0	0
हिसार	9	0	65	1	0	0
झज्जर	0	0	11	1	0	0
जीन्द	0	0	8	0	0	0
कैथल	0	0	0	0	0	0
करनाल	1	0	7	0	0	0
कुरुक्षेत्र	0	0	3	0	0	0

1	2	3	4	5	6	7
मेवात	0	0	4	0	0	0
नारनाल	0	0	9	0	0	0
पंचकूला	0	0	54	0	0	0
पानीपत	0	0	12	0	0	0
रिवाड़ी	0	0	7	0	0	0
रोहतक	1	1	26	1	0	0
सिरसा	6	0	24	0	0	0
सोनीपत	0	0	8	0	0	0
बमुनानगर	1	0	36	0	0	0
कुल :-	183	1	838	4	0	0

**Sanction of play Ground/Sports stadium in Village Dhal
Palia Block Ellenabad**

63. **Dr. Sushil Indora :** Will the Minister for Education be pleased to state—

- whether it is a fact that any sanction was accorded by the previous Government for construction of Playground /Sports Stadium in village Dhal Palia, Block Ellenabad; and
- if so, the time limit by which the above said Playground/Sports Stadium will be completed ?

शिक्षा मंत्री (श्री फूलचन्द मुलाना) :

(क) नहीं, श्रीमान् जी।

(ख) यद्यपि वर्तमान सरकार ने उपरोक्त गाँव धालपालिया, खण्ड ऐलनाबाद में ग्रामीण स्टेडियम बनाने कृषि विपणन बोर्ड द्वारा किया जायेगा। निर्माण कार्य दिनांक 15-6-2007 तक सम्पन्न होने की संभावना है।

**Shifting of villages from Police Station Charihat to
Police Station Sadar Patwal**

52. **Sh. Karan Singh Dalal :** Will the Chief Minister be pleased to state that whether it is a fact that the following villages are being shifted/transferred from Police Station Charihat to Police Station Sadar Patwal in District Faridabad:—

- Kikwari
- Nangal brahamin
- Talaka

मुख्य मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : जी श्रीमान्।

L.A.D.T. Fund of Municipal Committee, Bhiwani

73. Dr. Shiv Shankar Bhardwaj : Will the State Minister for Urban Development be pleased to state—

- (a) the details of the amount of L.A.D.T. fund released to Municipal Committee, Bhiwani after March, 2005 ; and
- (b) whether the aforesaid amount has been equally distributed to all works of the Municipal Committee, Bhiwani; if so, the details thereof ?

शहरी विकास राज्य मंत्री (श्रीमती सावित्री जिन्दल) :

(क) 2005-06	300.00 लाख
2006-07	192.99 लाख

(ख) हाँ श्रीमान् जी, कार्यों की सूची संलग्न है।

सूची

1. सी० सी० पेविंग आफ स्ट्रीट फरोम भारद्वाज नर्सिंग होम टू आनन्द नर्सिंग होम रोहतक गेट
2. -सम- फरोम राजू जोगी टू गोपाल कौशिक एवं गली बाया किशोरी मंदिर
3. -सम- खिलाराम टू रामकुमार एवं हवा सिंह टू छबीलदास
4. श्रीक पेविंग स्ट्रीट विशाल टेलर टू रमेश चन्द्र भरत नगर वार्ड नं० 8
5. -सम- चन्द्र चौधरी टू सुरेश शर्मा बिहाइन्ड विवेकानन्द स्कूल
6. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट दयानन्द टू शिवकुमार अमरनाथ टिब्बा बस्ती वार्ड-11
7. -सम- धन्ना बागडी टू रत्नलाल सोलंकी, हनुमान गेट गली नं० 1
8. -सम- रमेश हवलदार टू इशाम डेरीवाला, हनुमान गेट गली नं० 2
9. -सम- अजीत सिंह टू फिता फैक्टरी नीयर विधान मंदिर वार्ड नं० 13
10. -सम- रतिराम टू वीरभान नीयर विधान मंदिर
11. -सम- सतपाल दी हट्टी टू मास्टर रघुनाथ बेक आफ दादरी आक्ट्राय
12. -सम- धर्मशाला अमरलाल टू वेदप्रकाश, रामगंज मौहल्ला।
13. -सम- मौहल्ला कुम्हारान, हनुमान गेट वार्ड नं० 13
14. -सम- जीनु पब्लिक स्कूल चोक टू सरकुलर रोड एण्ड धर्मशाला अमरलाल रामगंज मौहल्ला वार्ड 13
15. -सम- कृष्ण कुम्हार, राम गंज मौहल्ला वार्ड-13
16. -सम- सुरेश कुमार टू रामकिशन मिस्त्री धनकान मौहल्ला नीयर चन्दगीरी स्कूल

17. -सम- गली गंधघारे ब्राहमण, नानक मास्टर टू साधू चक्की एवं शिव शर्मा विरभान पाना वार्ड-14
18. कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रेन एवं सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट धानकान मौहल्ला, जेन चोक वार्ड-14
19. -सम- राजकुमार अग्रवाल टू अनुप कुमार नीयर नीम चोक, वीरभान पाना वार्ड-15
20. -सम- ओमप्रकाश सेनी टू वेदप्रकाश धानी सुगलान बीघवाना जौहर
21. -सम- शाप आफ पासी टू पवन गली, भगवान, इत्सु बाजार वार्ड-16
22. कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रेन टाईप-1 एवं सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट फरोम हाऊस आफ सुरेश टू रामअवतार बेक साईड तिलक भवन वार्ड-17
23. सी०सी० पेविंग अगर्सैन टू बालकिशन टू गीरवार टू मांगेराम मैचनान पाना वार्ड-17
24. -सम- शॉप आफ खजान टू मामन एण्ड कृष्ण गोयल खाती जैन चोक
25. -सम- चोक मस्तान टू सोप आफ कलेन वार्ड-18
26. -सम- पण्डितान की पारस टू चोक वार्ड-18
27. -सम- मस्तान चोक टू श्याम सुभाष गली वार्ड-18
28. -सम- ढाणी सरोजियन वार्ड-19
29. कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रेन टाईप-1 हालु मौहल्ला
30. सी०सी० पेविंग कालू टू जयमल श्यामपुरा मौहल्ला वार्ड-23
31. -सम- हालुवास गेट नई बस्ती हाऊस आफ रामकुमार टू रामनिवास
32. बी०पी० विद ड्रेन देशराज टू मामन प्रजापत, शास्त्री नगर।
33. -सम- तौशाम बाईपास टू सुखीदेवी।
34. सी०सी० पेविंग न्यू आदर्श नगर टू माल गोदाम रोड वार्ड 25
35. -सम- केशर सरदाना टू राजकुमार शर्मा वार्ड-25
36. -सम- अमित टू सोहनलाल बेक आफ वैश कालेज कृष्णा कालोनी
37. -सम- सोडा फैक्टरी बेक नीयर बीटीएम चोक वार्ड-26
38. -सम- महीपाल टू सूरजमल, अपोजिट पार्क कालोनी, बीटीएम रोड वार्ड-26
39. बी०पी० नीयर धर्मशाला भिदन, रेलवे स्टेशन वार्ड -26
40. -सम- शिव कालोनी नीयर दीनोद रोड वार्ड 27
41. -सम- प्रताप टू मोहिन्द्र रुद्रा कालोनी

42. -सम- लोगीदेवी टू धर्मेश्र वालिया वार्ड 29
43. सी०सी० पेविंग औमप्रकाश टू बालकिशन एवं मंगल टू लुक राम वार्ड 31
44. -सम- नन्दलाल टू रमेश द्राण्डा वार्ड 31
45. -सम- बेकसाईड आफ सुन्दर सिंह टू जितेश्र पुत्र कैशवराम एवं बाबा चमनशाह मंदिर
46. बी०पी० मुरलीधर शास्त्री टू कुन्ट रोड नीयर भारत गैस गौदाम
47. सी०सी० पेविंग शास्त्री बाला चौक टू मंदिर वाला चौक
48. -सम- बीकेपीएम खरोड मधन टू टिकिया मवन
49. -सम- मदनलाल जगत कालोनी
50. -सम- हाऊस नं० 53 टू 64 जगत कालोनी
51. -सम- नीयर हाऊस आफ कंदर पाल डी०सी० कालोनी
52. बी०पी० राजवीर टू सरवन वार्ड 29
53. कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रेन डाणी धरखान
54. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट हलवास गेट टू पवन सूट पार्क हलवास गेट वार्ड 23
55. कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रेन टाईप-1 एवं लेईग एवं सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट बनी सिंह टू विमल शर्मा अजाद मोहल्ला वार्ड 20
56. सी०सी० पेविंग श्री निवास टू नन्दकिशोर वार्ड 23
57. -सम- राजेश्र कुमार टू दिलबाग, धानकान मोहल्ला नीयर खांदगीरी स्कूल वार्ड 14
58. -सम- चौ० बन्सीलाल एक्स सी०एम० विजय नगर वार्ड 30
59. बी०पी० प्रेम सिंह टू धन सिंह मामराज बेकसाईड आफ गवार कैक्टरी
60. सी०सी० पेविंग प्रेमदास टू औमप्रकाश भोजावाला जोहड वार्ड-5
61. बी०पी० मेन रोड टू राजसिंह दयाल वार्ड 2
62. -सम- सुरेश्र टू बाबी, जाभूति कालोनी वार्ड 29
63. सी०सी० पेविंग इनकरन्ट आफ गीता कुन्ज पार्क कालोनी
64. बी०पी० औमप्रकाश टू चरण सिंह विद्या नगर
65. -सम- हनीफ अली टू राजकुमार गली नं० 6 लक्ष्मीनगर वार्ड 10
66. कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रेन टाईप-1 डाणी झजरान
67. -सम- एवं सी०सी० पेविंग कामरेड राम सरूप टू साधु पण्डित गली नई भातन वार्ड 17
68. सी०सी० पेविंग श्रीमति सुमित्रा फोगाट, शिव कालोनी, हांसी रोड

69. वी० पी० मैन रोड टू तेवर इन्दिरा कालोनी गली नं० 2 वार्ड-2
70. सी०सी० पेविंग भीम टू बिहारी सैन, ढाणी चरखान वार्ड 23
71. -सम- राम टू अनिल एवं ब्रीजपाल टू मैन रोड नीम चोक
72. वी० पी० आफ स्ट्रीट ब्रहमा कालोनी
73. कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रेन टाईप-1 धनकान मौहल्ला नीयर चन्द्रगीरी स्कूल
74. वी० पी० अशोक शर्मा टू पुष्पोलम मुक्ति ग्राम रोड वार्ड 11
75. -सम- राजेन्द्र बूरा टू गली मन्दिर वाली राजीव कालोनी
76. -सम- जय नारायण टू उदयवीर, फ्रैन्डज कालोनी वार्ड-1
77. -सम- ब्रीजवासी कालोनी
78. सी०सी० पेविंग राहुल ज्वेलर टू भालाराम हलवाई गली वैद्यहन वार्ड 16
79. वी० पी० सुरेन्द्र शर्मा टू कमला, शांति नगर वार्ड 9
80. -सम- महताब जाट टू हनुमान टेलर
81. सी० सी० पेविंग सुनिल कथार टू सुगल हनुमान गेट वार्ड 12
82. वी० पी० दया हाई स्कूल टू नारायण टू सुरेश ब्रहम कालोनी वार्ड 28
83. सी०सी० पेविंग रविदास मन्दिर वार्ड 7
84. कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रेन टाईप-1 एवं सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट फरोम हाऊस आफ मदन जैन, गणेश एडवोकेट गली रूपा-थम्बा वार्ड 17
85. सी० सी० पेविंग जगत सिंह एडवोकेट, विजय नगर वार्ड 30
86. -सम- मकान नं० 364 टू हाऊस आफ सुन्दर, राम नगर कालोनी
87. वी० पी० आफ स्ट्रीट हाऊस आफ सतबीर पटवारी टू रामकिशन, शांति नगर वार्ड 9
88. सी० सी० पेविंग देशराज टू शीशराय एवं गोर्धन टू बीर सिंह टू ब्रीजमोहन मैननान घाना वार्ड 17
89. -सम- रोहतास टू सुरेश भारत नगर
90. वी०पी० कृष्ण तालू टू आनप्रकाश, अम्बेडकर कालोनी वार्ड 10
91. -सम- धन सिंह टू रामनिवास नीयर जीतू बाला जोहड वार्ड 25
92. सी०सी० पेविंग रामदत्त की चक्की टू सुभाष ढाणी सुगलान वार्ड 15
93. -सम- जितेन्द्र टू अजित श्यामपुरा मौहल्ला वार्ड 23
94. वी०पी० सुभाष टू मंगत, ब्रजवासी कालोनी वार्ड 27

95. -सम- सुरेन्द्र शर्मा टू विडो कमला देवी शांति नगर
96. सी० सी० पेरिंग शांति प्रसाद बजाज टू लाजपत राम नगर कालोनी
97. -सम- रामचन्द्र टू नारायणदास, गांधी नगर वार्ड 25
98. बी० पी० रामफल ग्रोवर टू अहलायत, विद्या नगर
99. सी०सी० पेरिंग एवं जैन शाप आफ ज्ञानोराम टू अर्जन खादी मोहल्ला
100. -सम- आत्म प्रकाश टू अनिल कुमार गली नं० 2, परनामी नगर वार्ड 9
101. सी० सी० पेरिंग मास्टर रामकृष्ण टू टेकचन्द दिनोद गेट
102. बी० पी० लालचन्द टू गली नं० 13/2 शांति नगर वार्ड 10
103. सी० सी० पेरिंग नीयर पंजाबी कम्युनिटी सेन्टर, राम नगर कालोनी
104. -सम- हरीचन्द टू रुकमणी मुराद की हवेली वार्ड 7
105. बी०पी० जसवीर टू ईश्वर वार्ड नं० 28
106. -सम- सुरजीत सेनी टू रोहतास शांति नगर वार्ड 9
107. सी०सी० पेरिंग राम कुमार टू सीताराम ढाणी किरपाराम रोहतक गेट
108. बी०पी० दलीप टू रामफल एवं पाल टू झन्डू जागृति कालोनी वार्ड 29
109. सी०सी० पेरिंग हाउस नं० 293 टू 316 ओल्ड हाऊसिंग बोर्ड वार्ड 2
110. बी०पी० गोपाल कोच टू खुशीराम लाजपत नगर वार्ड 1
111. -सम- दिनोद रोड टू मोहिन्द्र धानक
112. सी०सी० पेरिंग जयभगवान डिपू वाला नीयर धोबी तालाब वार्ड 7
113. बी० पी० लीलू मनेजर टू सुनिता सिंह शांति नगर वार्ड 9
114. -सम- प्रताप सिंह टू सुखीपाल शांति नगर वार्ड 9
115. कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रेन टाईप 1 इन चौखानी गेट वार्ड 6
116. बी० पी० जगदीश टू रामकुमार गली नं० 7 शांति नगर
117. सी० सी० पेरिंग नीयर मानसैनी टू तीर्थदास एवं दूली टू हथा सिंह नीयर सेनी धर्मशाला वार्ड 7
118. -सम- एवं जैन मुरारी लाल टू लखी साजाद मोहल्ला वार्ड 20
119. कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रेन टाईप-1 इन चन्द्रहेडा एवं चौकानी गली वार्ड 6
120. सी०सी० पेरिंग मोहन लाल टू डॉ० अनबाहल जेन गली वार्ड 25
121. बी०पी० गली सुधीरवाली नीयर मोहता फैक्टरी क्रीति नगर

122. सी० सी० पेविंग मिडीमार मोहल्ला वार्ड 19
123. बी० पी० स्ट्रीट कालोनी औमप्रकाश जांगड़ा, बेकसाईड हनुमान मंदिर
124. साईड स्ट्रीट आफ सुखबीर टू अर्जन एवं लक्ष्मण टू बनी सिंह
125. बी० पी० आजाद टू हरीश सिंह जे०ई० राजीव कालोनी वार्ड 2
126. सी० सी० पेविंग शेर सिंह टू सलनारायण टू मातुराम गली बेधान
127. -सम- दिनेश टू मोहन भाटा बागड़ी वार्ड 19
128. -सम- विक्रम टू किशोरी लाल हलवास गेट
129. बी० पी० शिव मन्दिर टू रेलवे लाईन वार्ड 29
130. सी० सी० पेविंग चुहर सिंह की बाजारी वार्ड 16
131. बी० पी० शोकत अली टू आनन्द फैक्टरी वाला आनन्द नगर गली नं० 12
132. बी० पी० सुरेन्द्र बालिया टू रोहतक रोड
133. सी० सी० पेविंग रमेश चायवाला टू धर्मवीर बेकआफ मुजावली देवी
134. बी० पी० मुन्शीराम टू प्रताप सिंह टैगोर नगर वार्ड 9
135. -सम- नर सिंह टू श्रीराम जॉंगड़ा शांति नगर वार्ड 9
136. सी० सी० पेविंग फरोम अनिल पण्डित टू चन्दर मिस्त्री, अशोक कालोनी वार्ड 25
137. कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रेन टाईप -1 फरोम धर्मशाला टू जनार्दन बरसी मोहल्ला वार्ड नं० 22
138. ब्रीक पेविंग आफ स्ट्रीट फरोम शोप आफ त्यागी टू हाऊस आफ मास्टर कमल सिंह विद्या नगर
139. ब्रिक पेविंग एण्ड ड्रेन सत नारायण के मकान से महाबीर व ओम राठी तक विद्या नगर
140. सी० सी० पेविंग आफ स्ट्रीट ज्ञानी राम के मकान से बिल्लू व राजेन्द्र से भगतू के मकान तक हालू मोहल्ला।
141. सी० सी० पेविंग आफ स्ट्रीट नजदीक नफे सिंह का मकान पटेल नगर वार्ड नं० 2
142. सी० सी० पेविंग आफ स्ट्रीट लोहिया कटली से हालू बाजार, वार्ड नं० 16
143. ईन्टों की गली प्रताप गली से मातादीन शर्मा टू गूजर।
144. कन्स्ट्रक्शन आफ नाला सोमारी माता से नया बाजार रोड वार्ड नं० 6
145. सी० सी० पेविंग आफ स्ट्रीट ढानी चेजशन।
146. ईन्टों की गली घनश्याम के मकान से ईश्वर सिंह के मकान तक सेवा नगर वार्ड 28
147. सी० सी० पेविंग आफ स्ट्रीट जगन प्रसाद के मकान से सूरज भान के मकान तक नया बाजार।

148. ईंटों की गली शिव कालोनी।
149. ईंटों की गली राजवीर कुम्हार के मकान से कृष्ण के मकान तक शान्ति नगर वार्ड नं० 9
150. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट महेश के मकान से राधे श्याम के मकान तक गली बागलान हालू बाजार वार्ड नं० 16
151. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट मकान नं० 359 से 373 तथा 333 से 345 पुराना हाऊसिंग बोर्ड।
152. ईंटों की गली मनोहर के मकान से राधेश्याम के मकान तथा महावीर के मकान से लीला राम नजदीक शमशान घाट वार्ड नं० 11
153. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट नया बाजार से आर्य रोड रमेश दू सतवीर नया बाजार
154. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट आर० सी० कटारिया के मकान से सीता राम की फैक्टरी तक।
155. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट ओम प्रकाश के मकान से सुभिल के मकान तक व सुभाष के मकान से रूप चन्द के मकान तक वार्ड नं० 26
156. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट श्रद्धानन्द स्कूल से पानी की टैन्की दादरी गेट पार्ट 2
157. ईंटों की गली तोराम रोड से महिन्द्र सिंह के मकान तक, रुद्रा कालोनी, वार्ड नं० 18
158. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट गली गुमानी लोहार पर्व मौहल्ला वार्ड नं० 22
159. सी०सी० पेविंग जवाहर चौक से अग्रसैन भवन हालू बाजार वार्ड नं० 16
160. ईंटों की गली ब्रिजवासी कालोनी, वार्ड नं० 27
161. ईंटों की गली धर्मन्द्र के मकान से अमर सिंह व बलदेव के मकान तक फ्रेंड्स कालोनी
162. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट मास्टर कमल सिंह के मकान से दया नन्द यादव के मकान तक विधा नगर।
163. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट दीना नाथ के मकान से रिशी पंडित के मकान तक अशोका कालोनी, वार्ड नं० 25
164. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट सुरजीत बिसकुट से हवा सिंह के मकान तक, हानी सूगलान, वार्ड नं० 15
165. ईंटों की गली बधवा के मकान से गोपाल राय के मकान तक गली-सी, नया भारत नगर।
166. सी०सी० पेविंग विद ड्रेन राज डिसवाला के गुलशन के मकान तक लेबर चौक थिरन्जीव कालोनी।
167. कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रेन एण्ड सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट से राजेश जांगड़ा के मकान तक, पर्व कालोनी।

168. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट कृष्ण आईस फैक्टरी से जवाहर कृष्ण कालोनी वार्ड 26
169. कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रेन एण्ड सी०सी० पेविंग गली पटवारखाना।
170. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट विजय लम्बरदार के मकान से राम अवतार के मकान तक नया बाजार।
171. ईन्टों की गली सत नारायण मास्टर के मकान से जय भगवान दाना रोड टू कांत रोड
172. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट प्रहलाद के मकान से रामेश्वर तथा ओम प्रकाश टू मास्टर केशव टिब्बा बस्ती वार्ड नं० 12
173. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट सुधार प्रीटिंग प्रेस से लाला राम टू पनमेशवरी के मकान तक हाणी चक्रन वार्ड नं० 15
174. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट विद ड्रेन ओम प्रकाश के मकान से कृष्ण आजाद मीहल्ला तक वार्ड नं० 20
175. ईन्टों की गली नौरंग के मकान से हवा सिंह के मकान तक देव नगर।
176. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट राम निवास के मकान से चन्द्र जाट के मकान तक टिब्बा बस्ती वार्ड नं० 12
177. ईन्टों की गली दरिया सिंह के मकान से ओम प्रकाश के मकान तक उत्तम नगर।
178. सी०सी० पेविंग विद साईड ड्रेन रमेश के मकान से रणधीर धोबी दील भोहल्ला तक।
179. सी०सी० पेविंग सुरेश के मकान से ओम प्रकाश धोबी के मकान तक वार्ड नं० 16
180. सी०सी० पेविंग नजदीक लाल मसजिद पानी की टंकी।
181. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट सरोज के मकान से सरदार नरुला के मकान तक जगत कालोनी वार्ड नं० 30
182. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट हरी चन्द के मकान से ईश्वर सिंह के मकान तक जगत कालोनी
183. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट सब्जी मण्डी चौक से प्रहलाद राय के मकान तक जवाहर नगर वार्ड नं० 26
184. ईन्टों की गली महाबीर सिंह के मकान से प्रमोद तथा नन्द राम के मकान तक मेन रोड, बैंक कालोनी वार्ड नं० 6
185. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट डॉ० ओम प्रकाश के मकान से गोकल चन्द के मकान तक जगत कालोनी।
186. कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रेन सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट से गली अहीरान वार्ड नं० 14
187. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट राम निवास के मकान से सरकूलर रोड तक वार्ड नं० 22

188. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट हलूवास गेट नजदीक बाबा जहांगीर।
189. सी०सी० पेविंग किसोरी लाल के दुकान से योगेश्रम तथा विनोद दहिया के मकान तक।
190. सी०सी० पेविंग खिला राम के मकान से राम कुमार व डूली चन्द के मकान तक।
191. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट श्रद्धानन्द स्कूल से पानी की टन्की दादरी गेट भाग-1 तक
192. ईन्टों की गली महावीर भास्टर के मकान से राम निवास के मकान तक गली-बी, न्यू भारत नगर।
193. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट नजदीक अर्जन की पारस व दीप चन्द से वीरभान पाना, गोसियान चौक, वार्ड नं० 14
194. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट जोगिवाला मन्दिर से मिश्रा ग्रीटिंग प्रेस तक, वार्ड 24
195. ईन्टों की गली आनन्द सिंह, ए०डी०ए० से शेर सिंह के मकान तक फ्रैंड्स से कालोनी।
196. ईन्टों की गली उमेश चौधरी के मकान से आनन्द पूनिया के मकान तक, सेवा नगर वार्ड नं० 28
197. ईन्टों की गली बालाजी मन्दिर से गंगा राम के मकान तक बालाजी कॉलोनी वार्ड नं० 1
198. ईन्टों की गली रघुबीर से पवन कुमार, वार्ड नं० 9 कॉलोनी तक टैगोर नगर गली प्रताप से मातादीन शर्मा से गुज्जर।
199. अग्रसेन चौक स्ट्रीट हाई मास्टर लाईट।
200. महाराजा प्रताप चौक स्ट्रीट हाई मास्ट लाईट।
201. लाजपत राय चौक स्ट्रीट हाई मास्ट लाईट।
202. कृष्णा कालोनी चौक स्ट्रीट हाई मास्ट लाईट।
203. दादरी गेट स्ट्रीट हाई मास्ट लाईट।
204. कनैक्शन चार्जिज (डी०एच०बी०वी०एन०एल० को)
205. रैनोवेशन आफ शिव पार्क, कृष्णा कालोनी।
206. रिपेयर आफ पार्क इन फ्रन्ट आफ मकान नं० 42 पुरानी हाऊसिंग बोर्ड कालोनी वार्ड 2
207. रैनोवेशन आफ पार्क राम नगर कालोनी वार्ड नं० 30

क्र० सं० विकास कार्य का नाम

1. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट मुख्य गली पुराना हाऊसिंग बोर्ड।
2. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट मुख्य गली हुडडा से डिसपोजल पम्प।
3. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट मुख्य गली पुराना हाऊसिंग बोर्ड से डिसपोजल पम्प हाऊस।

4. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट भेजर अमीर चन्द्र के मकान से सरोज चहल थिया नगर के मकान तक।
5. सी०सी० पेविंग आफ बलबीर सिंह के मकान से जी०पी० मित्तल महम ग्रेट नई बस्ती तक।
6. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट बजरंग के मकान से सतपाल के मकान तक नजदीक छोटी गुगा भाड़ी।
7. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट मन्सू खाती के मकान से राजू जोगी के मकान तक नजदीक छोटी गुगा भाड़ी धोलिया मन्दिर।
8. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट बाग कोठी गली नं० 1।
9. इन्टों की गली प्रमोद के मकान से सुरेश जाट बैंक कॉलोनी तक।
10. कन्स्ट्रक्शन आफ सी०सी० रोड राजबीर के मकान से ओम प्रकाश, सुरेश व प्रेम के मकान तक।
11. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट भाना राम के मकान से उद्यमी व प्रभाती राम, हनुमान गेट तक।
12. कन्स्ट्रक्शन आफ रोड जगत नारायण के मकान से विल्लू के मकान तक।
13. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट विद ड्रेन डॉ० मोहन लाल के मकान से नीलम सोडा बाला के मकान तक।
14. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट विद ड्रेन गुग्गिया आफिस से धर्मशाला डूंगरमल गली शोरेवाली तक।
15. कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रेन टाईप-1 राम धारी के मकान से चुन्नी धाय वाला नजदीक अर्जुन की पार्स तक।
16. कन्स्ट्रक्शन आफ सी०सी० रोड शिव कुमार के मकान से रघुबीर मास्टर तथा मांगे खाती से चिरन्जन लाल वैद्य तक।
17. कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रेन टाईप-1 गली सुधार प्रीटिंग प्रेस डानी सुगलन।
18. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट मानन पाना गली भी टार वाली ड्रेन।
19. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट गली जंङवाली नजदीक पुरानी गऊशाला महावीर के मकान से ओमी।
20. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट बाला गारमैन्ट से राजधानी हाऊस, गऊशाला मार्केट तक।
21. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट फरोम श्याम मन्दिर।
22. सी०सी० पेविंग एण्ड ड्रेन आफ स्ट्रीट घीसू से नरेन्द्र ठेकेदार नजदीक नरनाओडिया चौक तक।

23. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट ओम प्रकाश के मकान से सतीश बिजली थाला गली लोकमनियां तक।
24. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट विद ड्रेन आदर्श धर्मशाला से श्याम सुन्दर गोयल धनी राय सिंह गली नं० 1 तक।
25. कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रेन टाईप-1 एण्ड पेविंग भाना राम के मकान से ओम प्रकाश झांड थाला मोहल्ला तक।
26. सी०सी० पेविंग स्ट्रीट विद साईड ड्रेन नाथू राम से कंवर पाल के सामने का धापा देवी धर्मशाला तक।
27. कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रेन टाईप 1 गली वैद्य बनवारी दास।
28. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट सुन्दर दास के मकान से साधू थाय थाला कृष्णा कॉलोनी तक।
29. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट प्यारे लाल के मकान से श्री चन्द गली खाली कान सराय चोपटा तक।
30. ईन्टों की गली नरेन्द्र के मकान से मेन रोड फ्रैन्डस कॉलोनी तक।
31. सी०सी० पेविंग आफ चौक सम्पत जैन।
32. कन्स्ट्रक्शन आफ ड्रेन टाईप-1 चन्दर चौदवार से सुरेश शर्मा विवेकानन्द स्कूल के पीछे तक।
33. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट जय सिंह के मकान से राजेश इन्द्रा कॉलोनी तक।
34. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट शान्ती देवी के मकान से माधु शर्मा आजाद नगर तक।
35. ईन्टों की गली मेन रोड फ्रैन्डस कालोनी तथा विक्रम सिंह एस०वी०ओ० थाली गली।
36. ईन्टों की गली चन्द लाल के मकान से दीप चन्द के मकान तथा शिव मन्दिर से 27 रोड ब्रह्मा की गली तक।
37. सी०सी० पेविंग मास्टर रमेश की दुकान से भीम सिंह के मकान तक धनकन पतराम गेट।
38. ईन्टों की गली नरेश नाई के मकान से मन्दिर भट्टा कॉलोनी तक।
39. ईन्टों की गली रामकिशन भारद्वाज के मकान से ठाकुर सुखपाल बाया दलबीर शान्ती नगर तक।
40. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट शान्ती विहार कॉलोनी तोशाम रोड।
41. ईन्टों की गली बालमुकन्द के मकान से रिशी पाल दू भिर्मला भारत नगर तक।
42. ईन्टों की गली बाकाया के मकान से राजेन्द्र जागृति कॉलोनी के मकान तक।
43. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट चावला के मकान से डा० गिरधर के मकान तक।

44. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट रामेश्वर के मकान से महावीर जाहर गिरी कालोनी हलवास गेट तक।
45. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट सिरी पाल के मकान से राठी इलैक्ट्रोनिक्स, नया बाजार
46. ईन्टों की गली तेज सिंह कोच के मकान से राम चन्दर तथा सत नारायण से धर्म चन्द सोनी के मकान तक।
47. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट श्यामा से तारा चन्द जाहरगिरी कॉलोनी
48. ईन्टों की गली मन्दिर से माल सिंह तथा भल सिंह टू पूर्ण चन्द भटठा कॉलोनी।
49. ईन्टों की गली सुन्दर पंजाबी के मकान से चमेली के मकान तक।
50. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट रवि के मकान से मरेन्द्र सोनी आजाद नगर तक।
51. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट सरकूलर रोड़ से भूजी वाला के मकान तक।
52. कन्स्ट्रक्शन आफ सी०सी० रोड़ नानक चन्द के मकान से प्रहलाद सीनी सुराड गली टू कर्म चन्द।
53. ईन्टों की गली सुनार रोड़ताश के मकान से राजेन्द्र हनुमान मन्दिर मार्ग तथा सुलतान से मास्टर हरि सिंह तथा मास्टर धारू टू अनूप सिंह शिवाजी मार्ग तक।
54. कन्स्ट्रक्शन आफ से नन्द लाल के मकान से दलबीर सिंह टैगोर बैंक कॉलोनी तक।
55. ईन्टों की गली रोड़ से राजबीर धमार न्यू ब्रह्मा कालोनी तक।
56. ईन्टों की गली सुन्दर के मकान से राम अथतार बाला जी कालोनी तक।
57. कन्स्ट्रक्शन आफ सी०सी० रोड़ कैलाश के मकान से हरी किशन तथा अमर नाथ से पवन तथा पूर्ण चन्द से ओम प्रकाश तक।
58. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट माल गोदाम रोड़ से कोहारा राम दीपू वाला से हाटे राम तक।
59. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट ज्योति कामा सम०सी०सी० वाली गली से अशोका कालोनी तक।
60. सी०सी० पेविंग आफ स्ट्रीट राज कुमार अग्रवाल के मकान से अनूप कुमार नजदीक नीम चौक बीरवा पाना वार्ड नं० 15

**Cases of Murder, Beating and Rape Committed on Scheduled Castes
registered in the State**

49. Dr. Sita Ram : Will the Chief Minister be pleased to state the number of cases of atrocities such as Murder, Beating and Rape committed on Scheduled Castes registered in the State since 2005 till date ?

मुख्य मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : बांझित सूचना निम्नलिखित प्रकार से है

क्र० सं०	अपराध का शीर्ष	2005	2006	2007 28-2-2007 तक
1	हत्या	10	6	4
2	मारपीट	22	29	3
3	बलात्कार	28	36	2

Construction of Bus-Stand at Rania

62. Dr. Sushil Indora : Will the Minister for Transport be pleased to state:—

- whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a Bus-Stand in Rania, District Sirsa; and
- if so, up to what time the aforesaid proposal is likely to be materialized ?

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) :

- नहीं, महोदय।
- सचाल ही पैदा नहीं होता।

Number of Senior Secondary Schools

53. Sh. Karan Singh Datal : Will the Minister for Education be pleased to state:—

- the District-wise number of Government Senior Secondary Schools in Urban and Rural areas separately as on 1st July, 2006.
- the District-wise number of schools in part (a) above in Rural areas in which Science subject (medical and non-medical) is being taught; and
- the number of schools in part (b) above in which Junior Lecturers of all teaching subjects are in position as on 1st July, 2006 ?

शिक्षा मंत्री (श्री फूलचन्द मुलाना) :

(क) हरियाणा में 1 जुलाई, 2006 को 1223 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय थे। जिलावार विवरण निम्न प्रकार से है :-

जिले का नाम	ग्रामीण	शहरी	कुल
अम्बाला	46	11	57
भिवानी	125	08	133
फरीदाबाद	37	19	56
फतेहाबाद	33	06	39
गुड़गावां	43	11	54
हिसार	85	10	95
झज्जर	81	06	87
जींद	59	6	65
कैथल	51	8	59
करनाल	51	13	64
कुरुक्षेत्र	31	7	38
महेन्द्रगढ़	58	8	66
मेवात	25	6	31
पंचकुला	18	6	24
पानीपत	33	4	37
रेवाड़ी	50	4	54
रोहतक	67	9	76
सिरसा	50	10	60
सोनीपत	85	9	94
शमुसानगर	28	6	34
कुल	1056	167	1223

(ख) 1 जुलाई, 2006 को हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्रों में 113 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय थे, जहाँ विज्ञान संकाय (मैडिकल एवं नान मैडीकल) संचालित थी। जिला वार विवरण निम्न प्रकार से है :--

जिले का नाम	ग्रामीण	नान मैडीकल	मैडीकल	दोनों
अम्बाला	3	2	00	1
भिवानी	11	4	00	7
फरीदाबाद	7	3	00	4
फतेहाबाद	00	00	00	00
गुडगावाँ	13	3	00	10
हिसार	7	2	00	5
झज्जर	4	3	00	1
जॉंद	2	00	00	02
केथल	1	00	00	01
करनाल	6	4	00	2
कुरुक्षेत्र	4	2	00	2
महेन्द्रगढ़	8	5	00	3
मेवात	3	2	00	1
पंचकुला	4	2	00	2
पानीपत	6	2	00	4
रेवाड़ी	12	5	00	7
रोहतक	4	2	00	2
सिरसा	1	1	00	00
सोनीपत	9	2	00	7
थमुनानगर	8	1	00	7
कुल	113	45	00	66

(ग) इन 113 ग्रामीण वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में से, जहाँ विज्ञान शाखा चल रही थी, 1 जुलाई 2006 को 45 ऐसे विद्यालय थे, जिनमें पूर्ण शैक्षणिक अमला विशेषतः कनिष्ठ प्राध्यापक उपलब्ध थे।

Appointment of Guest Teachers /Lecturers

64. Dr. Sita Ram : Will the Minister for Education be pleased to state—

- the detail of Guest Teachers and Guest Lecturers appointed in the Government High Schools and Government Senior Secondary Schools by Education Department since, 2005 till date ;
- the number of S.C/B.C. candidates given appointments according to reservation policy ; and
- what was the age criteria of male appointees in girls schools adopted by the Education Department ?

शिक्षा मंत्री (श्री फूलचन्द मुलाना) :

- 2146 प्रवक्ता, 4034 मास्टर, 1554 सी०एण्ड वी० अध्यापक और 6926 जे०बी०टी० अध्यापक हरियाणा के विद्यालयों में अब तक अतिथि अध्यापक के तौर पर रखे गए हैं।
- अतिथि संकाय में रखे गए अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग का विवरण निम्न प्रकार है :--

क्रमांक	वर्ग	सामान्य	अ०ज०	पि०व०	2005 से अब तक अतिथि संकाय में रखे गये कुल अध्यापकों की संख्या
1	प्राध्यापक	1560	170	416	2146
2	मास्टर	2851	361	822	4034
3	सी०एण्ड वी०	1147	134	273	1554
4	जे०बी०टी०	4307	1033	1586	6926
	योग	9865	1698	3097	14660

(स) अतिथि संकाय में रखे गए अध्यापकों के लिए आयु का कोई मापदण्ड नहीं।

Construction of By-pass (Western) in Palwal City

54. Sh. Karan Singh Dalal : Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether it is fact that a proposal had been prepared by the Department of P.W.D. (B&R) to provide By-Pass (Western) in Palwal City during the year 1996-98; if so, the details thereof ?

मुख्य मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : हां, श्रीमान् जी। वर्ष 1996-97 में पलवल शहर के बाई-पास (पश्चिमी) के निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया गया था। दो अलाइनमेंट्स प्रस्तावित की गयी थी। पहली अलाइनमेंट 21.30 कि०मी० लम्बी थी जिसकी लागत 93.41 करोड़ रुपये थी। दूसरी अलाइनमेंट की लम्बाई 10 कि०मी० थी जिसकी लागत 48.46 करोड़ रुपये थी। एक प्रस्ताव जिसमें दोनों अलाइनमेंट्स का ब्यौरा सम्मिलित था, भूतल परिवहन मंत्रालय (अब पोत, सड़क परिवहन व उच्च मार्ग मंत्रालय) भारत सरकार, नई दिल्ली को 28-11-1996 को परीक्षण व 1997-98 के वार्षिक योजना में शामिल करने हेतु भेजा गया था। भारत सरकार ने यह प्रस्ताव अपने पत्र क्रमांक संख्या एन०एच०/12014/955/96/एन०एच० आर० दिनांक 11-7-97 के द्वारा अस्वीकृत करके वापिस भेज दिया कि यह कार्य वार्षिक योजना में शामिल नहीं था।

राष्ट्रीय राजमार्ग नं० 2, वर्ष 2002 में भारतीय राष्ट्रीय उच्च मार्ग प्राधिकरण (एन०एच०ए०आई०) को मुरम्मत व अपग्रेडेशन के लिए सौंपा जा चुका है।

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव--

राज्य में भारी वर्षा तथा ओलावृष्टि के कारण फसलों की क्षति संबंधित

15.00 बजे **Mr. Speaker :** Hon'ble members I have received a calling attention notice from Dr. Sushil Indora and two other M.L.As regarding damage of the crops due to heavy rain and hailstorm in the State. I admit it. Dr. Sushil Indora may read his notice please.

डॉ० सुशील इंदोरा : अध्यक्ष महोदय, मैं इस महान सदन का ध्यान एक अत्यावश्यक लोक महत्त्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ कि राज्य के विभिन्न भागों में भारी वर्षा तथा ओलावृष्टि के कारण किसानों की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। हरियाणा एक कृषि प्रधान प्रदेश है। यहां की मुख्य आजीविका खेती पर निर्भर है। इसकी विशेष गिरदावरी करवा कर किसानों के नुकसान की क्षतिपूर्ति की जानी चाहिए। उदाहरण के लिए ओटू कीचर में भारी पानी आ जाने से भी आस-पास के किसानों की जमीन पर खड़ी फसलें बरबाद हो गई हैं।

यह एक लोक महत्त्व का विषय है इसलिए मैं सरकार से इस विषय पर सदन में एक वक्तव्य देकर अपनी स्थिति स्पष्ट करने का अनुरोध करता हूँ।

Mr. Speaker : Now, the Irrigation Minister will make the statement.

वक्तव्य--

कृषि मन्त्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्षण प्रस्ताव संबंधी

Revenue Minister (Capt. Ajay Singh Yadav) : Speaker Sir, there has been incidence of hailstorm on 10-2-2007 coupled with heavy rainfall throughout the State from 10-2-2007 to 13-2-2007. The rains have been very heavy and unprecedented for this time of the year. Deputy Commissioners were instructed on 13-2-2007 to get special girdawari conducted in order to assess damage to crops due to rains and hailstorm.

As far as damage due to hailstorm and heavy rains is concerned, special girdawari reports have been received from all the Deputy Commissioners. Damage to wheat and other crops, wherever it is more than 25%, is as follows :—

(Area in acres)

Name of District	Wheat	Other Crops	Total
Bhiwani	31,258	9,400	40,658
Kurukshetra	32,272	5,622	37,894
Kaithal	23,888	918	24,806
Ambala	20,176	1,710	21,886
Faridabad	15,641	952	16,593
Jhajjar	5,687	5,233	10,920
Hisar	10,065	116	10,181
Jind	7,885	1,519	9,404
Gurgaon	3,052	4,471	7,523
Sonepat	5,171	-	5,171
Rohtak	2,166	2,327	4,493
Mewat	3,089	1,035	4,124
Fatehabad	3,809	74	3,883
Yamuna Nagar	3,144	384	3,528
Panipat	2,210	311	2,521
Karnal	1,037	6	1,043
Rewari	-	-	-
Sirsa	-	-	-
Panchkula	-	-	-
Narnaul	-	-	-
Total	1,70,550	34,078	2,04,628

Due compensation will be paid to the adversely affected farmers as soon as possible. On the basis of special girdawari reports received from Deputy Commissioners, it is tentatively estimated that approximately an amount of Rs. 70.71 crores will be required to be paid to the affected farmers whose crops have been damaged.

Deputy Commissioner, Sirsa has reported that there has been no damage to crops due to hailstorm or heavy rains in district Sirsa. However, due to the huge

[Capt. Ajay Singh Yadav]

quantity of water coming into river Ghaggar and less capacity of Ottu lake, gates of Ottu Weir were opened and water was released in river Ghaggar downstream between the 14th and 22nd February, 2007. As a result, crops in about 1,700 acres in 15 villages have been damaged. Orders have been issued to conduct special girdawari to assess the damage. Compensation to the farmers will be paid as per norms after the report of the special girdawari is received from Deputy Commissioner, Sirsa. Apart from this, due to large quantities of water coming into Ottu lake, crops in 1200 acres of Government land have also been damaged. This land was given on lease but after expiry of the lease, it was being cultivated illegally and now eviction notices have been issued to the illegal cultivators. No orders for girdawari on this 1200 acres of government land have been issued and no compensation on account of damage is to be given.

I would like to assure this august House that the Government is quite alive to the situation and compensation will be paid to the affected farmers as per relief norms fixed by the State Government which are higher than the relief norms fixed by the Central Government.

मुख्य मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, जो मंत्री जी ने स्टेटमेंट पढ़ी है उसमें टैंटेडिच एस्टीमेटिड अमाउंट 70-71 करोड़ रुपये की रिक्वायरमेंट का बताया है और अभी अम्बाला डिस्ट्रिक्ट तथा यमुनानगर जिलों की रिपोर्ट आनी बाकी है उनका भी गिरदावरी हो रही है। मेरा अनुमान यह है 75 करोड़ रुपये से भी ज्यादा कम्पनसेट अमाउंट बनेगी। मैं सदन की सूचना के लिए बता दूँ कि पहली सरकार के द्वारा जो कम्पनसेशन दिया जाता था वह सेन्टर के नार्मस के मुताबिक दिया जाता था और अगर हम 70 करोड़ रुपये देंगे तो 13 करोड़ रुपये हमें केन्द्र से मिलेंगे बाकी सब हम अपने बजट में प्रोविजन करके अप्रैल के महीने में दे देंगे।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी और मंत्री जी ने विस्तार से बताया है और यह सरकार हर वक्त किसानों की हितैषी होने का दावा करती रही है लेकिन इन्होंने विशेष तौर पर किसानों के लिए कुछ नहीं किया। मुख्य मंत्री महोदय ने खुद भी कहा है कि अम्बाला और यमुनानगर जिलों की अभी गिरदावरी होनी बाकी है। मेरी अपनी सोच है कि जिस तरह से सरकार यह साध काम कर रही है और अभी भी ऊई जगहों पर गिरदावरी होनी बाकी है तो मैं नहीं समझता कि सरकार सारी की सारी गिरदावरी ठीक ढंग से करवा पायेगी। अध्यक्ष महोदय, इसमें कई गरीब किसान भी हैं। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि सरकार की जिस तरह से उन्होंने कहा कि 25 परसेंट नुकसान वाले को इतना देंगे और 50 परसेंट नुकसान वाले को इतना देंगे और 75 परसेंट से ज्यादा नुकसान होने पर इतना दिया जायेगा। अध्यक्ष महोदय, जब ओले पड़ते हैं तो उसमें कितना नुकसान हुआ है, 25 परसेंट या 50 परसेंट हुआ है यह एसेस करना मुश्किल काम है। मेरा यह अनुरोध है कि यह सदैव प्रणाली खत्म करके क्या सरकार नई पॉलिसी बनायेगी कि हम किसानों का जो नुकसान हुआ है उनके खामियाजे का भुगतान करेंगे। यह सरकार नये सिरे से एक अच्छी पॉलिसी बनाए और उसके मुताबिक हरियाणा प्रदेश के किसानों को मुआवजा दे। मैं साथ ही साथ मुख्य मंत्री जी से मांग करता हूँ कि वे इस बारे में सदन में घोषणा करें।

Mr. Speaker : Indora Ji, you are wasting the time of the House. On calling attention motion one question of each signatory is allowed. Indora Ji, ask your question.

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मैं अपना स्पेसिफिक प्रश्न ही पूछ रहा हूँ। मैं यही कह रहा हूँ कि जब ये पिछली सरकार में मांग करते थे कि 10 हजार रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से दीजिए तो मैं पूछना चाहता हूँ कि क्या मुख्य मंत्री जी सदन में इस बात की घोषणा करेंगे कि किसानों को 10 हजार रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा दिया जायेगा।

श्री अध्यक्ष : आपको स्पीचीमेंटरी पूछते समय स्पीच नहीं देनी चाहिए। यह हाऊस है, स्टेज नहीं है। आप स्टेज पर एक-दो घण्टे स्पीच दे सकते हैं। जब आपकी बारी गवर्नर ऐड्रेस पर बोलने के लिए आयेगी तो स्पीच देना। यदि आप इस नोटिस पर कोई सप्लीमेंटरी पूछना चाहते हैं तो पूछ ले, स्पीच न दें।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मैं स्पीच नहीं दे रहा हूँ मैं तो मुख्य मंत्री जी से पूछ रहा हूँ कि क्या मुख्य मंत्री जी प्रदेश के किसानों को 10 हजार रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा देने की घोषणा इस सदन में करेंगे ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, आज इनको किसानों की बहुत चिन्ता है मुझे बड़ा अफसोस है कि जब पिछले पीने छः साल इनकी सरकार रही और पूर्व मुख्य मंत्री यहाँ पर बैठे हुए हैं, इनके समय में 2001 के अन्दर जो कम्पनसेशन था वह 2000 रुपये सभी फसलों के लिये था, चाहे वो गेहूँ की फसल हो या कोई दूसरी फसल हो। उस समय इन्होंने किसानों के बारे में कुछ नहीं सोचा। उसके बाद जो हमारी सरकार आई, चौ० भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सरकार आई तो हमने 21-3-2005 को गेहूँ की फसल के लिए 75 परसेन्ट से 100 परसेन्ट तक के नुकसान के लिए 3000 रुपये प्रति एकड़ दिये और दूसरी फसलों के लिए हमने 2500 रुपये प्रति एकड़ दिये। इसके अलावा 50 से 75 फीसदी नुकसान के लिए 2250 रुपये प्रति एकड़ गेहूँ की फसल के लिए और दूसरी फसलों के लिए 1875 रुपये प्रति एकड़ हमने रखे। 25 से 50 परसेन्ट के नुकसान के लिये गेहूँ की फसल के लिए 1500 रुपये प्रति एकड़ और दूसरी फसलों के लिए 1250 रुपये प्रति एकड़ हमने दिये। उसके बाद सरकार ने अभी 10 जनवरी 2007 को ये नार्म्स दोबारा से रिवाइज किये हैं। (विघ्न)

Mr. Speaker : No interruption please.

कैप्टन अजय सिंह यादव : उनके अनुसार अब व्हीट का हमने 5000 रुपये प्रति एकड़ का नॉर्म फिक्स किया है और अदर क्रॉप्स का 4000 रुपये प्रति एकड़ किया है। 50 से 75 परसेन्ट के बीच गेहूँ के लिए 4000 रुपये प्रति एकड़ और अदर क्रॉप्स के लिए 3000 रुपये पर एकड़ का मुआवजा तय किया है। अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात इन्होंने यह कही कि अनसीजनल बरसात हो रही है। एक मार्च से निरन्तर गिरदावरी चल रही है और मुआवजे के लिए हमने 70.73 करोड़ रुपये की राशि का निर्धारण किया हुआ है इनको इस बारे में ज्यादा चिन्ता करने की जरूरत नहीं है। तीन साल का समय हमारी वर्तमान सरकार का रह गया है और इससे आगे भी हमारी पार्टी की सरकार आयेगी। (विघ्न) स्पीकर सर, मुझे इस बात की बड़ी खुशी है कि चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी अपनी पूर्ण क्षमता गलतियों को भुला कर कम से कम आज हाउस के अन्दर आए हैं। हरियाणा की जनता की बात सदन में रखने के लिए ये हाउस में आए हैं इससे पता लगता है कि

[किप्टन अजय सिंह यादव]

इनको जनता की कितनी चिन्ता है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, टोटल 70 में से 13 करोड़, 2 लाख 92 हजार रुपये गवर्नमेंट ऑफ इण्डिया ने इस काम के लिए दिए हैं। इस नॉर्म को रिवाइज करने के साथ ही पहली दफा किसानों के हित की बात अगर किसी सरकार ने की है तो वह चौधरी भूपेन्द्र सिंह बुड्ढा जी की सरकार ने की है कि स्टेट एक्सचेंजर से भी किसानों को मुआवजा दिया जाएगा। स्टेट गवर्नमेंट अपने साधनों से भी किसानों की मदद कर रही है। ये लोग किसानों के हितैषी बनते हैं लेकिन 2001 से 2005 तक इनका राज रहा, किसानों की मलाई के लिए इन्होंने कोई काम नहीं किया था। आज जब हम किसानों के हित में काम कर रहे हैं तो ये उसमें कमियां निकालने में लगे हुए हैं और दस हजार रुपये का मुआवजा देने की बात कह रहे हैं। (विघ्न) जब भी इनकी सरकार रही इन्होंने लोगों को गुमराह किया, कमी ब्याज माफी की बात कही तो कमी कर्जा माफी की बात कह कर इनके लोगों ने जनता को गुमराह किया लेकिन उनके लिए किया कुछ नहीं जबकि हमारी सरकार ने 1600 करोड़ के बिजली के बिल मुआफ किये। अध्यक्ष महोदय, अगर कोई कैजुएलिटी होती है तो पहले उसका मुआवजा 50 हजार रुपये दिया जाता था। यह मुआवजा भी हमारी सरकार ने ही 1993 में तय किया था। इनकी सरकार के वक्त में इसमें कोई बढ़ोतरी नहीं हुई जबकि हमारी वर्तमान सरकार ने इस पचास हजार रुपये की राशि को बढ़ा कर दो लाख रुपये कर दिया है। हमारी सरकार की सोच हमेशा पोजिटिव और प्रैक्टिकल रही है।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मन्त्री महोदय से जानकारी लेना चाहता हूँ।

Mr. Speaker : Indora Ji, you can ask only one question or one supplementary. In Rule 73(2) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly it is clearly mentioned that—

“There shall no debate on such statement at the time it is made.”

आपने कॉलिंग अटेंशन मोशन दी है और मन्त्री जी द्वारा इसका रिप्लाई दे दिया गया है स्टेटमेंट के बाद आप एक सप्लीमेंटरी सवाल पूछ सकते हैं।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मुझे पूरी जानकारी नहीं मिली है इसलिए मैं दूसरा सवाल पूछना चाहता हूँ।

Mr. Speaker : According to the rules, you can ask one supplementary and you have already asked it. आप अपने साथी श्री साइदा खान जी को भी बता दें कि वे अपनी कॉलिंग अटेंशन मोशन पर एक सप्लीमेंटरी सवाल पूछ सकते हैं। (विघ्न) He is also the signatory of the Calling Attention Motion.

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सुरजेवाला) : स्पीकर सर, मैं आपकी इजाजत से केवल दो बातें कहना चाहता हूँ। माननीय मन्त्री जी ने अपनी स्टेटमेंट में तफसील से सारी बात बाल दी है और माननीय सदस्य ने जो बात कहनी थी वह भी सदन के सामने आ गई है। मैं आपकी अनुमति से दो मिनट का समय लेना चाहूंगा। वर्ष 1999 से फरवरी, 2005 यानि वर्तमान सरकार के आने तक जो नॉर्म्स थे इन्होंने एक हवा बना रखी थी। मुआवजे के जो नॉर्म्स हैं मैं उनकी वास्तव चर्चा करना

धाहूंगा। 50 प्रतिशत तक फसल का नुकसान होने पर कोई मुआवजा नहीं दिया जाता है। 50 प्रतिशत से 75 प्रतिशत तक नुकसान होने पर इनके राज में केवल 1500/- रुपये के मुआवजे का नॉर्म था और अगर 75 प्रतिशत से ज्यादा नुकसान होता था तो 2000/- रुपये के मुआवजे का नॉर्म था। अध्यक्ष महोदय, हमारे रैवेन्यू मिनिस्टर साहब बैठे हुए हैं। चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की सरकार ने सत्ता में आते ही इस नॉर्म को बदला है। पैड़ी, कॉटन और गेहूँ के लिए मुआवजे की राशि को बढ़ा कर 3000/- रुपये कर दिया है। अब जो नया फैसला लिया गया है उसके तहत अगर नुकसान 50 प्रतिशत से 75 प्रतिशत तक होता है तो गेहूँ, कपास और जीरी के लिए 1500/- रुपये का जो मुआवजा था उसको बढ़ाकर 4000/- रुपये कर दिया है और दूसरी फसलों के लिए मुआवजा 3000/- रुपये रखा है। अगर 75 प्रतिशत से ज्यादा नुकसान होता है तो इनके समय में 2000/- रुपये मुआवजे का नॉर्म था लेकिन हमारी वर्तमान सरकार ने गेहूँ, कपास और जीरी के लिए 5000/- रुपये मुआवजे का नॉर्म तय किया है और दूसरी फसलों के लिए 4000/- रुपये का मुआवजे का नॉर्म फिक्स किया है। अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य कह रहे थे कि अभी तक गिरदावरी नहीं हुई है। मैं माननीय सदस्य की जानकारी के लिए बता दूँ कि गिरदावरी की रिपोर्ट ऑलरैडी सरकार के पास आ गई है सम्भवतः यह रिपोर्ट रैवेन्यू मिनिस्टर के पास आ गई है। 206, 428 एकड़ की रिपोर्ट इस समय हमारे पास आ चुकी है और मुआवजे के लिए 70.73 करोड़ रुपये मुआवजे की राशि हम देंगे।

श्री ईश्वर सिंह पलाका : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने बताया कि गेहूँ के अलावा इन्होंने अन्य फसलों को भी लिया है तो मैं जानना चाहता हूँ कि अन्य फसलों में इन्होंने कौन-कौन सी फसलों को लिया है। अध्यक्ष महोदय, जैसे आलू, सरसों और मसूर आदि हैं क्या इनकी फसलों की भी गिरदावरी इन्होंने करवाई है ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, इस बारे में मैंने अपने जवाब में बता दिया है।

श्री ईश्वर सिंह पलाका : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि...

श्री अध्यक्ष : पलाका जी, कॉलिंग अटेंशन मोशन में कानून है कि जब मंत्री जी उसका जवाब दे देते हैं तो सभी सिग्नेटरी अपनी-अपनी एक-एक सप्लीमेंटरी पूछ सकते हैं और आपने अपना सवाल पूछ लिया है। साईदा खान जी आपके साथी हैं उन्होंने अपना सवाल पूछा है उनको आप अपनी बात कह दें। वे ही पूछ लेंगे।

श्री साईदा खान : अध्यक्ष महोदय, जो किसान के वर्क को समझ सकता है वह किसान ही है। अध्यक्ष महोदय, आज की तारीख में गेहूँ में 12 जोत लगती हैं और उसमें जो ट्रैक्टर प्रयोग होता है उस पर एक बार के लिए 200 से 250 रुपए तक लग जाते हैं।

श्री अध्यक्ष : साईदा जी, 12 जोत एक साल में लगती है या एक फसल में लगती है। आप किस फसल की जोत की बात कर रहे हैं।

श्री साईदा खान : अध्यक्ष महोदय, गेहूँ की फसल में 12 जोत लगती हैं।

श्री अध्यक्ष : साईदा जी, 12 जोत गेहूँ की फसल में नहीं लगती है।

श्री साईदा खान : सर, 8 मान लिजिए।

श्री अध्यक्ष : साईदा जी, 8 भी नहीं लगती हैं। आप इस बारे में आनन्द सिंह डांगी जी से पूछ लेना। वे आपको बता देंगे।

श्री साईदा खान : अध्यक्ष महोदय, फसल में जो डी०ए०पी० और यूरिया प्रयोग होती है। वह बहुत ही महंगी मिल रही है। किसान को जो मुआवजा 3 या 4 हजार रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से दिया है वह कम से कम 10,000 रुपए प्रति एकड़ होना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, यह जो ओला है यह जिस पेड़ या पौधे की जड़ में गिरता है तो इसकी ठंडक इतनी होती है कि वह जड़ को ही खराब कर देता है जिसकी वजह से वह पेड़ और पौधा ही नष्ट हो जाता है।

श्री अध्यक्ष : आप सवाल पूछें।

वाक-आउट

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि इनकी सरकार के वक्त में किसानों को 50 पैसे और 1 रुपए मुआवजे का देकर किसानों के साथ दिनौना मजाक किया जाता था।

डॉ० सुशील इन्दौरा : * * * * *

Mr. Speaker : Nothing is to be recorded. (विघ्न) ये जो कुछ भी बोल रहे हैं वह कुछ भी रिकार्ड नहीं किया जाए।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, * * * * *

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा जी, साईदा जी आपकी पार्टी के सदस्य हैं वे अपना सवाल पूछ रहे हैं उनको उनका सवाल पूछने दें। (विघ्न) आप जो भी बोल रहे हैं कुछ भी रिकार्ड नहीं हो रहा है। (विघ्न) आप ऐसा नहीं करें। आप रुक देखें कि सिग्नेटरी को एक ही सवाल पूछने का हक है। (विघ्न)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, * * * * *

Mr. Speaker : Nothing is to be recorded. आप मेरी बात सुने। (विघ्न)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, ये वही लोग हैं जिनके हाथ किसानों के खून से सने हैं। दस-दस लोगों की हत्याओं का इत्जाम इनके ऊपर है इन्होंने कंडेला के अंदर किसानों को मरवाया है। ये वही लोग हैं जिन्होंने किसानों पर लाठियां चलावायी हैं, किसानों पर घोड़ों की टापें चलावायी हैं। ये वही लोग हैं जिन्होंने जींद जिले के अंदर किसानों को मरवाया है। उस समय वहां पर हमारे मुख्यमंत्री जी भी मौजूद थे जब इन्होंने किसानों पर गोदियां चलावायी थीं। अध्यक्ष महोदय, उस समय मुख्यमंत्री होते हुए भी ये वहां से जा नहीं सकते थे। लेकिन आज ये किसानों के हनदर्थ होने की बात करते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I am to inform the House that I have received a letter (Interruptions)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात तो सुनिए।

श्री अध्यक्ष : इंदौरा जी, शाहिदा खान अपना सवाल पूछ रहे थे लेकिन आपने उनको अपना सवाल पूछने नहीं दिया। जो सिग्नेटरीज हैं वहीं पहले अपना सवाल पूछ सकते हैं। इंदौरा जी, आप ऐसा करके उनका अधिकार छीन रहे हो।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, आप एक मिनट के लिए हमारी बात सुन लीजिए।

श्री अध्यक्ष : इंदौरा जी, आप उनका अधिकार छीन रहे हैं। आप बैठें। Please don't interrupt the proceedings of the House. It is not your property or my property. It is a House. Please sit down.

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात तो सुन लीजिए।

श्री अध्यक्ष : इंदौरा जी, यह हाउस किसी की प्रॉपर्टी नहीं है। आप बैठे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं इस विषय में कुछ कहना चाहता हूँ।

श्री अध्यक्ष : आप किस फूल के तहत खड़े हैं ? कालिंग अंटेनान मोशन पर साइया खान अपना सवाल पूछ रहे हैं आप उनको अपना सवाल पूछने दें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं भी कुछ बात कहना चाहता हूँ। आप नेरी बात सुनिए।

श्री अध्यक्ष : नहीं नहीं, आप बैठिए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, अगर ऐसी बात है और आप हमारी बात नहीं सुनना चाहते तो हम इसके विरोध में सदन से वाक आउट करते हैं।

(इस समय सदन में उपस्थित इंडियन नेशनल लोकदल के सभी सदस्य सदन से वाक आउट कर गए।)

अनुपस्थिति संबंधी सूचनाएं

(i)

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have received a letter from Smt. Savitri Jindal, Minister of State for Urban Development and Housing dated 9th March, 2007, vide which she has expressed her inability to attend the Session of Haryana Vidhan Sabha on 12th and 13th March, 2007, as she will be out of Chandigarh to attend family function.

(ii)

Hon'ble Members, I am to inform the House that I have received a FAX message from Shri Jitender Malik, MLA, dated 12th March, 2007, vide which he has expressed his inability to attend the Session of Haryana Vidhan Sabha on 12th and 13th March, 2007 due to his ill-health.

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now the discussion on Governor's Address will take place. Shri Karan Singh Dalal will move the motion.

श्री कर्ण सिंह दलाल (पलवल) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ--

“कि इस सत्र में इकट्ठे हुए हरियाणा विधान सभा के सदस्य उस अभिभाषण के लिए राज्यपाल महोदय के अत्यन्त कृतज्ञ हैं जो उन्होंने 9 मार्च, 2007 को 2.00 बजे मध्याह्न-परचात् सदन में देने की कृपा की है।”

अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपना अभिभाषण 9 मार्च, 2007 को सदन में रखा। मैं इसके लिए उनका बहुत धन्यवाद करता हूँ। उन्होंने एक बहुत ही दूरदर्शी दस्तावेज सदन में रखा है और इस दस्तावेज के माध्यम से प्रदेश की नीतियों, प्रदेश के कार्यक्रम लोगों के सामने दर्शाये हैं, वे प्रशंसा के योग्य हैं। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने सबसे पहले पानीपत के पास समझौता एक्सप्रेस में जो एक बहुत ही निंदनीय घटना घटी, उसकी चर्चा की। वहाँ पर हरियाणा सरकार ने और आसपड़ोस के गांवों के लोगों ने बढ़चढ़कर के जो राहत लोगों को पहुंचाई, वह प्रदेश के लिए प्रशंसा की बात है और माननीय मुख्यमंत्री महोदय के लिए भी प्रशंसा की बात है जिन्होंने स्थल वहाँ जाकर के और तमाम प्रशासनिक मशीनरी को वहाँ ले जाकर के राहत के कार्य करवाए।

अति विशिष्ट व्यक्ति का अभिनंदन

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन के नोटिस में लाना चाहूंगा कि सरदार अजीत इन्द्र सिंह मोफिर जी, जो कि पंजाब के विधायक हैं वे इस समय स्पीकर गैलरी में बैठे हुए हैं।

Mr. Speaker : I will come of him in the House.

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनराारम्भ)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी की इस बात की जितनी भी प्रशंसा की जाए उतनी ही कम है। अध्यक्ष महोदय, यह एक ऐसा षडयंत्र था कि अगर उन षडयंत्रकारियों की संशा सफल हो जाती तो हरियाणा ही नहीं बल्कि दोनों देशों के रिश्तों पर भी कुठाराघात होता था लेकिन सरकार ने न केवल उन लोगों को राहत ही पहुंचाई बल्कि पाकिस्तान सरकार के आए हुए अधिकारियों, पीड़ितों के सभी रिश्तेदारों का मन जीत लिया। उन सभी ने मुख्यमंत्री जी की, प्रशासनिक अधिकारियों की बहुत तारीफ की इसके लिए अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी को व प्रशासन को बधाई देता हूँ। अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने अभिभाषण के माध्यम से यह बताया है कि किस तरीके से आज की सरकार मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के गतिशील नेतृत्व में लोगों के खोये हुए विश्वास को प्राप्त करने में कामयाब हुई है। किस तरीके से प्रदेश के अंदर जनमानस की सुरक्षा के लिए सभी वर्गों और सभी लोगों को राहत देने का कार्य हमारी सरकार कर रही है। अध्यक्ष महोदय, गांवों और शहरों को हमारी सरकार

समान रूप से आगे बढ़ाने के प्रयास में लगी हुई है। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने यह भी बताया कि जो इस सरकार की जो नीतियाँ और कार्यक्रम हैं उन्होंने लोगों का मन जीता है। लोगों के मन में सरकार के प्रति विश्वास कायम हुआ है। अध्यक्ष महोदय, सिरसा में जो बहुत बड़ी रैली प्रदेश के अंदर मुख्यमंत्री के आह्वान पर हुई जिसमें यू०पी०ए० की चेयरपर्सन श्रीमती सोनिया गांधी ने शिरकत की। उन्होंने मुख्यमंत्री, सरकार, हरियाणा के लोगों को बधाई दी। बजट सत्र से ठीक पहले इतनी बड़ी रैली इस बात को साबित करती है कि हरियाणा के लोगों ने चुनावों के समय से ज्यादा बढ़कर सरकार के प्रति आस्था जताई है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी को बधाई देना चाहता हूँ कि किस तरीके से इस प्रदेश का संचालन करने में वे लगे हुए हैं। उनका संचालन करने का तरीका यह दर्शाता है कि वे पढ़े-लिखे और स्वतंत्रता सेनानी के परिवार से संबंध रखने वाले एक बेहद और निहायत क़ाबिल इन्सान हैं। इनके दिल में लोगों के लिए दया है, इनके दिल में हरियाणा को आगे बढ़ाने का सपना है और उन्होंने जो हरियाणा को पूरे देश में नम्बर एक राज्य बनाने का लोगों को आह्वान किया है वह बहुत ही प्रशंसा के योग्य हैं। अध्यक्ष महोदय, जैसा कि महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में जिक्र किया है कि प्रदेश के लोग और तमाम दूसरे राज्यों के और दुनिया के लोग जो हरियाणा प्रदेश में निवेश करने से परहेज करने लगे थे, हरियाणा में आने से गुरेज करने लगे थे, हरियाणा में पिछले दिनों कानून व्यवस्था किस तरह खराब हो गई थी, यहाँ से उद्योगपति पलायन करने लग गये थे। उन सारी बातों पर मुख्यमंत्री जी ने सरकार के अधिकारियों के सहयोग से जिस तरीके से निबंधन में किया है और लोगों के अंदर फिर से विश्वास को कायम किया है यह प्रदेश के लिए बहुत अच्छी बात है। अध्यक्ष महोदय, यह बात दर्शाती है कि आने वाले समय में हरियाणा का भविष्य कितना उज्ज्वल होगा। अध्यक्ष महोदय, प्रत्येक महकमे के बारे में पिछले दो साल में सरकार ने क्या कार्य किए हैं उन सबका उल्लेख करना चाहूँगा। लेकिन उससे पहले मैं आपकी इजाजत से दो साल में मुख्यमंत्री जी ने लोगों का खोया हुआ विश्वास प्राप्त किया और प्रदेश के अंदर कानून व्यवस्था को किस प्रकार दोबारा से कायम किया, उसकी क्या पृष्ठ भूमि थी क्या इस प्रदेश के हालात थे, क्यों प्रदेश का नुकसान हुआ, इन सब बातों का जिक्र करना चाहूँगा। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा एक ऐसा प्रदेश है जहाँ जो भी चाहे गाँवों में रहता है या शहरों में रहता है यहाँ पर एक ग्रामीण सा माहौल है। सभी वर्ग, सभी जाति और धर्म के लोग जो राजनीतिक पार्टियों या राजनीतिक दलों से संबंध रखते हैं उनमें यहाँ के लोग आस्था प्रकट करते हैं। चाहे वे नेता हों या विधायक हों उनको अपना आदर्श मानने के लिए अपना सब कुछ दाँव पर लगा देते हैं। अध्यक्ष महोदय, जैसा कि हमारे शास्त्रों में भी लिखा हुआ है कि खून के रिश्तों से विचारों के रिश्ते गाढ़े होते हैं और मर्यादा में रहकर तमाम हरियाणा के लोग उनका साथ देते हैं। वे लोग उम्मीद करते हैं कि जो भी मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक होंगे वे प्रदेश के लिए पूरा समय लगायेंगे और प्रदेश को यथा योग्य जिस साधन की जरूरत होगी, जिस साधन को उपलब्ध करवाने की जरूरत होगी उसे करवायेंगे। अध्यक्ष महोदय, यह सरकार वह सब करने लगी हुई है। लेकिन अध्यक्ष महोदय, प्रदेश की बदकिरमती थी कि पिछले दिनों जुलाई 1999 से वर्ष 2005 तक जो सरकार आदर्शपूर्ण श्री ओमप्रकाश चौटाला जी के नेतृत्व में हरियाणा में चली, उसने किस तरह से हरियाणा के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया, यह आप भी अच्छी तरह से जानते हैं। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार को इस साल कितनी मशकत करनी पड़ी और इसके लिए प्रदेश की जनता को खाधियाजा भरना पड़ा उसके जिम्मेदार श्री ओमप्रकाश चौटाला जी हैं। जब ये इस सदन में बैठे करते थे तो हरियाणा के लोग, अदन में बैठे हुए सभी विधायक, सभी

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

अधिकारी इनके भाषणों से, इनके वक्तव्यों से, इनके अहंकार से और इनके घमण्ड से जो ये बात कह दिया करते थे बहुत अच्छा किया करते थे। मुझे याद है श्रीधरी ओम प्रकाश चौटाला जी जब मुख्यमंत्री थे और हम इनको कोई सुझाव देने की कोशिश करने के लिए निवेदन किया करते थे कि मेहरबानी करें इस प्रदेश को अपनी मनमानी से बर्बाद न करें तो यह कहा करते थे कि जब तक जिन्दा हूँ मैं इस प्रदेश का मुख्यमंत्री रहूँगा।

श्री ओमप्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य क्या राज्यपाल के अभिभाषण पर बोल रहे हैं ? (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूँ कि (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री बलवन्त सिंह सद्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप एक साथ चार माननीय सदस्य खड़े हैं आप में से कौन से सदस्य बोलना चाहते हैं। दूसरे माननीय सदस्यों को इतना तो पता होना चाहिए कि इनके लीडर सदन में खड़े हैं आप एक साथ खड़े हैं आपको तो बैठ जाना चाहिए। कम से कम आप लोगों की देखना चाहिए कि यह सदन है आप सभी को इसकी पर्याप्त में रहना चाहिए।

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर सर, यह तो आप बिल्कुल ज्यादाती कर रहे हैं। माननीय सदस्य किस बात पर बोल रहे हैं ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : इंदौरा जी, आपके साथ किस बात की ज्यादाती हो रही है ? (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मैं रूल के तहत प्वायंट ऑफ आर्डर पर खड़ा हुआ हूँ। (शोर एवं व्यवधान) मेरी बात नहीं सुनी जा रही। (शोर एवं व्यवधान)

श्री नरेश यादव : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। इनके साथ किसी बात की ज्यादाती नहीं हो रही। ये लोग अपना समय भूल गये। इनकी सरकार के समय में ये लोगों पर गोलियाँ और लाठियाँ बरसाते थे। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, दलाल साहब राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने की बजाय इधर-उधर की बातें कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री नरेश यादव : अध्यक्ष महोदय, ये अपना समय भूल गये हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : नरेश जी, प्लीज आप बैठें। इंदौरा जी, जब आपकी टर्न आयेगी उस समय आप जितना बोलना चाहें बोल लें। Now, please sit down. It is the wastage of the time of the house. Please take your seat. (Noise & interruption).

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, हम चाहते हैं कि सदन में शब्दों का इस्तेमाल सही तरीके से किया जाये और सदन की गरिमा को भंग न किया जाये। (शोर एवं व्यवधान) सदन की गरिमा को बरकरार रखा जाये।

Mr. Speaker : It is my duty. Please sit down. (Noise & interruption).

Shri Karan Singh Dalal : Speaker Sir, they are wasting my time. (Noise & interruption).

श्री एस०एस० सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, छाज तो बोले ही बोले चलनी भी बोलने लगी है। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सीताराम : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, सदन की गरिमा को बरकरार रखा जाये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : इंदौरा जी, प्लीज आप बैठें। सदन की गरिमा पूरी तरह से बरकरार है। (शोर एवं व्यवधान) You should know that please sit down.

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर सर, मेरा पूरा अधिकार है कि यदि कोई सदस्य सदन की गरिमा को भंग करे तो उसके बारे में मैं आपको बताऊँ। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं जो बात कह रहा हूँ वह रिकार्ड की बात है। आप चाहें तो माननीय साधियों को सदन का रिकार्ड निकलवाकर दिखा दें। (विघ्न)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, * * * * *

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, * * *

श्री अध्यक्ष : मेरी इजाजत के बगैर जो माननीय सदस्य बोल रहे हैं उनकी कोई बात रिकार्ड न की जाये। (शोर एवं व्यवधान) प्लीज डाक्टर साहब, आप बैठें।

Dr. Sushil Indora : Speaker Sir, it is my request time & again otherwise हम सदन को नहीं चलने देंगे। चाहे हमें बर्खास्त कर दिया जाये। (शोर एवं व्यवधान) सदन में सही शब्दों को इस्तेमाल किया जाये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : इंदौरा जी, क्या आप बर्खास्त होना चाहते हैं ? (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, सदन की गरिमा बरकरार रहनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री एस०एस० सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है। (विघ्न) Please permit me. अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर यह है कि आप सभी बातों को पूरी तरह से समझते हैं और आपसे अच्छा हाउस का डेकोरम और कोई नहीं रख सकता (शोर एवं व्यवधान) विपक्ष के साथी तो इस बात से डरे हुए हैं कि इनके काले कारनामों और करतूतों बेपरदा हो गई हैं। अभी ये दोबारा सदन में यह सलाह करके आये हैं कि ये सदन को नहीं चलने देंगे और इंदौरा जी ऐसा कह भी रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे गुजारिश है कि पहले आप इनको अपनी-अपनी सीटों पर बिठायें। (शोर एवं व्यवधान)

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड न किया जाए।

Mr. Speaker : Please sit down. (Noise & interruption) ऐसा है जब आप सारे खड़े थे, आपके नेता खड़े थे, ये कहने लगे कि ये सुझाव देंगे। मैंने यह पूछा कि अण्डर विचरुल ? यह पंचायत नहीं है, यह हरियाणा प्रदेश का हाऊस है। आप अपनी सीट पर बैठिये।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बता रहा हूँ कि जब ओमप्रकाश चौटाला की सरकार थी और उनके जो काले कारनामे थे जो गलत कार्यवाही थी, उनसे प्रदेश का बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। आज जब नई सरकार आ गई तो हम अपनी सरकार की तुलना इनकी सरकार से इसलिए करना चाहते हैं क्योंकि महानहिम राज्यपाल ने भी यह बात अपने अभिभाषण में कही है और हमारे पास वो तथ्य हैं जो इस बात को साबित करके दिखायेंगे कि दो साल पहले आई श्री भूपेन्द्र हुड्डा की सरकार ने क्या-क्या उपलब्धियाँ प्राप्त कीं और पिछली सरकार ने साढ़े 5 साल में प्रदेश का किस प्रकार नाश किया है। अध्यक्ष महोदय, जैसा मैं आपको बता रहा था कि एक तरफ तो श्री ओमप्रकाश चौटाला जैसा एक अहंकारी और रावण जैसा घमण्डी था और दूसरी तरफ हमारे मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी हैं। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, यह बिल्कुल गलत बात है इस तरह की टिप्पणी करना बिल्कुल गलत बात है।

श्री अध्यक्ष : आप अपनी सीटों पर बैठिये सबको बोलने का मौका मिलेगा।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, सदन की गरिमा को बरकरार रखिये। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : सदन की गरिमा बरकरार नहीं बल्कि बढ़ाई जायेगी। आप अपनी सीट पर बैठिये जब आपको काल किया जायेगा, तब आप बोलिये। (शोर एवं व्यवधान) मैं आपको अलाऊ करता हूँ आप अपनी सीट पर जा कर बोलिये। (शोर एवं विघ्न)

श्रीमती रेखा राणा : खिसिथाणी बिल्ली खम्बा नोचे।

Mr. Speaker : Indora Ji sit down. The dignity and sanctity of the House will be maintained at all costs.

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, हम आपको पूरा सहयोग और समर्थन देंगे लेकिन यह जो derogatory remarks कर रहे हैं यह ठीक नहीं है। यहाँ हाऊस में भी लिखा हुआ है; there should be no derogatory remarks to the present members of the house (Noise & interruptions)

Mr. Speaker : We should continue discussion on Governor address.

श्री आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, भाई कर्ण सिंह दलाल अपने पास से मिलाकर कुछ नहीं बोल रहे हैं। जो तथ्य हैं, जो लोगों की जुबान पर हैं जो पिछला इतिहास बता रहा है वे तो वही बात कह रहे हैं, कोई भी बात जोड़कर नहीं बोल रहे हैं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे अनुरोध है कि मैं आपके माध्यम से जो माननीय इंडियन नेशनल लोक दल, इंडियन भी और नेशनल भी और लोकदल भी है को यह कहना चाहता हूँ कि इनको यह समझना चाहिए कि नियम के मुताबिक जो आज हरियाणा की

जनता देख रही है कि यह सदन में जो काम हो रहा है उनको बुरा नहीं मानना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि जब उनकी सरकार थी तब भी हम उनकी हेसियत उनको बताया करते थे कि आप हरियाणा का नाश कर रहे हो। तुम्हारे सामने लुहारी गलतियाँ आयेंगी, तुम्हें शर्म आयेगी। इस सदन में आने में तथा हरियाणा की जनता के सामने आने में तुम्हें शर्म आयेगी। मेहरबानी करके आप कोई ऐसा काम न करें जिससे शर्मिन्दगी आपको उठानी पड़े। इन्होंने हमारी बात नहीं सुनी। मैं एक बार फिर आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूँ कि इनको जानना चाहिए कि यहाँ हम हरियाणा के लोगों के कस्टोडियन हैं उनकी भलाई और उनकी सुरक्षा के लिए कानून बनाने के लिए आते हैं। हमें कोई अधिकार नहीं है कि हम सरकार के खजाने को मनमाने तरीके से अपने परिवार और अपने फायदे के लिए सभी नियमों को म्यूँछावर करके अपने मन मुताबिक गलत काम करवायें। अपने नीचे के अधिकारियों से गलत आदेश पारित करवायें। अध्यक्ष महोदय यह बात कह कर मैं यह बताना चाहूँगा कि आज के जो मुख्य मंत्री हैं वे उस फलों वाले पेड़ की तरह से हैं जिसकी लताएं ज्यादा फल होने की वजह से नीचे की ओर झुक जाती हैं। लोगों को छाया मिलती है, लोगों को फल मिलता है। उस पेड़ का बहुत बड़ा लाभ समाज को मिलता है। अध्यक्ष महोदय, हमारे श्री ओम प्रकाश चौटाला जी जब मुख्य मंत्री थे तो इनके बारे में यह कहावत थी कि

बड़े भये तो ब्या भये जैसे पेड़ खजूर,

पंछी को छाया नहीं फल लागे अति दूर।

अध्यक्ष महोदय, मैंने एक भी बात गलत नहीं कही है। मैं माननीय सदस्यों से अनुरोध करता हूँ कि वे मेरी किसी बात को गलत साबित करें। मैं जो बोल रहा हूँ वह इस महान सदन ने अपनी आंखों से देखा हुआ है। हरियाणा प्रदेश के लोगों ने इनकी गुस्ताखियों और इनके गलत कामों को अपनी आंखों से देखा है और इनके गलत कारनामों के कारण हरियाणा प्रदेश को बर्बाद होते हुए लोगों ने अपनी आंखों से देखा है। अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने कृषि के मामलों में सदन के माध्यम से हरियाणा प्रदेश के लोगों को जानकारी दी है। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी तथा माननीय कृषि मंत्री सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चटवा जी की बहुत ही प्रशंसा करता हूँ कि हमारे माननीय कृषि मंत्री जी ने पहली दफा साढ़े सात साल बाद गेहूँ के बीज का उपचार करके तमाम हरियाणा में गेहूँ के उत्पादन को इन्होंने रिसर्च बर्क करके बढ़ाया है। इन्होंने उत्पादन बढ़ाने के लिए दवाइयों की रिसर्च का काम करवाया, गेहूँ कि अगेती बुवाई करवाई ताकि प्रदेश में गेहूँ का उत्पादन बढ़े। अध्यक्ष महोदय, हमारे मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा गेहूँ के बीज का उपचार करने के रिसर्च बर्क में लगे हुए हैं, इनकी सरकार, इनके सभी माननीय मंत्री और अधिकारी इस रिसर्च में लगे हुए हैं कि गेहूँ के उत्पादन को किस तरह से बढ़ाया जाए, इसके लिए क्या दवाई डाली जाए इस तरह के कामों में वे अपना समय खराब करते हैं और दूसरी तरफ चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी भी समय खराब किया करते थे, रिसर्च ये भी किया करते थे। इनके परिवार के लोग, इनके सभी विधायक साथी भी रिसर्च किया करते थे। ये लोग प्रदेश में गेहूँ का उत्पादन बढ़ाने के लिए रिसर्च नहीं किया करते थे बल्कि ये रिसर्च किया करते थे कि भ्रष्टाचार को किस तरीके से बढ़ाया जाए, किन किन तरीकों से महकमों के साधनों को लूटा जाए। अध्यक्ष महोदय, वे इस बात की रिसर्च करते थे कि हरियाणा प्रदेश में जो उद्योगपति उद्योग लगाना चाहते थे उनको कैसे लूटा जाए। जो नाकाबिल लोग थे, उनको झूठे सर्टिफिकेट उपलब्ध करवा कर एच०पी०एस०सी०

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

और एस०एस०एस० बोर्ड के माध्यम से और जितने भी महकमें थे उनके माध्यम से हरियाणा में नौकरियां बांटी जाती थीं। अध्यक्ष महोदय, ओम प्रकाश चौटाला जी हरियाणा प्रदेश को बर्बाद करने का काम करते थे और इनके शौक भी बड़े भयंकर थे। उन दिनों पता नहीं इनके मन में क्या सपना आया कि इण्डियन नेशनल लोकदल का वाकई ही पूरे इण्डिया में विस्तार करना चाहिए। ये मुख्य मन्त्री तो हरियाणा के थे लेकिन कभी राजस्थान में जा कर चुनाव लड़ने की घोषणा करते और वहां पर अपनी पार्टी के उम्मीदवार खड़े करते, कभी उत्तर प्रदेश में जाकर वहां पर अपनी पार्टी के उम्मीदवार खड़े करते। अध्यक्ष महोदय, ओम प्रकाश चौटाला जी जब उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़ने के लिए गए तो इनकी इस सोच को देख कर बड़ी हंसी आती थी कि किस प्रकार से इन्होंने लोगों को बहकाने की कोशिश की। उस समय इन्होंने वहां पर यह नारा दिया था कि चौटाला नहीं आंधी है, आज का महात्मा गांधी है। अध्यक्ष महोदय, यह बात मैं नहीं कह रहा हूँ, चौटाला साहब सामने बैठे हुए हैं अगर मैं गलत कह रहा हूँ तो ये खड़े होकर मना करें (विष्णु एवं शौर) अध्यक्ष महोदय, सबूत के तौर पर उन अखबारों की कतरने में सदन के फटल पर रख सकता हूँ। यह नारा इन्होंने वहां पर प्रदर्शित किया। उत्तर प्रदेश में ये गये तो थे नमाज बख्शवाने लेकिन रोजे गले पड़ गए। वहां पर कोई सीट लेने का तो सवाल ही क्या इनारे हरियाणा की राज्यसभा की एक सीट यू०पी० में दे कर चले आए। अध्यक्ष महोदय, प्रदेश के खजाने पर अरबों रुपये का नहीं बल्कि खरबों रुपये का बोझ डाला। अध्यक्ष महोदय, बजाए इसके कि बीज का उपचार करके किसानों की गेहूँ की फसल को सम्भालने का कोई इन्तजाम करते। अध्यक्ष महोदय, अब इन श्रीमान जी का क्या करें। अध्यक्ष महोदय, जब यू०पी० में चुनाव आए तो इन्होंने हरियाणा के गेहूँ को छोड़ कर यू०पी० का गेहूँ खरीदना शुरू कर दिया। इन्होंने न तो उस गेहूँ की गुणवत्ता देखी और न ही यह देखा कि वह गेहूँ सही है या खराब है। बस अन्धाधुंध गेहूँ खरीदना शुरू कर दिया। यह भी नहीं सोचा कि उस गेहूँ को रखेंगे कहाँ बस खरीदते रहे। इन्होंने हजारों टन गेहूँ खरीद लिया और उस गेहूँ को हैफेड, कान्फेड और खेलों में खुला ही रख दिया और वह गेहूँ खराब हो गया। आपने जो कैग की रिपोर्ट सदन में रखी है उसमें भी यह दर्शाया गया है कि गेहूँ घटिया किस्म की खरीदी गई है और उस गेहूँ का रख रखाव ठीक से नहीं किया गया था। जिसकी वजह से हरियाणा प्रदेश का 350 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूँ कि आप हमारे आज के मुख्यमंत्री जी को देखें। मैं इनके साथ एक बार दिल्ली गया था वहां पर इनके पिता जी श्री रणबीर सिंह हुड्डा जी स्वतन्त्रता सेनानी हैं उन्होंने मुख्यमंत्री जी को कहा कि भूपेन्द्र तू यह सिग्रेट पीना छोड़ दे। अध्यक्ष महोदय, वह दिन और आज का दिन है इन्होंने उस दिन से सिग्रेट को हाथ तक नहीं लगाया। (विष्णु) अध्यक्ष महोदय, एक तरफ तो पिता के आदेश मानने वाला ऐसा आजकारी बेटा है जिस घर हमारा प्रदेश और पूरा देश गर्व करता है और एक तरफ हमारे माननीय श्री ओम प्रकाश चौटाला जी हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं इनके बारे में बताना चाहूंगा कि जब ये पैदा हुए थे तो वहां पर ब्राह्मणों ने इनका पत्रा देखा और कहा कि आज तो यह रो है कल देखना पूरा प्रदेश रोएगा। (विष्णु)

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, ये किस तरह की बात कर रहे हैं। क्या यह मजबूर एड्रेस पर बोल रहे हैं ? इनको ठीक तरह से बोलना चाहिए। (शौर एवं व्यवधान)

Dr. Sushil Kumar Indora : Speaker Sir, as per rule, there should be no personal remarks by any member. (Noise and Interruptions)

श्री अध्यक्ष : इन्होंने कौन सी अन-पार्लियामेंट बात कह दी है जो आप इस तरह से बिदेव कर रहे हो ? (विघ्न) अगर इन्होंने कोई अन-पार्लियामेंट शब्द कहे हैं तो आप बताएं मैं उनको कार्यवाही से निकलवा देता हूँ। (विघ्न)

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, * * * *

श्री बलवंत सिंह : अध्यक्ष महोदय, * * * *

श्रीमती रेखा राणा : अध्यक्ष महोदय, * * * *

श्री अध्यक्ष : ये जो कुछ भी बोल रहे हैं यह कुछ भी रिकार्ड नहीं किया जाए। (विघ्न) आप मुझे यह बताएं कि इन्होंने कोई अन-पार्लियामेंट शब्द कहे हैं तो मैं उनको कार्यवाही से निकलवा देता हूँ। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि अगर मैंने कोई गलत बात कही है तो ये बाद में उस बारे में कह सकते हैं। (विघ्न)

श्री आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, रूल में लिखा हुआ है कि अगर कोई सदस्य सदन में न बैठा हो तो उसके बारे में टिप्पणी नहीं करनी चाहिए और कोई सदस्य सदन में बैठा हो तो उसके बारे में कोई टिप्पणी की जाती है तो उसको खड़े होकर अपनी कलैरिफिकेशन देनी चाहिए। (विघ्न) यह संविधान का दिया हुआ अधिकार है। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, तुलसी दास ने रामायण में एक थोपाई में लोक अभिव्यक्ति की है। उन्होंने लिखा है कि--

“पहले जन्मों प्रारब्ध, फिर जन्मों शरीर !

तु चिंता काहे करे, फ्रिक करे रघुबीर !

अध्यक्ष महोदय, इनका प्रारब्ध जन्म से पहले बना हुआ था जोकि ब्राह्मणों ने इनके जन्म पर बताया था, अब ये इस बात का बुरा क्यों मान रहे हैं ? (विघ्न) यह मैंने नहीं बताया है यह आपके सिरसा के ब्राह्मणों ने बताया है, उनसे जाकर लड़ो। (विघ्न)

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, * * * (शोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं सबूत के तौर पर आपको और सदन के सामने इनके बचपन से लेकर अब तक के दो चार किस्से सुनाना चाहता हूँ। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : डॉ० इंदौरा, आप जानते हैं कि proceedings of the House should not be disturbed. (noise and interruptions). इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाए.

डॉ० सुरजीत इंदौरा : अध्यक्ष महोदय, * * *

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं ब्राह्मणों की बात बता रहा हूँ। मैं अपनी तरफ से कोई बात नहीं बता रहा हूँ। अगर ब्राह्मण की बात भी ये नहीं मानते तो इसमें मेरा क्या कसूर है ? (शोर एवं व्यवधान)

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, आप गवर्नर, ऐड्रेस पर बोलें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : सर, मैं गवर्नर ऐड्रेस पर ही बोल रहा हूँ और बता रहा हूँ कि किस तरीके से हरियाणा ने बीज का उपचार किया और उसकी रिसर्च की तथा गेहूँ का उत्पादन बढ़ाया और किस तरह से इन्होंने भ्रष्टाचार करने के तरह-तरह के रास्ते दूँडे। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं यह बता रहा हूँ कि किस तरह से इन्होंने दूसरे प्रदेशों में जाकर हरियाणा का मखौल बनाया और किस तरह से हरियाणा की संस्थाओं को इन्होंने बर्बाद किया। मैं यू०पी० रिटन महात्मा गांधी से पूछना चाहता हूँ कि क्या इन्होंने ऐसा नहीं किया ? वहाँ ये महात्मा गांधी थे या नहीं ? कभी ये सद्दाम हुसैन की तरह ऊतबा दिखाते थे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री बलवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, * * *

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, * * *

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं तो सद्दाम हुसैन का नाम ले रहा हूँ। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी प्रोटैक्शन चाहता हूँ,

श्री बलवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, * * *

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, क्या मैं कोई गाली दे रहा हूँ ? ये जो मासूम बने बैठे हैं, आप इनसे ही पूछिए है। (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय श्री ओम प्रकाश चौटाला को छोड़कर इंडियन नेशनल लोकदल के सभी सदस्य हाउस की वेल में आ गए और जोर जोर से बोलने लगे।)

श्री अध्यक्ष : आप सभी अपनी अपनी सीटों पर बैठें। ये जो भी बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए। (शोर एवं व्यवधान) आप पहले सभी अपनी सीटों पर जाएँ और फिर अपना प्वायंट ऑफ आर्डर करें। आप पहले अपनी सीटों पर जाएँ फिर मैं आपको बोलने के लिए अलाऊ करूँगा।

डॉ० सुशील इंदौरा : ठीक है सर, हम अपनी सीटों पर चले जाते हैं।

श्री अध्यक्ष : अब डॉ० इंदौरा जी बताएं कि आपका क्या सुझाव है ? अब मैं आपको बोलने के लिए अलाऊ करता हूँ। (शोर एवं व्यवधान) आप सभी अपनी सीटों पर बैठें मैं आपकी बात सुनूँगा। (विघ्न) डॉ० इंदौरा, आपका प्वायंट ऑफ आर्डर क्या है ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, क्या मैं भी एक सबमिशन कर सकता हूँ ?

श्री अध्यक्ष : जी हाँ, बोलिए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, आप हाउस के कस्टोडियन हैं। हाउस ठीक ढंग से चले यह हमारी र्खाहिश है। इसके लिए आपको दो निर्णय लेने हैं। आपको अगर इसी ढंग से हाउस चलाना है। तो फिर दूसरे इधर से जो बोलें उसमें भी आपको आपत्ति नहीं करनी चाहिए, यही मेरी दो टूक बात है। इस ढंग से आपने हाउस को चलाना है तो समूचे मेंबरज को इस प्रकार की छूट होनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। मैं श्रीमान ओम प्रकाश चौटाला से यह जानना चाहता हूँ कि उन्होंने यू०पी० में अपने आपको महात्मा गांधी कहा था या

नहीं? यदि ये इस बात से नना करते हैं तो मैं अपनी बात वापस लेता हूँ। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, यदि आप मुझे इजाजत दें तो मैं बोलना शुरू करूँ। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप सभी मॅम्बरज को बोलने का पूरा-पूरा अवसर मिलेगा। अगर कोई मॅम्बर कम्पैरेटिव स्टेटमेंट देता है तो उसमें कोई हर्ज की बात नहीं है। हाउस पूरी तरह से डिग्नीफाई मेनर में सॅक्टिटी और पूरी डिग्निटी से चल रहा है। ये हाउस किसी के हिसाब से नहीं चलेगा। ये 90 आदमियों का हाउस है और उनकी स्पिरिट के हिसाब से और उन सभी की भावनाओं के अनुरूप यह हाउस चलेगा। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इंदौरा : अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे रिक्वेस्ट है कि जिस तरीके से कोई भी मॅम्बर सिटिंग मॅम्बर के लिए बोले तो ऐसे अपशब्दों का इस्तेमाल न करे जिससे पर्सनल या व्यक्तिगत आक्षेप होता हो। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप अनपार्लियामेंट्री शब्द पॉइंटआउट करें कि यह वर्ड अनपार्लियामेंट्री है तो मैं उसको प्रोसीडिंग से निकलवा दूँगा। (शोर एवं व्यवधान) रूल में तो यह भी है कि nobody shall interrupt or disrupt the proceeding of the house.

श्रीमती रेखा राणा : अध्यक्ष महोदय, हाउस तभी चलेगा जब अपशब्द वापस लिये जाएंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : ऐसी बात नहीं है। शवण तो बड़ा ही ज्ञानी ध्यानी आदमी था। यह शब्द अनपार्लियामेंट्री कैसे हो गया ?

Dr. Sushil Indora : Speaker Sir, with the permission of the chair, I want to say (Noise & interruption).

Mr. Speaker : Please, sit down.

श्री आनंद सिंह डांगी : सारे सदन की कार्यवाही को चलाने के लिए इस पिलर पर जो लिखा हुआ है उसका अनुसरण हम सबको करना चाहिए। सदन के अंदर जो भी साथी बोलें उन्हें शर्चा के साथ अपनी बात बोलनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान) मैं बोलूँगा तो भी वही बात आयेगी। (शोर एवं व्यवधान) आप मेरी बात तो सुनिए मैं जो इस पिलर पर लिखा हुआ है वही बोल रहा हूँ। प्रत्येक माननीय सदस्य का फर्ज है कि उसी के अनुरूप बोलें और अपनी सारी बातों को उसी हिसाब से रखें।

Mr. Speaker : Yes, Dalal Sahib, please resume your discussion. (Noise & interruption)

श्री आनन्द सिंह दांगी : अध्यक्ष महोदय, जो कुछ भी बात दलाल साहब ने कही है वह ठीक है। महात्मा गान्धी इस देश के राष्ट्रपिता थे सभी उनके चरणों में नमन करते हैं। दूसरी बात इन्होंने सद्दाम हुसैन और शवण के बारे में कही वे भी एक महान शक्ति हुए हैं। जो आदमी जैसे कर्म करता है उसके हिसाब से उसका नाम उसी श्रेणी में लिखा जाता है जैसे महात्मा गान्धी जी ने इस देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी। सब उनकी पूजा करते हैं। (शोर एवं व्यवधान) अगर कोई जल्लाद किस्म का आदमी अपने आपको महात्मा गान्धी कहने की बात करे तो वह गलत है। उसे तो सद्दाम हुसैन या शवण ही कहना चाहिए और दूसरी बात उसके लिए नहीं हो सकती है।

डॉ० सुशील इंदौरा : अध्यक्ष महोदय, भाननीय सदस्य को किसी व्यक्ति विशेष के बारे में ऐसा नहीं कहना चाहिए।

श्री अध्यक्ष : डाक्टर साहब, आपको अपनी बात बताने का पूरा समय मिलेगा, उस समय आप बोल लें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, इनकी तानाशाही सद्दाम हुसैन जैसी नहीं थी क्योंकि सद्दाम हुसैन जी ने दुनिया की सबसे बड़ी ताकत के सामने आखिरी दम तक अपना सिर नहीं झुकाया और बड़ी इज्जत के साथ फ्रांसी का फन्दा धूम करके इस दुनिया से विदा हो गये। अध्यक्ष महोदय, जब तक यह दुनिया है तब तक सारी दुनिया सद्दाम हुसैन के उस सम्मान को याद करेगी, जिस सम्मान के साथ उन्होंने राज किया और सम्मान के साथ फ्रांसी के फन्दे को धूमा। इनकी तानाशाही इवी अमीन जैसी भी नहीं थी क्योंकि इवी अमीन तो अपनी प्रजा से शर्मिदा होकर अपने देश को हमेशा के लिए छोड़कर चले गये थे परन्तु ये तो दो साल बाद वापिस आ गये हैं। इसलिए ये तो इवी अमीन भी नहीं हैं।

डॉ० सुशील इंदौरा : अध्यक्ष महोदय, पर्सनल लाइन किसी सदस्य के प्रति लगाकर यह सदन कैसे चलेगा ? (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, दलाल साहब जिधर भी गये हैं वहां की लुटिया डूब गई है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, आप अपनी स्पीच कन्टीन्यू रखिये।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, लोगों को चिन्ता है कि इनको क्या कह कर पुकारें। कहीं तो ये महात्मा गान्धी बनते हैं, कहीं सद्दाम हुसैन बनते हैं और कहीं इवी अमीन बनना चाहते हैं। लेकिन इन्कम टैक्स के कागजों में अगर आप देखें तो ये भेड़-बकरियां चराने वाले किसान बनते हैं। चौटाला साहब यहां पर बैठे हैं ये बता सकते हैं कि इन्होंने इन्कम टैक्स की रिटर्न में अपनी आय का साधन यह नहीं लिखवाया हुआ है ? उसमें इन्होंने लिखा हुआ है कि मैं और मेरा परिवार भेड़-बकरियां चराकर उनका दूध बेचकर अपना गुजारा करते हैं (शोर) सर, अन्दर से ये सारे राजी हैं। किसी शायर ने ठीक ही कहा है “आन्धियां बनकर चिरागों को बुझाने वाली, कहां जाओगे तुम दुनिया में अन्धेरा करके”। कहने का मतलब यह है कि मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते समय भगवान को हाथिर गाथिर रखकर यह कहा जाता है कि मैं न किसी रिश्तेदार को भानूंगा न किसी खून के रिश्ते को भानूंगा, जो देश प्रदेश के हित में काम होगा, मैं वह करूंगा। अध्यक्ष महोदय, वह जो कसम थी, हल्क थी। अगर इन्होंने सबक सीखना है तो आज के मुख्यमंत्री से सीखें। वर्तमान मुख्यमंत्री जी किस तरीके से मर्यादा में रहकर प्रदेश को मन्बर एक का प्रदेश बनाने का सपना दिखाकर प्रदेश को आगे खींचने की कोशिश कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं एक धाल छिपाता नहीं हूँ। जिस तरीके से ये सरकार के विरोधी हैं प्रजातंत्र में विरोध करने का किसी को भी हक होता है और संसदीय प्रणाली में विरोध करने से सरकार को सहारा मिलता है और एक सजगता मिलती है। लेकिन इनकी सरकार इन के समय में विरोध को नहीं विरोधियों को खत्म करने का काम किया करती थी। स्पीकर सर, आपको भी वे दिन याद होंगे कि किस तरीके से पिछली सरकार के समय सदन में सही बातें कहने से पहले सदस्यों को सदन से नेम कर दिया जाता था और सदन से बाहर निकाल दिया जाता था। उस समय मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला और उनके बेटे पता नहीं क्या-

क्या नाम रखा करते थे। अध्यक्ष महोदय, हम मुख्यमंत्री से दो साल से इस बात से नाराज रहे हैं कि पिछली सरकार के मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला और उनके बेटे जिस तरह का व्यवहार यहां हमारे साथ करते थे हमें भी उनके साथ वैसा ही व्यवहार करना चाहिए। इस पर हमारे मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज मेरे ऊपर संविधान की जिम्मेवारी है। मैं उस परिवार से नहीं हूँ। मेरी संस्कृति ऐसी नहीं है कि मैं मर्यादाओं से हटकर किसी का इसलिए नुकसान करूँ कि वह हमारा विरोधी है। अध्यक्ष महोदय, ऐसा नहीं है कि जिनका नाम अभी मैं ले रहा था उनकी प्रजाति में कोई नये गुण आये हों। ये तो जिस समय छोटे थे उस समय से ही इस तरह के हैं। जब ये छोटे थे उस समय डबवाली में बिना पे किये ट्रेन में सफर किया करते थे। उस समय इनको पकड़ा भी गया और फाँस भी हुआ। अगर यह बात मैं गलत कह रहा हूँ तो चौटाला साहब स्वयं ही बता दें। मैं अपनी सदस्यता से इस्तीफा दे दूंगा।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है कि आप दलाल साहब से लिखित में ले लें कि यदि ऐसी कोई कहानी नहीं हुई होगी तो ये अपनी सदस्यता से इस्तीफा दे देंगे और इन्वेषण करवा ली जाये कि इस तरह का कोई वाक्या हुआ था या नहीं। यदि ऐसा वाक्या हुआ हो तो मुझे सजा दी जाये।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं लिखित में देने के लिए तैयार हूँ।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, सदन में कही हुई कोई भी बात लिखित ही होती है। सदन कोई गोंध की चौपाल नहीं है। सदन में जो भी कोई बात कही जाती है उसकी रिकार्डिंग होती है। (विध्व)

श्री राम कुमार गौतम : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, दलाल साहब तो पता नहीं किस एथेनटेसिटी से बता रहे हैं लेकिन चौटाला साहब यह बता दें कि जिस समय ये घड़ियों की चोरी के मामले में पकड़े गये थे उस समय चौधरी देवी लाल जी ने यह कहा था कि नहीं कि ओम प्रकाश चौटाला मेरा बेटा नहीं है। यह बात ये ईमानदारी से बता दें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, इंदौरा जी को बुरा नहीं मानना चाहिए। इनको पूरी बात सुननी चाहिए। मैं उस समय का जिक्र कर रहा हूँ जिस समय ओम प्रकाश चौटाला जी मुख्यमंत्री के पद पर आसीन थे, सदस्य के रूप में इनका जिक्र नहीं हो रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं तो यह कहता हूँ कि यदि किसी ने कोई गलत आचरण किया है तो उस पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए और हरियाणा प्रदेश को आगे बढ़ाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, हमारे मुख्यमंत्री जी ने पिछले दो सालों के अंदर यथा प्रयास करके जो हमारे प्रदेश के प्रशासनिक अधिकारी हमारे प्रदेश में पिछली सरकार के डर और भय से रुचि छोड़ चुके थे उनकी आस्था अब प्रदेश के विकास की तरफ हुई है। पिछली सरकार के समय में प्रशासनिक अधिकारियों को मुख्यमंत्री के आवास पर और कार्यालय में बेइज्जत किया जाता था और उनका आत्मविश्वास बिल्कुल टूट चुका था लेकिन हमारे मुख्यमंत्री जी ने दो सालों में यथा प्रयास करके उनमें आत्मविश्वास पैदा किया है। इसी तरह से जो उद्योगपति पिछली सरकार की ज्यादतियों की वजह से हरियाणा प्रदेश से उद्योग दूसरे प्रदेशों में ले जा रहे थे उनमें भी आत्मविश्वास हमारे मुख्यमंत्री जी ने बनाया है और उनको प्रदेश में वापिस लेकर आये हैं। इसके अतिरिक्त विदेशों में जाकर नये उद्योग भी प्रदेश में लेकर आये हैं जो कि बहुत ही सराहनीय कार्य है। अध्यक्ष महोदय, इन कार्यों से पिछले मुख्यमंत्री जी को सीख लेनी

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

चाहिए और जो कुकर्म उन्होंने किए थे उन पर उन्हें शर्मिंदगी होनी चाहिए। हमारे वेदशास्त्रों में लिखा हुआ है कि यदि हम से कोई गलती या भूल होती है तो उस पर हमें पश्चात्ताप करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, आज हम देख रहे हैं कि हमारे मुख्यमंत्री जी किस तरह से शिक्षा का विस्तार प्रदेश में कर रहे हैं। कहीं पर महिला विश्वविद्यालय बनाया जा रहा है, कहीं पर राजीव गांधी एजुसेंट सिटी बनाई जा रही है, कहीं पर सर. छोटूराम पोलिटैक्निक इन्स्टीच्यूट को यूनिवर्सिटी बनाया जा रहा है और स्कूलों को भी बराबर अपग्रेड किया जा रहा है ताकि प्रदेश के बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण कर सकें। सरकारी स्कूलों के प्रति आम जनता का जो विश्वास पिछली सरकार के समय में उठ गया था उसको हमारे मुख्यमंत्री जी ने फिर से बनाया है और प्रदेश के सरकारी स्कूल जहां पहले अध्यापकों के अभाव में खाली रहते थे उनमें अतिरिक्त अध्यापकों को लगाया गया है ताकि बच्चों को पढ़ाया जा सके। हमारे मुख्यमंत्री जी के दो सालों के यथा प्रयासों से अब प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। इस सरकार में हुज्जा साहब के नेतृत्व में शिक्षा और हरियाणा के विकास के लिए समस्त प्रकार के जो विकास हैं, वे सुरक्षित हैं। स्पीकर सर, इनको इसकी शरारत करना चाहिए। शिक्षा के विभाग में काम इनकी सरकार भी करती थी। क्या काम करती थी? सर, कमरों के लिए जो ग्रांट जाया करती थी उस बारे में मैं कहना चाहूंगा कि बिहार में भी शायद ऐसा नहीं होता होगा। नारनील के डी०ई०ओ० ने पता नहीं कितने कमरों के अनुदान को सीधे बिना किसी अकाउंट पेजी के थियरर चौक से सारा पैसा वहां ट्रांसफर कर दिया और रिकार्ड में दिखा दिया कि इतने कमरे बन चुके हैं। जब उसकी जानकारी ली गई तो उन स्कूलों के अध्यापकों ने कागजों पर लिखा हुआ है कि हमारे गांव में कोई कमरे नहीं बने हैं। स्पीकर सर, अगर आप कहें तो मैं इस रिपोर्ट को सदन के पटल पर रख सकता हूँ। आप इसको रिकार्ड का हिस्सा बनाईये। इन्दौरा जी भी देखें और ये भी देखें जिस तरीके से इन्होंने हरियाणा की जनता के साथ शिक्षा के मामले में खिलवाड़ किया। जे०बी०टी० शिक्षकों की भर्ती में घोटाला, किस तरीके से आई०ए०एस० अधिकारियों को पद पर बैठाकर और लालच देना फिर उनको डराना और डराकर मन मर्जी के अपने थहेले उन लोगों को जो शिक्षा के लायक नहीं, शिक्षक नहीं बन सकते थे उनकी जे०बी०टी० में अध्यापक नियुक्त किया। स्पीकर सर, वर्ष 2000 में जब इनकी सरकार बनी तो इन्होंने सीनियर सेकेंडरी स्कूलों के लैक्चरर की लिस्ट को बदलने का दुस्साहस किया। उस वक्त जो D.E.Os. की कमेटी बनी थी। चौटाला जी इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं उसमें एक D.E.O. की डैथ हो गई। सभी D.E.Os. ने तो साईन कर दिये जो स्वर्गवासी D.E.O. थे उसके स्थान पर पता नहीं चौटाला जी ने खुद या इनके अनपढ़ बच्चों ने या इनके दुस्साहस करने वाले अधिकारियों ने उस पर साईन करके उस लिस्ट को एप्रूव कर दिया और सारे हरियाणा के अन्दर लैक्चरर, सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में लगावाये। जे०बी०टी० के दो साल तक दाखिले नहीं होने दिये क्योंकि यह चाहते थे कि जे०बी०टी० की लिखित परीक्षा में इनके मनमाने तरीके के विद्यार्थियों को दाखिला मिले। अध्यक्ष महोदय, यूनिवर्सिटीज में इन्हें और तो कुछ नजर आया नहीं सोचा सिरसा में यूनिवर्सिटी बनाई जाये। किसके नाम पर चौधरी देवी लाल के नाम पर, चौधरी देवी लाल के नाम पर सिरसा में यूनिवर्सिटी बना दी। दिग्ग में कोई ऐसी घटना आपको सुनने में भी और देखने में भी नहीं आई होगी कि दादा के नाम पर यूनिवर्सिटी और पिता हरियाणा का मुख्यमंत्री और दसवीं पास इनका बेटा एल०एल०बी० की कक्षा में वहां पर दाखिला लेकर के वकील बनने का दुस्साहस कर रहा है। इन्दौरा जी, ऐसा आपको कहीं भी नहीं मिलेगा। इन्दौरा जी, चौटाला जी से पूछिये

क्या ये इस बात के लिए मना करते हैं कि इनका जो छोटा बेटा है उसकी क्वालीफिकेशन है कि वह एल०एल०बी० में दाखिला ले सकें और वह सिरसा में आपकी चौधरी देवी लाल यूनिवर्सिटी में एल०एल०बी० कर रहा है। यह कितना बड़ा गुनाह है जो ये हरियाणा के लोगों को दिखाने में लगे हुए हैं, जो ये करने में लगे हुए हैं। स्पीकर सर, आज चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सरकार ने पूरे हरियाणा में पी०टी०आई० और डी०पी०ए०के० के आपने देखा कि आवेदक बहुत ज्यादा थे शिकायत आई कि उसमें घाघली हुई है, कुछ कमी उसमें देखी तो मुख्य मंत्री जी ने आदेश दिया और उन परीक्षाओं को निरस्त कर दिया दोबारा से जो सरकार आदेश करेगी उस हिसाब से आगे की कार्यवाही होगी। उनकी सरकार में मेडिकल कॉलेज में दाखिलों की लिस्ट ये बनाया करते थे तमाम इंजीनियरिंग कॉलेजिज में किनके दाखिले होने हैं उनकी लिस्ट ये बनाया करते थे और स्पीकर सर, यह कोई बिना सोच या बिना वजह की घटना नहीं है क्योंकि इनका परिवार अनपढ़ों का परिवार है ये चाहते हैं कि अगर हरियाणा के बच्चे पढ़ने लिखने लगे तो (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इंदौरा : सर, यह गलत बात है। (विघ्न एवं शोर)

श्री कर्ण सिंह दलाल : कितने पढ़े लिखे हैं चौटाला जी, आप पूछ लें।

श्री अध्यक्ष : प्लीज मान साहब, नो इन्टरपेशन, चौ० ज्ञानचन्द जी, आप तो साझसे आदमी हों आप तो ऐसा न करो।

श्री कर्ण सिंह दलाल : सर, हमारे मुख्य मंत्री की सोच तो यह है कि हरियाणा के हमारे बच्चों को, हमारी बहन बेटियों को क्वालिटी ऐजुकेशन मिले और विश्व स्तर की शिक्षा इस हरियाणा प्रदेश में हो इसके लिए प्राइवेट यूनिवर्सिटी बिल इसी विधान सभा ने पारित किया था आज हमारी सरकार नये-नये विश्वविद्यालय बनी रही है, नये-नये कॉलेजिज बना रही है। अध्यक्ष महोदय, जीन्द में रीजनल सेंटर, मेवात में रीजनल सेंटर और एक रीजनल सेंटर भीर में बनाने में लगे हुए हैं। हमारी सरकार की सोच तो यह है कि अगर इस हरियाणा के अन्दर रहने वाले हर जाति, हर वर्ग, हर धर्म के बच्चों को जब तक पढ़ने-लिखने के लायक नहीं बनाएंगे तब तक हरियाणा प्रदेश तरक्की नहीं कर सकता है। माननीय मुख्य मंत्री जी इस प्रयास में अपनी पूरी ताकत और ईमानदारी से लगे हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, दूसरी तरफ इस लोगों का प्रयास यह था कि अगर हरियाणा प्रदेश के बच्चे पढ़ना-लिखना सीख गए और हरियाणा के बच्चों में पढ़ाई-लिखाई की योग्यता आ गई तो फिर वे ऐसे अनपढ़ लोगों की पार्टियों को किस लिए सहारा देंगे इसलिए इनकी यह पूरी साजिश रहती थी कि जब भी सत्ता में आते हैं शिक्षा के मामले में कुछ नहीं करते हैं। ये शिक्षा संस्थाओं की ऐसी धज्जियां उड़ाते थे कि कोई भी शिक्षक अथवा अच्छा विद्यार्थी हरियाणा प्रदेश में आना पसन्द नहीं करता था। अध्यक्ष महोदय, आप इनकी सोच देखिये कि ये स्वतन्त्रता सेनानियों का अपमान करते हैं। यूनिवर्सिटी चौधरी देवी लाल के नाम पर है। एक दिन में वहां पर रूका हुआ था और सैर करने के लिए चला गया। स्वतन्त्रा सेनानी शहीद-ए-आजम लाला लाजपतराय जी के नाम पर वहां पर एक छोटा सा कमरा बना रखा है और ये लोग यह साबित करने में लगे हुए हैं कि आने वाली पीढ़ियां यह देखें कि लाला लाजपत राय जी का स्वाधीनता संग्राम में कोई खास योगदान नहीं था और जो भी योगदान था वह चौधरी देवीलाल का था। अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल के नाम पर इन्होंने यूनिवर्सिटी बनाई अगर इसमें कोई कमरा बनाना ही था तो चौधरी ओम प्रकाश चौटाला के नाम पर बना लेते। लाला लाजपत राय के नाम को चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय में छोटे से

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

कक्ष का नाम रख कर इस तरह का जो दुस्साहस किया है हरियाणा के लोग आने वाले दिनों में इनको कभी माफ नहीं करेंगे। अध्यक्ष महोदय, जब तक इनकी सरकार रही उस दौरान जब भी कोई रैली होती थी तो तमाम हरियाणा के मास्टर्स को और स्कूलों के तमाम बच्चों को जबरदस्ती बसों में भर-भर कर रैली स्थल पर ले जाया करते थे। अध्यक्ष महोदय, इन लोगों को आज के माननीय मुख्य मंत्री जी से सबक लेना चाहिए। इनके मुख्य मन्त्रित्वकाल के दौरान हरियाणा प्रदेश में हमारी पार्टी की दो रैलियां हुई हैं, हमारे विरोधी यह साबित करके दिखाएँ कि हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने, किसी मंत्री ने, किसी विधायक ने या किसी ऑफिसर ने उन रैलियों में शीड़ जुटाने के लिए किसी स्कूल, कॉलेज के अध्यापकों अथवा छात्र-छात्राओं को रैली में ले जाने के लिए कोई न्यौता दिया हो। यह पहली दफा हुआ है कि इस हरियाणा प्रदेश के लोग अपने यथायोग्य संसाधनों से इस विशाल रैली के रूप में माननीय मुख्य मंत्री महोदय का अभिवादन करने के लिए सिरसा गए। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : बैठे-बैठे कमेंट करने का कोई रूल नहीं है (विघ्न) प्लीज, इनको अपनी बात कहने दीजिए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में सरकार की प्रशंसा की है कि इस सरकार ने पिछले दो साल से प्रदेश में जो भय और भ्रष्टाचार का माहौल बना हुआ था बड़ी मुश्किल से यह सरकार इस भय तथा भ्रष्टाचार को दूर करने में कामयाब रही है। अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मेरा माननीय मुख्य मंत्री जी से यह अनुरोध है कि इस समय अगर कहीं भय है तो वह चौटाला जी की पार्टी के विधायकों के अन्दर है इस भय को भी निकाला जाए। (विघ्न एवं शोर)

डॉ० सुशील इंदौरा : अध्यक्ष महोदय, * * * * *

Mr. Speaker : Indora Sahib, Please take your seat. (Noises and interruptions) Nothing is to be recorded. Please take your seat (Noises and interruptions)

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, हमारे शास्त्रों में लिखा हुआ है, वह मैं आपको पढ़ कर सुनाना चाहता हूँ, ये लोग भी इसको सुनें लेकिन यह तो हिन्दी में बताना पड़ेगा क्योंकि यह हिन्दी में नहीं बल्कि अंग्रेजी में है- "He, who punishes severely is hated by the people" इस कैटेगरी में श्री चौटाला जी आते हैं, "He, who punishes mildly is despised one" जो सजा नहीं देता वह समाप्त हो जाता है क्योंकि उसको लोग नकार देते हैं। "He, who meets out deserving punishment is respected" जैसे हमारे मुख्य मंत्री जी हैं। हमारे मुख्यमंत्री जी, कलम का इस्तेमाल करना जानते हैं, पढ़े-लिखे हैं। इनको संस्कारों में राजनीति मिली है। स्पीकर सर, एक बार मैं इनके साथ आ रहा था तो एक व्यक्ति का सड़क पर ईललीगल काम चल रहा था तो इन्होंने उसी वक्त डी०सी० को फोन करके कहा कि वह काम बंद होना चाहिए। स्पीकर सर, आज इस राज के अन्दर एक्सपर्ट्स एंड टैक्सेशन का एक महत्वपूर्ण रिकार्ड बना है उसमें 120 प्रतिशत की सीधी बढ़ोतरी हुई है। लेकिन ओम प्रकाश चौटाला जी के राज में इनके सन्ध्वी जिनका नाम लेना मैं सही नहीं समझता हूँ और उनका नाम लेकर मैं हरियाणा की प्रोसिडिंग में रिकार्ड नहीं करवाना चाहूँगा। उनकी मार्फत ओम प्रकाश चौटाला जी हरियाणा के सभी ठेकों पर

* चेंबर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

कब्जा करते थे। चाहे वे माईन्ज के टेके थे, चाहे कहीं खुदाई का टेका था या शराब का टेका था। वहां पर इनके आदमियों का कब्जा होता था और उसकी वजह से हरियाणा के राजस्व में घाटा हुआ था। लेकिन आज की सरकार के वक्त में हरियाणा के राजस्व में बढ़ोतरी हुई है। इस बारे में महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में भी दर्शाया है। अध्यक्ष महोदय, प्लानिंग कमीशन से हमारे जो एस्टीमेट्स को मंजूरी मिली है उसमें 33 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इतनी बढ़ोतरी होना कोई बच्चों का खेल नहीं है। अध्यक्ष महोदय, कोई तो वजह रही होगी जो चौटाला जी के समय में इतना नुकसान हुआ है वह तो ये ही जानते हैं कि किस तरह से भ्रष्टाचार को बढ़ाना चाहिए। वे सब तन्तु इनके अन्दर विराजमान हैं। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने अपनी सरकार के आते ही लोकायुक्त को चलते कर दिया क्योंकि इनको पता था कि लोकायुक्त ईमानदार है और इनकी सरकार के सारे भ्रष्टाचार वह उजागर कर देगा और जब तक इनकी सरकार रही इन्होंने उसको आने नहीं दिया। लेकिन हमारी सरकार के आते ही मुख्यमंत्री जी ने उनको बहाल किया। अध्यक्ष महोदय, चौटाला जी के राज में तो विधान सभा में एक प्रावधान कर दिया गया था कि कोई भी लोकायुक्त मुख्यमंत्री की जांच नहीं कर सकता है। हम इस बारे में विधान सभा में काफी चिल्लाए थे कि आप भी तो इन्सान हैं लेकिन हमारी एक बात नहीं सुनी गई थी। आज की सरकार में मुख्यमंत्री जी ने कह दिया है कि जो भी इन्सान चाहे वह कोई भी आफिसर है या मंत्री है अगर वह भ्रष्टाचार में लिप्त है तो लोकायुक्त उसकी जांच कर सकता है, वे सब उसके दायरे में आएंगे। आज हरियाणा में जितने भी ईडज हैं वे सभी के सभी प्रोफिट में थल रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, उदाहरण के तौर पर आप मार्केटिंग बोर्ड को लें। पिछली सरकार के वक्त में मार्केटिंग बोर्ड घाटे में चला गया था आज 2006-07 में उसके खजाने में 244 करोड़ रुपए बढ़े हैं। आज सभी हमारे मुख्यमंत्री जी की नीतियों की प्रशंसा करते हैं। इनको भी इनकी प्रशंसा करनी चाहिए। इसके अलावा मैं बिजली की बात करना चाहता हूँ। अध्यक्ष महोदय, आज ये और इनकी पार्टी के लोग इस सरकार की बुराई करते फिर रहे हैं कि हरियाणा में पूरी बिजली नहीं दी जा रही है। आज एक प्रश्न के उत्तर में मंत्री जी ने बताया कि कितनी बिजली किस जगह पर जा रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इनसे पूछना चाहता हूँ कि इनके साढ़े पांच साल के राज में हरियाणा में बिजली क्यों नहीं बनाई गयी थी? अध्यक्ष महोदय, इनको ऐसी ही राजनीति विरासत में मिली है। मैं चौधरी देवी लाल जी को इज्जत करता हूँ और वे हमारे बुजुर्ग थे। मैं ओम प्रकाश चौटाला जी से पूछना चाहता हूँ कि आज यमुना नगर में थर्मल प्लांट लगा है। उनके राज में वहां पर थर्मल प्लांट क्यों नहीं लगा था। उनके वक्त में वहां पर सफेदे लगा दिए गए थे इन्होंने वहां पर थर्मल प्लांट लगाने का कष्ट नहीं किया था। थोडुका कम्पनी हरियाणा में पांच भेगावाट बिजली बनाने का प्लांट लगाना चाहती थी। आज हमारे मुख्यमंत्री जी दुनियाभर में घूमते फिर रहे हैं। ये हरियाणा में गैस बेरुद प्लांट बनाने की बात कर रहे हैं। लेकिन जब इनको पता चला कि गैस की उपलब्धि में दिक्कत है तो फिर इन्होंने थर्मल बिजली के धारे में सोचना शुरू कर दिया। इन्होंने जो थर्मल बिजली के लिए, कोल बिजली के लिए एम०ओ०यू० साईन किए हैं वह केवल साईन ही नहीं किए बल्कि तमाम हरियाणा में चाहे वह झज्जर में हो, हिसार में हो या यमुनानगर में हो, इन सभी जगहों पर पावर प्लांट लगाने के लिए प्रयास भी किए हैं जिसके लिए मैं इनकी प्रशंसा भी करता हूँ। पिछली सरकार तो झूठे पाखंडों को ही हरियाणा की विधान सभा में रख दिया करती थी लेकिन हमारी सरकार की दूरदर्शिता की वजह से हरियाणा में बिजली का उत्पादन बढ़ेगा क्योंकि केन्द्र सरकार और प्राईवेट

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

कम्पनियों के सहयोग से आने वाले तीन चार सालों में लगभग पांच हजार मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य हमारी सरकार ने रखा है। इस बारे में हमारी सरकार ने काम करना भी शुरू कर दिया है जोकि बहुत ही प्रशंसनीय बात है। इनकी सरकार के समय में मोडुका कम्पनी बिजली प्लांट लगाना चाहती थी और जब वह कहती थी कि हमारी फाईल निकालिए तो ये कहते थे कि पहले आप पैसे निकालिए। ये कहने लगे कि हमें तो हरियाणा में बिजली पैदा करने के लिए प्लांट लगाना है, हम आपको पैसे किस बात के दें ? इन्होंने रिश्वत लेने के चक्कर में मोडुका कम्पनी को हरियाणा में बिजली बनाने की इजाजत नहीं दी। लेकिन आज हमारी सरकार इस बारे में बहुत प्रयास कर रही है। पिछली सरकार भी साढ़े पांच साल तक यदि ऐसे ही प्रयास करती तो हरियाणा में आज बिजली की दिक्कत न आती। लेकिन इनको तो रिश्वत खाने में महारत हासिल है। अगर इनकी रिश्वत खाने की महारत की रिसर्च की जाए तो रिसर्च करने वाले इनके सामने टिक नहीं पाएंगे। अध्यक्ष महोदय, इनके जमाने में पानीपत थर्मल पावर प्लांट की आठवीं यूनिट की मरम्मत होनी थी। परसों ही सभी अखबारों ने इस बारे में लिखा है कि 53.50 करोड़ रुपये फालतू में इनकी लापरवाही की वजह से बेकार हो गये। उस समय केवल मेल का तो नाम था क्योंकि इन्होंने मेल के नाम से टेंडर अलॉट करके अपने वहेतों को उसमें काम दे रखा था। उस समय अखबारों में इस बारे में छपा था कि वहां पर कोयले की सप्लाई ठीक नहीं आ रही है। लेकिन इन्होंने उस पर कोई ध्यान नहीं दिया। ये तो उस समय कभी यू०पी० के चुनावों में, कभी राजस्थान के चुनावों में या कभी दिल्ली के चुनावों में ही दौड़ते रहते थे। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने अपने साढ़े पांच साल के शासन में प्रदेश में जो गुस्ताखियां की हैं वह नाकाबिलेगाफी हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से यह अनुरोध भी करना चाहता हूँ कि यह ठीक है कि सी०बी०आई० इनकी काली करतूतों की जांच कर रही है और हमें भरोसा है कि देश की यह सर्वोच्च संस्था हरियाणा के लोगों के साथ न्याय जरूर करेगी। न्याय होना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि हरियाणा में अगर ऐसे गैरे लीग बी०ओ०टी० के बेस पर राज बनाएंगे तो यह ठीक नहीं होगा। कम्पनीज तो बी०ओ०टी० के बेस पर सड़के बनाती हैं, पुल बनाती हैं लेकिन इनका परिवार बी०ओ०टी० के बेस पर राज चलाता रहा है। अध्यक्ष महोदय, पहले एक पिता ने हरियाणा में राज किया और लूटा और फिर वह अपने बेटे को ट्रांसफर कर दिया और फिर दूसरे बाप ने हरियाणा में राज किया और उसको लूटा और उसके बाद वह उसने अगले बेटे को ट्रांसफर कर दिया। जिस तरह की गंदगी इन्होंने हरियाणा में फैलायी है वह आपको कहीं नहीं मिलेगी, जो शर्मिन्दगी हरियाणा के लोगों को इनकी वजह से मिली है वह भी आपको कहीं देखने को नहीं मिलेगी। यही कारण था कि चुनावों में कांग्रेस पार्टी को 67 सीटें मिलीं। अध्यक्ष महोदय, यह इस बात को साबित करता है कि लोगों के दिलों में इनके प्रति कितनी नफरत, कितना भय है कितना डर है। वे यह सोचते हैं कि अगर गलती से ये फिर सरकार में आ गये तो हरियाणा को कितना बर्बाद कर देंगे। जनता ने इसी कारण इनको विपक्ष के लीडर बनने की हैसियत भी नहीं दी है इसलिए इनको इससे सबक लेना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, 2001 से लेकर 2004-05 तक इनकी सरकार के समय में पावर यूटिलिटी के लिए केवल 4095 करोड़ रुपये का ही इंतजाम किया गया था और इस सरकार ने अपने दो साल के कार्यकाल में ही 3748 करोड़ रुपये का इंतजाम किया है। कहां दो साल और कहां साढ़े पांच साल ? जिस तरह का इंतजाम हनारे मुख्यमंत्री जी इस बारे में करने लग रहे हैं उसको देखते हुए आने वाले चार सालों में हमें उम्मीद है कि हरियाणा में हमेशा के लिए बिजली की समस्या खत्म हो जाएगी। कहां हनारे

मुख्यमंत्री जी हैं और कहाँ ये थे ? एक हमारे मुख्यमंत्री हैं जो बारवीक की तरह बेसहारा का सहारा बने हुए हैं और जिनका कोई सहारा नहीं उनका सहारा बनकर प्रदेश को आगे बढ़ा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, एक ये श्रीमान जी थे जो कभी सहारा हरियाणा के लोगों को नहीं दिया करते थे। ये उनको भी सहारा नहीं दिया करते थे जो इनको सहारा दिया करते थे। इनके अंदर तो एक धात स्थापित है कि जो इनका साथ देता है, जो इनकी मदद करता है ये उसका ही नाश जरूर करते हैं। अध्यक्ष महोदय, बी०जे०पी० ने इनका साथ दिया लेकिन ये उनके ऊपर भी लहू लेकर खड़े हो गये और कहा कि मैं देखूंगा कि किस तरह आप हरियाणा में राज चलाएंगे। अध्यक्ष महोदय, हमने इनको मुख्यमंत्री बनाया तो इन्होंने हमारे साथ भी ऐसा ही किया। (विघ्न) ये तो सपनों में भी मुख्यमंत्री नहीं बन सकते थे। वह तो हमारी गुस्ताखी थी, भूल थी कि हमने इनको मुख्यमंत्री बनाया और अगले ही दिन लाठी लेकर हमारे ही पीछे लग गए। जो लोग इनकी मदद करते हैं उनका ये विनाश करने की सोचते हैं और जो इनका बुरे कामों में साथ देते हैं उनको ये सत्ता में आते ही मालामाल कर देते हैं। जब ये घड़ियों की तस्करी के मामले में पकड़े गए थे जैसा गीतम साहब ने बताया, उस मामले में इनका एक दोस्त सरदाना भी इनके साथ संलिप्त था। जब ये सत्ता में आए तो उस दोस्त को इन्होंने घर से धूलवाया और तार लगाने का, खंभे लगाने का और ट्रांसफार्मर लगाने का ठेका दिया और सारे नियमों को ताक पर रखकर अपने दोस्त सरदाना को ठेके दिए। इसी तरीके से प्रदेश के अंदर इनके राज के समय गुंडागर्दी का बोलबाला था। उस समय जेलों में बैठकर गुंडे तमाम हरियाणा को लूटने की साजिश बनाया करते थे। हरियाणा के मुख्यमंत्री के बेटे अधिकारियों के साथ बहूदशी का व्यवहार किया करते थे और रात को जेलों में जाकर मुलजिमों और अपराधियों के साथ साँठ-गाँठ किया करते थे कि आज किसको डराना है, किसको लूटना है। ऐसी मिसाल अध्यक्ष महोदय, आपको कहीं देखने को नहीं मिलेगी! डिंपी नाम का एक कुख्यात अपराधी जो कि पिछले दिनों मारा गया उसको ये दूसरे प्रदेश से यहाँ ले आए और सिरसा के अस्पताल में दाखिल कराया और अगले दिन अस्पताल से फरार दिखा दिया। अन्सारी जो यू०पी० का क्रिमिनल था इनके बेटे उसके साथ हर कार्यक्रम में बैठकर फोटो खिंचवाया करते थे। थोटाला गांव के इनके विरोधी सिरसा जिले के उन लोगों की हालत आप जाकर देखें जो इनका विरोध किया करते थे वे किस तरह से खून के आसू रोते हैं। किस तरीके से इन्होंने उन के खिलाफ अफीम, चरस, गांजे की तस्करी और बलात्कार के झूठे मुकदमे बनवाये। एक इनके अपने गांव का विरोधी आज तक गायब है। मुझे तो शक है कि जब से ये राजनीति में आए हैं इन्होंने कितने ही विरोधियों को मरवाया है। स्पीकर सर, इनका फार्म हाउस है उसकी अगर खुदाई करवाई जाए तो न जाने कितने कंकाल वहाँ से निकल सकते हैं। इसकी जांच होनी चाहिए। हरियाणा की जनता इस बारे में जानना चाहती है। (विघ्न) इंदौरा जी, मैं आपके बारे में कुछ नहीं कह रहा हूँ। आपको क्या तकलीफ है ? (विघ्न)

डॉ० सुशील इंदौरा : अध्यक्ष महोदय, कर्ण सिंह दलाल जी के पास राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर तो कुछ बोलने को है नहीं। * * * * *

श्री अध्यक्ष : इंदौरा साहब जो कुछ कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी की, इनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों की और पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट की कि जो उन्होंने तथ्य दिए हैं उसके लिए महामहिम ने इनकी प्रशंसा की है, मैं भी उसके लिए इनकी तारीफ करता हूँ। अध्यक्ष महोदय, गरीबों के घरों में वाटर कनेक्शन देने, हर गांव में पीने के पानी की क्षमता को बढ़ाने का काम किया गया है। मेवात जैसे

* चैयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

इलाके से जहां से ये एक आद्य विधायक ही ले कर आते हैं वहां जो मेवात डिवलपमेंट एजेंसी थी, जो इनके बुरे कामों में इन के सहयोगी होते हैं उनको भ्रष्टाचार में संलिप्त करके उनके साधन वे जरूर बढ़ाते हैं। एक खान एस०पी० होता था जो कि इनके साथ मेहम कांड में शामिल था। सत्ता में आते ही इन्होंने उसी खान को मेवात डिवलपमेंट एजेंसी का चेयरमैन बना दिया और वह आराम से बैठकर मेवात डिवलपमेंट एजेंसी का पैसा खा रहा था। हमने एक बार हरियाणा विधान सभा में भी यह मुद्दा उठाया था तब इनके कानों पर जूं भी नहीं रेंगी थी। यह तो मैं मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने मेवात के लोगों को शिक्षा ही नहीं पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए भी बहुत बड़ी परियोजनाएं वहां के लोगों को बनाकर दी हैं। दो साल के अंदर पीने के पानी की सप्लाई मेवात में जब होने लग जाएगी तो वहां जो हमारी बहन बेटियाँ जिनका हीमोग्लोबिन 5-6 ग्राम से भी कम रह जाता है उनके स्वास्थ्य को सुधारने में फायदा होगा। जिस तरीके से सरकार ने गरीब बैंकवर्ड परिवारों के घर पर पानी के कनेक्शन पहुंचाने का कार्यक्रम बनाया है वह प्रशंसनीय है। हमारी बहन बेटियों को सिर पर मटका लेकर मीलों दूर से पानी लाने में जो दिक्कत होती थी वह अब नहीं होगी। हरियाणा की जनता को स्वच्छ पानी देने में यह सरकार कामयाब रही है। पी०डब्ल्यू०डी० (बी०एण्ड०आर०) ने चौटाला जी की सरकार में पांच साल के समय में विकास कार्यों पर कुल 1745 करोड़ रुपये खर्च किये थे। जबकि वर्तमान सरकार ने दो साल के समय में पी०डब्ल्यू०डी० (बी०एण्ड०आर०) के काम में 1375 करोड़ रुपये विकास कार्यों में खर्च किए हैं जिनमें इन्फ्रास्ट्रक्चर, सड़कों को ठीक करना, पुलों को ठीक करना शामिल है, यह बहुत बड़ी बात है। स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी को एक सुझाव देना चाहता हूँ जैसे यह बात राज्यपाल अभिभाषण में भी है। परन्तु हमारे मुख्यमंत्री संसद में रहे हैं। इसलिए वहां के मंत्री इनके पुराने दोस्त हैं इसका इनको बहुत बड़ा फायदा मिला है। इस वजह से ये मैट्रो रेल को फरीदाबाद, बहादुरगढ़, गुडगांव तक ले जाने में कामयाब रहे हैं, इसी तरह से बिजली के संयंत्रों को हरियाणा में लगाने में भी कामयाब रहे हैं। फरीदाबाद में बदरपुर से फरीदाबाद के बीच जो पुल बनना है वह कार्य एन०एच०ए०आई० का है लेकिन हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी उस कार्य को जल्दी करवाने में लगे हुए हैं, यह काम जितनी जल्दी करवाया जाये उतना अच्छा है। इससे प्रदेश को बहुत बड़ा फायदा होगा।

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, आप कितना समय और लेंगे ? आप इस मिनट में वाईड अप करें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं थोड़ा सा समय और लूंगा। जहां तक वैल्फेयर ऑफ एस०सी० एण्ड बी०सी० का सवाल है पिछली सरकार ने साढ़े पांच साल के समय में कुल 123 करोड़ रुपये खर्च किए हैं जबकि वर्तमान सरकार ने पिछले दो साल में 141.19 करोड़ रुपये खर्च किए हैं और गरीबों और डैस्टिच्यूटस को राहत दी है। स्पीकर सर, जो राहत टैक्सिज के माध्यम से इस सरकार ने लोगों को दी है थोडरी ओमप्रकाश चौटाला जी के राज में अगर किसी कम्पनी को राहत देनी होती थी तो उस कम्पनी को चौधरी ओमप्रकाश चौटाला जी और उनके परिवार को सेवा करनी होती थी नहीं तो उस कम्पनी को कोई राहत नहीं देते थे और उनका कोई काम नहीं किया करते थे। आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने जो बी०पी०एल० का सर्वे कराने के आदेश

दिए हैं वह एक प्रशंसनीय कार्य किया है क्योंकि गरीब आदमी को पहले राशन नहीं मिलता था। पिछली सरकार के राज में जो गरीब आदमी होता था उसको कोई राहत नहीं मिलती थी बल्कि जो इनके कार्यकर्ता होते थे चाहे उनके पास कितनी ही जमीन होती थी, उनको बी०पी०एल० की लिस्ट में शामिल कर लिया जाता तथा ऐक्चुअल में जो गरीब आदमी, हरिजन या बैकवर्ड थे जिनको जरूरत होती थी, उनके नामों को ये बी०पी०एल० की लिस्ट में आने ही नहीं दिया करते थे। अध्यक्ष महोदय, एस०वाई०एल० नहर में पानी देने के बारे में ये बात करते हैं। मुझे बड़ी हैरानी होती है कि एस०वाई०एल० नहर के पानी का जो झगड़ा है जिस अकाली दल पार्टी के नेता यह कहते हैं कि हरियाणा को पंजाब पानी नहीं देगा उनके लिए चौधरी ओम प्रकाश चौटाला बोट भांगे जाते हैं। उनकी सरकार बनाने की प्रार्थना लोगों से करते हैं। जब नहर बनाने का मौका आता है तो किसी न किसी गलत तरीके से लोगों को गुमराह करके उसके बनने के रास्ते में रोड़े अटकते हैं और इस नहर को पूरा नहीं होने देना चाहते। चौधरी ओमप्रकाश चौटाला दो साल विदेश में रहकर वापिस आये हैं उसके बाद ये चण्डीगढ़ में कहां पर ठहरते हैं, यह जरा बतायें। अध्यक्ष महोदय, जब ये चण्डीगढ़ में ठहरते हैं तो सरदार प्रकाश सिंह बादल के घर में रुकते हैं। एक बात मैं दावे के साथ कहता हूँ कि सरदार प्रकाश सिंह बादल ने जो पानी के बंटवारे की सैक्शन 5 को समाप्त करने की बात कही है, मुझे तो यह लगता है कि प्रकाश सिंह बादल से इन्होंने खुद ध्यान दिलवाया है। ये नहीं चाहते हैं कि दोनों प्रदेशों के लोग आपस में प्यार से रहें। यह कितनी बड़ी विडम्बना है। मैं इस बात से हैरान हूँ कि इन्होंने अपनी लूट से जो चण्डीगढ़ में चार मकान बना रखे हैं वहां पर तो ये नहीं रहना चाहते हैं। ये पंजाब के मुख्यमंत्री श्री प्रकाश सिंह बादल के घर पर रहते हैं जहां इनको रोटियां मुफ्त में मिलती हैं और सेवा भी मुफ्त में होती है। तथा जो इनसे मिलने के लिए आते हैं उनकी रोटियां गुरुद्वारे से मंगवाते हैं। अध्यक्ष महोदय, हमारे प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री की हैसियत इस तरह की है कि वे उन लोगों के घर में खाना खाते हैं जो हरियाणा को पानी नहीं देना चाहते। इस तरह से पूर्व मुख्यमंत्री उनके घर में रहें यह हमारे प्रदेश के लिए बड़ी बदनामी की बात है। अगर इनको किसी तरह की तकलीफ है तो मैं मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि इनको मुख्यमंत्री कोष से खाना पीना, रहना और दवाईयां मुफ्त में देने का प्रबन्ध करें ताकि हमारे प्रदेश की बदनामी न हो। (विष्णु) अध्यक्ष महोदय, अब मैं शैवेन्चू रिस्लीट्स की बात करना चाहूंगा कि मौजूदा सरकार के समय में शैवेन्चू रिस्लीट्स में बढोतरी हुई है जो कि एक सराहनीय काम है। जब तक सरकार के खजाने में आमदनी नहीं होगी तब तक प्रदेश में विकास के काम कैसे होंगे? अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि आज इण्डियन स्टैम्प ऐक्ट में संशोधन करने की जरूरत है। स्पीकर सर, जो प्रोपर्टी विरासत में पूर्वजों से मिलती है उसकी ट्रांसफर पर तो स्टैम्प ड्यूटी की एग्जैम्पशन है लेकिन जो प्रोपर्टी खरीदी हुई होती है उसके फेमली ट्रांसफर पर स्टैम्प ड्यूटी में एग्जैम्पशन नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से हमारे बड़े ही उदार दिल मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करूंगा जिन्होंने लोगों को बहुत सी राहतें दी हैं वे इस पर जरूर विचार करें। अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में यह भी कहा गया है कि जो किसान कर्ज नहीं चुका पायेंगे उनकी गिरफ्तारी नहीं की जायेगी। यह बहुत ही सराहनीय कदम है। जबकि विपक्ष में बैठे साथी पहले तो लोगों को भड़काते थे कि तुम कर्जा मत दो हमारी सरकार आने पर माफ कर देंगे, तुम बिजली के बिल मत भरो हमारी सरकार आने पर माफ कर देंगे लेकिन किया कुछ नहीं। इन्होंने कभी कण्डेला में गोलियां चलवाई, कभी मंडीवाली में लोगों को मरवाया और भोले-भाले किसानों को जेलों में बंद किया। मैं हमारे मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करूंगा कि इन्होंने

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

जो किसान कण्डेला कांड में मारे गये थे या दूसरे कांडों में मारे गये थे उनके आश्रितों को रोजगार दिया है। अध्यक्ष महोदय, किसानों द्वारा कर्ज न चुकाने पर उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जायेगा यह संशोधन लाकर मुख्यमंत्री जी ने बहुत अच्छा काम किया है। इसके साथ-साथ मैं मुख्यमंत्री जी से यह भी प्रार्थना करना चाहूंगा कि बैंकों में अभी एक व्यवस्था बाकी है कि जो किसान कर्ज नहीं चुकाता उसकी जमीन बेचकर वसूली की जाती है। मेरी मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना है कि वे इस तरह से किसान की जमीन को न बिकने दें और इस नियम को खत्म करें। हमारे मुख्यमंत्री जी ही हैं जो किसानों को इस तरह की रियायत दे सकते हैं इसलिए इस पर वे जरूर विचार करें। अध्यक्ष महोदय, पंजाब और हरियाणा का हाई कोर्ट एक है और जो एडवोलेरियम कोर्ट फीस है वह पंजाब में कम है और हरियाणा में ज्यादा है। वकील अपने मुक्किल से पूरी फीस ले लेते हैं और पंजाब में वह फीस कम जमा करवा देते हैं। ऐसा होने पर हमारे लोगों से वकील तो पूरी फीस ले लेते हैं लेकिन जमा कम होती है जिससे हमारे प्रदेश के लोगों को हानि हो रही है। इसलिए मैं मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि इस फीस को पंजाब के बराबर किया जाये ताकि वकीलों की जेबों में यह पैसा जाने से रोका जाये। इसके अतिरिक्त मैं यह भी कहना चाहूंगा कि जो किसान क्रेडिट कार्ड से एक लाख रुपये से ऊपर का लोन लेते हैं उसकी सेल डीड की फी लगती है। उसको भी माफ किया जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, अब मैं खेलों के बारे में जिक्र करना चाहूंगा कि हमारी सरकार ने खेलों में पदक लाने वालों के लिए नौकरियों में पद आरक्षित करके बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। इसके अतिरिक्त गांवों के विकास के लिए रूरल डिवैल्पमेंट एथोरिटी बनाकर बहुत ही प्रशंसनीय कार्य किया है और हरियाणा अर्बन डिवैल्पमेंट एथोरिटी में जिस तरह से सुधार करके योग्य अधिकारियों को वहां पर लगाया है, यह बहुत ही अच्छा काम हमारे मुख्यमंत्री जी ने किया है। यदि हम चौटाला साहब के राज को याद करें तो पता चलता है कि उस समय किस तरीके से हुआ की जमीनों की ऑक्शन बंदूकों की नोक पर करवाई जाती थी और अपने चहेतों को अरबों रुपये की जमीन मनमाने दामों पर दी जाती थी।

श्री बलवंत सिंह : अध्यक्ष महोदय, * * *

श्री अध्यक्ष : सद्दौरा जी, प्लीज आप बैठें। सद्दौरा जी की कोई भी बात रिकार्ड न की जाये।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से पिछली सरकार के समय में पैसे लेकर लोगों की जमीनें रिलीज की जाती थी लेकिन आज की सरकार अगर रिलीज करती है तो जरूरतमंद लोगों की ही रिलीज करती है और सरकार का काम क्या है अगर सरकार की निगाह में बात आती है तो सरकार करेगी। लेकिन ये तो किसानों को उराकर गुडगावां, फरीदाबाद और पंचकुला में जमीनें एकवायर कर लेते थे। स्पीकर सर, लोग इनकी काली करतूतों को भुला नहीं सकेंगे कि जो लोग इनको जमीन देने के लिए तैयार नहीं होते थे किस तरीके से उनकी जमीनों को एकवायर करने के नोटिस भिजवा दिया करते थे।

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : स्पीकर सर, आपको तो याद होगा क्योंकि आप भी उस प्रतिनिधि मण्डल के सदस्य थे कि करोड़ों रुपयों की सम्पत्ति कोड़ियों के भाव इनकी सरकार ने गुडगावां में दी। इन्होंने ऑक्शन को पूरी तरह से मैनीपलेट कर लिया था और जब महामहिम राज्यपाल महोदय ने रिकार्ड मंगवाया तो घबराकर करोड़ों की उस ऑक्शन को इन्होंने विधान सभा में ध्यान देने के बावजूद कि हम वापिस नहीं लेंगे वापिस ले लिया था। वे रिकार्ड पर कहे

* श्रेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

कि उस आक्शन को इन्होंने वापस नहीं लिया। इनको उस आक्शन को खारिज करना पड़ा क्योंकि उस समय महामहिम राज्यपाल ने उनकी काली करतूतों का सारा रिकॉर्ड मंगवा लिया।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा पब्लिक सर्विस कमिशन में योग्य आदमियों की नियुक्ति न करके ये अपने चहेतों को वहां बैठाकर मनमाने तरीके से कानूनों की ताक पर रखकर नियुक्तियां करवाया करते थे। देश के इतिहास में संविधान की इतनी बड़ी उल्लंघना कहीं आपको नजर नहीं आयेगी। माननीय ओमप्रकाश चौटाला जी को जब यह पता लगा कि उनकी छुट्टी होने वाली है तमाम के तमाम एच०पी०एस०सी० के सदस्यों और चेंबरमैन को बुला करके इस्तीफा करवा दिया जबकि उनकी टर्म पक्की होती है ऐसी संविधान में व्यवस्था है। फिर भी उनको अगले 6 साल के लिए नियुक्त करके चले गये और स्पीकर सर, सुप्रीम कोर्ट में सरकार की तरफ से गलत ऐफिडेविट देने में भी चौटाला को परहेज नहीं हुआ करता था। ऐसे महान ओमप्रकाश चौटाला जी की काली करतूतें इस हरियाणा में रही हैं। स्पीकर सर, हरियाणा सरकार ने आज दूरिज्म को कितना बढ़ावा दिया है। आज हमारी मंत्री जी विदेशों में दूरिज्म को अट्रैक्ट करने के लिए उन लोगों को बताने लगी हैं कि हरियाणा में कितने अच्छे डैस्टीनेशन हैं। इनके जमाने में भी विदेशों में जाया करते थे चौटाला साहब, मंत्रियों को भी ले जाया करते थे और अधिकारियों को भी विदेशों में लेकर जाते थे। पहले तो इन्होंने देखा कि दूरिज्म में कौन-कौन से ऐसे बेशकीमती स्थान हैं जो वे बेच सकें या खाली करवायें। अध्यक्ष महोदय, पफीन चण्डीगढ़ में दूरिज्म का एक बहुत महत्वपूर्ण दूरिज्म स्थान था और चौटाला जी ने उस वक्त के एम०डी० पर जो कि एक महिला अधिकारी थी दबाव डाल करके जबरदस्ती उसको खाली करवा कर उसके मालिकों को बिकवा दिया। चण्डीगढ़ में PWD का रैस्टहाऊस ओमप्रकाश चौटाला जी ने अपने चहेते लोगों को बिकवा दिया। हरियाणा की न जाने कहां-कहां जमीन जो पड़ी हुई थी उनको बेचने का इन्तजाम इन्होंने किया हुआ था। कोओपरेटिव डिपार्टमेंट की बहुत जमीन थी फेक आक्शन दिखा करके उन्हें अपने और अपने आदमियों के नाम करवा लिया। अध्यक्ष महोदय, इनके इन काले कारनामों की गाथा कई दिन में भी खत्म नहीं हो सकती। सिरसा के अन्दर बिजली विभाग की जमीन जिसमें हमारे अधिकारी रहा करते थे अध्यक्ष महोदय, ये मुख्यमंत्री थे और उसी जिले के रहने वाले हैं। अध्यक्ष महोदय, इनकी पुलिस ने इनके गुण्डों के साथ मिलकर रातों रात एस०ई० और XEN के मकानों पर बुलडोजर चला कर उनकी जमीनों पर कब्जा किया था। अध्यक्ष महोदय, अभिभाषण में जो राज्यपाल महोदय ने बताया है कि हरियाणा में फोरेस्ट कवर बढ़ रहा है। यह बहुत अच्छी बात है और इस बात के लिए हम सरकार की प्रशंसा करते हैं। यह सरकार हरियाणा में पर्यावरण को सुधारने के लिए फोरेस्ट कवर बढ़ा रही है। और एक ये श्रीमान जी बैठे हैं जो कैसे भोले और नावान दिखाई दे रहे हैं आप देखिये तो ये देख भी नहीं रहे हैं। देखना तो बाहिए (विघ्न एवं शोर) इतने जघन्य अपराध किये हैं अपने जमाने में जिसको कानून तो क्या भगवान के यहां भी माफ़ी नहीं होगी। स्पीकर सर, भाखड़ा में लाईन पर और उसके रजवाहों पर शीशम के बहुत बड़े-बड़े पेड़ थे जो बेशकीमती इमारती लकड़ी थी मुख्यमंत्री होते हुए हरे पेड़ इन्होंने कुल्हाड़ों से कटवाये। जितने भी चौ० देवीलाल के नाम पर ट्रस्ट बने हुए हैं, जितने भी इनके निजी मवन और अय्यास घर बने हुए हैं सबके अन्दर वो हरियाणा के लोगों की लकड़ी उन मकानों में लगी हुई है इसकी जांच होनी चाहिए और उसकी कीमत इनसे वसूलनी चाहिए। स्पीकर सर, इन्होंने चौ० देवीलाल के नाम से जो जगह-जगह बुल लगाये। अध्यक्ष महोदय, बुल लगाना कोई बुरी बात नहीं लेकिन जिस तरीके से कानून को ताक पर रखकर जो बुल लगवाये हैं उस बारे में आज तक ये नहीं बता सके हैं कि इनमें जो पैसा लगा हुआ

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

है वो पैसा कहां से आया ? अब तो चौधरी देवी लाल जी भी इनके कुछ नहीं लगते। इन बुतों पर मिट्टी, धूल या कुछ और गिर रहा है लेकिन ये वहां पर उनको झांकने के लिए भी नहीं जाते। अध्यक्ष महोदय, मेरा यह अनुरोध है कि सारे हरियाणा से उन बुतों को उखड़वा कर चौटाला साहब के गांव में स्मारक बनवा देना चाहिए या कोई म्यूजियम बनवा देना चाहिए। वे सारे बुत वहां पर रहें और ये उनकी देखभाल करें और यदि जरूरत हो तो इसमें सरकार उनकी मदद करे। स्पीकर सर, इन्होंने चौधरी देवी लाल के नाम पर कई ट्रस्ट बनाए हुए हैं जिनमें अनाप-हानाप ढंग से पैसा इकट्ठा किया हुआ है। हजारों करोड़ रुपये का धन इन ट्रस्टों में पड़ा हुआ है। इस प्रकार से इन संस्थाओं में जो पैसा पड़ा हुआ है ऐसी संस्थाओं को टेकओवर करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय संसदीय कार्यमन्त्री जी से यह निवेदन करूंगा कि इस प्रकार के सभी ट्रस्ट जो चौधरी देवी लाल के नाम पर इन्होंने बनाए हुए हैं उनको टेक ओवर करने के लिए सदन में बिल लेकर आए। (विघ्न)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं यह निवेदन करता हूँ कि अगर इन बुतों को उखड़वाना हो तो इनकी राय हो तो इस काम का कांटेक्ट इनको दे सकते हैं।

श्री अध्यक्ष : संसदीय मन्त्री जी यह कह रहे हैं कि अगर आप सहमत हों तो इन बुतों को उतरवाने का ठेका आपको दिया जा सकता है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, उनकी मन्शा ऐसी लगती है। यदि इनकी मन्शा हो तो दलाल साहब बुतों का काम लेने के लिए तैयार हैं। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, अगर मुझे बुत बनवाने का ठेका देंगे तो एक चीज का दावा तो मैं करता हूँ कि उनके बुत काले नहीं बनवाऊंगा क्योंकि चौधरी देवी लाल जी काले तो थे नहीं, इन्होंने तो उनका रंग ही बदल दिया। अगर मुझे बुत बनवाने दें तो जैसी हमारे बुजुर्गों की शान थी, जैसा उनका रंग था, मैं वैसे ही बुत बनवाऊंगा। यह बात तो चौटाला साहब ही बता सकते हैं कि इनके मन में क्या इजहार था जो इन्होंने काले रंग के बुत बनवाए। स्पीकर सर, किस तरह से इन्होंने हरियाणा की जायदाद को लूटा। आपके माध्यम से माननीय मुख्यमन्त्री जी से मेरा अनुरोध है कि इनकी मिली-भगत से एच०एस०आई०डी०सी० के माध्यम से प्रकाश सिंह बादल को जो ओरबिट रिसोर्ट की जगह मिली हुई थी जिसका मुकदमा सुप्रीम कोर्ट में हरियाणा की सरकार जीतने वाली थी और बदकिस्मती से ये मुख्य मन्त्री बन गए। इनके मुख्य मन्त्री बनते ही इनकी मिली भगत से प्रकाश सिंह बादल वह मुकदमा जीत गये। इस रिसोर्ट में लूट की कमाई लगी हुई है। जिसमें इनका भी हिस्सा है। अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मैं माननीय संसदीय कार्य मन्त्री जी से यह निवेदन करूंगा कि एक बिल इस बात का भी लाया जाए कि ओरबिट रिसोर्ट को हरियाणा सरकार टेक ओवर करे। हमारे संसाधनों और हमारी धरती पर इस तरह की लूट-खसूट की इजाजत नहीं होनी चाहिए। अगर ऐसा होता है तो इससे लोगों में भय होगा कि अगर कभी भी कोई व्यक्ति हरियाणा के लोगों के हितों के साथ खिलवाड़ करेगा तो उसका अन्जाम क्या हो सकता है। अध्यक्ष महोदय, ऐसे कामों में इनको महारत हासिल है रिश्तों के मामलों से तो इनका कुछ नहीं बना तो फिजी के प्राईम मिनिस्टर महेन्द्र सिंह चौधरी को अपना निशाना बना लिया और उनके नाम पर करोड़ों रुपये लोगों से बटोरे बैठे हैं। स्पीकर साहब, मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि जनता का वह पैसा भी इनसे निकलवाया जाए। ये नाम लेंगे और सरकार को भी इस बात को मान लेना

चाहिए कि चौटाला जी प्यार की भाषा नहीं समझते हैं। जब ये मुख्य मन्त्री थे तो सदन में कहा करते थे कि जब तक जिन्दा रहूंगा तब तक मुख्य मन्त्री रहूंगा और विरोधियों की छाती पर दाल दलवाऊंगा। सदन से बाहर ये कहा करते थे कि यदि डर के मारे विरोधी रात को करवटें न बदलें तो फिर मैं मुख्यमन्त्री किस चीज का। अध्यक्ष महोदय, ये प्यार की भाषा नहीं समझेंगे यह तो इनकी मजबूरी है इसलिए इनको तो दूसरी भाषा में ही समझना पड़ेगा। अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से सरकार से मेरा निवेदन है कि इस तरह से जो काम इन्होंने किए हैं उनकी सजा इनको मिलनी चाहिए। संवैधानिक संस्थाओं को कायम करके जिस प्रकार से इस सरकार ने लोगों की भलाई के काम किए हैं, जिस प्रकार से बिजली, सिंचाई और शिक्षा के क्षेत्रों में सुधार किया है वह प्रशंसा के योग्य है और महामहिम राज्य पाल महोदय जी ने अपने अभिभाषण में प्रदेश की तरक्की का आईना जनता को दिखाया है, मैं उम्मीद करता हूँ कि आने वाले दिनों में हरियाणा प्रदेश दिन दूनी, रात चौगुणी तरक्की करेगा।

17.00 बजे श्रीमती गीता भुक्कल (कलायत, एस०सी०) : अध्यक्ष महोदय, श्री कर्ण सिंह दलाल जी ने महामहिम राज्यपाल महोदय के 9 मार्च, 2007 के अभिभाषण पर जो प्रस्ताव रखा है मैं भी उसको सँकेड करते हुए उसके समर्थन में बोलने के लिए खड़ी हुई हूँ। (इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य श्री आनन्द सिंह डांगी पदासीन हुए) सभापति महोदय, हरियाणा में माननीय मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के नेतृत्व में सरकार ने सफलतापूर्ण दो साल पूरे किए हैं। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी को और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों को बधाई देती हूँ। सभापति महोदय, मैं एक बात बड़े ही गर्व के साथ कहना चाहती हूँ कि आज हरियाणा में एक ऐसी पार्टी की सरकार है जो कमी भी किसी व्यक्ति, परिवार, जाति, धर्म के लोगों की नहीं है। यह एक ऐसी पार्टी की सरकार है जो राष्ट्रीय आन्दोलन चलाने वाली पार्टी है। आज हरियाणा में जितने भी मजदूर हैं, बुजुर्ग हैं, नौजवान हैं, हिन्दू हैं, सिख हैं, मुसलमान हैं और ईसाई हैं वे इस सरकार में अपने आप को सुरक्षित महसूस करते हैं। हमारे मुख्यमंत्री जी का लक्ष्य रहा है कि हरियाणा को देश का नम्बर एक राज्य बनाना है। जिसके तहत हर हाथ को काम, हर घर में बिजली, हर खेत को पानी, हर गाँव को पक्की सड़कें और गलियाँ, हर आदमी को पीने का स्वच्छ जल तथा पढ़ाई के अच्छे इन्तजाम किए जाएंगे। सभी को समान रोजगार के साधन मिलें ऐसी हमारे मुख्यमंत्री जी की सोच है। सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन में बताना चाहूँगी कि आज हरियाणा में विकास का पहिया पूरे जोर-शोर से घूम रहा है। यह सब आपने भी देखा है, हमारी पार्टी की नेता श्रीमती सोनिया गांधी जी ने हमारी सरकार की उपलब्धियों पर हमारी सरकार और हमारे मुख्यमंत्री जी की पीठ थपथपाई है। सभापति महोदय, पिछली सरकार के वक्त में कोई भी कार्य हुए हैं। उसका सबसे ज्यादा भुगत भोगी हमारा क्षेत्र रहा है। मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला जी हमारे पड़ोस से चुनाव लड़ा करते थे और वहाँ से मुख्यमंत्री थे। मुझे नहीं लगता है कि इनके राज में एक भी विकास का कार्य वहाँ पर हुआ था इन्होंने हर जगह पत्थर लगा दिया है। हमारी इस सरकार के आने के बाद सभी तरफ विकास के कार्य होने आरम्भ हो गए हैं। सभापति महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा करते हुए सबसे पहले मैं कृषि क्षेत्र के विकास की बात कहना चाहूँगी। हमारी सरकार के दो साल के कार्यकाल में कृषि के क्षेत्र में बहुत ही उत्साहजनक कार्य किए गए हैं। और उसके परिणाम सामने आए हैं। सभापति महोदय, हमारा प्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है। सभापति महोदय, जो हमारे अन्नदाता हैं हमारी सरकार ने उनका सम्मान किया है। पिछली सरकार ने तो किसानों की छातियों पर गोलियाँ चलवाई थी। इसमें हमारे शिमला गाँव का एक किसान राम

[श्रीमती गीता भुक्कल]

स्वरूप भी था जिसकी गोली लगने से मौत हो गई थी। हमारी सरकार ने उन सभी लोगों के परिवार में से एक सदस्य को जिनकी उस आन्दोलन में मौत हो गई थी नौकरी देने का काम किया है। पिछली सरकार ने किसानों के साथ बहुत धोखा किया था। उन्होंने किसानों को बिजली के बिल न भरने की बात कही थी और उनको कहा था कि जब वे सत्ता में आएंगे तो वे उनके बिजली के बिल माफ कर देंगे जिसकी वजह से किसानों पर बहुत भारी कर्ज चढ़ गया था लेकिन हमारी सरकार ने आते ही उन किसानों के 1600 करोड़ रुपए के कर्ज को माफ करके एक बहुत बड़ी राहत देने का काम किया है। यह हमारी सरकार के या पार्टी के घोषणा पत्र के किसी भी वायदे में शामिल नहीं था। पिछली सरकार की अगर हम बात करें तो जो दगा उन्होंने किसानों के साथ किया है वह कोई नहीं कर सकता है। उन्होंने हर टेल पर पानी पहुंचाने की बात की थी, लेकिन हर जगह पर सासफूस और गन्ध से टेलें भरी पड़ी थीं। इनके राज में कहीं भी किसी रजबाहे की सफाई नहीं करवाई गई थी। हमारी सरकार ने आते ही हर उस व्यक्ति को, हर उस किसान को जिनकी किसी काण्ड में हत्या पिछली सरकार के वक्त में हुई थी, उनको शहीद का दर्जा दिया है और हर उस व्यक्ति के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का कार्य किया है। हमारी सरकार ने गन्ने का मूल्य 138 रुपए प्रति क्विंटल करके किसानों का सम्मान किया है। हमें याद है कि पिछली सरकार के दौरान गन्ने का भाव 25 पैसे, 50 पैसे और एक रुपया बढ़ाया जाता था। आज उत्पादन की लागत को बढ़ाने के लिए हमारी सरकार ने बागवानी और मतस्य पालन के लिए बिजली शुल्क में 50 प्रतिशत की कमी की है। गेहूँ का समर्थन मूल्य एकमुश्त 100 रुपए बढ़ाकर 750 रुपए प्रति क्विंटल किया है। दो सालों में खरीफ का उत्पादन 44.98 हुआ है जो कि प्रदेश के इतिहास में अपने आप में एक रिकार्ड है। आज हरियाणा देश में बासमती चावल का सबसे बड़ा निर्यातक राज्य बना है। सभापति महोदय, अगर हम पिछली सरकार की बात करें तो वह चुनावों से पहले किसानों के ऋण माफ करने की बात करती थी और उनकी सरकार बनने के बाद ऋण न चुकाने पर किसानों को जेलों में बंद कर दिया जाता था। हमारी सरकार के बनते ही मुख्यमंत्री जी ने सबसे पहले यह निर्णय लिया कि अगर किसान से सरकारी ऋणों की वसूली नहीं हो पाती है तो उनकी गिरफ्तारी नहीं होगी। हमारी सरकार ने जिले स्तर पर कर्जा राहत बोर्डों का भी गठन किया है और कृषि ऋणों की ब्याज दर दस परसेंट से घटाकर सात परसेंट की है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने उन किसानों, ग्रामीणों, छोटे दुकानदारों, एस०सीज० और बी०सीज० के लिए जिन्होंने कोओपरेटिव सोसायटीज से लोन लिया था और यदि वे किसी कारणवश अभी तक अपना लोन न चुका पाए हैं तो उनके लिए भी मूलधन जमा करने पर ब्याज नाफी की घोषणा की है यदि वे 30 जून, 2007 तक अपना मूलधन जमा करवा देते हैं तो उनका सारा ब्याज माफ कर दिया जाएगा। सभापति महोदय, हमारी सरकार ने गऊशालाओं पर भी ध्यान दिया है। 176 रजिस्टर्ड गऊशालाओं को एक-एक लाख रुपये अनुदान राशि के रूप में हमारी सरकार ने दिए हैं। इसी के साथ गऊशालाओं में वैटनरी होस्पिटल्स खोलने का प्रावधान भी किया गया है। इसके अलावा हमारी सरकार ने पशुधन बीमा योजना शुरू करने का भी फैसला किया है। सभापति महोदय, अगर हम प्राकृतिक आपदाओं की बात करें तो प्राकृतिक आपदाओं पर किसी का वश नहीं चलता है लेकिन यदि कभी भी किसी भी किसान की फसल का नुकसान होगा तो उसकी तुरन्त गिरदावरी के आदेश देकर उसी समय से उसको मुआवजा राशि देने की घोषणा हमारी सरकार ने की है। इसी तरह से दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्यों के लिए भी सामूहिक बीमा योजना की शुरुआत हमारी सरकार

ने की है। इस तरह से सही मायनों में अगर किसान हितैषी कोई सरकार है तो वह हमारी कांग्रेस पार्टी की चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सरकार है। समापति महोदय, अगर मैं सिंचाई सुविधाओं की बात करूँ तो सबसे ज्यादा सर्वोच्च प्राथमिकता हमारी सरकार ने सिंचाई के साधनों को दी है। हर किसान की सूखी धरती को पानी देने का कार्य भी हमारी सरकार द्वारा किया गया है, हर टेल तक पानी देने का कार्य हमारी सरकार ने किया है। इसी तरह से न्यायोचित पानी के बंटवारे के लिए भी हमारी सरकार शुरू से ही प्रयासरत है। समापति महोदय, मैं इस बारे में कहना चाहूँगी कि हम अपने हिस्से का पानी जरूर लेकर रहेंगे। सतलुज यमुना लिंक कैनाल के जरिए रावी व्यास का पानी हम जरूर लेकर रहेंगे। समापति महोदय, अभी यह मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है लेकिन अरली हीयरिंग के लिए हमारी सरकार द्वारा ऐप्लीकेशन वहां पर डाली जा चुकी है। हमारी सरकार ने समान जल बंटवारे के लिए बाल की है। इसके अलावा दक्षिणी हरियाणा के अन्तिम छोर तक पानी पहुंचाने के लिए हांसी बुटाना लिंक कैनाल बनाने पर भी जोर शोर से काम चल रहा है। यह कैनाल 109 किलोमीटर लम्बी होगी तथा इस कैनाल की कैपेसिटी दो हजार क्यूबिक की होगी और 260 करोड़ रुपये की लागत इस पर आएगी। इसके अलावा दादूपूर नलवी नहर परियोजना का कार्य भी प्राथमिकता के आधार पर शुरू हो चुका है, इस पर 267 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस तरह से आज हर गांव के लिए नए नए माईनर्ज का निर्माण हो रहा है, रजवाहों की रिपेयर करवायी जा रही है। युद्ध स्तर पर रजवाहों को ठीक करने का कार्य चल रहा है। इसी तरह से बाढ़ की रोकथाम के लिए भी नयी परियोजनाएं हमारी सरकार ने चलायी हैं। समापति महोदय, मैं एक बात और कहना चाहूँगी कि अगर किसान की हितैषी कोई सरकार है तो वह हमारी कांग्रेस पार्टी की यह सरकार है। बिजली की अगर हम बात करें तो यह कहा जाता है कि बिजली की बहुत बड़ी समस्या है। मैं समझती हूँ कि यह सब का सब पुरानी सरकारों का किया घरा है। हमारी सरकार को बहुत ही गली सड़ी व्यवस्था मिली है इसलिए इसको सुधारने में समय लगेगा। माननीय मुख्यमंत्री जी ने बिजली के लिए बहुत से ऐतिहासिक फैसले किए हैं। पिछली सरकार ने तो वोटों की राजनीति के लिए कर्ज भाफी का केवल ढिंढोरा ही पीटा था लेकिन हमारे मुख्यमंत्री जी ने 1600 करोड़ रुपये के बिजली के बिल्ड भाफ किए हैं जबकि पिछली सरकार ने केवल वोट लेने के लिए ज्यादा से ज्यादा महंगे दामों पर बिजली खरीदी थी लेकिन बिजली के सुधार के लिए कोई पैसे का इंतजाम नहीं किया था। समापति महोदय, 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान 6180 करोड़ रुपये सम्प्रेषण प्रणाली के लिए और 5854 करोड़ रुपये वितरण प्रणाली के लिए खर्च किए जाएंगे। पिछले दो सालों के दौरान हमारी सरकार ने पूरे हरियाणा प्रदेश में करीबन 36 नये सब स्टेशन का कार्य करवाया है, 124 उप केन्द्रों की क्षमता बढ़ाने का काम किया है और 19719 नये ट्रांसफार्मर हमारी सरकार ने लगाए हैं। पिछली सरकारों के दौरान बहुत से हादसे गली सड़ी तारों की वजह से हुए। गांवों में वे तार ऐसे ही लटकती रहती थीं। हमारी सरकार ने 834 किलोमीटर लम्बी नयी ट्रांसमिशन लाईनें बिछाने का कार्य किया है। राजीव गांधी विद्युतीकरण योजना के नाम से एक योजना चलायी गयी है। इससे गांवों में बिजली का सुधार होगा। इसके अलावा हमारी सरकार ने गरीबी की रेखा से नीचे रहने वाले 25 हजार परिवारों को 2007 में बिजली के कनेक्शन देने का भी वायदा किया है। जहां तक सदन में शॉर्ट टर्म इलेक्ट्रिसिटी परचेज की चर्चा हुई ! हमारी सरकार ने 2003 से 2004 के दौरान 607.25 करोड़ रुपये की बिजली परचेज की। 2004-05 में 814 करोड़ की बिजली ली लेकिन हमारी सरकार ने 2006 से फरवरी 2007 तक करीबन 1240.71 करोड़ रुपये की बिजली परचेज की। हमारी सरकार का लक्ष्य 3 से 4 साल के अंदर

[श्रीमती गीता भुक्कल]

अगर 24 घंटे नहीं तो जैसे हमारे मुख्यमंत्री जी की सोच है 20 से 22 घंटे बिजली देने का कार्य हमारी सरकार करेगी। इसके लिए बिजली की उत्पादन क्षमता में 5 हजार मेगावाट की वृद्धि करने का लक्ष्य है। 2007 से 2012 तक करीबन 9497 करोड़ का इन्वेस्टमेंट किया जा चुका है। इस समय यमुनानगर थर्मल पावर प्लांट जिसकी कैपेसिटी 600 मेगावाट की है उसमें 300 मेगावाट का कार्य नवम्बर, 2007 तक पूर्ण हो जाएगा और अगले 300 मेगावाट का कार्य फरवरी, 2008 तक पूर्ण हो जाएगा जिससे हमारे हरियाणा प्रदेश को जो आज इतनी बिजली की समस्या से जूझ रहा है उससे हमें राहत मिलेगी। इसके अलावा हिसार में 1200 मेगावाट का प्लांट लगाने की मंजूरी मिल चुकी है। झज्जर में 1200 मेगावाट का कोल बेस्ड प्लांट लगाने का प्रोजेक्ट मंजूर हो चुका है। इसी प्रकार फतेहाबाद में 2800 मेगावाट परमाणु बिजली संयंत्र लगाने को मंजूरी मिल चुकी है। हमारी सरकार पूरी तरह प्रयासरत है कि पुरानी गली सड़ी व्यवस्था में किसी तरह से सुधार करके बिजली की स्थिति में जल्दी से जल्दी सुधार किया जाए। एन०टी०पी०सी० के साथ हमारी सरकार ने 1500 मेगावाट का पावर प्लांट लगाने का समझौता किया है, जिसमें से 750 मेगावाट बिजली हमारे हरियाणा प्रदेश को प्राप्त होगी। अक्षय उर्जा के क्षेत्र में भी हमारी सरकार काम कर रही है ताकि बिजली की समस्या का हम समाधान कर सकें। इसके लिए 150 लाख रुपये की लागत से राजीव गांधी अक्षय उर्जा केन्द्र का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। मैं समझती हूँ कि जब तक हमारी सरकार के पांच वर्ष पूरे होंगे तब तक यह समस्या पूरी तरह से हल हो जाएगी। समापति महोदय, अब मैं उद्योग, श्रम एवं रोजगार के बारे में बात करना चाहूँगी। जब ओम प्रकाश चौटाला जी की सरकार थी तब प्रदेश में भय का वातावरण था। चारों तरफ भय और भ्रष्टाचार का बोलबाला था। यहाँ पर उद्योगपति उद्योग धंधे लगाना नहीं चाहते थे। हमें अच्छी तरह से याद है कि बहुत से ऐसे उद्योग थे जो यहाँ लगे हुए थे लेकिन उन्होंने तंग आकर यहाँ से पलायन किया था। जैसे ही हमारी सरकार बनी और नयी उद्योग नीति लागू हुई उससे प्रदेश का कायाकल्प हुआ है। उद्योगपति उद्योग धंधे अब हरियाणा में लगाना चाहते हैं। इस समय लोग ज्यादा से ज्यादा यहाँ पर निवेश कर रहे हैं। इस समय हरियाणा में अमन चैन का और अनुकूल सा वातावरण है। अच्छी कानून-व्यवस्था है और हमारे पास बहुत ही अच्छा इन्फ्रास्ट्रक्चर है। हमारे यहाँ फ्रेंडली पॉलिसी हैं। इन सब के फलस्वरूप गत दो वर्षों में 2-हजार करोड़ का निवेश हुआ है और 53 हजार करोड़ रुपये का इन्वेस्टमेंट हमारे यहाँ अभी पाइप लाइन में है। हरियाणा प्रदेश के गठन से लेकर अब तक 8100 करोड़ रुपये का पूँजी निवेश यहाँ हुआ था जबकि गत दो वर्षों के कार्यकाल में माननीय मुख्यमंत्री जी के गतिशील नेतृत्व में 1499 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। जो कि अपने आप में एक बहुत ही सराहनीय बात है। हमारी स्टेट के पास स्पेशल इकोनॉमिक जोन लगाने के लिए नैक्सिमन ऐप्लीकेशंस आई हैं और 49 एस०ई०जैड० को भारत सरकार ने सैद्धांतिक रूप से स्वीकृति प्रदान की है। करीबन 1 लाख 75 हजार करोड़ रुपये का निवेश इसमें होगा। 20 लाख लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान होंगे। पेट्रो केमिकल हब जो कि पानीपत में पानीपत रिफ़ाइनरी के साथ मिलकर लगाया जाएगा। करीबन 4 हजार एकड़ पर 15 हजार करोड़ रुपये की इन्वेस्टमेंट होगी। जिससे हमारे बच्चों को ज्यादा से ज्यादा रोजगार के अवसर मिलेंगे। हमारे यहाँ पर मजदूरों के साथ मालिकों के काफी दोस्ताना संबंध हैं और इन हारमोनियस इंडस्ट्रियल रिलेशंस को देखते हुए लेबर डिपार्टमेंट ने बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। हरियाणा प्रदेश देश का पहला राज्य है जहाँ श्रमिकों की समस्याओं को देखते हुए इनकी रक्षा के लिए नयी

श्रम नीति लागू की है और वैल्फेयर बोर्ड का गठन किया है और अनस्किल्ड लेबर को हमारी सरकार ने, माननीय मुख्यमंत्री जी ने 3510 रुपये मिनिमम वेजिज देने की घोषणा की है जो कि पूरे देश में सबसे अधिक है। हमारी सरकार ने इम्प्लोयमेंट अलाउंसिज, 2005 फॉर ऐंजुकेटेड अन इम्प्लोयड नामक नयी योजना की शुरुआत की है। विदेशों में बढ़ती मांग को देखते हुए जिस प्रकार से स्किल्ड और अनस्किल्ड, टैक्नीकल, आई०टी०आई०, प्रोफेसर, डाक्टर्ज आदि के लिए पंचकुला में एक प्लेसमेंट ब्यूरो की स्थापना की है। जोकि रजिस्टर्ड और एथोराइज्ड है। इससे विदेशों में हमारे प्रदेश के लोगों को रोजगार के साधन मिलेंगे। अगर मैं ऐक्ससाईज और टैक्सेशन की बात करूँ तो हमारी सरकार ने इसमें भी कन्जूमर के लिए, मैन्यूफैक्चरर्स के लिए, ट्रेडिंग कम्प्यूनिटी के लिए, फार्मर्ज के लिए एक बहुत ही अच्छा फ्रेण्डली माहौल यहाँ पर बनाया है। हमारी सरकार इसके लिए वचनबद्ध है कि यहाँ पर अच्छे से अच्छा माहौल इनको दिया जाए। पिछली सरकार के समय में शराब के ठेके किस प्रकार से आबंटित किए जाते थे ये सभी को अच्छी तरह से याद है। पिछली सरकार के समय में केवल अपने रिश्तेदारों को और प्यारों को शराब के ठेके आबंटित किए जाते थे। वर्तमान सरकार ने इस बारे में एक ट्रांसपेरेण्ट पोलिसी बनाई है उस पालिसी के तहत आवेदन किए जायेंगे और लॉटरी के माध्यम से ठेकों का आबंटन किया जायेगा। हमारी सरकार की नीति से रेवेन्यू डिपार्टमेंट में भी बहुत इजाफा हुआ है। चेयरमैन महोदय, आज आम आदमी जानता है कि हरियाणा से शराब माफिया का सफाया हुआ है और नीलामी की प्रतिशतता में अगर बढ़ोतरी की बात हम करें तो वर्ष 2004-2005 में 717.75 करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे जोकि केवल 3.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी थी। हमारी सरकार के समय के दौरान वर्ष 2005-2006 में 837.99 करोड़ रुपये की नीलामी की राशि प्राप्त हुई है जिसमें सीधी 16.75 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है और 120 करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। अगर हैल्थ की बात करें तो हमारी सरकार ने शिक्षा-स्वास्थ्य पर पूरी तरह से ध्यान दिया है। जिस हिसाब से गावों में हमने देखा है कि चाहे अस्पतालों की हालत है, चाहे सी०एच०सी० या पी०एच०सी० की हालत है, उसमें सुधार हुआ है। हमारी सरकार ने विशेषतौर पर गरीब तबके के स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान दिया है। स्पीकर सर, ग्रामीण अंचल में रहने वाली महिलाओं के लिए हमारी सरकार ने हर गांव में मैटरनिटी हट्स खोलने का काम किया है ताकि उन माता-बहनों को डिलीवरी के समय किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो। हमारी सरकार ने पूरे हरियाणा में गरीब परिवारों की देखभाल के लिए रुरल हैल्थ कमीशन के तहत सात हजार आशा वर्करज को नियुक्त किया है। बी०पी०एल० फैमलीज का ध्यान रखने के लिए जिनके पास स्वास्थ्य सेवा के लिए पैसा उपलब्ध नहीं है हमारी सरकार ने आरोग्य स्वास्थ्य कोष की स्थापना की है। इसके अलावा जननी सुविधा योजना के तहत मलिन बस्तियों में रहने वाली हमारी माताएं व बहनों के लिए जिनके पास न तो पैसा है और न ही समय है उनके लिए यह जननी सुविधा योजना शुरू की है। इसके अलावा मोबाईल मैडीकल यूनिट हर गांव-गांव में और ऐसे रिमोट एरिया में ले जाये का कार्य किया है ताकि प्रदेश का कोई भी क्षेत्र स्वास्थ्य के हिसाब से वंचित न रह जाए। 18 साल से कम उम्र की स्कूल जाने वाली लड़कियों के लिए हैल्थ कार्ड बनाने का कार्य किया है, क्योंकि सरकारी स्कूलों में ज्यादातर गरीब तबके के बच्चे ही पढ़ते हैं। उनके स्वास्थ्य पर सरकार ने ध्यान दिया है क्योंकि ज्यादातर बच्चों को नामोनिया की शिकायत है, आयरन की कमी है। हमारी सरकार ने हर बच्चे को अपना बच्चा समझते हुए डि-वॉर्मिंग करने का अभियान चलाया है। हर प्राइमरी और हाई स्कूल में जा-जाकर के हर बच्चे को अपने हाथ से डि-वॉर्मिंग की गोळियां खिलाई हैं। इसके अलावा आयरन की टेबलट्स खिलाने का कार्य किया है। प्राइवेट सैक्टर की भागीदारी से विकल्प

[श्रीमती गीता भुक्कल]

योजना शुरू की है। जिस तरह की व्यवस्था हमें मिली थी हेल्थ के हिसाब से मैं समझती हूँ कि बहुत ज्यादा कार्य हमारी सरकार ने किया है इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री बघाई के पात्र हैं। इसके अलावा पी०डब्ल्यू०डी० (बी०एण्डआर०) की बात करें तो आपको अच्छी तरह से याद है कि जिस सड़क पर जाने के लिए हमें पहले एक-दो घण्टे लग जाया करते थे अब उस सड़क पर केवल दस मिनट का समय ही लगता है। हमारी सरकार ने हर गांव में सड़कों का जाल बिछाया है। चाहे गांव हो या शहर हो, हर गांव को शहर से जोड़ने का कार्य किया है। पिछली सरकार के समय में सड़कों को बनाने के नाम पर खाना-पूर्ति की जाती थी और सारे का सारा पैसा अपने पेट में डकारा जाता था लेकिन आज सभी सड़कों का कार्य चाहे वह स्ट्रैथिनिंग का हो, चाहे निर्माण का हो वह पुरजोर तरीके से चल रहा है। पहले आपने देखा होगा कि हरियाणा के एक छोर से दूसरे छोर तक जाने के लिए यातायात की वजह से बहुत समय लगता था, लेकिन हमारे माननीय प्रधान मंत्री सरदार मनमोहन सिंह जी ने पानीपत में एलीवेटिड हाई-वे का शिलान्यास किया था। आज उसका कार्य जोरों से चल रहा है, वह जल्दी ही बनकर तैयार हो जायेगा। इसके अलावा बढ़ते हुए इण्डस्ट्रीलाइजेशन और ओरगेनाइजेशन की वजह से पी०डब्ल्यू०डी० विभाग ने एन०सी०आर० रिजन से वित्तीय असिस्टेंस लेने के लिए एन०सी०आर० के प्लानिंग बोर्ड से बातचीत की है ताकि प्रदेश को आगे बढ़ाया जा सके। सभापति महोदय, आज के दिन प्रदेश की सरकारी बिल्डिंगों की रिपेयर का काम बड़े जोर-शोर से चल रहा है। हम देखते हैं कि सरकारी बिल्डिंगों की छतों से पानी टपकता रहता था और बिजली की तारें लटकती रहती हैं। उनकी तरफ हमारी सरकार ने ध्यान दिया है और उनकी रिपेयर का काम किया जा रहा है ताकि प्रदेश के कर्मचारियों को सुविधा हो और वे अपना कार्य अच्छी तरह से करें। सभापति महोदय, अब मैं पीने के पानी और सेनीटेशन की बाल करना चाहूंगी कि पिछली सरकारों के दौरान किसी भी हरजिन बस्ती या मोहल्ले में पानी की टंकी नहीं बनवाई गई थी। तकरीबन सभी गांवों में हर जगह पानी पहुंचाया जाता था लेकिन हरिजन बस्तियों में नहीं पहुंचाया गया था। अब हमारी सरकार ने इंदिरा गांधी पेयजल योजना 19 नवम्बर, 2006 से शुरू की है जिसके तहत करीबन 8 लाख अनुसूचित जाति के परिवारों को मुफ्त पानी के कनेक्शन, 200 लीटर की टंकी और ट्यूटी के साथ दिए जायेंगे। सभापति महोदय, अनुसूचित जाति के अलावा करीबन 30 लाख परिवारों को निजी पेयजल कनेक्शन देने की हमारी सरकार की योजना है। मैं समझती हूँ कि ग्रामीण अंचल में रहने वाली माताओं और बहनों के लिए यह बहुत अच्छा कार्य हमारी सरकार ने किया है क्योंकि गांव में रहने वाली महिलाओं के सिर से मटका और टोकणी कभी नहीं उतरती थी। वे बचपन से लेकर बुढ़ापे की अवस्था तक पहुंच जाती थीं और उनके सिर के बाल उड़ जाते थे। अब ऐसा नहीं होगा क्योंकि अब घरों में पानी के कनेक्शन दिए जायेंगे। इस कार्य के लिए प्रदेश की महिलायें विशेष रूप से हमारी पार्टी की आभारी रहेंगी। सभापति महोदय, अब मैं मेवात क्षेत्र के बारे में बाल करना चाहूंगी कि मेवात हमेशा पिछड़ा हुआ क्षेत्र रहा है और आज भी है। उस तरफ पहले वाली सरकारों ने कभी ध्यान नहीं दिया लेकिन हमारी सरकार ने मेवात के 503 गांवों को पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए 206 करोड़ रुपये की राजीव गांधी पेयजल योजना शुरू की है। जिसका कार्य जोरों से चल रहा है। इससे मेवात क्षेत्र के लोगों की पीने के पानी की समस्या दूर होगी। सभापति महोदय, इसके अतिरिक्त हमारी सरकार ने सभी स्कूलों में स्वच्छ पीने के पानी की व्यवस्था करवाई है। जबकि पिछली सरकारों के समय में सुनने में आता था कि स्कूल में गंदा पानी पीने की वजह से बच्चों के पेट में दर्द

हो जाता था। उस समय पीने के पानी की टंकियों की सफाई करवाई जाती थी लेकिन अब हर जगह नये बुस्टिंग स्टेशन लगाये जा रहे हैं और स्वच्छ पानी की सफाई के लिए नई पाईप लाईनें बिछाई जा रही हैं। इस तरह से चारों तरफ विकास कार्य प्रगति पर चल रहे हैं। सभापति महोदय, इन सब बातों से पता चलता है कि हमारी सरकार ने न केवल शहरों के विकास की तरफ ध्यान दिया है बल्कि उसके साथ-साथ गांवों के विकास की तरफ भी विशेष ध्यान दिया है और गांवों को पूरी तरह से विकसित करने के लिए कार्य किए जा रहे हैं। हुड्डा साहब की सरकार पहली ऐसी सरकार है जो गांवों की तरफ इतना ज्यादा ध्यान दे रही है इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद देती हूँ। सभापति महोदय, इसके अतिरिक्त गरीबी उन्मूलन के लिए भी हमारी सरकार द्वारा कई कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। जैसे स्वर्ण जयंती ग्रामीण स्वरोजगार योजना, सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना आदि। इसके अतिरिक्त गरीबों को मकान देने के लिए इंदिरा गांधी आवास योजना चलाई गई है। जिसके तहत गरीब लोगों को जो बी०पी०एल० के दायरे में आते हैं उन्हें मकान दिए जायेंगे। इसके अतिरिक्त नेशनल इम्प्लॉयमेंट गारंटी स्कीम भी हमारी सरकार ने शुरू की है। हमारी सरकार ने गॉडल विलेज बनाने की तरफ भी ध्यान दिया है। गॉडल विलेजिज में शहरों की तरह हर सुविधा दी जायेगी। हमारी सरकार इस समय 1300 गांवों में सी०सी० की सड़कें बनवा रही है। इसके अतिरिक्त एच०आर०डी०एफ० के तहत स्कूलों की बिल्डिंगों की रिपेयर, हास्पिटलज की रिपेयर और गांव की चौपालों आदि की रिपेयर करवाई जा रही है। इस तरह के कार्य करके हमारे मुख्यमंत्री महोदय हमारे पूर्व प्रधान मंत्री स्वर्गीय श्री राजीव गांधी जी के सपनों को साकार करते हुए पंचायती राज संस्थाओं को सशक्तिकरण करने का कार्य कर रहे हैं। अब हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने गांवों के सरपंचों को तीन लाख रुपये तक का कार्य अपने आप करवाने के अधिकार दे दिए हैं। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी को बधाई देती हूँ। सभापति महोदय, शहरों के विकास के लिए प्रदेश में अर्बन डिवेलपमेंट अथोरिटी है और यह हमारे मुख्यमंत्री जी की विजनरी सोच है कि उन्होंने गांवों के विकास के लिए शहरों की तर्ज पर हरियाणा रूरल डिवेलपमेंट अथोरिटी (हरडा) बनाई है ताकि गांवों में भी शहरों जैसी सुविधाएं दी जा सकें और गांव के लोग गांवों को छोड़कर शहरों की तरफ न जायें। हमारे मुख्यमंत्री जी कहते हैं कि शहरों के विकास के लिए हुड्डा है और गांवों के विकास के लिए हरडा है तो मैं मुख्यमंत्री हुड्डा साहब को बधाई देती हूँ कि हमारी इन ओवर आल अथोरिटी के वे मुख्यमंत्री हैं और उन्होंने न केवल शहरों के विकास के बारे में बल्कि गांवों के विकास के बारे में भी सोचा है। सभापति महोदय, अब मैं बी०पी०एल० के बारे में बात करना चाहूंगी कि गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वालों के विकास के लिए हमारी सरकार ने बहुत से कार्यक्रम शुरू किए हैं। लेकिन पिछली सरकारों के समय में बी०पी०एल० का सर्वे गलत हुआ। जो गरीब थे वे रह गये और जो अमीर थे उनको बी०पी०एल० में शामिल कर लिया गया। इस कारण बहुत से गरीबों ने आत्महत्याएं भी की थी। लेकिन अब हमारे मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि बी०पी०एल० के सर्वे भी नये सिरे से किये जायेंगे और नये लाभार्थियों को हमारी सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं का लाभ दिया जायेगा। हमारी सरकार ने पंचायती राज को भी सशक्त करने का काम किया। चाहे पंच हो या सरपंच हो, चाहे ब्लॉक समिति का मैनबर हो या जिला परिषद का मैनबर हो सभी को मानदेय देने की घोषणा हमारी सरकार ने की है। सरकार की नीतियों का लाभ गरीबों तक पहुंचे इसके लिए हमारी सरकार पूरी तरह से प्रयासरत रहती है। अगर मैं अर्बन डिवेलपमेंट की बात करूं शहरी क्षेत्र के मामले में भी हमारी सरकार ने कहीं भी भेदभाव नहीं किया। पूरे हरियाणा के हर क्षेत्र में विकास के कार्य हमारी सरकार ने किये हैं। नागरिक सुविधाओं के सुधार के लिए 2005-06 के दौरान

[श्रीमती गीता मुक्कल]

करीब 209 करोड़ रुपये स्वीकृत किये गये थे और वर्ष 2006-07 के दौरान करीब 277 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। पिछली सरकार के दौरान 8 नगरपालिकाओं को भंग कर दिया गया था लेकिन हमारी सरकार के बनते ही उनमें से 7 नगरपालिकाओं को बहाल किया है और फरीदाबाद के ढांचागत विकास के लिए जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीनीकरण मिशन के अन्तर्गत 2679.11 करोड़ रुपये निर्धारित किये हैं। शहरों में भी मलिन बस्तियां हैं इस चीज को ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार ने मलिन बस्तियों में रहने वालों की हाऊसिंग की जरूरतों को पूरा करने के लिए हुआ ने सेंट्रल गवर्नमेंट की इन्टीग्रेटेड हाऊसिंग सलमस की डिवलपमेंट प्रोग्राम के अनुसार आशियाना नामक एक योजना शुरू की है जिसके तहत पंचकुला में पहली बार 8000 मकान बनाये जायेंगे। अगर मैं बात करूं तो हरियाणा में आज चारों तरफ सड़कों का जाल बिछा हुआ है। मेट्रो रेल के बारे में भी हमें बात करनी चाहिए। मेट्रो रेल लिंक दिल्ली से गुडगांव तक की परियोजना का कार्य पूरा हो चुका है। फरीदाबाद और बहादुरगढ़ तक मेट्रो के विस्तार का प्रोजेक्ट पूरी तरह तैयार हो चुका है। अब मैं बात करना चाहूंगी शिक्षा की। हमारी सरकार ने खास तौर से शिक्षा और स्वास्थ्य की ओर ध्यान दिया है। पिछली सरकारों में मुझे मालूम है कि ज्यादातर फर्जी डिग्रियों से नौकरियां मिली और ज्यादातर अंगूठा टेक विधायक बने। लेकिन हमारी सरकार ने पढ़ी लिखी यह सरकार होने के नाते माननीय मुख्यमंत्री ने अपनी बिजिबल सोच से शिक्षा के क्षेत्र में नये आयाम स्थापित किये हैं और बजट में भी बहुत भारी इजाफा किया है। एक सड़ी गली व्यवस्था को सुधारने में समय तो जरूर लगता है लेकिन मैं समझती हूँ कि हमारी सरकार पिछले दो वर्षों में इस व्यवस्था में सुधार करने में काफी हद तक कामयाब रही है। राजीव गांधी ऐजुसैट सिटी के नाम से एक ऐसी ऐजुसैट सिटी का निर्माण यहां पर किया जा रहा है जो ऑक्सफोर्ड की तर्ज पर यहां शिक्षा प्रदान करेगी। चाहे ITI हो, Polytechnic हो या Vocational Education की बात हो और इस राजीव गांधी ऐजुसैट सिटी में 25 प्रतिशत का आरक्षण हरियाणा के स्टूडेंट्स को दिया जायेगा। सोनीपत के खानपुर कला में मगत भूलसिंह महिला विश्वविद्यालय अपने आप में विशेष है। हमारे माननीय मुख्यमंत्री ने महिलाओं के लिए एक विश्वविद्यालय खोलने का कार्य किया है। जिससे कि महिलाओं में शिक्षा का स्तर भी समझती हूँ कि पिछली सरकार के दौरान जो गिर गया था उसमें काफी सुधार आयेगा। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) अध्यक्ष महोदय, मुरथल सोनीपत में इंजीनियरिंग कॉलेज को दीनबन्धु सर छोटूराम साईंस एण्ड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी का दर्जा दिया गया है। आजकल जहां बहुत ही टेक्नीकल मैगपावर की जरूरत है तो यहां पर शिक्षित करने के लिए भी इस तरह की यूनिवर्सिटी की बहुत पुरानी हमारी मांग रही है। प्रत्येक जिले में मॉडल स्कूल खोलने का कार्य हमारी सरकार ने किया है। मॉडल स्कूलों में सभी सुविधाएं देने का कार्य हमारी सरकार करेगी। पहले की अगर बात करें 60-70 बच्चों पर एक शिक्षक होता था लेकिन हमारी सरकार ने 40 बच्चों पर एक शिक्षक किया है। और इसके अलावा पढ़ने लिखने वाले हमारे जो मेधावी छात्र हैं उनको पुरस्कृत करने के लिए हमारी सरकार ने राजीव गांधी छात्रवृत्ति योजना शुरू की जिसमें तकश्रीबन 50 हजार बच्चों को पुरस्कृत किया जायेगा। माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी बता देना चाहूंगी कि हमारी सरकार ने अनुसूचित जाति के बच्चों के लिए भी डॉक्टर अम्बेडकर मेधावी छात्र योजना का शुभारम्भ किया है जिसमें 10+1 और 10+2 के बच्चों को शामिल किया गया है। वहां पर स्कूलों के कमरों और बिल्डिंग की हालत बहुत ही भाड़ी थी और मास्टर्स की हालत भी बहुत खराब थी। जिस रूप में शिक्षा का ढांचा हमें मिला था मैं समझती हूँ कि दो साल

के अरसे में हमारी सरकार इसमें सुधार लाने में कामयाब रही है। हमारी सरकार ने ऐजुसैट की स्कीम के माध्यम से यूनिफॉर्म क्वालिटी ऑफ ऐजुकेशन देने के लिए स्कूलों और कॉलेजों में बहुत ही अच्छा काम किया है। जो स्कूलज और कॉलेजिज रिमोट ऐरियाज में हैं उनके लिए ऐजुसैट स्कीम शुरू की है ताकि ग्रामीण अंचल तक बच्चों को शिक्षा का लाभ मिल सके। हमारी सरकार ने समैस्टर प्रणाली का कार्य शुरू किया है। पहले तो बच्चे स्कूल जाने के बाद और स्कूल से निकलने के बाद ही पता चलता था कि बच्चा पास हुआ या फेल लेकिन हमारी सरकार की सोच यह है कि समैस्टर प्रणाली लागू होने से बच्चों की पढ़ाई का बोझ भी कम हुआ है और बच्चों में रेगुलर स्टडी की रुचि भी बढ़ी है। अध्यक्ष महोदय, पढ़ाई के साथ ही साथ योग और स्पोर्ट्स में भी हमारी सरकार ने बहुत ही ज्यादा कार्य किए हैं, सरकारी स्कूलों में झूले लगवाए हैं और स्कूलों में खेलों का हर सामान देने का कार्य भी हमारी सरकार ने किया है। योग में सर्वोत्तम प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को महर्षि पतंजलि पुरस्कार से सम्मानित करने का कार्य हमारी सरकार ने किया है। अब तो बहुत सारे इण्डस्ट्रियलिरिस्ट्स हाउसिज ऐसे हैं जो हरियाणा में आई०टी०आई० और ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट खोलना चाहते हैं। वे जानते हैं कि हरियाणा के बच्चे पढ़ना चाहते हैं और उनको इस प्रकार की सुविधाएं देकर स्पोर्ट करने की बात वे कर रहे हैं। हमारी सरकार न केवल शहरों में बल्कि गांवों में भी शिक्षा का पूरा ध्यान रख रही है। अध्यक्ष महोदय, ग्रामीण स्पोर्ट्स स्टेडियम हर ब्लॉक लेवल पर बनाने का कार्य हमारी सरकार ने किया है। इस समय करीब 139 मल्टीपरपज हाउस तथा स्टेडियम बनने हैं जिन पर करीब 40 करोड़ रुपये की लागत आएगी और इनका निर्माण कार्य बहुत ही प्रगति पर चल रहा है। अध्यक्ष महोदय, खिलाड़ियों का खुराक भत्ता 50/- रुपये होता था हमारी सरकार ने उस भत्ते को बढ़ाकर 100/- रुपये करने का काम किया है। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहती हूँ कि हमारी सरकार के प्रयासों से इस समय खेलों की गुणवत्ता बढ़ी है। कॉमन वेल्थ गेम्स और ऐशियन गेम्स में हमारे खिलाड़ियों ने बहुत से पदक जीते हैं। ऐसे खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए हमारी सरकार ने 1.48 करोड़ रुपये के कैश अवार्डज उनको दिए हैं तथा उन खिलाड़ियों के गांवों को आदर्श गांव घोषित करने का कार्य हमारी सरकार ने किया है जिसके लिए मैं सरकार को बधाई देना चाहती हूँ। हमारे हरियाणा प्रदेश के श्री बलवान सिंह को महामहिम राष्ट्रपति महोदय द्वारा द्रोणाचार्य अवार्ड से सम्मानित किया गया है। शिक्षा, स्वास्थ्य और जन-कल्याण के हर क्षेत्र में हमारी सरकार ने सहायनीय कार्य किये हैं। महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में जिस तरह से सरकार द्वारा किये गये कार्यों के बारे में कहा है, यू०पी०ए० अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी ने भी किए गए कार्यों के लिए हमारी सरकार की पीठ थपथपाई है और उन जन कल्याणकारी कार्यों पर अपनी मुहर लगाई है। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं एक और बात कहना चाहूंगी और मैं समझती हूँ कि किसी भी देश अथवा प्रदेश का विकास तब तक नहीं हो सकता है जब तक कि वहां पर महिलाओं का विकास नहीं होता। महिलाओं के क्षेत्र में सबसे ज्यादा इन्वेस्टमेंट बढ़ाई गई है और उसी को ध्यान में रखते हुए हमारी यू०पी०ए० की अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी जी के मार्गदर्शन में हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने वर्ष 2006 को बालिका वर्ष के रूप में घोषित किया और न केवल बालिका वर्ष के रूप में घोषित किया बल्कि बालिकाओं के पूर्ण विकास के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य भी किये। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए बहुत सी योजनाएं हमारी सरकार ने शुरू ही हैं। अध्यक्ष महोदय, यहां पर मैं बताना चाहूंगी कि कन्या भ्रूण हत्या जैसी समस्या जो हमारे समाज में मुंह बांधे खड़ी हुई थी, हमारी सरकार ने पिछले दो सालों में पूरे प्रदेश के अन्दर तथा कुछ जिलों में बहुत ही अच्छे कार्य

[श्रीमती गीता भुक्कल]

किए हैं जिससे हमारी सैक्स रेशो काफी इम्पूव हुई है। हमारी सरकार ने लाडली नामक योजना शुरू की है। जिसमें दो लड़कियां होने पर लड़की को 5000/- रुपये पांच वर्ष तक दिए जाएंगे। लाडली सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत जिस मां-बाप की केवल लड़कियां हैं हमारी सरकार ने उन मां-बाप को 55 साल की उम्र में पेंशन देना शुरू किया था। हमारे माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने 8 मार्च को यह घोषणा की है कि इस पेंशन के लिए जो 55 वर्ष की आयु थी उसको कम करके 45 वर्ष किया है और इसमें भी इस पेंशन की राशि को बढ़ा कर 500 रुपये किया गया है। इन्दिरा गांधी प्रियदर्शनी विवाह योजना के अन्तर्गत 15,000 रुपये की राशि कन्या के विवाह के वक्त देने का फैसला किया गया है। पहले जब किसी गरीब परिवार में किसी कन्या का जन्म होता था तो उस घर में मातम छा जाता था लेकिन अब हमारी सरकार द्वारा इस योजना के लागू होने के बाद लड़की के पैदा होने पर भी थाल बजाए जाते हैं और बहुत ही खुशी का इजहार किया जाता है। हमारी सरकार विवाह के लिए 15 हजार रुपये शगुन के रूप में देती है। अध्यक्ष महोदय, हमें याद है कि जब माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने राखी के दिन महिलाओं को बसों में फ्री यात्रा करने की सुविधा दी थी तो उस दिन बसों में कहीं पर जगह नहीं मिली थी और बहुत बड़ी संख्या में बहनें अपने भाइयों को राखी बांधने के लिए अपने बच्चों के साथ बहुत ही उत्साह में बसों में सफर करती दिखाई दी थीं और पहली बार उनको लगा था कि राखी का त्यौहार हमारी सरकार बनने के बाद ही आया है। यह सुविधा प्रदान करने के लिए मैं अपने माननीय मुख्य मंत्री जी तथा अपनी सरकार को बधाई देती हूँ। अध्यक्ष महोदय, हाउसिंग बोर्ड के मकानों में 33% मकानों का रिजर्वेशन महिलाओं के लिए हमारी सरकार द्वारा किया गया है और बिजली के मीटर अगर महिलाओं के नाम पर ट्रांसफर किये जाते हैं तो बिजली के बिल में 10 पैसे प्रति यूनिट बिल कम आएगा। इसके साथ ही यदि किसी महिला के नाम पर कोई रजिस्टरी होती है तो स्टाम्प पेपरज में भी दो परसेंट की छूट देने का फैसला हमारी सरकार ने किया है। अध्यक्ष महोदय, टीचर्स की भर्ती का जहां तक सम्बन्ध है, शिक्षकों की जो भर्ती की जाएगी माननीय मुख्य मंत्री जी ने उसमें भी महिलाओं के लिए 33% आरक्षण देने का प्रावधान किया है। अध्यक्ष महोदय, हर गांव में 5000 रुपये प्रति महिला मण्डल को सहायता देने का काम किया है। इसके बाद माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सोशल सेक्टर की चर्चा करना चाहूंगी। सोशल सेक्टर बहुत ज्यादा इम्पोर्टेंट सेक्टर है। जब हमारे संविधान निर्माताओं ने संविधान लिखा था तो उस समय उन्होंने एक वेलफेयर स्टेट की कल्पना की थी। उन्होंने सोचा था कि हर जगह हर व्यक्ति खुशहाल होगा। चाहे वह महिला हो, अनुसूचित जाति के व्यक्ति हों, गरीब किसान हो या कोई भी हो उन सबके लिए वेलफेयर स्टेट की कल्पना हमारे संविधान निर्माताओं ने की थी। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन में बताना चाहूंगी कि चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा खुद आर्यसमाजी हैं और आर्यसमाजी परिवार से सम्बन्ध रखते हैं। इसी कारण से इन्होंने इस सरकार के बनते ही सबसे पहले सोशल सेक्टर में नए आयाम शुरू किए। अगर हम नए आयामों की चर्चा करें तो जहां तक सोशल सेक्टर की बात है पहले गांव में जो एक छोटा सा चौकीदार होता था जिसको कोई नहीं पूछता था, गांव का एक नम्बरदार जिसको कोई नहीं पूछता था, हमारे मुख्यमंत्री जी ने हर उस चौकीदार का, नम्बरदार का, पंच और सरपंच का मान बढ़ाया है। इसके अलावा और बहुत से ऐसे वर्ग हैं जैसे किनर, बौने वर्ग हैं जो हमेशा से उपेक्षित रहे हैं। हमारे मुख्यमंत्री जी ने अपनी कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा करते हुए इन सभी की तरफ ध्यान दिया है। मैं समझती हूँ कि किसी भी विकसित देश या प्रदेश के लिए उसकी

पहचान के लिए सामाजिक सुरक्षा बहुत जरूरी है। मैं समझती हूँ कि हमारी सरकार ने बनते ही सामाजिक सुरक्षा के बहुत ही अच्छे इन्तजाम किए हैं। लेकिन कुछ ऐसे स्वार्थी लोग हैं जो इन सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को देखते हुए अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और अनाप शानाप बयानबाजी कर रहे हैं। मैं उन लोगों को बधाई देना चाहती हूँ जिन्होंने इस सरकार में रहते हुए कभी भी ऐसे बयानों की तरफ ध्यान नहीं दिया और मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के नेतृत्व में हर व्यक्ति को लाभ पहुँचाने का कार्य किया। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार के वक्त में आंगनवाड़ी केन्द्रों में टूटे फूटे कमरे हुआ करते थे और माँ बाप को यह चिन्ता होती कि कहीं कोई बिल्लिंग उनके बच्चों पर गिर न जाए लेकिन इस बारे में मैं यह कहना चाहती हूँ कि हमारी सरकार ने वहाँ पर बिल्लिंगों में सुधार किया है, वहाँ पर बच्चों के लिए खिलौनों और झूलों का भी इन्तजाम किया है। इसके साथ ही 28 आई०सी०डी०एस० प्रोजेक्ट के तहत 11 से 18 वर्ष की लड़कियों के पोषण में सुधार के लिए किशोरीशक्ति नामक योजना लागू की है। सर्वोत्तम माता के लिए हमारी सरकार ने ग्रामीण अंचलों में पुरस्कार देने आरम्भ करे हैं। ग्रामीण अंचल में रहने वाली माता और बहनों के सम्मान के लिए हमारी सरकार ने प्रयास करके हर गाँव में शौचालय बनाने का काम किया है। मैं समझती हूँ कि अनुसूचित जाति की बात हम करें तो पिछली सरकार के वक्त में अगर किसी ने फष्ट सहा है तो अनुसूचित जाति ने सहा है। पिछली सरकार के जाने के बाद हरियाणा में चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के नेतृत्व वाली सरकार बनी तो मैं समझती हूँ कि दलित समाज ने सुख की सांस ली थी। कर्मचारियों को पदोन्नत करने के लिए हमारी सरकार ने 85वाँ संशोधन लागू किया और हमारे बैकलॉग को पूरा करने के लिए विशेष भर्ती अभियान हमारी सरकार चला रही है। हरिजन कल्याण निगम और विकास कल्याण निगम में ऋण लेने के लिए ब्याज में 1 प्रतिशत की कमी करी है। मकान बनाने के लिए जो अनुदान पहले केवल 10 हजार रुपए था उसको बढ़ाकर इस सरकार ने 50 हजार रुपए करने का कार्य किया है। इसके अलावा मरम्मत के लिए 10 हजार रुपए देने का कार्य भी इसी सरकार ने किया है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूँगी कि पहले हम एक चिट लेकर जाया करते थे कि हमें फलानी हरिजन चौपाल ठीक करवानी है, आज बी०सी० चौपाल ठीक करवानी है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने कलम की ताकत से एस०सी० और बी०सी० चौपालों के लिए एक ही बारी में रिपेयर करने का पैसा दे दिया है। इसके लिए हमारी सरकार बधाई की पात्र है। हमारी सरकार ने इन्वीभिक वीकर सेक्शन के लिए हुडा में आरक्षण 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 30 प्रतिशत कर दिया है। एस०सी० छात्रों के बारे में हम बात करें तो पढ़ने वाले मेधावी छात्रों के लिए अम्बेदकर मेधावी छात्र योजना इस सरकार ने शुरू करी है। इसके अलावा इन्दिरा गांधी पेय जल योजना की अगर बात करें तो हर परिवार अब खुश है, हर माँ-बहन खुश है कि अब उन्हें पानी भरने के लिए किसी दूसरे के कुँए पर नहीं जाना पड़ेगा और न ही किसी की गाली सुननी पड़ेगी। इन्दिरा गांधी पेय जल योजना जो इस सरकार ने शुरू करी है मैं उसके लिए इस सरकार को बधाई देना चाहती हूँ। हमारा समाज इस सरकार का इस योजना को शुरू करने के लिए तह दिल से धन्यवादी है। इसके अलावा सेल्फ हेल्प ग्रुप के तहत महिलाओं को सशक्त करने के लिए हमारी सरकार ने बहुत से कार्य किए हैं। माल न्यूट्रिशियन को खत्म करने के लिए मिड-डे-मील स्कीम पर बहुत ज्यादा कार्य किया जा रहा है। सामाजिक-आर्थिक उत्थान स्वयं सहायता समूह के लिए तकरीबन 1675 समूहों का गठन भी हमारी सरकार के दौरान ही हुआ है। महिलाओं के बारे में यदि हम सोचें तो ब्लॉक लेवल पर ग्रामीण महिलाओं के लिए, गाँवों में खेलों के लिए भी व्यवस्था की गयी है। विधवाओं की पेंशन 300 रुपये से बढ़ाकर 350 रुपये कर दी गयी

[श्रीमती गीता भुक्कल]

है। इसके अलावा निराश्रित बच्चों की सहायता के लिए 30 रुपये से बढ़ाकर 100 रुपये करने का काम भी हमारी सरकार ने किया है। बेरोजगारों की अगर हम बात करें तो हमें याद है कि पिछली सरकार के दौरान झोले में डिग्रियां उठाए हुए बेरोजगार नौजवान धक्के खाते हुए घूमते फिरते थे। लेकिन अगर किसी के पास पैसा नहीं है तो किसी बेरोजगार युवक को उस समय नौकरी नहीं मिलती थी। मैं बधाई देना चाहूंगी मुख्यमंत्री जी को कि उन्होंने खुले मन से यह घोषणा की कि नौकरियों के मामले में पैसा लेने और पैसा देने वाले दोनों को अंदर किया जाएगा। हमारी सरकार ने मैट्रिक पास बेरोजगारों के लिए 1000 रुपये, स्नातक बेरोजगारों के लिए 1500 रुपये भत्ता देने का कार्य किया है। इसी तरह से स्नातकोत्तर विकलांगों के लिए 2000 रुपये भत्ते के रूप में देने का कार्य भी किया गया है 100 परसेंट हैंडीकैप्ड लोगों के लिए पेंशन 300 रुपये से बढ़ाकर 600 रुपये करने का कार्य भी हमारी सरकार ने किया है। इसी तरह से हरियाणा परिवहन की बसिज में 100 परसेंट हैंडीकैप्ड व्यक्तियों को मुफ्त यात्रा के साथ-साथ एक व्यक्ति को भी उनके साथ फ्री चलने की सुविधा प्रदान की गयी है। विकलांग कर्मचारियों की अगर हम बात करें तो पहले 58 वर्ष जिनकी रिटायरमेंट ऐज थी उसको बढ़ाकर 60 वर्ष हमारी सरकार ने किया है। इसी प्रकार से राजीव गांधी परिवार बीमा योजना भी हमारी सरकार ने शुरू की है कि अगर किसी घर में 18 वर्ष से लेकर 60 वर्ष के व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है तो उस हरियाणावासी को हमारी सरकार ने एक लाख रुपये देने का फैसला किया है। मृत्यु के अलावा अगर वह 100 परसेंट हैंडीकैप्ड होता है तो उस मामले में भी हमारी सरकार उसको एक लाख रुपये देने का कार्य करेगी। सर, अब मैं परिवहन की बात करना चाहूंगी। भुझे याद है कि पहले तो कोई भी हरियाणा की बसिज में चढ़ने के लिए तैयार नहीं होता था लेकिन आज हरियाणा की बढ़िया सड़कों पर बहुत ही अच्छी बसिज का बेड़ा गुजरता हुआ नजर आता है। मैं समझती हूँ कि हरियाणा की बसिज की व्यवस्था आज बहुत ही अच्छी है। हमारी सरकार के दौरान सारथी नामक बस की सेवा, वोल्वो ए०सी० बस की सेवा, हरियाणा गौरव नाम से बस की सेवा शुरू की गयी है और हरियाणा उदय सी०एन०जी० बस सेवा की शुरुआत भी हाल ही में माननीय मुख्यमंत्री जी ने की है। बसों के अलावा सेपटी मैयर्ज का भी पूरा ध्यान हमारी सरकार ने रखा है। ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूलज जो पहले कभी नहीं होते थे उनको भी हमारी सरकार ने शुरू किया है। इस तरह के बहुत से ट्रेनिंग केन्द्र खोले गए हैं। इसके अलावा बस अड्डों का भी आधुनिकीकरण किया जा रहा है। पिछली सरकार के दौरान कई कई सालों से बस अड्डों के निर्माण के कार्य नहीं हुए थे लेकिन हमारी सरकार ने बहुत से आधुनिक बस अड्डों का निर्माण कार्य किया है। इसके अलावा हमारे पास जो भी सात वर्ष से पुरानी बसिज हैं उनको बदलने का काम भी हमारी सरकार ने किया है। जो भी 100 परसेंट डिफ एंड डम्ब हैं उनके लिए फ्री ट्रेवलिंग की सुविधा दी गयी है या जिनको नैशनल अवार्ड मिले हैं उनको भी फ्री ट्रेवलिंग की सुविधा देने का कार्य हमारी सरकार ने किया है। अध्यक्ष महोदय, अंत में मैं अगर बात करूंगी तो लॉ एंड आर्डर की बात करूंगी। पिछली सरकार के दौरान भय और भ्रष्टाचार की धजह से न केवल व्यापारी, कर्मचारी बल्कि बेरोजगार यानि सभी हरियाणा छोड़ने के लिए तैयार बैठे थे लेकिन माननीय मुख्यमंत्री श्रीधर भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में जब यहां पर कांग्रेस पार्टी की सरकार बनी तो यहां पर पूंजी निवेश की जैसे भरमार लग गयी। हर तरफ से यहां पर पूंजी निवेश होना शुरू हो गया। इसी तरह से लोकसुक्त की नियुक्ति की गयी ताकि भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाया जा सके। सूचना अधिकार भी लागू किया गया। पुलिस के आधरण में बढावाव करने के लिए पुलिस ऐक्ट को मंजूरी

हमारी सरकार द्वारा की गयी। इसी तरह से मोबाइल थैटोलींग की भी व्यवस्था हाईवेज पर हमारी सरकार द्वारा की गयी ताकि अगर कोई भी किसी ऐक्सिडेंट्स बगैरा की सूचना दें तो लोगों को जल्द से जल्द फायदा मिल सके। सर, पहले महिलाओं को कई बार पुलिस महकमों में जाने पर प्रताड़ित किया जाता था लेकिन हमारी सरकार ने पुलिस महिला प्रकोष्ठों की स्थापना की है और हर एस०पी० को आदेश दिए हुए हैं कि 9.30 बजे से लेकर 11.30 बजे तक के बीच में वे अपने मोबाइल खुले रखेंगे ताकि एक आम आदमी भी अपनी शिकायत को वहां पर दर्ज करवा सके। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल जी ने हमारी सरकार के बारे में बहुत ही बढ़िया चर्चा यहां पर की है। मैं धन्यवाद करना चाहूंगी और बधाई देना चाहूंगी कि जो सपना हमारे मुख्यमंत्री जी ने देश का मंबर बन प्रांत हरियाणा प्रदेश को बनाने का देखा है वह जल्दी ही पूरा होगा। मैं विश्वास के साथ कह सकती हूँ कि हम रामराज्य के बारे में सुना करते थे कि हिंदुस्तान में कभी रामराज्य था, यदि हमारी सरकार इसी तरह से काम करती रही तो एक दिन हरियाणा प्रदेश में भी राम राज्य होगा। उस सपने को साकार रूप देने के लिए हमारी सरकार पूर्णतया प्रयासरत है कि हरियाणा प्रदेश को देश का सर्वोत्तम राज्य बनाए। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे महानहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए जो समय दिया है उसके लिए आपका धन्यवाद करती हूँ।

Mr. Speaker : Motion moved—

That the address be presented to the Governor in the following terms:—

That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on 9th March, 2007 at 2.00 P.M.

धन्यवाद प्रस्ताव पर संशोधन की सूचना

श्री० सुशील इंदौरा : अध्यक्ष महोदय, मैंने मोशन ऑफ थैंक्स के बारे में कुछ अमेंडमेंट्स की थीं। उनका क्या फेट है ?

श्री अध्यक्ष : वह जिसअलाऊ हो गई हैं। इस बारे में आपको इंटीमेशन दे दी गई है।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री ओम प्रकाश चौटाला (रोड़ी) : अध्यक्ष महोदय, मैं महानहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर आपका और इस महान सदन का ध्यान इस तरफ आकर्षित करना चाहता हूँ कि राज्यपाल का अभिभाषण किसी भी सरकार का विजन ऑक्यूमेंट होता है। मैंने जो अभिभाषण सुना और पढ़ा उसके दृष्टिकोण में यह कह सकता हूँ कि इसमें कोई भी ऐसी चीज नहीं दर्शाई गई जिसकी वजह से हम यह कह सकें कि प्रदेश सरकार लोगों के हितार्थ कोई ठीक काम करने जा रही है। न ही पिछले दो साल के लैखे-जोखे को उजागर किया गया। प्रस्तावक ने जिस ढंग से सदन में चर्चा की वह गवर्नर महोदय के अभिभाषण पर चर्चा नहीं थी, वह केवल ओम प्रकाश चौटाला पर चर्चा की गई थी। मुझे कोई आपत्ति नहीं है क्योंकि मेरा ऐसा मानना है कि बटोड़े में से उपले ही निकलते हैं। लेकिन मैं इस तथ्य की ओर सदन का ध्यान अवश्य ही आकर्षित करना

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

चाहूंगा कि चैयर की एक जिम्मेदारी होती है कि सदन के माहौल को ठीक रखा जाए, चूंकि यह प्रदेश के हित का मामला है। प्रदेश के हितार्थ यदि अच्छे निर्णय लिए जाएंगे और अच्छे ढंग से इम्प्लीमेंट होंगे तो प्रदेश की जनता को लाभ मिलेगा। हमारी सरकार के वक़्त में क्या-क्या काम हुए थे मुझे उसका उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है। वह सबके सामने जाहिर है। प्रदेश की जनता ने हमारे पक्ष में राय नहीं दी। हमें विपक्ष में बैठने का हुक्म दिया गया। हमने उस आदेश की पालना करते हुए पहले दिन ही एक बात खुलकर कही थी कि सत्तापक्ष और विपक्ष को दो बराबर के स्तम्भ होते हैं। विपक्ष की भूमिका विपक्ष के सौर पर निर्भारते हुए हमारी एक सोच होगी कि प्रदेश के हित में यदि सरकार अच्छे काम करे तो हम सरकार की सराहना करेंगे। मुझे खुशी होगी कि अगर सरकार कोई अच्छा काम करेगी, तो आज भी हम ऑन दि प्लोर ऑफ दी हाउस उसकी सराहना करेंगे। महामहिम राज्यपाल महोदय ने कृषि पर विशेष रूप से जोर दिया। बहुत खुशी की बात है कि हमारा प्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है। इस प्रदेश के लोगों की आजीविका का मुख्य साधन खेती है। इस खेती को बढ़ावा देने के लिए कोई भी ऐसा कार्य नहीं किया गया जिससे किसान प्रोत्साहित हो सके। मौजूदा सरकार ने 2 साल के अर्से में न तो एक बूंद पानी की भी कोई व्यवस्था की है.....

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, आप कितना टाइम लेंगे ?

श्री ओम प्रकाश चौटाला : सर, टाइम देना तो आपके अख्तियार में है।

श्री अध्यक्ष : डिस्कशन के लिए दो दिन रह गए हैं। चौटाला साहब, आपकी पार्टी के हिस्से में 54 मिनट आते हैं क्योंकि आपकी पार्टी के कुल 9 सदस्य हैं और प्रत्येक सदस्य के हिस्से 6 मिनट आते हैं और गवर्नर एंड्रेस के लिए दो दिन का समय निश्चित किया गया था। आपको पता होना चाहिए कि बी०ए०सी० की मीटिंग की कार्यवाही को आपके सामने एप्रूव किया गया था और सभी सदस्यों ने हाथ खड़ा करके उसको एप्रूव किया था।

श्री ओमप्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यह भी समय आप मेरे भाषण से ले रहे हैं।

श्री अध्यक्ष : आपकी पार्टी के कुल 54 मिनट हैं आप चाहे तो 54 मिनट अकेले बोल सकते हैं चाहे इससे कम कर सकते हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, 54 मिनट तक तो मुझे बोलने दें। जितनी देर तक मैं बोलता हूँ बोल लूंगा उसके बाद जितना भी समय बचेगा कोई दूसरा सदस्य बोल लेगा। लेकिन इस समय के बीच में अगर कोई सदस्य मुझे इन्ट्रूट करता है तो वह समय आप इस 54 मिनट के समय में से काट लें। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार की इन्ट्रूप्शन से मेरे समय में से ही कटौती हो रही है। इस समय को भी आप लिखते रहें। अध्यक्ष महोदय, प्रस्तावक और अनुमोदक दोनों ने अपनी बात कही उस समय हमने किसी प्रकार की कोई आपत्ति नहीं की। हम चाहते हैं कि प्रजातान्त्रिक तरीके से हर व्यक्ति को अपनी बात कहने का अधिकार है। सभी सम्मानित सदस्य बराबर का अधिकार रखते हैं। प्रदेश के हितार्थ महामहिम राज्यपाल महोदय ने कृषि को बढ़ावा देने का बहुत उल्लेख किया है। लेकिन मौजूदा सरकार ने इस दो साल के अर्से में न तो एक यूनिट बिजली भी पैदा नहीं की और न ही एक बूंद पानी की व्यवस्था अब तक की है। बल्कि हालत यह है कि (शोर एवं व्यवधान)

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। आपकी इजाजत से चौधरी ओमप्रकाश चौटाला जी को बताना चाहूंगा। जैसा कि उन्होंने कहा कि इस सरकार ने एक यूनिट बिजली भी पैदा नहीं की है। मैं इनको बताना चाहता हूँ कि जब वर्तमान सरकार को इस प्रदेश की व्यवस्था मिली थी, जिस दिन चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की सरकार ने कार्यभार संभाला उस समय प्रदेश के अन्दर 5000 मैगावाट बिजली की कमी थी। चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की सरकार ने अनेकों प्रोजेक्ट्स को बनाने के लिए एम०ओ०यू० साईन किया है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हूँ कि यमुनानगर का थर्मल पावर प्लांट जिसका माननीय चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी की सरकार ने रंग और पत्थर लगाने के अलावा कुछ नहीं किया था। इस साल के अन्दर-अन्दर वह पावर प्लांट बिजली की प्रोडिक्शन देना शुरू कर देगा और इस प्लांट से 600 से 900 मैगावाट बिजली वहाँ पर बननी शुरू हो जायेगी। स्पीकर सर, इस सरकार ने हिसार में एक कोयला आधारित ताप बिजली घर के निर्माण का कार्य प्राईवेट सेक्टर को देने का काम किया है और जिस दिन से यह कान्ट्रैक्ट दिया है उसी दिन से काम शुरू हो गया है और वहाँ से भी बिजली पैदा होनी शुरू हो जायेगी। इसी प्रकार झज्जर में भी नया पावर प्लांट लगाया जायेगा। इस सरकार का टारगेट यह है कि 5000 मैगावाट बिजली पैदा की जाये। पिछली सरकार के समय में शॉर्ट टर्म के लिए बिजली खरीदी जाती थी वह 600 करोड़ रुपये की बिजली पांच साल में खरीदी गई थी जबकि इस सरकार ने सत्तासीन होने के बाद वर्ष 2006-07 में फरवरी तक 1240 करोड़ रुपये की शॉर्ट टर्म के लिए बिजली खरीदी है। कम से कम माननीय सदस्य बोलते समय यह तो ध्यान रखें कि जो थायथ सदन ने लिखा हुआ है उसको चौटाला साहब ने कई बार पढ़ा होगा, सदन में जो भी बात बोली जाए वह तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए या आंकड़ों के आधार पर कही जाए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यह बात सही है कि इस सरकार ने दो साल के अर्से में एक यूनिट बिजली भी पैदा नहीं की है। अध्यक्ष महोदय, भविष्य में क्या होगा किस प्रकार की योजना होगी यह तो आगे की बात है। लेकिन यमुनानगर थर्मल पावर प्लांट की जो माननीय मंत्री जी बात कर रहे हैं, हमारी सरकार के समय उस प्लांट की आधारशीला रखी गई थी। जिस कम्पनी को हमने बिजली पैदा करने के लिए ठेका दिया था उस कम्पनी ने आगे किसी चाईना की कम्पनी के साथ एग्रीमेंट किया हुआ था। उस एग्रीमेंट को तोड़ने के लिए उस कम्पनी ने उस वक़्त हमारी सरकार के सामने दरखास्त दी थी कि इस एग्रीमेंट को तोड़ने के लिए अनुमति दी जाए। वह कम्पनी किसी दूसरी चाईना कम्पनी डॉंग फॉंग इलेक्ट्रिक कारपोरेशन जिसके साथ उनका एग्रीमेंट था उसकी बजाय किसी और कम्पनी के साथ एग्रीमेंट करना चाहती थी। जिसकी वजह से हरियाणा प्रदेश की सरकार को 400 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। माननीय मुख्यमंत्री जी बैठे हैं इनारी सरकार के वक़्त में उस कम्पनी की भांग को रिजेक्ट कर दिया गया था।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर यह है कि मैं आपके माध्यम से आदरणीय ओम प्रकाश चौटाला जी से निवेदन करूंगा कि सदन को गुमराह करने से इनकी संशा पूरी नहीं होगी। मैं इनसे अर्ज करूंगा कि ये यहाँ सच बात बतायें। जिस कंपनी का ये जिक्र कर रहे हैं उस कंपनी को टैण्डर भेल के मुकाबले पर मिलीमगत से चौटाला जी ने दिया था। जबकि भेल कंपनी कम्पीटेटर थी, उसको टैण्डर नहीं दिया गया। अध्यक्ष महोदय, जिस गाने को चौटाला जी आज यहाँ गा रहे हैं उसको पहले इन्होंने ही गाया हुआ है और अब ये सदन को गुमराह कर

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

रहे हैं। यमुनानगर के थर्मल पावर प्लांट चौटाला जी के पिता श्री के राज से लेकर आज तक शुरू नहीं हो पाया और उसका कई प्रधान मंत्रियों ने भी दिल्ली में बटन दबाकर उद्घाटन किया था। लेकिन उस पर कोई काम नहीं हुआ। अब हमारे मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से वहां काम शुरू हुआ है उसके लिए इन्हें हमारे मुख्यमंत्री जी को शावाशी देनी चाहिए, क्रिटीसाईज नहीं करना चाहिए।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा भी प्वाइंट ऑफ आर्डर है। मैं ओम प्रकाश चौटाला और उनकी पार्टी के सदस्यों को आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सरकार के प्रयासों से यमुनानगर का जो थर्मल पावर प्लांट है वहां पर 600 मेगावाट बिजली पैदा होगी और नवम्बर, 2007 में यूनिट-1 शुरू हो जायेगा तथा फरवरी, 2008 तक यूनिट-2 चालू हो जायेगी। जबकि चौटाला साहब के 6 साल के राज में एक नई यूनिट बिजली वहां पैदा नहीं हुई। इसके अलावा 1200 मेगावाट बिजली कोल बेस्ड प्लांट, हिसार में लगना शुरू हो गया है, उसका काम चालू है और वहां से 1200 मेगावाट बिजली पैदा होगी। इसके अतिरिक्त 1500 मेगावाट बिजली पैदा करने के लिए कोल बेस्ड प्लांट का एम०ओ०यू० 24 अगस्त, 2006 को एन०टी०पी०सी० और एच०पी०जी०सी०एल० दोनों कंपनियों ने हरियाणा सरकार के बिहाफ पर साईन किया है जिससे 750 मेगावाट बिजली हरियाणा को मिलेगी और 750 मेगावाट बिजली दिल्ली सरकार को मिलेगी। इसके अतिरिक्त हमारी सरकार ने सेंट्रल स्पॉसर्ड प्रोजेक्ट्स में भी हिस्सेदारी की है और साथ-साथ प्राइवेट सेक्टर की भी कई कंपनियों से अनुबंध किया है। 300 मेगावाट बिजली का अनुबंध अमर कंटैक्ट प्रोजेक्ट में किया गया है जो कि छत्तीसगढ़ में है, 70 मेगावाट बिजली का अनुबंध उदिल हाईड्रो प्रोजेक्ट में किया गया है जो कि हिमाचल प्रदेश में है। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से और भी बहुत से प्रोजेक्ट हैं जिनसे हरियाणा प्रदेश को बिजली मिलने वाली है। चौटाला जी की जानकारी के लिए मैं बताना चाहूंगा कि आंकड़े कभी झूठ नहीं बोलते। अध्यक्ष महोदय, चौटाला जी खेतीबाड़ी की बहुत चिंता करते हैं। मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि इनकी सरकार के समय में और हमारी सरकार के समय में खेती के लिए कितनी यूनिट बिजली दी जा रही है। इनकी सरकार के समय में वर्ष 2004-05 के फरवरी माह में 218 लाख यूनिट बिजली खेती के लिए दी गई थी जबकि इस वर्ष फरवरी माह में हमारी सरकार ने 256 लाख यूनिट बिजली खेती के लिए दी है। इसी तरह से वर्ष 2004-05 के जनवरी माह में 302 लाख यूनिट बिजली खेती के लिए दी गई और इसी वर्ष जनवरी माह में हमारी सरकार ने 341 लाख यूनिट बिजली खेती के लिए दी है। इनकी सरकार के समय दिसम्बर, 2004 में खेती के लिए 269 लाख यूनिट बिजली दी गई और दिसम्बर, 2006 में हमारी सरकार ने 313 लाख यूनिट बिजली खेती के लिए दी है। अध्यक्ष महोदय, ये बातें मैं आंकड़ों के आधार पर बता रहा हूँ और आंकड़े सही कहानी दर्शाते हैं। आंकड़े इनके समय के भी हैं और हमारे समय के भी हैं जो बिजली इन्होंने और हमने सप्लाई की है। अध्यक्ष महोदय, यह बात हम मानते हैं कि बिजली की खपत बढ़ी है और डबल हुई है। हम यह भी मानते हैं कि पिछले दो सालों में जिस तरह से प्रदेश में तरक्की हुई है। उसको देखते हुए बिजली की डिमांड आने वाले सालों में और बढ़ेगी। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए हमने हजारों मेगावाट बिजली पैदा करने के लिए मुख्तलिफ अनुबंध किए हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं बड़े सम्मान से ओम प्रकाश चौटाला जी को और पूरे सदन को बताना चाहूंगा कि चौटाला जी के पांच साल के कार्यकाल में बिजली पैदा करने के लिए कितना पैसा खर्च किया गया और हमारी सरकार ने अपने दो साल के कार्यकाल में कितना पैसा खर्च किया है।

इसकी सरकार के पांच साल के कार्यकाल में 4 हजार 95 करोड़ रुपये खर्च किए गए जबकि हमारी सरकार के दो साल के कार्यकाल में 3748 करोड़ रुपये बिजली पर कैपिटल एक्सपेंडिचर किया गया है। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने अपने पांच साल में गवर्नमेंट के 4 हजार 95 करोड़ रुपये में केवल 775 करोड़ रुपये की इक्विटी डाली और हमारी हुडा साहब की सरकार ने दो साल के दौरान 3748 करोड़ रुपये में गवर्नमेंट की इक्विटी 1 हजार 86 करोड़ रुपये की डाली है। जो कि 10वीं पंच वर्षीय योजना में खर्च करनी थी। स्पीकर सर, आज 4600 करोड़ रुपये स्टेट शेयर है और जो कम्पनीज पैसा लगायेगी अगर वह भी मिला दें तो 11वीं पंचवर्षीय योजना में हरियाणा की सरकार 21 हजार करोड़ रुपये बिजली के प्रोडक्शन पर खर्च करेगी।

मुख्य मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुडा) : अध्यक्ष महोदय, जो माननीय सदस्य ओमप्रकाश जी ने कहा तो यह सच है कि जब से यह सरकार बनी एक भी मैगावाट बिजली हमने नई पैदा नहीं की है।

श्री ओमप्रकाश चौटाला : एक मैगावाट नहीं एक यूनिट भी।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडा : ठीक है सर, एक यूनिट भी बिजली पैदा नहीं की है मैं आपकी बात से सहमत हूँ। नई जर्नेशन शुरू नहीं हुई हमने एक यूनिट भी बिजली पैदा नहीं की लेकिन फिर भी हम पिछली सरकार से ज्यादा बिजली लोगों को दे रहे हैं। हम बाहर से बिजली खरीद कर दे रहे हैं। मैं आपकी बात से सहमत हूँ आप यह बतायें अगर दुनिया की कोई भी कोल बेस्ड परियोजना शुरू हुई हो और 2 साल में जनरेशन शुरू कर दिया हो। अर्थात् साल से पहले कोई भी कोल बेस्ड परियोजना शुरू नहीं हुई। मैं आपको यह बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार ने शुरू की है और नवम्बर में बिजली की प्रोडक्शन शुरू हो जायेगी। आप तो 5 साल तक बैठे रहे। यमुनानगर की परियोजना पर तो जब तक आप थे काम ही नहीं हुआ। उस पर हमारी सरकार आने के बाद काम शुरू हुआ है।

श्री ओमप्रकाश चौटाला : मुख्य मंत्री जी, मैं अध्यक्ष महोदय के माध्यम से यह बताना चाहूंगा कि यह यूनिट अगर आपकी सरकार ढील न करती तो जो आप नवम्बर की बात करते हैं अब तक यह तैयार हो गई होती। वह दो साल के अर्से में तैयार हो जानी चाहिए थी। उसकी आधारशिला रखी जा चुकी थी और समूचे हिन्दुस्तान में ही नहीं विश्व स्तर का यह पहला थर्मल पावर प्लांट था जिसकी दो कम्पनियों के बीच नैगोशिएशन करके 3,49,50,000/- रुपये प्रति मैगावाट के हिसाब से बनाने का कंट्रैक्ट दिया है जो अपने आप में एक रिकॉर्ड की बात है। (विघ्न) स्पीकर सर, क्या यह योजनाबद्ध तरीके से हो रहा है ? मुझे इस पर कोई आपत्ति नहीं है क्योंकि मुझे तो चीपन मिनट गिननी हैं। क्या इस तरह योजनाबद्ध तरीके से एक-एक आदमी खड़ा होकर मुझे इंटरूट करेगा। (शोर एवं विघ्न)

Mr. Speaker : What do you mean by योजनाबद्ध ? नहीं आप अपनी इन्टेंशन क्लियर करें (विघ्न) no, आप अपनी इन्टेंशन क्लियर करें कि योजनाबद्ध क्या है ? (विघ्न) नहीं, what do you mean by योजनाबद्ध ? No at all. नहीं-नहीं यदि आपको चेयर में विश्वास नहीं है तो you have no right to sit in the House. (Noise & interruptions). Not at all.

श्री ओमप्रकाश चौटाला : मैंने तो चेयर को पहले ही कहा था

श्री के०एल० शर्मा : स्पीकर सर, मेरा प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है।

Mr. Speaker : Mr. Sharma, what is your point of order ?

श्री के०एल० शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है कि जो तथ्य मंत्री जी ने बताये उसमें जो बाकी रह गया है वह मैं बतला देता हूँ। अभी स्पीड की बात की जा रही थी कि 2 साल में चालू कर देनी चाहिए थी। स्पीकर सर, मैं यह बताना चाहता हूँ कि जो हमारी 10वीं पंचवर्षीय योजना थी इसमें सिंचाई, ऊर्जा, सड़क और परिवहन के लिए 4926 करोड़ रुपये हमारे को अलाट हुए थे और एक साल का उसमें बनता है स्पीकर सर, 985.20 करोड़ रुपये। 2002-2003 में 985.20 के अगेन्स्ट इन्होंने किया 698.49, 2004 में किया 700.64 और 2005 में किया 811.09 और सर यह टोटल 3 साल का जो इनका खर्चा बनती है 2210 करोड़ रुपये। यह टोटल परसेंटेज इनकी बनती है 3 साल की 74.8 परसेंट। हमारी सरकार आने के बाद माननीय मुख्य मंत्री जी ने जो नोटिस लिया 2005-06 में इसी हेड की बात कर रहा हूँ जिसकी ये स्पीड की बात कर रहे थे। 2005-06 में 1097.84 करोड़ रुपये पहले साल का, दूसरे साल का 1250.2 करोड़ तो हो चुका है अनुमानित जो इसमें था 1515.4 करोड़ रुपये टोटल बनता है 2615.24 करोड़ रुपये और परसेंटेज बनता है 132.82 परसेंट 2 साल की। सर, तीन साल की परसेंटेज बनती 74.8 और 2 साल की परसेंटेज 132.82। फिर ये स्पीड की बात करते हैं। लोगों को गुमराह कर रहे हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं बता रहा था कि जिस डोंग फोंग इलेक्ट्रिक कारपोरेशन के साथ रिलायन्स कम्पनी का एग्रीमेंट था उस कम्पनी को बदलने के बजाए किसी दूसरी कम्पनी को बदलने के लिए उन्होंने एक दरखास्त दी थी। हमारी सरकार के वक्त में इस दरखास्त को इस लिए रिजेक्ट किया गया था कि नई कम्पनी के मुकाबले जो पहली वाली कम्पनी थी वह अच्छी थी लेकिन रिलायन्स कम्पनी अपने फायदे के लिए ऐसा कर रही थी और जब कांग्रेस पार्टी की सरकार आई, मुख्य मंत्री जी, मैं आपका ध्यान इस बात की ओर आकर्षित करूंगा कि 13 जून, 2005 को उसी कम्पनी ने फिर अपनी दरखास्त दी और 13 जून को उस दरखास्त को रद्द कर दिया गया। फिर दोबारा से जब नए सिरे से आपकी सरकार को दरखास्त दी गई तो आपकी सरकार ने उसको एक्सेप्ट कर लिया यानि 13 जून, 2005 को रिजेक्ट की हुई दरखास्त को फिर आपने किस लिए एक्सेप्ट किया, इसके बारे में आपको सदन को बताना चाहिए? पहले उस दरखास्त को किस बिनाह पर रिजेक्ट किया गया और बाद में किस बिनाह पर उसको एक्सेप्ट किया गया। अध्यक्ष महोदय, इसकी वजह से हरियाणा स्टेट को 400 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है। माननीय ओम प्रकाश चौटाला जी जो बातें पूछ रहे हैं और वह डोंग फोंग कम्पनी जिसका ये नाम ले रहे हैं वह कम्पनी हाई कोर्ट में गई थी। जो इल्जाम ये लगा रहे हैं उनके साथ इनकी मिली भगत थी और यह भीज इन्हीं का बोया हुआ भीज था। यह तो चाहते ही यह है कि स्टेट में बिजली पैदा न हो। जो बात ये कह रहे हैं यह सारी बातें हाई कोर्ट में आ चुकी हैं। माननीय उच्च न्यायालय ने इतना बड़ा फैसला दिया है और उन्होंने सरकार के निर्णय को उचित माना है और उनकी रिट पेटिशन को खारिज कर दिया है। अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या ये हाई कोर्ट से बड़ी अथोरिटी है जो यहां पर इस प्रकार से बात कर रहे हैं?

राज्यपाल मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाचंट ऑफ आर्डर है। मैं यहां पर यह कहना चाहता हूँ कि माननीय चौटाला साहब हाउस को मिसलीड कर रहे हैं। जो टोटल है करीबन 21,531 करोड़ रुपये की 11वीं प्लान में प्रावधान किया गया जब कि इनके समय में 20072 करोड़ रुपये था, कहने का मतलब यह है कि हमारी सरकार तो काम कर रही है और ये इल्जाम लगाने में लगे हुए हैं। अगर काम नहीं हो रहा हो तो कोई बात हाउस के सामने लाएं। अध्यक्ष महोदय, मैंने बताया था कि 300 मेगावाट का प्रोजेक्ट फरवरी, 2008 में चालू हो जाएगा। जिस प्रकार की बात ये कर रहे हैं एक प्रकार से ये हाउस का टाईम खराब कर रहे हैं ये सही टॉपिक पर बात नहीं कर रहे हैं कोई सही बात नहीं बोल रहे हैं और हाउस को गुमराह करने की बात कर रहे हैं। इनको चाहिए कि ये हाउस में सही बात करें (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, आप अपनी डिस्क्शन रिज्यूम करें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने यह बात कही कि वह कम्पनी हाईकोर्ट में चली गई। कोई भी आदमी किसी कोर्ट में तभी जाता है जब किसी बात का फैसला उसके खिलाफ हो जाता है। इस सरकार ने उसकी दरखास्त को रिजैक्ट किया था, सरकार के इस फैसले के खिलाफ वे हाई कोर्ट में नहीं जाएंगे तो क्या करेंगे। हाई कोर्ट क्या फैसला करती है। यह बाद की बात है, लेकिन सदन में जो ये कह रहे हैं कि वह कम्पनी हाई कोर्ट में चली गई। जब सरकार ने डेंग फॉर्म कम्पनी की दरखास्त को रिजैक्ट कर दिया तो फिर उनको हाई कोर्ट में जाना ही था। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाचंट ऑफ आर्डर है। मैं इनको यह बात समझा रहा हूँ कि ये हाई कोर्ट से बड़ी अथोरिटी नहीं है। जो बातें यह यहां पर कह रहे हैं वे सारी बातें हाई कोर्ट में कही जा चुकी हैं और हाई कोर्ट में डबल बैंध ने एक निर्णय दिया है और उस निर्णय के अनुसार ही हरियाणा सरकार ने फैसला किया है कि प्रदेश के हित में बिजली बनाना सही है और सरकार द्वारा जो कदम उठाये गये हैं वे सही हैं। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मुझे समझाने से पहले ये खुद समझे लें और फिर उसके बाद सदन को समझाएं। उनकी दरखास्त रद्द होने के बाद वे हाई कोर्ट में गए और हाई कोर्ट ने उनके खिलाफ फैसला दिया। आज भी यह फैसला सुप्रीम कोर्ट में विधाराधीन है। आज कौन सी कोर्ट क्या कर दे यह तो न इनके अधिकार क्षेत्र में है और न ही मेरे अधिकार क्षेत्र की बात है, मेरे कहने का भाव यह है कि सरकार मेरी बात का जवाब दे। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाचंट ऑफ आर्डर है। ये खुद मुख्य मन्त्री रहे हुए हैं विपक्ष के नेता लायक प्रदेश की जनता ने इनको नहीं बनाया क्योंकि कामकाज कैसे होता है इस बारे में लोग जानते हैं कि इनको मालूम नहीं है। पूर्व मुख्यमन्त्री होने के नाते इनको यह मालूम होना चाहिए कि जो मामला किसी कोर्ट के विचाराधीन हो या सब-जूडिश मामला हो उस पर सदन में धर्या नहीं हो सकती है। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, अगर सरकार की सोच ठीक होती और ये उनकी दरखास्त को मान लेते तो यह काम दो साल पहले पूरा हो जाता। मैं सरकार से केवल यह पूछना चाहता हूँ कि 13 जून, 2005 को दरखास्त रिजैक्ट की गई तो फिर यह एक्सेप्ट क्यों की गई यह सदन को बताएं ? (विघ्न)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। छः साल तक ये खुद सत्ता में थे। हमारी भ्रष्टा तो इनकी सोच के अनुसार चाहे खराब ही रही हो लेकिन छः सालों के दौरान इन्होंने इसको क्यों नहीं बनाया। (विघ्न एवं शोर) ये तो केवल पत्थर लगावा दिया करते थे जिनको लोग उखाड़ कर ले गए। (विघ्न एवं शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, जहां तक बिजली पैदा करने का प्रश्न है, नई सरकार बनने के बाद एबन लॉयड कम्पनी ने फरीदाबाद में गैस बेसड प्लांट लगाना था जिसकी आधारशिला इन्होंने रखी थी। मुख्य मंत्री जी यह बताएं कि क्या उस पर कोई एक ईंट लगी है? अगर वहां पर एक भी ईंट लगी हो तो ये बता दें। अपनी रखी हुई आधारशिला पर एक भी ईंट क्यों नहीं लगाई ?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, ये खुद मुख्य मंत्री रहे हैं और यदि ये जिम्मेदारी से काम करते तो आज इस हालत में नहीं होते। अध्यक्ष महोदय, मेरी क्या जिम्मेदारी है मैं यह अच्छी तरह से समझता हूँ लेकिन एबन लॉयड का जहां तक सवाल है, वह सब को मालूम है कि वहां गैस बेसड प्लांट लगाना था लेकिन गैस अवेलेबल नहीं थी इसलिए उस प्रोजेक्ट पर हम कोल बेसड प्लांट पर गए हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हम यही तो कह रहे हैं कि अगर ऐसी योजना नहीं थी तो आपको आधारशिला रखने की क्या आवश्यकता थी। आपने यह क्यों कहा कि हम बिजली पैदा करने जा रहे हैं ? (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। ओम प्रकाश चौटाला जी आधारशिला के बारे में बोलते हुए अच्छे नहीं लगते हैं। जब इनका राज खिसकने को हो गया था तब ये विदेशों में भागने के सपने ले रहे थे। अध्यक्ष महोदय, इनसे यह पूछा जाए कि क्या इन्होंने हरियाणा का कोई गांव या शहर ऐसा छोड़ा था जहां इन्होंने आधारशिला न रखी हो ? आज उन सारी आधारशिलाओं पर गधे कमर खुजाते हैं। अध्यक्ष महोदय, इस बारे में इनसे पूछा जाए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आधारशिला जो रखी जाती है उस पर काम होता है। मुझे यह कहने में फख्र महसूस होता है कि जहां जहां मैंने आधारशिलाएं रखी थीं तो उनका काम भी मैंने ही शुरू करवाया था, कम्प्लीट भी मैंने करवाया था और उद्घाटन भी मैंने किया था। एक ही आधारशिला ऐसी रह गई थी जिस पर काम शुरू नहीं हो सका था और उस पर मुख्यमंत्री महोदय ने दोबारा से पत्थर लगवाने का काम किया है हमारा अगर कोई काम रूका है तो वह चुनाव आचार संहिता की वजह से ही रूका है।

श्री के०एल० शर्मा : अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां पर भी चौटाला साहब एक आधारशिला रख कर गए थे और एक साल तक वहां पर कोई ईंट नहीं लगी थी। आप उस वक्त का बजट उठाकर देख लें बजट में उस काम के लिए 5 रुपए भी नहीं रखे गए थे। अध्यक्ष महोदय, चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के नेतृत्व वाली हमारी सरकार सत्ता में आई तो इन्होंने वहां पर जब आधारशिला रखी थी तो मैंने इनसे सवाल किया था कि आधारशिला रखने का क्या औचित्य है? अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इनको बताना चाहता हूँ कि उसी दिन से वहां पर मुख्यमंत्री जी के आदेशों से काम शुरू हो गया था।

श्री रणधीर सिंह बरवाला : अध्यक्ष महोदय, सदन में भूतपूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला द्वारा रखी गई आधारशिलाओं पर चर्चा की जा रही है। मैं भी आपके माध्यम से सदन में बताना चाहता हूँ कि मेरे जिले में भी ये 132 केवीए सब-स्टेशन की आधारशिला रख गये थे। लेकिन वह न्यूनिसिप्लिटी की जमीन थी और इस सरकार के आने के बाद मैंने अधिकारियों से और मुख्यमंत्री जी से उस बारे में विचार किया तो उन्होंने बताया कि उस साल 132 केवीए सब-स्टेशन के लिए कोई योजना ही नहीं बनाई गई थी। इस सरकार के आने के बाद ही उसका काम शुरू हुआ है। अब चौटाला साहब सदन में कह रहे हैं कि उन्होंने जो आधारशिला रखी थी उनका काम इनके समय में पूरा हुआ है और उन्होंने उसका उद्घाटन भी किया है। अब ये इस सदन में इस बारे में भी बताएं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यहां पर चर्चा की गई कि इतनी बिजली खरीदी गई। बहुत खुशी की बात है। उपभोक्ताओं की जरूरत के मुताबिक सरकार की यह जिम्मेवारी बनती है। अगर प्रदेश का प्रोडक्शन बढ़ाना है तो बिजली की जरूरत पड़ेगी ही। लेकिन आज इन्डस्ट्री में और खेती के लिए बिजली पूरी नहीं मिल रही है। अध्यक्ष महोदय, हमने अखबारों में पढ़ा था कि इस सरकार ने उत्तरांचल, हिमाचल प्रदेश और महाराष्ट्र को बिजली बेचने का काम किया है। आज हरियाणा के लोगों में बिजली के लिए हाहाकार मचा हुआ है और आप बिजली बेच रहे हैं। इस बार में जब प्रश्न किया गया था तो सिंचाई मंत्री, बिजली मंत्री कुछ नहीं बता पाए थे।

राजस्व मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : स्पीकर सर, यह जो सरप्लस बिजली बेचने की बात कर रहे हैं तो इस बारे में इनको मालूम होना चाहिए कि जब बिजली सरप्लस होती है तो दूसरी स्टेट्स के साथ आपस में बिजली शेयर की जाती है। गर्मियों के दिनों में जब हमारी रिक्वायरमेंट होती है तो हम भी दूसरी स्टेट्स से बिजली खरीदते हैं। आज सर्दियां हैं और उनको बिजली की ज्यादा रिक्वायरमेंट है। जहां तक उन्होंने सवाल पूछा था कि बिजली कितने घंटे चलती है तो मैंने कहा था कि 20 से 22 घंटे हम शहरों में बिजली आज के दिनों में दे रहे हैं। अगर हमारे पास आज थोड़ी बहुत बिजली सरप्लस है और हमने उसको दूसरे स्टेट को दे दिया तो क्या हुआ और जब गर्मियों में हमारी रिक्वायरमेंट होगी तो हम भी उन स्टेट्स से बिजली ले सकते हैं। यह हमारा उनके साथ आपस का मामला है। सरकार हमारी है और हमें क्या नहीं करना है, क्या करना है यह हमारा काम है आपका नहीं है। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं तो वही कह रहा हूँ जो लोग बिजली के मुसालिक कह रहे हैं। मंत्री जी यह बताएं कि हिमाचल और उत्तरांचल में तो सर्दी है। लेकिन क्या महाराष्ट्र में भी सर्दी है ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अगर हमारे पास सरप्लस बिजली है तो हमारी स्टेट दूसरे स्टेट को वह बिजली दे सकती है। जब जरूरत होगी तो हम उनसे बिजली ले लेंगे।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं तो इन्हीं की बात को दोहरा रहा हूँ। इन्होंने कहा है कि सर्दियों में उनको बिजली चाहिए और गर्मियों में हम उनसे बिजली ले लेंगे। क्या महाराष्ट्र में भी सर्दी पड़ रही है ? (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादव : हमारे पास सरप्लस बिजली है तो हम दे रहे हैं क्या आपको इतनी समझ नहीं है। अध्यक्ष महोदय, ये मुख्यमंत्री रहे हैं और इनको इतनी भी समझ नहीं है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, आप गवर्नर एड्रेस पर बोलें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं यही कह रहा था कि बिजली का बहुत भारी संकट है और इसके पीछे एक ही कारण है कि मौजूदा सरकार ने अपने दो साल के अर्से में एक यूनिट बिजली भी पैदा नहीं करी है। आगे क्या होगा और कितनी बिजली पैदा होगी मैं इस पर नहीं जाना चाहूंगा। यह अच्छी बात है कि आप हरियाणा में बिजली पैदा करें और आज बिजली के बिना गुजारा नहीं है। यहां पर कृषि पर चर्चा चल रही थी लेकिन मैं यह कहना चाहता हूँ कि कृषि को बढ़ावा देने के लिए बिजली का बहुत अभाव रहा है, पानी का अभाव रहा है, किसानों को अच्छी क्वालिटी के पर्याप्त बीज नहीं मिल रहे हैं, डी०ए०पी० खाद बिजाई के मीके पर उपलब्ध नहीं थी और तो और यूरिया खाद के लिए भी लोग मारे मारे फिरते हैं। किसानों को ब्लैक में खाद खरीदनी पड़ती है। आज किसान को उसकी फसल का वाजिब दाम नहीं मिल पाया है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, जब ओम प्रकाश चौटाला जी मुख्यमंत्री थे और केन्द्र में भारतीय जनता पार्टी लैड थाय एन०डी०ए० की सरकार थी तो उन दिनों डी०ए०पी० और यूरिया के भाव क्या थे और इन्होंने ये क्या कर दिए थे वह मैं आपके माध्यम से चौधरी ओम प्रकाश चौटाला साहब को और सारे सदन को बताना चाहता हूँ। उस समय 133 रुपये का यूरिया का कट्टा था लेकिन इन्होंने वह 242 रुपये किया था। 250 रुपये का डी०ए०पी० का कट्टा था जिसको इन्होंने 385 रुपये तक बढ़ा दिया था लेकिन उस समय ओम प्रकाश चौटाला साहब की किसान हित की पीड़ा नहीं जागी। इसके अलावा उस समय गिट्टी का तेल दो रुपये लीटर होता था लेकिन इन्होंने उसको दस रुपये लीटर राशन की दुकानों पर दिया था। उस समय इनकी गरीब हित की पीड़ा नहीं जागी, उस समय किसान हित की पीड़ा नहीं जागी। इसलिए अब कम से कम इनको इस तरह की अनर्गल बातें करने से पहले अपने गिरेबान में झाँककर देख लेना चाहिए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मौजूदा सरकार को तो मंहगाई की बात करते वक्त बहुत सोचने की जरूरत है। मैं इस पर नहीं जाना चाहता। मंहगाई हर चीज की बढ़ी है लेकिन किसान के उत्पादन के दाम घट रहे हैं। इससे ज्यादा अफसोसजनक बात और क्या होगी कि पिछले साल 650 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से जो गेहूँ खरीदा गया था वह आज बाजारों में 1150 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बिक रहा है। इनकी यू०पी०ए० की सरकार लैड बॉय कांग्रेस विदेशों से 1300 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से गेहूँ खरीद रही है जबकि किसानों को कहा जा रहा है कि अगले साल उनको 750 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से दाम देंगे। अध्यक्ष महोदय, विदेशों से तो गेहूँ ये 1300 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से खरीद रहे हैं और यहां के किसान को 750 रुपये क्विंटल के दाम देने की बात की जा रही है। इसलिए इससे ज्यादा किसानों के शोषण की और क्या सोच हो सकती है ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इनको फिर बताना चाहूंगा हालांकि यह प्रश्न का विषय नहीं है बल्कि केन्द्र का विषय है कि 1250 रुपये प्रति क्विंटल पर एन०डी०ए० की सरकार ने गेहूँ विदेशों से मंगवाया था। पहली बार यू०पी०ए० की सरकार ने 100 रुपये से अधिक किसान को न्यूनतम समर्थन मूल्य के अंदर बढ़ोत्तरी दी है। पहली बार दो रुपये से अधिक दो बार में करके डीजल के रेट कम किए गए। अध्यक्ष महोदय, इस बात के लिए सरकार सचेत है। पहली बार फारवर्ड ट्रेडिंग जो चालू की गयी थी, वह भी बंद की गयी है। अध्यक्ष

महोदय, इनके समय में 12 रुपये से अधिक डीजल के रेट बढ़े लेकिन एक बार भी इनकी पीड़ा नहीं जागी। जिन पांच सांसदों का चौटाला साहब ने उस समय सौदा कर लिया था और जिनके सहारे बाजपेयी जी की सरकार चल रही थी, उनसे जाकर कमी भी इन्होंने इस बारे में नहीं कहा। उस समय 133 रुपये से यूरिया के रेट 242 रुपये पर आ गये और 250 से 265 रुपये डी०ए०पी० खाद के रेट बढ़े। उस समय दो रुपये लीटर से दस रुपये लीटर तक मिट्टी के तेल के रेट बढ़े थे और 12-12, 14-14 रुपये किसान के डीजल के रेट बढ़े थे। उस समय जब 1250 रुपये प्रति किंटल के हिसाब से गेहूँ विदेशों से आयात हुआ था तो इनको किसानों का हित याद नहीं आया, जब किसानों पर गोलियाँ चलायी गयीं और जब किसान के खून से इनके हाथ रंगे तब इनको किसानों के हित याद नहीं आए। जब घोड़ों की टॉपों से किसानों की पगड़ी रौंदी गयी तब इनको किसानों की याद नहीं आयी इनको उस समय किसानों की याद नहीं आयी जब कंडेला गांव के अंदर हमारी बहनें जो घर के अंदर खड़ी थीं जो पेट से थी उनके पेट के अंदर जो बच्चा था उसके अंदर पुलिस की गोलियाँ उतार दी जाती थी। उस समय इनको किसानों के हित की बात याद नहीं आयी। जब आपके ही जिले में दुलीना के अंदर पांच पांच हरिजन नौजवानों की जघन्य हत्या करवायी गयी थी तब आपको उनके हित याद नहीं आए। अध्यक्ष महोदय, इनको किसानों के हित तब याद नहीं आए जब हरसोला से सारे हरिजन और बाल्मिकी भाइयों को निकाल दिया गया था। उस समय इनको किसानों और मजदूरों के हितों की याद नहीं आयी।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, समुचे राष्ट्र के स्तर पर हरियाणा खाद पैदा करने वाला दूसरा प्रदेश है। हर चीज के दाम बढ़े हैं यह आप भी मान रहे हो, सारा मुल्क भी मान रहा है और हम भी इसको मानते हैं कि मंहगाई बढ़ी है लेकिन किसानों को अपनी फसल का उत्पादन बढ़ाने के लिए जो जरूरीयात की चीजे हैं वह उनको भौके पर ही मिलनी चाहिए। मेरे कहने का भाव यह है कि डी०ए०पी० उस वक्त उपलब्ध नहीं हुआ जब गेहूँ कि बिजाई हो रही थी और यूरिया उस वक्त नहीं मिला जब गेहूँ को पकाने की जरूरत थी। इसलिए आज किसान को उसकी फसल के भाव नहीं मिल रहे हैं।

कृषि मंत्री (सरदार एच०एस० चड्ढा) : स्पीकर साहब, हमारे सूबे में डी०ए०पी० खाद की बिल्कुल कमी नहीं आयी है। हमने डी०ए०पी० खाद ज्यादा रखी है। जितनी खाद हमें चाहिए थी उससे ज्यादा यह हमारे पास थी। इसी तरह से हमने यूरिया की कमी भी नहीं आने दी। स्पेशल दिल्ली जाकर यूरिया के रैक मंगाए गए। इस तरह से हरियाणा में यूरिया की भी बिल्कुल कमी नहीं आयी। अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात इनको बलाना चाहता हूँ कि ये अपने आपको किसान हितैषी कहते हैं। इन्होंने पांच साल तक गन्ने का रेट सिर्फ सात रुपये बढ़ाया और हुड्डा साहब ने 21 रुपये बढ़ाया और वह भी सिर्फ डेढ़ साल के कार्यकाल में। तब भी ये कहते हैं कि किसानों के हितैषी बंधें बैठे हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने बनते ही 110 रुपये गन्ने का भाव तय किया था। पहले गन्ने का भाव 90 रुपये से कम था। हमने जब गन्ने का भाव 110 रुपये तय किया था तब बाजार में चीनी का रेट सात रुपये किलो था आज चीनी 21 रुपये किलो के भाव से बाजार में बिक रही है। उस हिसाब से गन्ने के रेट 200 रुपये के हिसाब से होने चाहिए। मेरा कहना यह है कि किसान को लागत मूल्य जरूर मिलना चाहिए। (विघ्न)

सरदार एच०एस० चट्टा : चीनी का रेट 15 रुपये किलो है न कि 21 रुपये किलो है। हमारी सरकार ने हुड्डा साहब के नेतृत्व में जो गन्ने का रेट दिया है वह पूरे हिंदुस्तान में सबसे ज्यादा है। अगर ये किसी एक स्टेट का बता दें कि यहां हमारी स्टेट से ज्यादा रेट है तो मैं मान जाऊंगा।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : 15 रुपये के हिसाब से चीनी यदि बिकली है तो भी उस रेशो से भी गन्ने का रेट 234 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से होना चाहिए। जब हमने 117 रुपये गन्ने का रेट दिया था तब चीनी 7 रुपये किलो के हिसाब से बिकली थी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री आनंद सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय गन्ने की रिकवरी जो है हर शूगर मिल में 9 से 11 परसेंट है। 150 रुपये के आस पास गन्ना पड़ता है। 200-250 रुपये गन्ने का भाव देने की बात कहना ये तो जनता और किसानों को गुमराह करने वाली बात है।

श्री एस०एस० सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है। ओम प्रकाश चौटाला जी गन्ने के भाव और चीनी के रेट की बात कर रहे हैं। इन्होंने गन्ने का रेट तो बढ़ाया था लेकिन इन्होंने प्राइवेट मिल मालिकों से साठ गांठ करके उनको हाईकोर्ट से स्टे दिलवा दिया और किसान का गन्ना जो है वह 70 से 80 रुपये प्रति क्विंटल से ज्यादा में नहीं बिका। यह रिकार्ड की बात है। इन्होंने मिल मालिकों की मदद की। नारायणगढ़ शूगर मिल प्राइवेट शूगर मिल थी, इन्होंने नारायणगढ़ शूगर मिल को 200-300 करोड़ रुपया अपनी गारंटी पर दिलवाया। इनका अपना ट्रैक रिकार्ड इतना भ्रष्ट है और इतना एंटी किसान है जिसका कोई मुकाबला नहीं है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है। चौटाला जी का अपना एक अनुभव है जैसा भी भला या बुरा इनका अपना नाम भी है। चौटाला जी अच्छे वक्ता माने जाते हैं। मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर ये है कि इनको अपने गिरेबां में झांककर अपने काले कारनामों को भी देखना चाहिए। जो ये गन्ने के रेट का तिक्र कर रहे हैं ये बहुत बड़े गुनाहगार हरियाणा के लोगों के हैं। इन्होंने सिरसा जिले में पत्नी वाला मोटा में बिना एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट की सलाह के केवल मात्र राजनीतिक फायदा उठाने के लिए इस प्रदेश के कई सौ करोड़ रुपये खर्च करके भूना शूगर मिल लगाई और योग्यता के सारे पैमानों को दरकिनार करके अपने कार्यकर्ताओं को जबरदस्ती उसमें रोजगार दिया। आज मुख्यमंत्री जी ने उन बेचारे कर्मचारियों का सहारा बनकर उनको दूसरी जगह पर नौकरी दी। इस प्रकार प्रदेश को कई सौ करोड़ रुपये की चोट चौटाला साहब की भासमझी के कारण पहुंची। यह चौटाला साहब की छोटी सोच के कारण हुआ। अगर यही चीनी मिल हरियाणा में किसी दूसरी जगह पर लगाते तो किसानों के हितैषी बनते लेकिन किसानों के हितैषी ये हो ही नहीं सकते। इस बात को ये भी जानते हैं और हरियाणा की जनता भी जानती है। ये इस गलतफहमी में न रहे क्योंकि इनकी हकीकत आज हरियाणा की जनता भी जान चुकी है।

श्री निर्मल सिंह : स्पीकर सर, यहां पर मैं थोड़ा सा करेक्ट करना चाहूंगा। यह यह है कि न तो आज चीनी का भाव 21 रुपये प्रति किलो है और न उस समय चीनी का भाव 7 रुपये प्रति किलो था। धींधरी ओमप्रकाश चौटाला अच्छी तरह से जानते हैं कि इन्होंने घासी राम नैन को कहां पर कूटा था और उन पर देशद्रोही का माभला नारायणगढ़ चीनी मिल के सामने ही बनाया था। वहां पर कभी किसी किसान का गन्ना नहीं बिका और गन्ने का भाव उस समय 35 रुपये प्रति क्विंटल था।

आज गन्ने का भाव इतना है कि गन्ना धड़ाधड़ बिक रहा है। आप चौटाला साहब से उस समय का पापुलर का भाव भी पता कर लें क्योंकि उस समय पापुलर का भाव 150 रुपये प्रति क्विंटल था।

श्री अर्जन सिंह (छछरौली) : स्पीकर सर, आज हालत यह है कि पब्लिक इस सरकार की जय जयकार बोल रही है। आज जनता श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की जय जयकार बोल रही है। पिछली सरकार के समय पापुलर का भाव एक ट्राली का 12 हजार रुपये था जबकि आज पापुलर का भाव एक ट्राली का 65 हजार रुपये का है। उस समय गन्ने की ट्राली का भाव 5 हजार रुपये था जबकि आज एक ट्राली का भाव साढ़े सात हजार रुपये है। उस समय गेहूँ और जीरी बेचने वाले किसानों के दफ़ड़ आज तक नहीं गये हैं क्योंकि वे 5-5 दिन तक मण्डी में ही पड़े रहते थे और उनके घर वाले मण्डी में ही उनका खाना पहुँचाते थे। वहाँ पर इतने मोटे-मोटे मच्छर होते थे और वे ऐसे काटते थे कि उनके दफ़ड़ आज फोड़े बनकर निकल रहे हैं। इस सरकार के आने के बाद आज बिजली आना शुरू हो गई है। पिछली सरकार के समय में बिजली के बारे में पता करते थे तो यह पता लगता था कि बिजली नेक भाग जाती है लेकिन आज जब पता करते हैं तो पता चलता है कि बिजली नेक आ रही है अब मुझे नहीं पता यह नेक क्या होता है। (शोर एवं व्यवधान) मैं बी०एस०पी० पार्टी का अकेला सदस्य हूँ। मैं न तो किसी की तारीफ़ के पुल बांधता हूँ और न ही किसी का विरोध करता हूँ। (शोर एवं व्यवधान) विरोधी पक्ष के सदस्य तो एक दूसरे को देख कर बात करते हैं। बिजली किसी ने अपने घर तो बनाई नहीं लेकिन इस सरकार ने आने के बाद बिजली देना शुरू की है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, माननीय सदस्य अपनी कुछ बात कह रहे हैं तो इण्डियन राष्ट्रीय लोकदल पार्टी के सदस्यों को चाहिए कि वे उनकी बात सुनें। माननीय सदस्य के अधिकारों का ये हनन क्यों कर रहे हैं।

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Speaker : Is it the sense of the House that the time of the sitting be extended for half an hour.

Voices : Yes, Sir.

Mr. Speaker : The time of the sitting is extended for half an hour.

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनराारम्भ)

श्री अर्जन सिंह : अध्यक्ष महोदय, किसी भी काम का रिजल्ट मिलना चाहिए। मेरे हल्के छछरौली के मानकपुर गाँव में एक 14x20 फीट का पुल बनना था लेकिन वह पुल आज तक नहीं बना है और उस पुल पर से एक साईकिल भी नहीं जा सकती। लेकिन पिछली सरकार के समय में कामजोरों में उस पुल का उद्घाटन भी हो गया और टेकेदार को पेमेंट भी हो गई। लेकिन आज उस पुल पर से गुजरने वाली एक दो कार या ट्रक रोज़ाना उसमें गिर जाते हैं। लक्कड़ का पुल बना है और वह भी टेढ़ा है। जैसे पिछली सरकार थी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, एक बी०एस०पी० का माननीय सदस्य बोल रहा है और आपकी पार्टी के सदस्य उसको बीच में इन्ट्रूट कर रहे हैं यह ठीक बात नहीं है। इंदीरा जी, आप एक मॅम्बर की बात तो सुनें। अर्जुन सिंह जी अपनी पार्टी के अकेले मॅम्बर हैं और सदन में उसका प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इनकी पार्टी गरीब वलितों की पार्टी है। क्या आप गरीबों की बात नहीं सुनना चाहते। अर्जुन सिंह जी ने यह भी कहा है कि वे न इधर की बात करेंगे, न उधर की बात करेंगे जो भी सच्चाई होगी वही बात कहेंगे। (विघ्न) इंदीरा जी, प्लीज आप बैठें। (विघ्न)

श्री अर्जुन सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरे बराबर में बैठे साथी बैठे-बैठे कह रहे थे कि मैंने जाम लगवाया था। मैं इनको बताना चाहूंगा कि यदि कोई गलत करेगा तो मैं जाम ही लगवाऊंगा और क्या करूंगा। यदि अब भी कोई गलत करेगा तो जाम ही लगेगा लेकिन आज सबकुछ ठीक-ठाक हो रहा है तो जाम क्यों लगेगा। अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने घोषणा की थी कि वे हुड्डा साहब की सरकार का आज सदन में कच्चा चिट्ठा खोलेंगे। प्रैस के साथी और हम यही सोच रहे थे कि हुड्डा साहब की सरकार की क्या कमियां हैं जो चौटाला साहब को मालूम है और आज वे सदन में बतायेंगे। हम सुनने के लिए बेताब थे। लेकिन उन्होंने सरकार का कोई कच्चा चिट्ठा नहीं खोला बल्कि अपनी चुप्पी से इन्होंने साबित कर दिया कि हरियाणा सरकार जो कार्य कर रही है वे सही कर रही है। इस बात के लिए मैं चौटाला साहब का रिगार्ड करूंगा कि इन्होंने सच्चाई को अपनी चुप्पी से माना है। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकारों के समय में छछरीली हल्के में एक भी पत्थर नहीं लगाया गया बल्कि वहां से रेता भी उठा ले गये और जमुना में 20 गांव बरबाद कर दिए। लेकिन हुड्डा साहब की सरकार ने हमारे इशारे भर पर ही वहां पर बांध बनवाया और वह बांध कारगर साबित हुआ। यदि वहां पर बांध नहीं बनवाया जाता तो वहां बहुत ज्यादा जान-माल का नुकसान हो जाता। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी को बधाई देता हूँ। इसी तरह से मेरे हल्के के नयाथा गांव में बस-स्टैंड मंजूर करके परिवहन मंत्री श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला जी ने मुझे फोन पर बताया कि वहां पर बस स्टैंड बनाया जायेगा। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकारों के समय में हथ रो-रो कर मर जाते थे लेकिन हमारे वहां विकास के कार्य नहीं होते थे। अब मेरे हल्के में इशारे भर से ही विकास के कार्य हो रहे हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है। इस प्रदेश के किसानों की हालत सुधारने के लिए सरकार की जिम्मेवारी है कि वह किसानों को समय पर पूरा पानी, बिजली, खाद आदि सभी सुविधाएं मुहैया करवाये और किसान की जो लागत खेती पर आती है कम से कम वह तो किसान को वापिस मिले। अभी गन्ने का जिक्र आया। अध्यक्ष महोदय, हम कहां कहते हैं कि किसानों को कम भाव मिला, हम तो यह कहते हैं कि जो धीनी का भाव है उसी रेशों से गन्ने का भाव होना चाहिए क्योंकि धीनी का उत्पादन करने से ही होता है। चट्टा साहब जैसे जिम्मेदार आदमी ने हमारी सरकार के समय के भाव का जिक्र किया। मैं कहना चाहता हूँ कि यदि उस वक्त के भाव और इस वक्त के भाव को तुलनात्मक दृष्टि से देखोगे तो अपने आप अंतर दिखाई दे जायेगा। (विघ्न)

श्री निर्मल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है। मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर यह है कि एक गरीब परिवार में कितनी धीनी लगती होगी। उसे तो अपने गन्ने का भाव अधिक चाहिए।

श्री के०एल० शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मेरा भी प्वाइंट ऑफ आर्डर है। शाहबाद शूगर मिल प्रदेश की नम्बर एक शूगर मिल है। इसकी 8.50 प्रतिशत गन्ने की रिकवरी है और मार्च के महीने

में सबसे ज्यादा रिकवरी होती है। इसकी पूरी की पूरी चीनी 1500 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बिकी है। यह रिकार्ड की बात है। उस 1500 रुपये पर लेबर, गन्ने को पीराने आदि का खर्चा भी लगता है। यदि उस हिसाब से रेशो किया जाये तो गन्ने का भाव 138 रुपये प्रति क्विंटल से अधिक नहीं बनता। मैं चौटाला साहब की बहुत इज्जत करता हूँ लेकिन पता नहीं इन्होंने कहाँ से 234 रुपये प्रति क्विंटल का रेशो निकाल दिया। ये इस बात को स्पष्ट करें।

श्री निर्मल सिंह : अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब को किसानों की चिंता कहाँ है। ये तो किसानों के नाम पर हमेशा राजनीतिक रोटियाँ सेकले आये हैं। ये चीनी के भाव की चिंता कर रहे हैं। चीनी के भाव से उस वक्त इनको क्या लेना देना था यदि ये गन्ने के रेट बढ़ा देते। अध्यक्ष महोदय, सच्चाई तो यह है कि इनके राज में गन्ना बिलकुल भी नहीं बिका और किसानों ने गन्ना अपने खेतों से जड़ से उखाड़ फेंका था। लोगों ने गन्ना बीजना ही बन्द कर दिया था। पापुलर की खेती जड़ से मिटा दी थी अब दोबारा किसानों ने पापुलर लगाना शुरू किया है। उसकी तोस बजह क्या थी श्री घासी राम पर जो देशद्रोह का मुकद्दमा रजिस्टर हुआ वो नारायणगढ़ की मिल पर गन्ने के पीछे ही हुआ था और उनकी समस्या क्या थी। ये तो प्राईवेट मिलों से किसानों की पैमेंट नहीं करवा सके और जब पैमेंट कैसे हो रही है और बढ़े भावों में हो रही है। स्पीकर सर आपको याद होगा कि किसानों की फसलों पर जो सर्पोटिंग प्राईस दिया जाता है इनके राज में उसको विद्वा करने की बात शुरू हो गई थी।

श्री नरेश शर्मा प्रधान (बादली) : अध्यक्ष महोदय, मैं सदन का ध्यान इस बात की ओर दिलाना चाहता हूँ कि हमारी सरकार से पहले 6 साल तक एक किसान विरोधी सरकार ने काम किया आज पता नहीं इनके अन्दर किसान प्रेम कहाँ से उपज पड़ा। सरकार ने ओलावृष्टि से नष्ट फसलों के लिए मुआवजा दिया उसके लिए मैं सरकार का धन्यवाद करता हूँ। पिछली सरकार ने 2-2 3-3 रुपये किसानों को मुआवजा दिया था ओलावृष्टि का और किसानों ने उस वक्त जो मुआवजा बाँटने वाले थे उनके मुँह पर पैसे फेंके थे और खाली हाथ वापिस आ गये थे आज ये किसान हित की बात करते हैं। जब वोट लेने का समय था उस समय तो कहा कि लुम्हारे बिजली के बिल माफ कर देंगे और जब बिजली के बिल माफ करने की बात आई तो निहत्थे किसानों पर गोलियाँ चलाई और आज वे लोग शर्मिन्ने की बजाय इतरा रहे हैं, शर्म की बात है। उनके लिए तो शर्म की बात है ही हमारे लिए भी शर्म की बात है जो हम चुपचाप उनकी बातें सुन रहे हैं। जब किसानों ने हक की बात की तो उन निहत्थे किसानों पर गोलियाँ चलावाई और आज वे लोग यहाँ इतरा रहे हैं। ये लोग आज एस०ई०जैड० की बात कर रहे हैं मैं यह कहना चाहता हूँ कि हर किसान 7 जन्म तक इसके लिए चौ० भूपेन्द्र सिंह हुड्डा का आभारी होगा। अध्यक्ष महोदय, मेरे बादली विधान सभा क्षेत्र की जमीन एक्वायर हुई है, बहादुरगढ़ विधान सभा क्षेत्र की जमीन एक्वायर हुई है। ये लोग 2.60 लाख मुआवजा देते थे लेकिन आज इस सरकार ने उसी जमीन का 22 लाख रुपये मुआवजा दिलवाया है। हम थीकानेर तक गये तो गाड़ियों और घरों के ऊपर किसानों ने लिखवा रखा है कि जय हुड्डा बाबा। थाय की दुकान पर हमने पूछा भाई हुड्डा बाबा तो हरियाणा में हैं ये यहाँ पर कौन सा हुड्डा बाबा आ गया। वो कहने लगे कि राजस्थान और सिरसा के अन्दर 60-70 हजार रुपये में एक किला बिकता था और जय हुड्डा इसलिए है कि आपकी जमीन तो करोड़ों की हो गई हमारी जमीन के भी 6-7 लाख रुपये एक एकड़ के मिलने लगे हैं। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार में किसानों के हित सर्वप्रथम हैं इसके लिए मैं इस सरकार को बढ़ाई देता हूँ। आज

[श्री भरेश शर्मा प्रधान]

चौ० भूपेन्द्र सिंह हुड्डा 36 बिरादरी को साथ लेकर चल रहे हैं। जो भी योजना बनती है उसमें चाहे कर्मचारी, अधिकारी, किसान, मजदूर सब वर्गों का ध्यान रखा जाता है। इसलिए मैं सरकार को बधाई देता हूँ। हरियाणा में एक खुशी की बात है कि चौ० भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने यह घोषणा की है कि सरकारी नौकरियों में या किसी भी मामले में अगर कोई रिश्तत लेते या देते पाया गया तो देने वाले को भी अन्दर कर देंगे और लेने वाले को तो अन्दर करेंगे ही। मैं इस बात की मुख्य मंत्री जी को भी बधाई देता हूँ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आपने बोलने का समय तो मुझे दिया हुआ है लेकिन बोलने की छूट दूसरे सदस्यों को दे रहे हैं।

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, आपको बोलने की पूरी छूट है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय सत्ता पक्ष के लोग मुझे बोलने तो नहीं दे रहे हैं।

श्री अध्यक्ष : प्वायंट ऑफ आर्डर रेज करना मैम्बर का राइट है और कोई भी मैम्बर प्वायंट ऑफ आर्डर रेज कर सकता है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : मेरे कहने का भाव यह था कि इस कृषि प्रधान प्रदेश के किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए खेती की पैदावार बढ़ाने की समुचित व्यवस्था हो, उसको लाभप्रद मूल्य मिले, यह सरकार की सोच होनी चाहिए। सरकार को मेरा सुझाव है और इसके लिए मैंने कहा भी है कि बिजली जरूरी थी, लेकिन बिजली का उत्पादन यह सरकार नहीं कर पाई। इस बारे में सरकार की जो योजनाएं हैं वे ठीक हैं, अगर सिरें चढ़ेंगी यह बहुत अच्छी बात होगी यदि उसका फायदा आम आदमी और किसान को मिले। यदि किसान को पर्याप्त मात्रा में बिजली उपलब्ध होगी तो हम सरकार की सराहना भी करेंगे। अध्यक्ष महोदय, रहा सबाल सिंचाई का तौ मैं कह रहा था कि अब तक ये किसानों को एक बून्द पानी भी नहीं दे सके हैं। हरियाणा की जीवन रेखा एस.वाई.एल. नहर है और दो साल के अरसे में इस सरकार द्वारा उसकी कोई चर्चा नहीं की गयी कि एस.वाई.एल. नहर बनवाई जानी चाहिए।

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। एस.वाई.एल. नहर की चर्चा चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने की इसके बारे में इनका खुद का जो रिकार्ड है वह मैं सदन के सामने रख देता हूँ। स्पीकर सर, 1985 में राजीव लॉगोवाल समझौता हुआ था। स्पीकर सर, एस.वाई.एल. नहर के ऊपर आज तक जो भी निर्णय आए हैं उसका श्रेय केवल और केवल श्रीमती इन्दिरा गांधी और श्री राजीव गांधी जी को जाता है चाहे 24 मार्च, 1976 का फैसला हो चाहे 1981 का इन्दिरा अवार्ड हो। जुलाई 1985 में राजीव-लॉगोवाल समझौता हुआ तब इराडी कमीशन का गठन हुआ था। जब इराडी कमीशन सुनवाई के लिए तथा हरियाणा प्रदेश के लोगों की व्यथा को जानने के लिए हरियाणा में ट्रेवल किया करता था तब पूरे हरियाणा में चौटाला जी ने स्वयं इस कमीशन को साईमन कमीशन की संज्ञा दी थी तथा उस कमीशन का बॉयकाट किया था। यह कांग्रेस पार्टी ही थी जिसने हरियाणा के पक्ष का केस इराडी कमीशन के साथ लड़ा। चौधरी देवी लाल जी ने 3.5 मिलियन एकड़ फुट पानी की मांग रखी थी लेकिन 3.83 मिलियन एकड़ फुट पानी हम लेकर आये और उसके बाद जब हमारी सरकार चली गई और इनकी सरकार 1987 से 1991 तक आई तब चौटाला साहब खुद हरियाणा प्रदेश के

मुख्य मन्त्री थे और इनके पिता जी स्वयं केन्द्र सरकार में उप-प्रधान मंत्री थे, इनके खुद के लगाए हुए गवर्नर पंजाब के अन्दर थे, चौटाला साहब इस बात को भूल गये कि उस वक्त इराडी कमीशन के अवार्ड को इन्होंने ठण्डे बस्ते में डाल दिया था। बादल साहब की चिन्ता इनको फिर सताने लगी कि कहीं बादल साहब के हितों को कोई नुकसान न हो जाए। वर्ष 1987 से 1991 तक इराडी कमीशन और एस.वाई. एल. नहर चौटाला साहब को याद नहीं आई, जब पूरे प्रान्त और देश की सरकार इनके पास थी। स्पीकर सर, चौटाला साहब आज भी बाहर गलत बयानी कर रहे हैं कि इन्होंने केस फाईल किया था। 1995 में कांग्रेस पार्टी की सरकार ने स्यूट नं० 1 ऑफ 1995 सुप्रीम कोर्ट में डाला था जिसका फैसला आया और हमें पानी का अधिकार मिला। स्पीकर सर, आज फिर हरियाणा में चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की सरकार लड़ाई लड़ रही है और उम्मीद है कि जल्दी ही इसका फैसला आयेगा जिसकी संविधान की खण्ड पीठ के पास सुप्रीम कोर्ट में भेजा है और हमारा अधिकार दोबारा बहाल होगा। अध्यक्ष महोदय, हमारा व्यवहार ऐसा नहीं है कि बाहर जा कर इराडी कमीशन को साईमन कमीशन की संज्ञा दें और इराडी कमीशन का बहिष्कार करें और अब सत्ता में हों तो एस.वाई.एल. नहर का निर्माण न करें। अभी बादल साहब के चुनाव के समर्थन में ये पंजाब गए थे लेकिन ये उनसे इस ईशु पर सही फैसला नहीं करवा पाएंगे। स्पीकर साहब, ये एक बात हाउस के अन्दर करते हैं और हाउस से बाहर दूसरी बात करते हैं। जब इनकी अपनी सरकार होती है उस वक्त इनको किसान याद नहीं आते, एस.वाई.एल. नहर याद नहीं आती लेकिन आज इन को फिर एस.वाई. एल. नहर की याद आ रही है। (विघ्न) जिन लोगों ने इराडी कमीशन को साईमन कमीशन की संज्ञा दी हो उनकी क्या बात चुनें। (विघ्न)

श्री नरेश मलिक : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। अभी माननीय पूर्व मुख्य मंत्री जी ने एस.वाई.एल. नहर का जिक्र किया है। एस.वाई.एल. नहर के मुद्दे को लेकर नारनाल की सड़कों पर आन्दोलन चल रहा था, बादल साहब के खिलाफ रास्ता रोका जा रहा था। बादल साहब के खिलाफ आन्दोलन की कार्यवाही चल रही थी उस वक्त पंजाब के अन्दर चौधरी देवी लाल जी की भूमि का अनावरण हो रहा था। वहां पर श्री वाजपेयी जी भी आये हुए थे उस समय इनकी सरकार द्वारा सड़कों पर लोगों पर लाठियां चलाई गईं, लोगों का लहू बहाया गया था और 70 के करीब लोगों पर धारा 307 के मुकद्दमें बनाए गये थे और अब इनको एस.वाई. एल. नहर की याद सता रही है। जब तक इनकी सरकार रही और चौधरी देवी लाल हरियाणा के मुख्य मंत्री थे तब से लेकर अब तक हरियाणा के अन्दर जितना पानी उपलब्ध था इनको उसके बराबर बंटवारे का ध्यान नहीं आया और इस बारे में इनकी तरफ से कोई प्रयास नहीं किये गये। मैं माननीय मुख्य मंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी का धन्यवाद करता हूँ कि नहरी पानी के बारे में इस सरकार ने विधान सभा के अपने पहले सत्र में माना कि हम पानी का इक्विल डिस्ट्रिब्यूशन करेंगे। दो जिलों के अन्दर सारे हरियाणा का पानी जाता रहा और दक्षिणी हरियाणा के अन्दर इन्होंने एक बून्द पानी की नहीं बढ़ाई। यह बात मैं जानता हूँ कि इस सरकार में भी हमें पूरा पानी नहीं मिला, ऐसी बात नहीं है कि हमें पानी मिल गया है। दक्षिणी हरियाणा को अभी तक भी पानी नहीं मिला और उस पानी के लिये हमारी लड़ाई जारी है। अध्यक्ष महोदय, अभी भी वर्तमान सरकार और चौटाला साहब की सरकार में एक भी पानी की बून्द दक्षिणी हरियाणा को नहीं मिली है। एस.वाई. एल. नहर के मुद्दे पर जब भी लड़ाई लड़ी गई चौटाला साहब की सरकार ने लोगों पर मोलियां बलवाई, लोगों पर लाठियां बरसाईं, लोगों का खून बहाया और लोगों पर झूठे मुकद्दमें बनाए।

श्री राधे श्याम शर्मा अमर : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। स्पीकर सर, सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा के पक्ष में फैसला दिया तो आदरणीय चौटाला साहब ने घोषणा की थी कि ये 15 जुलाई से नहर की खुदाई शुरू करेंगे और हमने भी इनको कहा था कि हमें ऐसा लगता है कि न खंजर उठेगा, न तलवार इनसे। ये बाजू हमारे अजामाए हुये हैं। 15 जनवरी को हमने कहा था कि आप हमें जगह बताएं तो हम भी आपको आदमी लेकर वहीं पर मिलेंगे लेकिन ये कहीं न पहुंचे। स्पीकर सर, बादल साहब के चुनावों का दबाव पड़ा और इन्होंने हरियाणा के हितों के खिलाफ काम किया। सर, अब जब बादल साहब ने धारा 5 निरस्त करने की बात कही तो एस.वाई.एल. नहर की बात करने वाले हमारे बुजुर्ग चौटाला साहब 3 तारीख से चुप बैठे हैं इन्होंने कोई भी ब्यान उस बारे में नहीं दिया कि बादल क्या बोलता है। वह इनके मित्र हैं, दोस्त हैं और इनको हरियाणा के हितों के लिए उनको इस बारे में समझाना चाहिए। लेकिन यह रिकार्ड की बात है कि आज तक ये कुछ भी उनको नहीं बोले हैं। मैं यह कहना चाहता हूँ कि यहां पर एस.वाई.एल. नहर के बारे में इनको बोलने का क्या अधिकार है।

Mr. Speaker : Chautala Ji, you resume your speech. (विघ्न) ज्ञान चन्द जी, आप अपनी सीट पर बैठें। (विघ्न) पता नहीं क्या बात है आप हर बात पर बोलने के लिए खड़े हो जाते हैं। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इसमें बहुत पेशंस दिखाने वाली बात है। इसमें मेरा कोई व्यक्तिगत स्वार्थ नहीं है। यह प्रदेश के हित का मामला है। मैं उस अनर्गल बाल में नहीं जाना चाहूंगा, जो कुछ सदस्यों ने यहाँ पर बिना सोचे समझे कही है। जो एक लाँछन बार बार लगाया जा रहा है कि हमारे प्रकाश सिंह बादल से पारिवारिक सम्बन्ध है तो मैं आज भी तसलीम करता हूँ कि हाँ हमारे उनके साथ पारिवारिक सम्बन्ध हैं। लेकिन हरियाणा के हितों पर कुठाराघात होता तो हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। हमारे सामने हरियाणा का हित सर्वोपरि है। एस.वाई.एल. नहर का मुद्दा सर्वप्रथम चौधरी देवी लाल जी जब इस प्रदेश के मुख्यमंत्री थे और सरदार प्रकाश सिंह बादल पंजाब के मुख्यमंत्री थे तो उस समय भूमि का अधिग्रहण करके उसका काम शुरू हुआ था। जब पंजाब के लोगों ने डील पैदा करने की कोशिश करी तो प्रकाश सिंह के मुख्यमंत्रीत्व काल में मेरे पिता चौधरी देवी लाल इस ईशु को सबसे पहले अदालत में लेकर गए थे। (विघ्न)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, आपके पीछे जो खम्बा है उस पर लिखा हुआ है कि या तो सदन में प्रवेश नहीं किया जाए अगर किया जाए तो सत्य बात कही जाए। (विघ्न) चौटाला जी ने यह असत्य कहा है। (विघ्न) अगर आप सदन में गलत बात कहेंगे या असत्य बात कहेंगे तो हम उसको दुरुस्त करेंगे। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप क्या सदन से जाना चाहते हैं। (विघ्न) आप इनकी बात सुने और आपको अपनी सीट से बोलना चाहिए। (विघ्न) क्या आप सभी सदन से जाना चाहते हैं ? (विघ्न) जब आप किसी की बात नहीं सुनेंगे तो आपकी बात को कौन सुनेगा। (विघ्न) वे पार्लियामेंट अफेयर मिनिस्टर हैं और वे सदन में रिकार्ड के अनुसार बात बताना चाहते हैं आप उनकी बात को सुनें। (विघ्न)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, आपके पीछे खम्बे पर लिखा है कि या तो सभा में प्रवेश नहीं किया जाए और अगर प्रवेश करते हैं तो सत्य ही बोलें। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी आज यह प्रोजेक्ट कर रहे हैं कि एस.वाई.एल. नहर के पानी का निपटारा स्वर्गीय चौधरी देवी

लाल जी ने और इनकी पार्टी ने करवाया था। स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से सदन में इनसे यह पूछना चाहूंगा कि क्या यह सही नहीं है कि 24 मार्च, 1976 को हमारे पंजाब पुनर्गठन अधिनियम की धारा 78 के तहत श्रीमती इन्दिरा गांधी ने निर्देश दिए थे कि हरियाणा को 3.6 मिलियन एकड़ फुट पानी मिलेगा। ये यह बताएं कि क्या यह बात असत्य है, अगर यह बात सत्य है तो ये अपना सिर झुका कर स्वीकार करें कि एस.वाई.एल. नहर के मामले का निपटारा इन्होंने नहीं करवाया था।

श्री एस०एस० सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन में बताना चाहूंगा कि 1977 में मैं भी एम०एल०ए० था। चौधरी देवी लाल जी उस वक्त मुख्यमंत्री थे और मैं उस वक्त कांग्रेस पार्टी का मैनबर था। उस समय एक इन्वीटेशन छपा था कि प्रकाश सिंह बादल एस०वाई०एल० नहर की खुदाई शुरू करने का पत्थर रखेंगे और चौधरी देवी लाल जी उस फंक्शन को प्रिजाईड करेंगे। अध्यक्ष महोदय, वह इन्वीटेशन मुझे भी आया था और मैंने उस इन्वीटेशन को आज भी सम्भाल कर रखा हुआ है। पंजाब हरियाणा के बाकी लोगों को भी ये लैटर आए थे लेकिन वह तारीख आज तक नहीं आयी वह तारीख कभी नहीं आई। न तो फंक्शन हुआ और न पत्थर रखा गया तथा न ही किसी ने प्रिजाईड किया। अध्यक्ष महोदय, इससे बड़ा कोई और झूठ नहीं है। इन्होंने उस वक्त जो मुकदमा किया था वह प्रकाश सिंह बादल से सलाह करके इस बात को कुएँ में डालने के लिए किया था। कांग्रेस ने जनवरी, 1981 को दोबारा से वह तीनों केस विदड़ा करवाकर तीनों स्टेटस से फेसला करवाकर फिर से हरियाणा को पानी दिया और पंजाब से कमिटेमेंट करवायी कि ये दो साल में नहर बनवाएंगे। अध्यक्ष महोदय, इराडी ट्रिब्यूनल का केस भी मैंने लड़ा था। 1982 से लेकर 1987 तक जब मैं मंत्री था तो कांग्रेस के उसी राज में ही 85 परसेंट यह नहर बनी थी। इन्होंने तो इस बारे में कुछ नहीं किया। ये तो असल में हरियाणा के पानी के सबसे ज्यादा विरोधी रहे हैं। ये तो यह चाहते थे कि किसी भी तरह हरियाणा को पानी न मिले। इस तरह से झगड़ा होता रहा और ये बार बार इस मामले को लेकर वोट लेते रहे। इनका तो यह पोलिटिकल गेम रहा है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। सर, श्री ओम प्रकाश चौटाला जी को एक बात आज तक याद नहीं आयी कि जब बादल साहब ने यह बयान दिया कि हम पंजाब वाटर अर्मिनेशन ऐक्ट की सैक्शन 5 को लैजिसलेशन के थ्रू डिलीट कर देंगे तो इन्होंने आज तक एक बार भी यह नहीं कहा कि प्रकाश सिंह बादल ने हरियाणा के खिलाफ क्यों इतना भयंकर बयान दिया है। ये अब एस०वाई०एल० कैनाल का जिक्र तो कर रहे हैं लेकिन इन्होंने उनके बयान के बारे में कुछ नहीं कहा। अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे एक बात के लिए रूलिंग चाहता हूँ कि जो मामला उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन हो और जिस मामले की जल्दी ही बहस के लिए तारीख तय हो तथा जिस मामले से दोनों प्रदेशों खासकर हरियाणा के किसानों का भविष्य निर्भर करता हो तो क्या एक भूतपूर्व मुख्यमंत्री रहे हुए एक सीनियर मैनबर को यह शोभा देता है कि उस लम्बित मामले का वह यहाँ पर जिक्र करे। सर, मैं इस बारे में आपकी रूलिंग चाहता हूँ।

श्री अध्यक्ष : नहीं, कोई भी मैटर जो सब जुडिश हो उस पर कोई भी डिसकशन था थर्चा सदन में नहीं हो सकती।

श्री रामकिशन फौजी : अध्यक्ष महोदय, पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला जी यह कहते हैं कि मेरे पारिवारिक संबंध प्रकाश सिंह बादल के साथ हैं। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने हरियाणा में राज

[श्री रामकिशन फौजी]

किया है। हरियाणा के लाखों लोगों का बादल साहब पानी नहीं दे रहे हैं जिसके कारण लाखों लोग हमारे प्यासे मर रहे हैं। पानी न मिलने की वजह से हमारे प्रदेश के बच्चे भूखे मरेंगे। मैं आपके माध्यम से एक बात ओम प्रकाश चौटाला जी से पूछना चाहता हूँ कि क्या लाखों लोगों की हिमायत के लिए एक परिवार से संबंध रखना उन लाखों लोगों को मारने जैसा नहीं है क्या ये उस परिवार से लाखों लोगों की हिमायत के लिए संबंध तोड़ेंगे ? अध्यक्ष महोदय, इनको उस परिवार से संबंध तोड़ना चाहिए और हमारे साथ चलना चाहिए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक है कि 24 मार्च, 1976 को इसका फैसला हुआ था। लेकिन उसके बाद देश में एमरजेंसी लगी। दो साल तक उस नहर को कम्प्लीट किया जा सकता था लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। परिणामस्वरूप आज तक यह मामला लटक गया है। बाद में सर्वोच्च न्यायालय से इस नहर का फैसला करवाने में हमारी सरकार सफल हुई। हमारे समय में ही सर्वोच्च न्यायालय ने पंजाब सरकार को निर्देश दिया कि वह एस०वाई०एल० कैनल को एक साल के अंदर-अंदर बनाएगी।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, ये फिर असत्य कह रहे हैं। मैं फिर आपके माध्यम से हाथ जोड़कर इनसे विग्रम अनुरोध करूंगा कि आपके पीछे जो लिखा हुआ है उसको ये अवश्य पढ़ लें। अध्यक्ष महोदय, जो पहले इनकी सरकार के समय में इस बारे में मुकदमा किया था तो उसके बाद 1981 में जब फिर से इंदिरा गांधी जी प्रधानमंत्री बनी थी तो उन्होंने ट्राईपार्टीट ऐग्रीमेंट करवाया था। इस ऐग्रीमेंट में राजस्थान भी शामिल था, पंजाब भी शामिल था और हरियाणा भी शामिल था। उसके बाद ही हरियाणा को फिर 3.5 एम०ए०एफ० पानी दिया गया था। लेकिन इसके बाद फिर इन्होंने अकाली दल को कहकर मोर्चे लगवाए थे और इस नहर को बनने नहीं दिया था। अध्यक्ष महोदय, जब पंजाब आग की लपटों में झूलस रहा था तो उस समय राजीव गांधी जी ने उन सब बातों को छोड़ते हुए जुलाई, 1985 में राजीव लौंगोवाल समझौता किया था और इराडी कमीशन बनाने का निर्णय किया था। मैं आपके माध्यम से चौटाला साहब से पूछना चाहता हूँ कि क्या यह सच नहीं कि इन्होंने इराडी कमीशन का बायकाट किया था ? अध्यक्ष महोदय, आप इस बात की जांच के लिए एक कमेटी बना दें इस बात की जांच होनी ही चाहिए। क्या यह सच नहीं कि इन्होंने इराडी कमीशन को काले अंडे दिखाए थे और क्या यह सच नहीं कि इन्होंने इराडी कमीशन गो बैक के नारे लगाए थे ? जब हम हरियाणा का केंस लड़ते थे तो ये उसका विरोध करते थे। क्या यह सच नहीं कि कांग्रेस पार्टी की सरकार ने केंस लड़कर 3.5 एम०ए०एफ० पानी इराडी कमीशन से लिया था ? जब जून, 1987 में इनकी सरकार आयी तो ये बताएं कि 1987 से लेकर 1991 तक क्यों इन्होंने हरियाणा के हितों की रक्षा नहीं की जबकि इनके पिता उप-प्रधानमंत्री थे, ये मुख्यमंत्री थे और वर्मा साहब को इनके कहने पर ही पंजाब का राजपाल लगाया गया था ? उस समय ये क्यों शोए हुए थे ? अध्यक्ष महोदय, इस बात की भी जांच होनी चाहिए। आप इस बात के लिए भी एक कमेटी बना दें ताकि सच का सच और झूठ का झूठ सामने आ जाए। क्या यह बात सच नहीं कि हरियाणा में कांग्रेस की सरकार ने एस०वाई०एल० नहर के मामले को लेकर मुकदमा दाखल किया था जिसका निर्णय हमारे हक में आया। चौटाला जी ने एस०वाई०एल० नहर के मुद्दे पर भी राजनीतिक रोटी सेकी और उस पर राजनीतिक रोटी सेक कर उस पर भी वोट बटोरने का काम किया।

श्री आनंद सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, यह जो सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया था वह चौटाला जी के राज में आया था, उसी फैसले को लागू करने की बात आई थी ? जो पहले फैसले हुए थे जैसे इरांडी कमीशन का फैसला था, राजीव लॉगोवाल समझौता हुआ था।

श्री अध्यक्ष : राजीव लॉगोवाल समझौते के विरोध में तो आप भी खड़े हुए थे। उसी गल्ती में हम भी एक बार फंस गए थे।

श्री आनंद सिंह डांगी : सर, यही बात मैं लाना चाहता हूँ। उस बारे में हम सब के सब हरियाणा प्रदेश की जनता के प्रति दोषी हैं। सब के सब पापी हैं। जो पीछे सुप्रीम कोर्ट ने राजीव लॉगोवाल के समझौते को लागू करने के लिए फैसला दिया उस वक्त सारे प्रदेश को संघर्ष में झोंक दिया था। इस संघर्ष में हरियाणा प्रदेश के लोगों की जानें गईं, किसी की टांग टूटी, ट्रैक्टर टूटे। इस हरियाणा प्रदेश का सत्यानाश हुआ और जब उस फैसले की बात आई तो प्रदेश में घी के दीये जलाए जा रहे थे। यदि उस फैसले को उसी वक्त मान लिया जाता और अमल में लाने की कोशिश की जाती तो एस०वाई०एल० नहर का पानी आ जाता। हमेशा इस इशू पर राजनीति होती रही और हमारे जैसे लोग बहकावे में आते गए। जिसका खामियाजा इस हरियाणा प्रदेश को भुगतना पड़ा है। यह आसान बात नहीं है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : यह सबकी जानकारी के लिए एक बहुत ही अहम मुद्दा है। मुख्यमंत्री जी बार-बार एक बात कहते हैं कि राजीव लॉगोवाल समझौता मान लिया जाता तो नहर कभी की बन गई होती।

श्री अध्यक्ष : चौटाला जी, आपको बोलते हुए 53 मिनट हो गए हैं। (विष्णु) आप अगर कंट्रोवर्शियल बात कहोगे तो ऐसा ही होगा। आप विजनरी बात करो आप सुधार की बात करो। कंट्रोवर्शियल बात करोगे तो अगले तो जवाब देंगे।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : मैं तो सुधार की ही बात कह रहा था।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से चौटाला साहब को यह भी याद दिलाना चाहूंगा कि जब वे यहां बैठा करते थे तो उस समय के स्पीकर चौटाला साहब का इशारा देखकर आपको पांच मिनट में ही मार्शल के द्वारा हाउस से बाहर निकलवा दिया करते थे। आपकी फिराखदिली है कि आपने विपक्ष को घंटों का समय दिया है। उस समय अपमान की नज़र से सदस्यों को देखा जाता था। सदस्यों के अधिकारों का हनन किया जाता था। चौटाला जी, कुछ न कुछ खुद में भी सुधार की जरूरत है आप अपने अंतरमन में भी झांक लें।

राजस्व मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से चौटाला साहब से जानना चाहूंगा कि जो इन्होंने अकाली दल को इस चुनाव में सपोर्ट किया वह क्यों किया क्योंकि न तो इनकी पार्टी अकाली दल से है, न ही इनका इनकी पार्टी के साथ अलायंस था तो किस बेसिस पर सपोर्ट किया। पारिवारिक संबंधों के चलते किया तो उसके बारे में इस सदन को बताएं। यह तो सर्व विदित है कि राजीव लॉगोवाल समझौते को इन्होंने अपोज किया और इरांडी ट्रिप्ल्यूमल को भी अपोज किया। इसके लिए इनको हरियाणा प्रदेश की जनता से दो बार हाथ जोड़कर माफ़ी मांगनी चाहिए। इन्होंने उस बादल को भी सपोर्ट किया जिसने सैकड़ों 5 को निरस्त करने की बात कही थी। या फिर ये ऑन रिकार्ड इस हाउस में यह कहें कि मैं बादल साहब से

[कैप्टन अजय सिंह यादव]

आज ही अपने सारे पारिवारिक संबंध तोड़ता हूँ। चौटाला इस प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं इसलिए इस प्रदेश के प्रति इनकी भी जिम्मेदारी बनती है। जिस आदमी ने हरियाणा के हिलों का इतना भारी कुदाराघात करने के लिए सैक्शन 5 तक को निरस्त करने की बात कही हो, इसके लिए इनको हरियाणा की जनता से दो बार हाथ जोड़कर माफी मांगनी चाहिए।

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Speaker : Is it the sense of the House that the time of the sitting be extended for 15 minutes.-

Voices : Yes, Sir.

Mr. Speaker : The time of the sitting is extended for 15 minutes.

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

राजस्व मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : अध्यक्ष महोदय, जिस परिवार ने हमारे प्रदेश के साथ इतना बड़ा भारी आघात किया हो और सैक्शन 5 को निरस्त करने की बात कही हो। उनके बारे में आप क्या सोच सकते हैं। इस केस की 28 मार्च को रैगुलर हीयरिंग शुरू होगी। आज तक इन्होंने उस बात के लिए कोई प्रयास नहीं किया। आज ये जनता से माफी भी मांगे और इसका जवाब जनता के समक्ष भी दें।

प्रो० छत्तर पाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरे विधायक साथी कर्ण सिंह खलाल ने आपसे रुलिंग मांगी थी। हरियाणा प्रदेश के इन्ट्रिस्ट कांग्रेस की सरकार के हाथों में हमेशा से प्रॉटेक्ट रहे हैं। आप इस बारे में रुलिंग दे चुके हैं कि जो मैटर कोर्ट में विचाराधीन है उस पर चर्चा नहीं हो सकती। आप इस बारे में फैसला दे चुके हैं इसलिए इसके ऊपर यहां पर चर्चा नहीं होनी चाहिए।

19.00 बजे श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, राजीव-लॉगोवाल समझौता की क्लाज 9(1) को शायद सरकार ने पढ़ा नहीं है। हमने उस समझौते का विरोध इसलिए किया था क्योंकि उसमें यह लिखा हुआ था।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, जो एस.वाई.एल. नहर से परटेनिंग मामला है वह सब-ज्यूडिश है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं यह बात आपके नोटिस में लाना चाहता हूँ कि

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, मेरे नोटिस में नहीं बल्कि सदन के नोटिस में लाओ क्योंकि आप सदन में बोल रहे हैं।

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : स्पीकर सर, चौटाला साहब यह बात तो मान गये हैं कि इन्होंने राजीव लॉगोवाल समझौते का विरोध किया था।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यह मामला सब-ज्यूडिश कैसे हो सकता है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने तो केवल रैफरेंस दिया है। रैफरेंस भी इस बात के लिए दिया है कि क्या यह मामला संविधान के मुताबिक है या नहीं और जो पंजाब की सरकार ने एक्ट बनाया था उसके बारे में केन्द्र की सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से केवल यह पूछा है कि क्या यह एक्ट संविधान के मुताबिक है या नहीं जबकि सरकार को इस बात का ज्ञान नहीं है कि इस बारे में कोई मामला सर्वोच्च न्यायालय के विधाराधीन नहीं है और न ही कोई मामला लम्बित है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, जब पंजाब सरकार ने टर्मिनेशन ऑफ एक्ट का कानून पास किया उस समय चौटाला साहब इस तरफ बैठा करते थे, ये प्रदेश के मुख्यमंत्री थे और इनकी सरकार उसके बाद भी कई महीने रही। उस समय वर्तमान मुख्यमंत्री जी ने ओम प्रकाश चौटाला जी से कई बार यह मांग की कि आप इस एक्ट के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में चुनौती क्यों नहीं देते। लेकिन चौटाला साहब सरदार प्रकाश सिंह बादल के कहने पर इस मामले पर चुपी साधे रहे।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यह कोई केस नहीं था।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, वर्तमान सरकार बनने के बाद चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, हमारे नहरी मंत्री और बाकी माननीय सदस्य केन्द्रीय सरकार के पास, सरदार मनमोहन सिंह जी के पास गये और उनसे अनुरोध किया कि इस विधेयक को खत्म किया जाए। स्पीकर सर, आपको तो यह मालूम है कि केन्द्रीय सरकार दो प्रान्तों के मामले में कोई दखलअंदाजी नोरमली नहीं करती। परन्तु केन्द्रीय सरकार ने अप्रत्याशित कदम उठाये और धारा 143 का उपयोग किया और एक संवैधानिक खण्डपीठ के पास सरदार मनमोहन सिंह जी और श्रीमती सोनिया गांधी ने मेजा ताकि हरियाणा के हितों पर कोई कुटाराघात न कर सके। परन्तु चौटाला साहब की सरकार इस फैसले के आने के बाद भी साँई पड़ी थी।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, सर्वोच्च न्यायालय में वह जाता है जिसके खिलाफ फैसला हो। फैसला हमारे पक्ष में था। पंजाब की सरकार ने उस नहर को बनाना था। लेकिन उसने नहीं बनाया। उसके बाद केन्द्र की सरकार के सुपुर्द यह मामला किया और केन्द्र की सरकार ने लिखित रूप में इस नहर को बनाने का काम सी.पी.डब्ल्यू.डी. को दिया। यह सरकार सैक्शन 5 की बात करती है हम तो पूरे के पूरे एक्ट के खिलाफ थे। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि क्या ये इस एक्ट के पक्ष में हैं जिसे पंजाब सरकार ने पास किया है।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, सवाल यह था कि जब पंजाब सरकार ने टर्मिनेशन ऑफ एक्ट को पंजाब विधान सभा में पास किया तो आपकी सरकार ने उस एक्ट को चैलेंज क्यों नहीं किया।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, उसको चैलेंज किया गया था। इसके लिए हम तत्कालीन प्रधान मंत्री जी से मिले थे।

श्री अध्यक्ष : सर्वोच्च न्यायालय में चैलेंज नहीं किया गया था।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : वहां पर जाने की हमारी सरकार को आवश्यकता नहीं थी। इसके लिए केन्द्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट में जाना चाहिए था। (विघ्न)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब हरियाणा के हितों को सुरक्षित नहीं रखना चाहते थे इन्हे शर्म आनी चाहिए। आज ये सदन में खड़े होकर एस.आई.एल. नहर के लिए हरियाणा के हितों की बात करते हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इस मामले के लिए केन्द्र की सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय से सिर्फ रिफरेंस मांगा है कि क्या यह संवैधानिक मामला है या नहीं।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, हम और आप जब विपक्ष में बैठते थे तब पूरे विपक्ष ने यह भांग की थी कि इस टर्मिनेशन एक्ट को भिरस्त किया जाए और इस बारे में मामले को सुप्रीम कोर्ट में चैलेंज किया जाए लेकिन चौटाला साहब की सरकार ने इस एक्ट को चैलेंज नहीं किया। वर्तमान सरकार आने के बाद इस एक्ट को चैलेंज किया गया है और केन्द्र की सरकार ने इस बारे में रिफरेंस मांगा है। लेकिन चौटाला साहब ने प्रकाश सिंह बादल के कहने पर जानबूझकर इस मामले को चैलेंज नहीं किया था क्योंकि ये अकालियों से मिले हुए थे, हमेशा इन्होंने हरियाणा के हितों पर कुटाशाबात किया है और इस मामले को लटकया है। यह बात पंजाब के चुनाव में साबित भी हो गई है ये उनसे मिले हुए हैं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर यह है कि आपके द्वारा रूलिंग देने के बाद भी मैं हैरान हूँ कि चौधरी ओमप्रकाश चौटाला जी जो खुद दसवीं कक्षा भी नकल से पास करके आये हैं इनको क्या पता कि कानून क्या होता है और मैटर सब-ज्यूडिश है या नहीं ये किस एथोरिटी से यह मानते हैं कि मैटर सब-ज्यूडिश नहीं है। केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से इस बारे में रिफरेंस मांगा है और सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार की बात को एसेंट भी कर लिया है। ये किस आधार पर यह बात कह रहे हैं इनकी नीयत ठीक नहीं है।

डॉ. सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा साहब, आप अपनी सीट पर जाइये आप दूसरे सदस्य की सीट पर बैठकर कोई बात नहीं पूछ सकते। आप अपनी सीट पर जायें।

डा. सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, आप इस तरह से मुझे धमका नहीं सकते।

Mr. Speaker : Dr. Indora, I warn you आप दूसरे मੈम्बर की सीट पर बैठ कर इस प्रकार की बात नहीं कर सकते। आप अपनी सीट पर जाइये।

डा० सुशील इन्दौरा : स्पीकर सर, मैं भी एक जनता का चुना हुआ मੈम्बर हूँ आप इस प्रकार से मेरे से दुर्व्यवहार नहीं कर सकते।

Mr. Speaker : Dr. Indora, I warn you. I warn you. Dalal Sahib, what is your point of order ?

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है। मैं चौटाला साहब को कहना चाहूंगा कि ये सीनियर मੈम्बर हैं इनको अनर्गल बातें करके सदन को गुमराह नहीं करना चाहिए। एस.वाई.एल. नहर का मामला सुप्रीम कोर्ट में पेंडिंग है और इस बारे में अध्यक्ष महोदय, आपने रूलिंग भी दे दी है फिर भी चौटाला जी कह रहे हैं कि यह मैटर सुप्रीम कोर्ट में पेंडिंग नहीं है। मैं इनको कहना चाहूंगा कि अध्यक्ष महोदय की रूलिंग आने के बाद इस बारे में इनको कोई बात नहीं करनी चाहिए। यदि इनको वाकई में एस०वाई०एल० नहर की ज्यादा धिंता है तो ये अपना वकील करके सुप्रीम कोर्ट में केस लड़ें। अध्यक्ष महोदय, लेकिन हकीकत कुछ और है इनको एस०वाई०एल० नहर से कोई लेना-देना नहीं है ये तो सिर्फ एस०वाई०एल० नहर के नाम पर राजनैतिक रोटियां सेकते हैं। ये अब भी बादल के घर जाते हैं और वहीं पर रोटियां खाते हैं। यदि ये एस०वाई०एल० नहर के हक में होते तो जिस दिन बादल ने यह घोषणा की थी कि पंजाब

टर्मिनल एक्ट का सेशन-5 डिलिट करेंगे उसी दिन इनको कहना चाहिए था कि बादल साहब यदि आप ऐसा करोगे तो हरियाणा के किसानों के पानी के हिस्से मारे जायेंगे और मैं आपसे बात तक नहीं करूंगा। लेकिन इन्होंने ऐसा नहीं किया। ये आज भी उनके घर रोटी खाते हैं।

प्रो० छत्तर पाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, दो साल से चौटाला साहब सदन में नहीं आये थे तब तक इनके साथी सदन में अच्छा आचरण करते थे और कई दफा अच्छी बातें भी करते थे। अब चौटाला साहब के सदन में आने पर ये लोग सदन को राजनीति का अखाड़ा बनाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि ये लोग उस अखाड़े में अपनी राजनैतिक रोटियां सेक सकें। अध्यक्ष महोदय, मैं चौटाला साहब को आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि इनको पंजाब से थोड़ी सीख लेनी चाहिए। प्रकाश सिंह बादल ने पंजाब के हितों के लिए पानी के एक्ट को रद्द करने के लिए वहाँ की कांग्रेस सरकार का साथ दिया था लेकिन आज बड़े शर्म की बात है कि चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की कांग्रेस पार्टी की सरकार हरियाणा के लोगों को न्याय दिलवाना चाहती है और अपोजीशन के साथी कोपरेट नहीं करना चाहते और अपनी राजनैतिक रोटियां सेकने पर लगे हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, जिस मैटर पर आपने सबजूडिस की रूनिंग दे दी है उस ईशू को ये कन्टीयूसली दोहरा रहे हैं। हरियाणा की जनता अपोजीशन के इस तरह के व्यवहार के लिए कभी इन्हें माफ नहीं करेगी और इनके इस तरह के व्यवहार के लिए हर तरफ इनकी सेम-सेम होगी। अध्यक्ष महोदय, एस०वाई०एल० कैनाल के मैटर पर आपकी रूनिंग आ चुकी फिर भी ये उसको क्यों दोहरा रहे हैं। कम से कम इनको उस घर से तो सीख लेनी चाहिए जिसमें ये रहते हैं और मुफ्त में रोटियां खाते हैं। वे अपने हितों की रक्षा के लिए कहां-कहां तक चले जाते हैं इस बारे में इनको उनसे सीख लेनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, क्या ये लोग हरियाणा के हितों के लिए आपकी रूनिंग को नहीं मान सकते। यदि ये इस मैटर पर सरकार का साथ नहीं देना चाहते थे तो ये जो वाक आऊट की प्रथा है उसको पूरा करके धले जाते लेकिन ये इस तरह से प्रदेश की जनता के हितों की अवहेलना तो न करें।

श्री अमीरचन्द मक्कड़ : अध्यक्ष महोदय, मेरा भी प्वाइंट ऑफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, सदन में हम सभी सच बोलने के लिए आते हैं और आपकी शीट के पीछे ऐसा लिखा भी हुआ है। लेकिन बड़ी हैरानी की बात है कि चौटाला साहब ने आज यहाँ पर जितनी भी बातें कहीं हैं उनमें से किसी एक बात में भी सच्चाई नहीं है। अध्यक्ष महोदय, हमारा फर्ज बनता है कि हम जनता को गुमराह न करें। क्या विपक्ष के साथी भूल गये हैं कि इन्होंने किस तरह से राजीव-लॉगोवाल के समझौते को लागू न करने के लिए प्रदेश की जनता को गुमराह किया और दिल्ली तक पैदल मार्च किया। यदि उस समय ये राजीव-लॉगोवाल समझौते का विरोध नहीं करते तो हरियाणा को कब का उसके हिस्से का पानी मिल गया होता। अध्यक्ष महोदय, इन लोगों ने हमेशा जनता को कभी बिजली के बिलों की माफी के नाम पर, कभी कर्ज की माफी के नाम पर बहकाया है और कुछ नहीं किया। ये लोग किसानों को कहते थे कि तुम्हारे बिजली के बिल माफ होंगे। उसके बाद बिजली मुफ्त दी जायेगी। न मीटर होगा, न बिल होगा और न मीटर रीडर होगा। ये लोग हमेशा इस तरह की बातें करते आये हैं और किसानों को मोलियों से भुनवाया है और उनको मुआवजा भी नहीं दिया। अब हुड्डा साहब ने उन किसानों को जो चौटाला राज में कण्डेला कांड और दूसरे काण्डों में मारे गये थे उनके आशितों को मुआवजा दिया है और परिवार के एक-एक सदस्य को नौकरी दी है। अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब किस मुंह से बात करते हैं कि इन्होंने किसानों की सेवा की है। इन्होंने तो किसानों को बहकाया है, सेवा नहीं की है।

श्री रामकिशन फौजी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूँ कि वे पंजाब में कैप्टन अमरेन्द्र सिंह के चुनाव प्रचार में गये वहाँ पर कैप्टन साहब ने इनको तलवार भेंट की तो इन्होंने कहा कि आपके खिलाफ तो तलवार नहीं उठाऊंगा लेकिन एस०वाई०एल० नहर के पानी के लिए इसका यूज जरूर करूंगा। मैं आपके माध्यम से माननीय ओमप्रकाश चौटाला जी से पूछना चाहता हूँ कि वे भी श्री प्रकाश सिंह बादल के इलैक्शन में जाते थे और तलवार इनको भी भेंट की गई थी। क्या ये बतायेंगे कि इन्होंने भी क्या इस तरह का बयान दिया है।

Mr. Speaker : Chaudhary Sahib, please conclude your speech, Resume the discussion on the Governor's Address.

श्री ओमप्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, जिस राजीव लॉगोवाल समझौते का जिक्र किया गया है वह दो पार्टियों के बीच का समझौता था। वो कोई सरकारी समझौता नहीं था। एक अकाली दल और एक कांग्रेस पार्टी के बीच में समझौता था। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, यह बात भी असत्य है, जब वे कोई बात दीक से कहते ही नहीं तो हमें बीच में बोलना तो पड़ेगा ही। स्पीकर सर, देश के प्रधानमंत्री के साथ यह समझौता हुआ था। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, आप दो साल में पहली बार हाउस में आये हो। आपके हल्के की भी कुछ समस्याएं होंगी आप उनको उठाईये, आप उन पर बात करिये ताकि उनका समाधान हो सके।

श्री ओमप्रकाश चौटाला : मेरे हल्के की कोई समस्या नहीं है मैं तो हरियाणा प्रदेश की बात करूंगा। मेरे सामने प्रदेश का हित है और मैं प्रदेश के हित की बात करना चाहता हूँ। आप मुझे समय दीजिए मैं ऐसे कैसे बैठ जाऊँ। (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप अपनी स्पीच को कनकलूड कीजिए।

श्री ओमप्रकाश चौटाला : मैं कनकलूड करूंगा लेकिन आप इनको रोकिये तो सही। जुलाई, 1985 में जो समझौता हुआ वो दो पार्टियों का समझौता था और उस समझौते के मुताबिक हरियाणा प्रदेश * * * * * (शोर एवं विघ्न)

Mr. Speaker : Nothing to be recorded.

श्री ओमप्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय * * * * *

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, इस ध्यान से इनके जो काले कारनामे हैं वो नहीं छिपने वाले। सर, यह देश के प्रधानमंत्री श्री राजीव गाँधी और सन्त हरधरण सिंह लॉगोवाल के बीच में किया गया समझौता था जिस पर देश की संसद ने सर्वसम्मति से मंजूरी लगाई। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, ये बता रहे हैं कि इस समझौते पर देश की संसद ने मंजूरी लगाई थी। यह मामला सबजूडिस है। (विघ्न)

श्री रामकुमार गौतम : स्पीकर सर, मुझे तो बहुत अफसोस के साथ कहना पड़ता है जिन लोगों का हरियाणा से कुछ लेना देना नहीं जिनका धन्या ही लूट खसोट करना है वे इस तरह की

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

बातें करते हैं। मैं रिकॉर्ड की बात करना चाहता हूँ कि जब ये भावर में थे तो उस समय एक सड़क बन रही थी चण्डीगढ़ से दिल्ली। इन्होंने वो सड़क रुकवा दी और ठेकेदार को कहने लगे कि मेरे हिस्से के रुपये लाओ। ठेकेदार ने कहा कि हमारी तो सैन्टर से डिजिनिंग है हम जो कुछ भी करते हैं वहीं पर करते हैं। चौटाला साहब कहने लगे कि नहीं यह सड़क मेरी स्टेट में बन रही है अगर सड़क बनाओगे तो रुपये देकर और इस कारण वह सड़क कई साल तक रुकी रही। उसके बाद फिर कई गुणा पैसे से वो सड़क पूरी हुई और जहाँ तक इनकी पार्टी के बाकी भाईयों का सवाल है ये सारे अच्छे लोग हैं इन बेचारों को मैं कहा करता हूँ मोहम्मद गौरी और मोहम्मद राजनवी जब अटैक करते थे इंडिया पर तो राजपूत भाई गोंय पर इत्थिथार नहीं उठाते थे। तो वे इनके आगे गोंयों का च्योणा छोड़ देते थे और राजपूत भाई गोंयों पर तलवार नहीं उठाते थे और बेचारे हार जाते थे। ये जो भाई हैं ये तो मोहम्मद गौरी की गावड़ी हैं बेचारे। ईमानदारी से कहता हूँ कि जब चौटाला साहब का राज था तब भी ये अपने एम०एल०एज० को नहीं पूछते थे। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, आपका एक मिनट रह गया है, आपको बोलते हुए डेढ़ घण्टा हो गया है। आप 5.47 पर खड़े हुए थे। (विघ्न)

श्री ओमप्रकाश चौटाला : सर, मुझे बहुत अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि

श्री अध्यक्ष : आप अगर ऐसी कंट्रोवर्सियल बात करेंगे तो कैसे काम चलेगा। सदन का हर आदमी अपनी बात कहने का इच्छुक है।

श्री ओमप्रकाश चौटाला : आप अपनी कुर्सी की गरिमा का तो ख्याल करिये।

श्री अध्यक्ष : कुर्सी की गरिमा का हमें पुरा ख्याल है। मैं आपकी तरह अनर्गल बात नहीं करूँगा। जिस तरह से आप अनर्गल बातें करते हैं, हम वैसी बातें नहीं करेंगे। (व्यवधान)

श्री ओमप्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने ही नहीं दिया, आप मुझे सुनना ही नहीं चाहते।

श्री अध्यक्ष : आप अगर इस तरह से अनर्गल बातें करेंगे तो उसका जवाब सरकार देगी। (विघ्न)

श्री ओमप्रकाश चौटाला : यह कोई तरीका नहीं है। इस तरह से अच्छा नहीं लगता। मैं भी सदन का सम्मानित सदस्य हूँ। ठीक है, आप हाउस के कस्टोडियन हैं लेकिन आप मुझे बोलने से नहीं रोक सकते, सदन में इस तरह से नहीं चलेगा। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप अनर्गल बातें करते हो। मैं आपकी बदौलत नहीं हूँ। Your time has finished.

Now, the House is adjourned till 9.30 a.m. tomorrow, the 13th March 2007.

19.15 Hrs. (The Sabha then *adjourned till 9.30 a.m.

Tuesday, the 13th March, 2007)

